वार्षिक रिपोर्ट
2018-19

स्वामी विवेकानन्द राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय,

दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, भारत सरकार

ओलटपुर, पोस्ट - बाइरोई, जिला - कटक, ओड़िशा - 754 010
ई-मेल : nirtar@nic.in / svnirtar@gmail.com
वेबसाईट : http://www.svnirtar.nic.in

विषय सूची

	विषय	पृष्ठ सं.
•	**सारांश**	01
•	संगठन चार्ट	05
अध्याय		
1.	संस्थान के संबंध में	06
2.	अनुसंधान एवं विकास	17
3.	भौतिक औषधि एवं पुनर्वास विभाग	35
4.	प्रोस्थेटिक्स एवं ऑर्थोटिक्स विभाग	45
5.	भौतिक चिकित्सा विभाग	53
6.	व्यावसायिक चिकित्सा विभाग	61
7.	मनोविज्ञान विभाग	69
8.	समाज कार्य विभाग	72
9.	वाक् एवं श्रवण विभाग	83
10.	विस्तार एवं बाह्य पहुंच सेवायें	87
11.	पुस्तकालय विभाग एवं सूचना केंद्र	89
12.	भिन्नक्षमों के लिए सहायता (एडीप) योजना	91
13.	प्रशासन विभाग	94
14.	लेखा एवं वित्त विभाग	103
15.	मानव संसाधन विकास (शैक्षिक विभाग)	107
16.	संयुक्त क्षेत्रीय केंद्र (सी.आर.सी.), गुवाहाटी, असम	114
17.	सी.आर.सी., राजनंदगांव	118
18.	सी.आर.सी., बलांगीर	121
19.	सी.एस.आर. गतिविधियां	125
20.	भिन्नक्षम अधिकार अधिनियम (आर.पी.डब्ल्यू.डी.) - 2016	127
परिशिष्ट		
क.	सामान्य परिषद के सदस्य (2018-19)	130
ख.	कार्यकारी परिषद के सदस्य (2018-19)	132
ग.	वार्षिक लेखा एवं लेखापरीक्षा रिपोर्ट	133

❑❑❑

सारांश

सन् 1975 में संस्थान को समुदाय आधारित पुनर्वास एवं मानव संसाधन विकास की आवश्यकताओं को देखते हुए भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को), कानपुर की एक सहायक इकाई, राष्ट्रीय प्रोस्थेटिक एवं ऑर्थोटिक प्रशिक्षण संस्थान (निपोट) के रूप में प्रारम्भ किया गया था । फरवरी 1984 में सोसाईटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के अंतर्गत इस संस्थान को सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के तत्त्वावधान के अन्तर्गत एक स्वायत निकाय के रूप में लाया गया । इस का नाम निपोट से बदलकर निरतार (1984) एवं बाद में एसवीनिरतार (2004) कर दिया गया ।

1. उद्देश्य

संस्थान के मुख्य लक्ष्य एवं उद्देश्य निम्न प्रकार हैं :

- जनशक्ति विकास – दिव्यांगजनों के लिए कार्य कर रहे डॉक्टरों, अभियंताओं, प्रोस्थेटिस्ट्स, आर्थोटिस्ट्स, भौतिक चिकित्सकों, व्यावसायिक चिकित्सकों , बहुउद्देशीय पुनर्वास कार्यकर्ताओं और इसी प्रकार के दूसरे कार्मिकों को दीर्घकालीन, अल्पकालीन पाठ्यक्रम का प्रशिक्षण देना।
- डिजाइनकृत सहायक यंत्र और उपकरणों के मूल नमूनों का विकास, वितरण और रियायती निर्माण । चलन संबंधी दिव्यांगता के क्षेत्र में सेवा मुहैया कार्यक्रमों के मॉडेल का विकास करना।
- दिव्यांगजनों के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण चलाना, रोजगार में लगाने और पुनर्वास के लिए कार्यक्रम प्रायोजित करना ।
- भारत एवं विदेशों में दिव्यांगता एवं पुनर्वास संबंधी सूचनाओं का संकलन तथा प्रचार - प्रसार करना।
- अनुसंधान - दिव्यांगजनों के प्रयोग में आनेवाले उपयंत्रों के प्रभावी मूल्यांकन के लिए जैव चिकित्सकीय अभियांत्रिकी क्षेत्र में उपयुक्त शल्य चिकित्सा, आयुर्विज्ञान विधि अथवा नवीन सहायक उपयंत्रों के विकास हेतु अनुसंधान प्रायोजित करना, समन्वय करना ।
- विस्तार एवं बाह्य पहुंच सेवायें।

2. जनशक्ति प्रशिक्षण

1. इस अवधि के दौरान संस्थान द्वारा निम्नलिखित पाठ्यक्रम संचालित किये गए । 62 विद्यार्थियों की प्रवेश क्षमता सहित भौतिक चिकित्सा में स्नातक (बी.पी.टी.) के लिए साढे 4 वर्ष का डिग्री पाठ्यक्रम, 62 विद्यार्थियों की प्रवेश क्षमता सहित व्यावसायिक चिकित्सा में स्नातक (बी.ओ.टी.) के लिए साढे 4 वर्ष का डिग्री पाठ्यक्रम, 46 विद्यार्थियों की प्रवेश क्षमता सहित प्रोस्थेटिक्स एवं ऑर्थोटिक्स में स्नातक (बी.पी.ओ.) के लिए साढे 4 वर्ष का डिग्री पाठ्यक्रम । स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम — 15 विद्यार्थियों

की प्रवेश क्षमता सहित भौतिक चिकित्सा में स्नातकोत्तर (एम.पी.टी.) के लिए 2 वर्ष का स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम, 15 विद्यार्थियों की प्रवेश क्षमता सहित व्यावसायिक चिकित्सा में स्नातकोत्तर (एम.ओ.टी.) के लिए 2 वर्ष का स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम, 10 विद्यार्थियों की प्रवेश क्षमता सहित प्रोस्थेटिक्स एवं ऑर्थोटिक्स में स्नातकोत्तर (एम.पी.ओ.) के लिए 2 वर्ष का स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम एवं 2 डी.एन.बी. (पी.एम.आर.) विद्यार्थी ।

अल्पावधि पाठ्यक्रम —

सरकारी एवं गैर-सरकारी संगठनों में कार्यरत अधिकारियों के अभिमुखीकरण एवं पुनर्वास तथा संबंधित संव्यवसायिकों के ज्ञान के अद्यतन के लिए संस्थान अल्पावधि अभिमुखीकरण पाठ्यक्रम (एस.ओ.सी.), सतत मेडिकल शिक्षा (सी.एम.ई.) पाठ्यक्रम, सतत पुनर्वास शिक्षा कार्यक्रम (सी.आर.ई.), सतत ओ.टी. शिक्षा कार्यक्रम (सी.ओ.टी.ई.), कार्यशाला, संगोष्ठी आदि का संचालन करता आ रहा है । इस वर्ष के दौरान 20 ऐसे पाठ्यक्रम संचालित किये गए एवं 830 प्रतिभागियों ने इन पाठ्यक्रमों में भाग लिया ।

3. पुनर्वास सेवा विभाग

- भौतिक औषधी एवं पुनर्वास विभाग में मेडिकल पुनर्वास के लिए 100 शय्या वाला एक अस्पताल है जो शिक्षण एवं अनुसंधान के लिए नैदानिक सामग्री भी उपलब्ध कराता है । विभिन्न बीमारियों जैसे प्रमस्तिष्क अंगघात, जन्मजात विकार, अम्प्यूटिस्, घात, मेरुदण्ड क्षति, कुष्ठ, पोलियो आदि एवं वाक् व श्रवण विकार से संबंधित गति विष्यक दिव्यांगता के कारण चलन संबंधित / ऑर्थोपेडिक दिव्यांगता से ग्रस्त रोगियों का उपचार एवं पुनर्वास कराया जाता है एवं नियमित तौर पर पुनर्रचनात्मक, सुधारात्मक एवं पुनर्वास शल्यचिकित्सा भी निष्पादित किए जाते हैं ।
- संस्थान का भौतिक चिकित्सा विभाग भारत के सर्वपुरातन भौतिक चिकित्सा विभाग में से एक है । संस्थान के भौतिक चिकित्सा विभाग मॅस्कूलोस्कलिटॅल इकाई (मैनुॲल थेरापी एवं ट्रेक्शॅन, बैद्युतिक - चिकित्सा एवं ताप चिकित्सा एवं एक्टीनो - थेरापी), बाल रोग इकाई, स्नायू पुनर्वास इकाई, घात एवं मस्तिष्क क्षति इकाई, हाइड्रो थेरापी इकाई एवं अनुसंधान इकाई शामिल है । विभाग भौतिक चिकित्सा में स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है ।
- व्यावसायिक चिकित्सा विभाग में दो प्रमुख अंग है : शैक्षणिक गतिविधियां एवं नैदानिक गतिविधियां। शैक्षणिक गतिविधियां में दो दीर्घावधि पाठ्यक्रम (पूर्व - स्नातक एवं स्नातकोत्तर) एवं कई अल्पावधि कार्यक्रम शामिल है । नैदानिक गतिविधियों में विभिन्न प्रकार के रोगियों का मूल्यांकन, योजना बनाना एवं उन्हें व्यावसायिक चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराना शामिल है ।
- प्रोस्थेटिक एवं ऑर्थोटिक विभाग संस्थान के सबसे पुराना विभाग है, जहां से एक समय में संस्थान का जन्म हुआ । प्रोस्थेटिक एवं ऑर्थोटिक चलन संबंधी पुनर्वास में महत्त्वपूर्ण प्रमुख क्षेत्र है एवं इसमें दिव्यांगजनों के लाभार्थ प्रोद्योगिकी के विकास के लिए विकास कार्यक्रम एवं समुचित समयानुसार अनुसंधान जारी है ।

- मनोविज्ञान विभाग चिकित्सा क्षेत्र में एक ऐसी शाखा है जो रोगियों के मनो-सामाजिक व्यवहार से जुड़ा है जिसमें अंगीकरण, समायोजन एवं व्यक्तिगत विकास को बढ़ावा दिया जाता है तथा पुनर्वास के विभिन्न स्तर पर रोगियों के बौद्धिक, भाबुकता, सामाजिक एवं व्यवहारिक पक्ष पर भी ध्यान दिया जाता है ।
- परिवर्तित परिदृश्य के आधार पर दिव्यांगजनों के पुनर्वास में समाज कार्य के महत्त्व एवं आवश्यकता को पहचानते हुए वर्ष 2012 में समाज कार्य विभाग का सृजन किया गया एवं यह विभाग दिव्यांगजनों को आर्थिक रूप से स्वतंत्र बनाने के उद्देश्य से समाज सेवाएं, व्यावसायिक परामर्श एवं मार्गदर्शन उपलब्ध कराने में अपना प्रयास जारी रखा है ।
- वाक् एवं श्रवण विभाग का भी वर्ष 2012 में सृजन किया गया । इसमें भाषा पुनर्वास सेवाएं प्रदान किए जाते हैं जिसमें चलन संबंधी दिव्यांगता के मामलों में अथवा अन्य मामलों में बाक् एवं भाषा बाधितों का मूल्यांकन शामिल है एवं उन्हें संस्थान में वाक् चिकित्सा प्रदान किया जाता है ।

4. पुनर्वास संबंधी सहायक यंत्र एवं उपकरण

दिव्यांगता के काण, कमजोर अंगों में विकार में सुधार एवं निवारण, अबलम्बन उपलब्ध कराना, रचाए हुए अंग लगाना आदि सेवाओं के लिए पुनर्वास संबंधी सहायक यंत्र एवं उपकरण उपलब्ध कराये जाते हैं । इससे दिव्यांगजनों को अपने दैनदिंन कार्य संचालन में मदद् मिलती है । वर्ष 2018-19 के दौरान 3599 पुनर्वास संबंधी सहायक यंत्र एवं उपकरण लगवाए / प्रदान किए गए ।

5. विस्तार एवं बाह्य पहुंच सेवाएं

संस्थान ढ़ेंकानाल , कटक एवं भुवनेश्वर में अपने 03 उप-केन्द्रों पर दिव्यांगजनों को पुनर्वास सेवाएं (भौतिक चिकित्सा एवं व्यावसायिक चिकित्सा) उपलब्ध करा रहा है । ग्रामीण, जनजातिय, सुदूर, अगम्य एवं अंतरिक क्षेत्रों में दिव्यांग व्यक्तियों को पुनर्वास सेवाएं पहुंचाने के लिए संस्थान जिला प्राधिकारी एवं गैर सरकारी संगठनों के सहयोग से पुनर्वास शिविर के माध्यम से सहायक यन्त्र एवं उपकरण उपलब्ध करा रहा है। वर्ष के दौरान 16 मूल्यांकन / आबंटन शिविरों पर 656 लाभार्थियों को 914 सहायक यन्त्र एवं उपकरण वितरित किए गए । वर्ष के दौरान 05 शल्यक्रिया शिविरों पर 147 शल्योपचार कराए गए ।

दिव्यांगजनों के लिए समेकित क्षेत्रीय केन्द्र (सी.आर.सी.), की स्थापना किया गया है । संस्थान द्वारा सी.आर.सी. को तकनीकी एवं जनशक्ति समर्थन उपलब्ध कराया जा रहा है । गुवाहाटी, असम में दिव्यांगजनों को व्यापक पुनर्वास सेवाएं एवं मानव संसाधन विकास मुहैया कराने के उद्देश्य से (सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा स्थापित पांच केन्द्रों में से एक केन्द्र) यहां पर है ।

समेकित क्षेत्रीय केन्द्र (सी.आर.सी.) राजनंदगांव, स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुनर्वास, प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (एसवीनिरतार), ओड़िशा का एक विस्तार रूप है । 25 जुन 2016 को इंसकी स्थापना किया गया । एक ही छत के नीचे विभिन्न एवं विविध दिव्यांगता के लिए सेवा प्रदान करने के लिए इसकी स्थापना किया गया । राजनंदगांव के पुराने अस्पताल परिसर में स्थित यह केन्द्र सभी प्रकार के दिव्यांगता के लिए पुनर्वास एवं शैक्षणिक सेवा उपलब्ध करने के लिए संपूर्णत: संपन्न एवं कार्यक्षम है ।

एसवीनिरतार सटेलाईट केन्द्र, बलांगीर दिनांक 15.08.2015 से 21.05.2018 तक सी.डी.एम.ओ. कार्यालय, बलांगीर के पास स्थित पुराने अस्थायी भवन पर कार्य करना शुरु किया । दिनांक 21.05.2018 को केन्द्रीय विद्यालय, बलांगीर, शास्त्रीनगर में माननीय डॉ. थावर चंद गेहेलोत, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री एवं श्री धर्मेन्द्र प्रधान, माननीय प्राकृतिक गैस मंत्री जी द्वारा एसवीनिरतार सटेलाईट केन्द्र, बलांगीर के नए भवन का उद्घाटन हुआ एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के निदेशानुसार सटेलाईट केन्द्र, बलांगीर को दिनांक 31.05.2018 से समेकित क्षेत्रीय केन्द्र में उन्नयन किया गया ।

6. पुस्तकालय एवं सूचना केन्द्र

संस्थान पुस्तकालय, सूचना एवं प्रलेखन केन्द्र के तहत सूचना प्रबंधन एवं प्रचार - प्रसार पर विभिन्न गतिविधियां चलाता आ रहा है । संस्थान के केन्द्रीय पुस्तकालय में कुल 8,393 नवनीतम पुस्तकें एवं कई रिपोर्ट, पुन: मुद्रण आदि का संग्रह है । संस्थान के हिन्दी पुस्तकालय में स्टाफ, दिव्यांगजनों एवं उनका देख - रेख करने वालों के लिए 231 पुस्तकें उपलब्ध हैं । संस्थान अक्तूबर 2005 में कार्यान्वित सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत सूचना उपलब्ध कराना जारी रखा है । वर्ष 2016 से संस्थान ने पुस्तकालय विभाग के लिए ऑनलाईन संसाधन पैकेज़ की सदस्यता ली ।

7. अनुसंधान, विकास एवं उपलब्धियां

विभिन्न विभाग के 35 अनुसंधान परियोजना संपूर्ण हुए । संस्थान के स्थाफ एवं विद्यार्थियों ने विभिन्न जर्नलों में (07 राष्ट्रीय जर्नल एवं 09 अंतराष्ट्रीय जर्नल) 33 वैज्ञानिक एवं तकनीकी लेख - पत्र एवं 16 लेख प्रकाशित किए ।

- श्री सुब्रत कुमार हलदर, वरिष्ठ व्यावसायिक चिकित्सक सह कनिष्ठ प्राध्यापक को दिव्यांगजनों के जीवन सुधारने के उद्देश्य से प्रस्तुत किया गया सर्वश्रेष्ठ नए लागत प्रभावी उत्पाद के विकास के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार - 2018 से सम्मानित किया गया । दि.03 दिसम्बर 2018 को श्री सुब्रत कुमार हलदर को यह सम्मान संसद हॉल (प्रमुख), विज्ञान भवन, नई दिल्ली में भारत के सम्माननीय उप राष्ट्रपति द्वारा प्रदान किया गया । उन्हें दि.08 फरवरी 2019 को चंडिगढ़ में आयोजित ए.आई.ओ.टी.ए. के वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ संव्यावसायिक पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया । सुश्री अभिप्सा पात्र, बी.ओ.टी. विद्यार्थी को दि.08 फरवरी 2019 को चंडिगढ़ में संपन्न ए.आई.ओ.टी.ए. के वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ प्रतिनिधि पुरस्कार प्राप्त हुआ ।

8. परीक्षित लेखा

वर्ष 2018-19 के लिए संस्थान की लेखा का लेखापरीक्षा महालेखाकार (सिविल लेखापरीक्षा) ओड़िशा, भुवनेश्वर द्वारा किया गया । लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र दर्शाता है कि लेखा एवं तुलन पत्र सही रूप से तैयार किए गए हैं ताकि व्यय का एक सच्चा एवं निष्पक्ष विचार दर्शाया जा सके ।

❑❑❑

एसवीनिरतार संगठन चार्ट

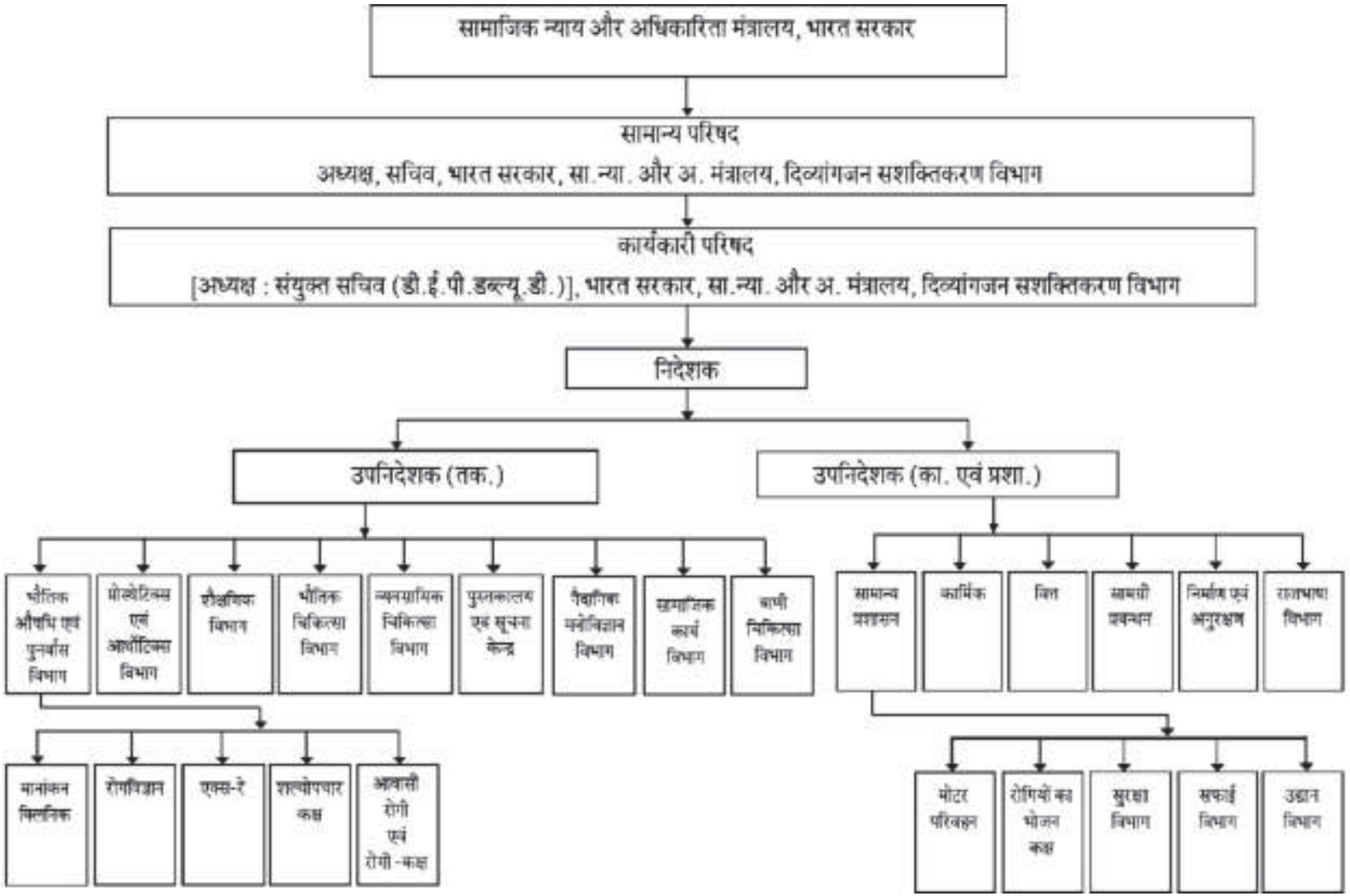

अध्याय - 1

संस्थान के संबंध में

1.1 प्रस्तावना

1.1.1 दिव्यांगता — दिव्यांगता क्या है ? यथार्थ – रूप से यह शब्द हमारे दिमाग में मौजुद है । चलो हमारे अभिवृत्ति में परिवर्तन लाएं एवं दूसरों के चिन्ताधारा में भी । तदनुरूप अनुचित एवं अदृष्ट प्रतिकूल साधन को समाप्त करने का संकल्प लें । दिव्यांगजनों के लिए हमारे मस्तिष्क एवं सभी द्वार उन्मुक्त करें । वाणी, लेखन एवं फिल्मस् में पुनरावृति – तीन शब्द — दिव्यांगता, समानता एवं स्वतंत्रता । उन्हें सुनो, सेवा करों, उनके साथ कार्य करों, उने साथ घुमों-फिरों, दुकानदारी करें । दिव्यांगजनों के प्रति हमारा आसन्न भौतिक परिवेश हमारे सुझबुझ एवं संवेदनशीलता में प्रतिफलित होगी । दिव्यांगत उन व्यक्ति विशेषों के लिए प्रतिकूल परिस्थिति है जो इसे सहन करते हैं । साथ ही यह विश्व के किसी भी भाग में उन व्यक्ति समुहों के लिए भी एक बडी क्षति है , जो दिव्यांगजनों के लिए एक सही मुकाम प्रदान करने में अभी भी असमर्थ है । देश के दिव्यांगजनों की संख्या में वर्ष 2001 एवं 2011 के जनगणना के बीच 22.4% की वृद्धि हुई है । जो वर्ष 2001 में 2.19 करोड से वर्ष 2011 में 2.68 करोड में पहुंच गई । बडी संख्या में दिव्यांगजनों को उनके जागरूकता एवं इच्छाशक्ति के अभाव के कारण अपने अधिकारों से वंचित रखा जाता है । सरकार के सामने सबसे बडी चुनौती है — दिव्यांगजनों के लिए सुगम्यता की प्राप्ति, प्रवेश एवं अधिकारिता । यह अनुमान है कि विश्व की 10% आबादी में किसी न किसी प्रकार की भिन्नक्षमता है । 2011 की जनगणना के अनुसार, (20.3%) व्यक्ति चलन संबंधी भिन्नक्षमता ग्रस्त हैं । साथ ही (18.9%) भिन्नक्षम व्यक्ति श्रवण वाघित हैं तथा लगभग (5.6%) लोग मानसिक तौर पर अशक्त हैं । सड़क यातायात दुर्घटनाओं, औद्योगीकरण, शहरीकरण, प्राकृतिक आपदा, वयसाधिक्य, आबादी के कारण भिन्नक्षम आबादी में बढ़ोत्तरी हो रही है । केन्द्र एवं राज्य सरकारों, गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा भिन्नक्षमता की रोकथाम, सचेतनता का निर्माण तथा भिन्नक्षम व्यक्तियों (दिव्यांगजन) के लिए चिकित्सकीय एवं सामाजिक पुनर्वास मुहैया कराने के सतत प्रयास आदि हैं । शारीरिक रूप से भिन्नक्षम समाज के अभिन्न अंग हैं । उन्हें किसी भी प्रकार की वाधा जैसे वातावरणीय अथवा मनोवृत्ति संबंधी रुकावटों का सामना नहीं करना चाहिए । वे असमर्थ, अनुपयुक्त, दया के पात्र, अस्वस्थ, निर्भरशील या रोजगार के लिए अयोग्य, हीन, दया पर निर्भर बेरोजगार नहीं हैं । वे अन्य किसी सामान्य मनुष्य के समान हैं, जिसमें सम्मान है, जो स्वतंत्रता आकांक्षी हैं और उन सभी समाजिक गतिविधियों में समान रूप से भाग लेना चाहते हैं ।

1.1.2 पिछले चालीस वर्षों से स्वामी विवेकानन्द राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (स्वा.

वि. निरतार), ओड़िशा के कटक जिले के ओलटपुर में (भुवनेश्वर एवं कटक से 29 किलोमीटर दूर स्थित है) भिन्नक्षम जनों की सेवा करता आ रहा है । सन् 1975 में इसे भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को), कानपुर की एक सहायक इकाई, राष्ट्रीय प्रोस्थेटिक एवं ऑर्थोटिक प्रशिक्षण संस्थान (निपोट) के रूप में प्रारम्भ किया गया था । बाद में 22 फरवरी 1984 में निपोट को समुदाय आधारित पुनर्वास एवं मानव संसाधन विकास की आवश्यकताओं को देखते हुए सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार (तत्कालीन कल्याण मंत्रालय) के अन्तर्गत लाया गया । तब से यह मंत्रालय के प्रशासनाधीन एक स्वायत निकाय है । इस का नाम निपोट से बदलकर निरतार (1984) एवं बाद में स्वा.वी.निरतार (2004) कर दिया गया । यह संस्थान भिन्नक्षम जनों को सम्पूर्ण पुनर्वास सेवा मुहैया कराने में देश के शीर्षस्थ संस्थानों में से एक हैं ।

1.2 लक्ष्य एवं उद्देश्य :

1.2.1 संस्थान के मुख्य लक्ष्य एवं उद्देश्य निम्न प्रकार हैं :

(i) मानव संसाधन विकास – शारीरिक रूप से भिन्नक्षम के लिए कार्य कर रहे डॉक्टरों, अभियंताओं, प्रोस्थेटिस्ट्स, आर्थोटिस्ट्स, भौतिक चिकित्सकों, व्यावसायिक चिकित्सकों , बहुउद्देशीय पुनर्वास कार्यकर्ताओं और इसी प्रकार के दूसरे कार्मिकों को दीर्घकालीन, अल्पकालीन पाठ्यक्रम का प्रशिक्षण देना ।

(ii) डिजाइनकृत सहायक यंत्र और उपकरणों के मूल नमूनों का विकास, वितरण और रियायती निर्माण ।

(iii) चलन संबंधी विकलांगता के क्षेत्र में सेवा मुहैया कार्यक्रमों के मॉडेल का विकास करना ।

(iv) शारीरिक रूप से भिन्नक्षम लोगों के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण चलाना, रोजगार में लगाने और पुनर्वास के लिए कार्यक्रम प्रायोजित करना ।

(v) भारत एवं विदेशों में भिन्नक्षमता एवं पुनर्वास संबंधी सूचनाओं का संकलन तथा प्रचार - प्रसार करना ।

(vi) अनुसंधान - शारीरिक रूप से भिन्नक्षम व्यक्तियों के प्रयोग में आनेवाले उपयंत्रों के प्रभावी मूल्यांकन के लिए जैव चिकित्सकीय अभियांत्रिकी क्षेत्र में उपयुक्त शल्य चिकित्सा, आयुर्विज्ञान विधि अथवा नवीन सहायक उपयंत्रों के विकास हेतु अनुसंधान प्रायोजित करना, समन्वय करना ।

(vii) विस्तार एवं बाह्य पहुंच सेवायें ।

(viii) भारत एवं विदेशों में पुनर्वास के क्षेत्र के किसी भी अन्य कार्य को हाथ में लेना ।

1.2.2 इन लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए संस्थान में ग्यारह प्रमुख विभाग / अनुभाग हैं । यथा :- प्रशासन, लेखा

एवं वित्त, शैक्षणिक (एच.आर.डी), भौतिक औषध एवं पुनर्वास, प्रोस्थेटिक्स एवं ऑर्थोटिक्स, भौतिक चिकित्सा, व्यावसायिक चिकित्सा, पुस्तकालय एवं सूचना केन्द्र, मनोविज्ञान, सामाजिक कार्य एवं वाक् एवं श्रवण विभाग ।

1.3 प्रबन्धन

केन्द्र एवं राज्य सरकारों के प्रतिनिधियों, विख्यात सामाजिक कार्यकर्ताओं, पुनर्वास व्यावसायिकों से बनी दो परिषद, सामान्य परिषद (जी. सी.) एवं कार्यकारी परिषद (ई.सी.) संस्थान के कार्यकलापों को संचालित करती हैं । सचिव, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, साधारण परिषद के अध्यक्ष होते हैं । संयुक्त सचिव (भिन्नक्षम प्रभाग), भारत सरकार, सा.न्या.औ.अ.मं. कार्यकारी परिषद के अध्यक्ष होते हैं । संस्थान की उपविधि के अनुसार संस्थान के निदेशक दोनों परिषदों के सदस्य - सचिव एवं संस्थान के दैनंदिन कार्यों एवं अनुवीक्षण के लिए प्रशासनिक प्रमुख होते हैं । सामान्य परिषद एवं कार्यकारी परिषद के सदस्यों की सूची क्रमश: परिशिष्ट 'क' एवं 'ख' में दी गई है ।

1.4 कार्यकारी परिषद (ई.सी.) एवं सामान्य परिषद (जी.सी.) की बैठक

संस्थान की उपविधि के अनुसार ई.सी. की बैठक साल में चार बार और जी.सी. की बैठक साल में एक बार नीति - निर्धारण, प्रगति एवं गतिविधियों का अनुवीक्षण करने के लिए एवं नयी पहल आदि के लिए आयोजित होती हैं । ई.सी. में छ: सदस्य हैं एवं संयुक्त सचिव (भिन्नक्षमता प्रभाग), सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, अध्यक्ष होते हैं । जी.सी. में 08 सदस्य एवं सचिव, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, (दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग) भारत सरकार, अध्यक्ष होते हैं ।

आयोजित सामान्य परिषद बैठक का विस्तृत विवरण निम्नप्रकार है

क्र.सं.	जी.सी. बैठक	तारीख	स्थान	उपस्थित सदस्य	कुल जी.सी. सदस्य
1	36 वीं जी.सी. बैठक	01.02.2019	नई दिल्ली	07	08

आयोजित कार्यकारी परिषद बैठक का विस्तृत विवरण निम्नप्रकार है

क्र.सं.	ई.सी. बैठक	तारीख	स्थान	उपस्थित सदस्य	कुल ई.सी. सदस्य
1	100 वीं ई.सी. बैठक	10.05.2018	एसवीनिरतार	05	05
2	101 वीं विशेष ई.सी.बैठक	01.10.2018	सी.आर.सी., राजनंदगांव	05	05
3	102 वीं विशेष ई.सी. बैठक	31.01.2019	नई दिल्ली	05	05
4	103 वीं ई.सी.बैठक	26.03.2019	नई दिल्ली	05	05

1.5 स्वा.वी.निरतार वार्षिक रिपोर्ट 2018-2019 की प्रमुख बातें :

1.5.1. संस्थान में शैक्षणिक गतिविधियां :

(i) संस्थान साढ़े चार वर्षीय भौतिक चिकित्सा, व्यावसायिक चिकित्सा एवं प्रोस्थेटिक/ऑर्थोटिक पाठ्यक्रम एवं दो वर्षीय एम.पी.टी. तथा एम.ओ.टी., एम.पी.ओ, डी.एन.बी.पी.एम.आर. पाठ्यक्रम जैसे कई दीर्घकालीन पाठ्यक्रमों का संचालन कर रहा है ।

(ii) वर्ष 2018-2019 के शैक्षणिक वर्ष में विभिन्न दीर्घकालीन पाठ्यक्रमों में अंतर्ग्रहण क्षमता एवं प्रवेश प्राप्त छात्रों की संख्या :

माठ्यक्रम का नाम	अंतर्ग्रहण क्षमता	प्रवेशप्राप्त छात्र
वी.पी.टी.	62	61
वी.ओ टी.	62	62
बी,पी.ओ.	46	46
एम.पी.टी.	15	15
एम.ओ.टी.	15	15
एम.पी.ओ.	10	10
डी.एन.बी., पी.एम.आर	04	02
कुल	**214**	**211**

(iii) प्रवेश साधारण भारतीय प्रवेशिका परीक्षा के जरिये होता है (सी.ई.टी.) ।

(iv) 2018-19 के दौरान 211 छात्रों ने प्रवेश लिया ।

(v) 147 छात्रों ने सफलता पूर्वक स्नातक तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम पास कर लिए हैं ।

(vi) विभिन्न कंपानियों/गैर सरकारी संगठनों/निजी संगठनों द्वारा कैंपस साक्षातकार के तहत अधिक संख्या में विद्यार्थियों को चुना गया । बी.पी.ओ. के छात्रों के लिए एंडोलाईट, नई दिल्ली, कारे, बैंगलूर एवं बायोनिक, हैदराबाद द्वारा कैंपस साक्षातकार का आयोजन किया गया ।

(vii) संस्थान अनेक अल्पावधि पाठ्यक्रम प्रति वर्ष आयोजित करता है । इस वर्ष 20 ऐसे पाठ्यक्रम आयोजित किये गये एवं इन पाठ्यक्रमों में 830 उम्मीदवारों को प्रशिक्षित किया गया ।

1.5.2 संस्थान में सेवा गतिविधियां :

(i) यह संस्थान अपने भौतिक औषध एवं पुनर्वास विभाग, भौतिक चिकित्सा विभाग, व्यावसायिक चिकित्सा विभाग एवं प्रोस्थेटिक्स तथा आर्थोटिक्स विभाग के जरिये विभिन्न प्रकार के चलन संबंधी/आर्थोपेडिक विकलांगता ग्रस्त रोगियों को पुनर्वास सेवायें उपलब्ध कराता है ।

(ii) भौतिक औषध एवं पुनर्वास विभाग ने विभिन्न भिन्नक्षमों की निम्न प्रकार सेवा की है :

- 53,779 बाह्य रोगियों,
- 1,122 आवासीय रोगी,
- 5,598 शल्यचिकित्सकीय सुधार,
- 16,899 विकिरणविज्ञान संबंधी जाँच,
- 16,843 रोगविज्ञान संबंधी जांच सेवा चिकित्सा प्रदान की गई ।

भौतिक चिकित्सा, व्यावसायिक चिकित्सा, प्रोस्थेटिक्स एंड आर्थोटिक्स, मनोविज्ञान, समाज कार्य एवं वाणी श्रवण जैसे अन्य विभागों ने भिन्नक्षमों को निम्न सेवायें प्रदान की :

विभाग	प्रदान की गई सेवायें
भौतिक चिकित्सा	1,00,206
व्यावसायिक चिकित्सा	86,276
हैंड स्प्लिंट्स	890
मनोविज्ञान	2,536
समाज सेवा	14,857
वाणी एवं श्रवण	7,321

पिछले पांच वर्षों के दौरान भौतिक औषध एवं पुनर्वास विभाग तथा अन्य विभागों द्वारा की गई सेवाओं का विवरण निम्नप्रकार है :

सेवायें	भाग लिए रोगियों की संख्या				
	2014-15	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19
बाह्य रोगियों	40,190	45,876	41,501	49,211	53,779
आवासीय रोगी	991	1,117	1,054	1,098	1,122
शल्यचिकित्सकीय सुधार	5,581	6,318	6,287	5,825	5,598
विकिरणविज्ञान संबंधी जाँच	18,924	21,570	22,069	17,774	16,899
रोगविज्ञान संबंधी जाँच	15,615	16,638	14,949	15,286	16,843
मनोवैज्ञानिक परामर्श	2,479	2,585	2,687	2,646	2,536
व्यावसायिक सेवाएं	4,426	7,242	8,278	10,231	14,857
वाणी चिकित्सा	3,971	5,399	5,928	6,335	7,321
भौतिक चिकित्सा	73,921	95,036	99,672	1,02,794	1,00,206
व्यावसायिक चिकित्सा विभाग	42,931	63,443	70,068	72,855	86,276
हैंड स्प्लिंट	806	592	1091	832	890

पिछले पांच वर्षों के दौरान प्रोस्थेटिक्स एवं आर्थोटिक्स विभाग द्वारा निम्नलिखित पुनर्वास संबंधी सहायक यंत्र एवं उपकरणों को लगाया तथा वितरण किया गया :

सहायक यंत्र एवं उपकरणों का वितरण	संख्या				
	2014-15	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19
प्रोस्थेसिस	350	306	374	372	291
ऑर्थोसिस	1719	1466	2078	2105	2052
सर्जिकॅल जूते	733	351	544	470	534
पहिएदार कुर्सियां	145	134	144	137	103
तिपहिया साईकल	87	74	59	92	53
स्पाइनल ब्रेस	287	252	326	254	294
क्रचेस	273	265	227	267	147
अन्य सहायक यंत्र एवं उपकरण मरम्मत	445	426	292	281	125
कुल	**4039**	**3774**	**4044**	**3978**	**3599**

1.5.3 विस्तार एवं बाह्य पहुँच सेवायें

(i) अनेक आकलन शिविरों एवं शल्यक्रिया शिविरों का आयोजन किया गया । स्थानीय प्रशासन /गैर सरकारी संगठनों की सहायता से 08 आकलन-सह-वितरण शिविरों में 656 भिन्नक्षम व्यक्तियों को 919 पुनर्वास संबंधी सहायक यंत्र एवं उपकरण उपलब्ध कराये गये । 05 शल्यक्रिया शिविरों में 147 शल्योपचार किये गये ।

(ii) संस्थान अपने तीन उपकेन्द्र यथा ढेंकानाल, कटक एवं भुवनेश्वर के माध्यम से भी भिन्नक्षम व्यक्तियों को चिकित्सकीय पुनर्वास सेवाएं (भौतिक चिकित्सा एवं व्यावसायिक चिकित्सा) उपलब्ध करा रहा है । इसका विस्तृत विवरण अध्याय- 2, विस्तार सेवाएं में उपलब्ध है ।

1.5.4 अनुसंधान

हर विभाग ने कई प्रकार की अनुसंधान परियोजनायें ली हैं जो समाप्ति के विभिन्न स्तरों पर हैं । विस्तृत विवरण अध्याय-2, अनुसंधान एवं विकास में उपलब्ध है ।

- पी.एम.आर.- 01 (पूरी हो चुकी) + 06 (चालू हैं)
- पी.टी.-15 (पूरी हो चुकी) + 34 (चालू हैं)
- ओ.टी.- 14 (पूरी हो चुकी) + 15 (चालू हैं)
- पी. एंड ओ.- 02 (पूरी हो चुकी) + 10 (चालू हैं)
- डी.एस.ब्ल्यू.- 03 (पूरी हो चुकी) ।

1.5.5 विभिन्न राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रोफेशनलों द्वारा वैज्ञानिक प्रपत्र उपस्थापन

विभिन्न विभागों के अध्यापकों तथा अन्य स्टाफ ने राष्ट्रीय/आंचलिक सम्मेलनों में भाग लिया । वहां पर वैज्ञानिक प्रपत्र तथा अनुसंधान कार्य प्रस्तुत किया तथा अन्य विद्वानों के साथ कार्य का आदान-प्रदान किया ।

कुल प्रपत्र

- पी.एम.आर.डी.- 12
- डी.पी.टी.- 06
- डी.ओ.टी.- 04
- डी.पी.ओ.- 11

1.5.6 वैज्ञानिक प्रपत्र प्रकाशन

जर्नलों में 16 वैज्ञानिक लेख पत्र प्रकाशित हुए (07 राष्ट्रीय जर्नल एवं 09 अंतराष्ट्रीय जर्नल में)। श्रीमती मोनालिसा पट्टनायक, सहा. प्रोफे. (भौ.चि.) द्वारा लिखित ''द नि फॉर फिजिओथेरापिस्ट'' ये शीर्षक की एक पुस्तक जेपी ब्रदर्स मेडिकॅल द्वारा प्रकाशित किया गया ।

- पी.एम.आर.डी.- 05
- डी.पी.टी.- 04
- डी.ओ.टी.- 04
- डी.एस. एवं एच.- 03

1.5.7 पुस्तकालय एवं सूचना केंद्र

(i) संस्थान के केंन्द्रीय पुस्तकालय में 8,393 नव्यतम पुस्तकें, 8,458 जर्नल एवं रिपोर्ट, पुनर्मुद्रण आदि हैं ।

(ii) संस्थान के केन्द्रीय तकनीकी पुस्तकालय ने, हालही में संस्थान के पुस्तकालय के लिए ऑन-लाईन रिसोर्स पैकेज को सबस्क्राइब किया है, जिस में जर्नल, पुस्तकें, थेसिस एवं उपकरण आदि सामिल हैं एवं यह सुविधा 2018 के लिए नवीकृत किया गया है । हिंदी पुस्तकालय में स्टाफ एवं पी.डब्लू.डी. एवं उनके सेवादाताओं के उपयोग के लिए 231 पुस्तकें हैं ।

1.5.8 दिव्यांग व्यक्तियों को सहायता (एडीप) योजना

(i) सन 1981 में दिव्यांग व्यक्तियों के लिए एडीप योजना की शुरुआत हुई थी । इसका कार्यान्वयन सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा हुआ था । इस योजना का मुख्य लक्ष्य

दिव्यांग व्यक्तियों को सहायता प्रदान करना है तथा सुविधाजनक, स्थायी, वैज्ञानिक तौर पर प्रस्तुत, आधुनिक, हलका बजन वाला पुनर्वास संबंधी सहायक यंत्र एवं उपकरणों को उनकी पहुंच तक उपलब्ध कराना है जो कि दिव्यांग व्यक्तियों के सामाजिक, आर्थिक तथा व्यावसायिक पुनर्वास के लिए अत्यावश्यक है । इस योजना के तहत मुहैया कराई जाने वाले समस्त पुनर्वास यन्त्र एवं उपकरण आई.एस.आई. अंकित होना अनिवार्य है । इस संबंध में विस्तृत जानकारी अध्याय - 12, दिव्यांग व्यक्तियों को सहायता योजना (एडीप) में उपलब्ध है ।

1.5.9 संयुक्त क्षेत्रीय केंद्र गुवाहाटी

(i) गुवाहाटी में दिव्यांग व्यक्तियों के लिए स्थापित संयुक्त क्षेत्रीय केन्द्र (सी.आर.सी.), दिव्यांगता विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा स्थापित एक पहल है । यह केन्द्र गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (जी.एम.सी.एच.) कैम्पस, भनगागर, गुवाहाटी, असम - 781032 में स्थित है । यह केन्द्र 19 मार्च 2001 से स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, ओड़िशा के प्रशासनिक नियंत्रण में कार्यक्षम है । सी.आर.सी. गुवाहाटी का उद्देश्य है उत्तरी-पूर्वी क्षेत्र (एन.इ.आर) में भिन्नक्षमता के क्षेत्र में जनशक्ति का विकास कराना तथा भिन्नक्षमों को सेवा मुहैया कराना । यह केन्द्र पर विस्तार सेवा (पहचान, मानांकन एवं आबंटन शिविर) के तहत दिव्यांग व्यक्तियों को व्यापक पुनर्वास सेवा प्रदान कर रहा है ।

(ii) सी.आर.सी. राजनंदगांव

सी.आर.सी., राजनंदगांव, छत्तीसगढ़ की स्थापना एवं कार्यक्षमता एसीनिरतार के प्रशासनिक नियंत्रणाधिन है । इसमें आठ विभाग है जैसे भौतिक चिकित्सा, व्यावसायिक चिकित्सा, प्रोस्थेटिक एवं ऑर्थोटिक, नैदानिक मनोविज्ञान, वाणी व श्रवण, व्यावसायिक, विशेष शिक्षा एवं दृष्टि वाधित, यह केंद्र 25.6.2016 से दिव्यांगजनों को सेवा मुहैया करा रहा है । सी.आर.सी., राजनंदगांव का प्रमुख उद्देश्य है : मानव संसांधन विकास एवं अनुसंधान के साथ साथ दिव्यांगजनों के लिए सेवा विकास कराने के लिए आवश्यक संसाधन एवं आधारभूत संरचना का सृजन करना । यह केंद्र शहरों में सुविधाओं के केंद्रीभूत कराने के स्थान पर इसे स्थानीय स्तर पर बढ़ावा देता है । दिव्यांग जनों के लिए सी.आर.सी. रजनंदगांव का भवन बेहेतर आधारभूत सुविधाओं से युक्त है एवं यहां पर सभी प्रकार के मानांकन एवं चिकित्सकीय सामग्री उपलब्ध है । व्यवसायिकों की समूह यहां पर कई क्षेत्रों में जैसे पुनर्वास औषधी, नैदानिक एवं पुनर्वास, माता-पिताओं को प्रशिक्षण, वाणी, श्रवण व संप्रेषण, विशेष शिक्षा, वधिर एवं दृष्टिवाधितों के लिए प्रशिक्षण, भौतिक चिकित्सा एवं व्यावसायिक चिकित्सा, शीघ्र रोग निरूपण, प्रोस्थेटिक एवं ऑर्थोटिक, संवेधी एकीकरण एवं समुदाय आधारित पुनर्वास में सेवा प्रदान कर रहे हैं ।

(ii) संयोजित क्षेत्रिय केन्द्र बलांगीर

दि. 18.8.2015 को पुराने सी.डी.एम.ओ. भवन, बलांगीर में अस्थायी तौर पर एसवीनिरतार सटेलाईट केन्द्र, बलांगीर की स्थापना हुई । यह केन्द्र प्रथमत: भौतिक चिकित्सा एवं व्यावसायिक चिकित्सा उपलब्ध करा रहा था । बाद में एसवीनिरतार सटेलाईट केन्द्र को दिव्यांगजनों के लिए संयोजित क्षेत्रीय केन्द्र में उन्नयन किया गया एवं इसे नवनिर्मित निजी भवन में स्थानांतंरित किया गया । इस भवन का उद्घाटन माननीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री, भारत सरकार श्री थावारचंद गेहलोत एवं श्री धर्मेन्द्र प्रधान, माननीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस संत्री, भारत सरकार द्वारा दि.21.5.2018 को किया गया ।

सी.आर.सी. बलांगीर में भौतिक चिकित्सा, व्यावसायिक चिकित्सा, वाणी एवं श्रवण, नैदानिक मनोविज्ञान एवं प्रोस्थेटिक व ऑर्थोटिक विभाग कार्य कर रहे हैं ।

1.5.10 अन्य महत्वपूर्ण कार्यकलाप

(i) अंतराष्ट्रीय योगा दिवस

सभी स्टाफ, छात्र एवं दिव्यांगजनों ने **अंतराष्ट्रीय योगा दिवस** 2018 मनाया ।

(ii) स्वतंत्रता दिवस

संस्थान परिसर में प्रति वर्ष स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता हैं । संस्थान में 14 से 16 अगस्त 2018 तक स्वतंत्रता दिवस मनाया गया । इस अवसर पर त्रि-रंगा ओलक से संस्थान को सुसज्जित किया गया । इस अवसर पर देशात्मक गीत एवं कविता पाठ, कर्मचारी व विद्यार्थियों द्वारा एकक अभिनय, रोगियों को संस्थान के निदेशक महोदय द्वारा मिठाई वितरण किया गया ।

(iii) स्वच्छ भारत

संस्थान में 15 सितंबर से 2 अक्तूबर 2018 तक 'स्वच्छता ही सेवा 2018' मनाया गया । कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय ध्वज कार्यक्रम में संस्थान के स्टाफ एवं छात्रों के द्वारा विभिन्न सफाई कार्यक्रमों के आयोजन के तहत स्वच्छ भारत की गहन संदेश का प्रचार करते हुए मनाया गया ।

(iv) स्टाफ एवं विद्यार्थियों ने **विश्वकर्मा पुजा** मनाया ।

(v) संस्थान ने सामान्य जनता एवं पराचिकित्सा स्टाफ एवं स्वास्थ्य क्षेत्र से जुडे लोगों में जागरूकता पैदा कराने के लिए ''वर्ल्ड रिस्टार्ट ए हार्ट डे'' के अवसर पर एस.सी.बी. मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, कटक के 5 व्यवसायिकों द्वारा एक सी.ओ.एल.एस. कार्यक्रम का आयोजन कराया था ।

(vi) संस्थान में 29 अक्तूवर से 3 नवम्बर 2018 तक **सतर्कता जागरुकता सप्ताह** 2018 मनाया गया ।

(vii) दिव्यांगजनों के लिए अंतराष्ट्रीय दिवस

संस्थान में 3 दिसम्बर 2018 को दिव्यांगजनों के लिए अंतराष्ट्रीय दिवस मनाया गया । इस उपलक्ष में भिन्नक्षम व्यक्तियों में फल बांटे गए । तथा भिन्नक्षम व्यक्तियों के लिए कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन कराया गया एवं विजेताओं को पुरस्कृत किया गया ।

(viii) 1 जनवरी 2019 को संस्थान के स्टाफ ने एक कविता पाठ कार्यक्रम में भाग लिया ।

(ix) गणतंत्र दिवस

संस्थान परिसर में प्रति वर्ष गणतंत्र दिवस मनाया जाता हैं ।

(x) 22 फरवरी 2019 को संस्थान में 35वां उत्थान दिवस मनाया गया । इस उपलक्ष में कई सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन कराया गया ।

1.5.11 महत्त्वपूर्ण परिदर्शक

वर्ष 2018-19 के दौरान निम्न प्रतिनिधियों ने सी.आर.सी. बलांगीर एवं राजनंदगांव का परिदर्शन किया ।

- स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती, निदेशक, सत्यानंद योग विद्यालय, भुवनेश्वर
- श्री थावरचंद गेहलोत, माननीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता केंद्र मंत्री, भारत सरकार
- श्री धर्मेन्द्र प्रधान, माननीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस एवं कौशल विकाश एवं उद्यमिता केन्द्र मंत्री ।
- श्री कनक वर्धन सिं देव, माननीय विधानसभा सदस्य
- श्रीमती संगीता सिं देव, पूर्व-सांसद, बलांगीर
- श्री पांडव साहु, उप-सभापति, जिला-परिषद, बलांगीर
- श्रीमती भारती महानंद, अध्यक्ष, जिला-परिषद, बलांगीर
- श्री तपन कुमार चांद, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, नालको
- श्री रमेश चन्द्र मिश्र, अध्यक्षिक अभियन्ता, सी.पी.डब्ल्यू.डी., पूर्वी- क्षेत्र
- श्री कृष्णपाल गुर्जर, माननीय सामाजिक न्यय और अधिकारिता राज्य मंत्री ।

❑❑❑

दिनांक 22 फरवरी 2019 को एसवीनिरतार में 35वीं उत्थान दिवस समारह

आई.ए.ए.टी.- एन.सी.- 2018 इंडियन एसोसिएशॅन ऑफ एसिस्ट्रीव टेक्नोलोजिस्ट का प्रथम राष्ट्रीय सम्मेलन

एसवीनिरतार में सभी स्टाफ, विद्यार्थी एवं रोगियों के साथ ''अंतराष्ट्रीय योग दिवस समारोह 2018'' का अनुपालन

एसवीनिरतार में ''स्वतंत्रता दिवस समारोह'' का पालन

अध्याय - 2

अनुसंधान एवं विकास

2.1 भूमिका

अनुसंधान एवं विकास एस.वी.निरतार का एक प्रमुख उद्देश्य है । ऑर्थोपेडिक दृष्टि से असमर्थों के लिए संस्थान के विभिन्न विभागों ने अपने-अपने क्षेत्र में अनेक अनुसंधान और विकास कार्य किया है तथा आवश्यक शल्योपचार कार्य या मेडिकल पद्धति एवं नये यंत्रों तथा संयंत्रों का विकास किया है । संस्थान के लिए नैतिक समिति कार्य कर रही है ।

1. निदेशक (अध्यक्ष)
2. प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, स्नायुविभाग, एस.सी.बी.मेडिकॅल व कॉलेज, कटक
3. प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, औषधि विभाग, एस.सी.बी.मेडिकॅल व कॉलेज, कटक
4. प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, पी.एस.एम. (निवारक व समाज औषधि), एस.सी.बी. मेडिकॅल व कॉलेज, कटक
5. ए.एस.जी. / प्रतिनिधि
6. विभागाध्यक्ष, समाज विज्ञान, कैन्द्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट
7. विभागाध्यक्ष, दर्शन शास्त्र, यु.एन. कॉलेज ऑफ साइंस एंड टेकनोलॉजी, अडसपुर
8. सेवानिवृत्त प्रधान शिक्षक, अडसपुर, (श्री गोपाल चंद्र बिस्वाल)
9. विभागाध्यक्ष (पी.एम.आर.)
10. विभागाध्यक्ष (पी.टी.)
11. विभागाध्यक्ष (ओ.टी.)
12. विभागाध्यक्ष (पी. एंड ओ)
13. प्रशिक्षण समन्वयक - सदस्य सचिव

2.2 अनुसंधान योजना पर दृष्टिपात

भौतिक औषधि एवं पुनर्वास विभाग :

पुरे हो चुके आर. एवं डी. योजनाएं

1. इटिलोजि ऑफ फ्लेक्सिवल फ्लाट फूट इन पेडिआट्रिक एज ग्रुप ।

आरम्भ तिथि : अगस्त 2017

कार्य संपून्न होने कि तिथि : अप्रैल 2019

अपेक्षित निष्कर्ष : ligament Daxicity is the etiology of Flexible flat foot in pediatric age group

आर.एंड डी. योजनाएं प्रगति पर

1. डिफरमिटि कॅरेकशन बाइ ऑर्थोसोव मेथड

आरम्भ तिथि : जनवरी 2012

कार्य संपून्न होने कि तिथि : जारी है

अपेक्षित निष्कर्ष : Useful technique for neglected, resistant & recurrent deformities.

2. यु.एम.ई. एक्स. फिक्सेटर मेथड फॉर नेगलेक्टटेड सी.टि.ई.वी. एज 2 टू 8

आरम्भ तिथि : जनवरी 2012

कार्य संपून्न होने कि तिथि : जारी है

अपेक्षित निष्कर्ष : Useful for recurrent CTEV

3. कंपारिशन ऑफ पी.आर.पी. एंड स्टरड इंजेकशन इफ प्लांटर फासिटिस

आरम्भ तिथि : अक्तूबर 2017

कार्य संपून्न होने कि तिथि : जारी है

अपेक्षित निष्कर्ष : PRP is better than steroid in plantor Fasciitis in terms of long term benefits in pain relief and functional activity

4. कंपारिशन ऑफ स्टाटिक एंड डायनामिक सी.टी.इ.वी.

आरम्भ तिथि : दिसम्बर 2018

कार्य संपून्न होने कि तिथि : जून 2019

अपेक्षित निष्कर्ष : Compliance is more in dynamic brace for CTEV

5. इंपाक्ट ऑफ डिलैड इनिसिएशन आफ स्ट्रोक रिहाबिलिटेशन ।

आरम्भ तिथि : अगस्त 2018

कार्य संपून्न होने कि तिथि : जारी है

अपेक्षित निष्कर्ष : Delayed initiation of stoke Rehabilitation has negative effect on good functional outcomes

6. इंपैसेंट रिहाबिलिटेशन इन हेमिप्लेजिक स्ल्डर पैन सिंड्रोम ।

आरम्भ तिथि : सितम्बर 2018

कार्य संपून्न होने कि तिथि : जारी है

अपेक्षित निष्कर्ष : Muscle is the cause of hemiplegic Shoulder pain syndrome

भौतिक चिकित्सा विभाग :

पुरे हो चुके आर. एंड डी. योजनाएं

1. **इफेक्ट्स ऑफ हाइटोन पवार थेरापी एलंग विथ कनवेनशनल एक्सरसाइज इन ओ.ए. नी।**

आरम्भ तिथि : जनवरी 2017

कार्य संपून्न होने कि तिथि : जुलाई-अगस्त 2018

निष्कर्ष : Overall results of the study, both Group 1 and Group 2 showed improvement in pain and range of motion and function after four weeks of intervention. But there is no significant difference in between groups.

2. **इफेक्ट्स ऑफ बाईलाटेरल रिपिटिव प्राट्राक्सन इन एनटिस्पाटिक पोसिशन ऑफ सस्पेनडेड अपर एक्सट्रिमिटि ऑन मोटर परफरमांस एंड स्कापुलार पोसिशन इन स्ट्रोक ।**

आरम्भ तिथि : जनवरी 2017

कार्य संपून्न होने कि तिथि : जुलाई-अगस्त 2018

निष्कर्ष : Overall results of the study showed significant improvement in active range of motion of the affected upper extremity for shoulder and elbow except wrist in experimental group only. Scapular spine distance improved in both the groups but more significantly in the experimental group. Fugl meyer assessment of upper extremity showed more significant improvement in experimental group post 4 week of intervention.Bilateral repetitive protraction in antispastic position of suspended upper extremity is more effective in improving scapular position and upper extremity motor performance when given with conventional therapeutic exercises of upper extremity than conventional therapeutic exercise alone for 4 weeks.

3. **इफेक्ट्स ऑफ डीप टीसू मानिपुलेशन इन पर्सन्स विथ नैक पैन ।**

आरम्भ तिथि : जनवरी 2017

कार्य संपून्न होने कि तिथि : जुलाई-अगस्त 2018

निष्कर्ष : Overall results of the study, both Group 1 and Group 2 showed improvement in pain and cervical range of motion after four weeks of intervention. However, Group 1 improved significantly to a greater extent than the Group 2. Conclusion: Deep tissue manipulation to periscapular and paraspinal muscles is found to be effective for the management of Neck pain.

4. **इफेक्ट्स ऑफ डीप सफ्ट टीसू मानिपुलेशन इन लो बैक पैन पैसेंट्स ।**

आरम्भ तिथि : जनवरी 2017

कार्य संपून्न होने कि तिथि : जुलाई-अगस्त 2018

निष्कर्ष : Overall results of the study, both Group 1 and Group 2 showed improvement in pain and lumbar range of motion after four weeks of intervention. However, Group

2 improved significantly to a greater extent than the Group 1. Conclusion: Deep soft tissue manipulation of parascapular and paraspinal muscles is found to be effective for the management of low back pain.

5. द इफेक्ट ऑफ साईक्लिक स्ट्रंगंग विथ वारिएवल रेस्ट पेरियड बाइ यूजिं लेग अबडुकटर डिवाइस टू इंपरुव द फ्लेक्सिबिलिटि ऑफ एच.आई.पी. आडक्टर्रस एंड मेडिअल हामस्ट्रिंग मस्कुल इन कैस ऑफ चिल्ड्रेन विथ स्पास्टिक डाईप्लेजिक सी.पी. ।

आरम्भ तिथि : जनवरी 2017

कार्य संपून्न होने कि तिथि : जुलाई-अगस्त 2018

निष्कर्ष : Cyclic stretching with rest in between stretch is effective. However, cyclic stretch for 5 minutes with rest between of different duration have similar effect on elongation/ extensibility of tissue.

6. द इफेक्ट ऑफ इलास्टिक बैंड एसीसटेड गैट ट्रेनिं टू इंप्रूव द गैटकाईनामेटिक्स इन स्ट्रोक सर्वाईवर्स - ए रेनडोमाईज्ड काँट्रोल ट्रायल।

आरम्भ तिथि : जनवरी 2017

कार्य संपून्न होने कि तिथि : जुलाई-अगस्त 2018

निष्कर्ष : Overall results of this study showed that experiment group had significantly improved in terms of speed, cadence, stride length of paretic limb, gait profile score of non paretic limb from pre to post test measurements. Gait profile score of paretic limb had also significantly improved. Both the groups had significantly improved in terms of stride length of non paretic limb from pre to post-test measurements; however the experiment group showed more improvement than the conventional group. Conclusion: Elastic band assisted gait training over the task oriented circuit interval gait training is found to be effective for the hemiplegic gait.

7. इपिडेमिलोजि एंड सोसिओ - ईकोनोमिक कॉसिक्यूएंन्सेस ऑफ स्पाईनल कॉर्ड इंजूरी ।

आरम्भ तिथि : जनवरी 2017

कार्य संपून्न होने कि तिथि : जुलाई-अगस्त 2018

निष्कर्ष : The incidence of spinal cord injury higher in males, more reported in the rural areas, unemployed due to health reasons, mostly falls being the etiology with thoracic level of Injury and ASIA grade A, mostly coming under Upper-Lower Class in the Kuppuswamy Socioeconomic scale, mostly having no medical insurance, required extra-financial support from family/friends, having no barrier-free environment at home and unable to afford the expenses following spinal cord injury, with

their social life adversely affected. Conclusion: The quality of life after spinal cord injury is compromised to a great extent.

8. इफेक्ट ऑफ इंटरफियरेंसियल थेरापी एंड केजेल एक्सससरसाईज इन मेनेजमैंट ऑफ स्ट्रेस यूरिनारी इनकंटिनेंस ए कंपारेटिव स्टडि ।

आरम्भ तिथि : जनवरी 2017

कार्य संपून्न होने कि तिथि : जुलाई-अगस्त 2018

निष्कर्ष :The overall result of the study shows that there is significant improvement in both the groups. The experimental group showed significantly better improvement in urinary incontinence questionnaire and modified oxford scale parameters than the control group, however transverse abdominis strength showed significant improvement with time for both the groups. Conclusion: Subjects having stress urinary incontinence in between age 20-60 years, because of weak pelvic floor and abdominal muscles was treated with kegel exercise, transverse abdominis strengthening, and interferential therapy was found to be effective.

9. बुरडेन ऑन कैरगिवर्स ऑफ चिल्ड्रेन विथ सेरेब्राल पालसी – ए सर्वे रिपोर्ट ।

आरम्भ तिथि : जनवरी 2017

कार्य संपून्न होने कि तिथि : जुलाई-अगस्त 2018

निष्कर्ष :After analyzing the data it was found that CP is more prevalent in the rural and among population with low SES. The caregivers face a lot of stress in taking care of the child and are affected financially, physically and psycho-socially. Personal life and social life of the parents or caregivers of CP children has significant relation with their socio-economic status. Conclusion: The study showed the incidence of CP higher in males, more in the rural areas, with more number of cases being from the lower-middle and lower class families. Many caregivers got assistance from their close family members and in-laws in taking care of their child. Most haven't opted for private therapy except a few well to do families. More than one-fifth of them have a feeling of change in their own personality. Many don't know the social securities/schemes for CWDs. They are satisfied with the health facilities that are provided by the institutional care/government set ups where they are undergoing treatment with a positive attitude towards a better future of their child; expecting support from the family for financial and social help, better care and treatment from the institution and financial aid/compensation for medical expenses/assistance for loan, from the government.

10. इफेक्ट ऑफ प्लांटर फासिया रिलिज इन क्रोनिक प्लांटर फासिटिस पैसेंट्स ।

आरम्भ तिथि : जनवरी 2017

कार्य संपून्न होने कि तिथि : जुलाई-अगस्त 2018

निष्कर्ष :Overall results of the study, both Group 1 and Group 2 showed improvement in pain and dorsiflexion range of motion after four weeks of intervention. However, Group 1 improved significantly to a greater extent than the Group 2.Conclusion: Plantar fascia release techniques, stretching exercises (plantar fascia and TA) and fibular glide is found to be effective for the management of plantar fasciitis.

11. इफेक्टस ऑफ ऐरोबिक रिक्रेशनल एक्टिविटी इन फंक्सनल एंड मोबिलिटि आस्पेक्ट ऑफ यंग स्ट्रोक पैसेंट ।

आरम्भ तिथि : जनवरी 2017

कार्य संपून्न होने कि तिथि : जुलाई-अगस्त 2018

निष्कर्ष : As Aerobic Recreational activities along with conventional therapy is more effective in improving mobility, function and balance in Young stroke survivors than conventional therapy only.

12. इफेक्ट ऑफ प्रोप्रायोसेटिव एवं वेस्टिबूलर फासिलिटेशन यूजिं बूंगी कॉर्डस एंड ट्रांपोलाईन ऑन फंकशनल बालांस इन स्पास्टिक डाईप्लेजिक सेरेब्राल पालसी डिल्ड्रेन ।

आरम्भ तिथि : जनवरी 2017

कार्य संपून्न होने कि तिथि : जुलाई-अगस्त 2018

निष्कर्ष : Children with Spastic Diplegic Cerebral Palsy treated with trunk supported trampoline jumping with functional training when incorporated with conventional therapeutic exercise improved balance and gross motor function more than conventional therapeutic exercise alone.

13. इफेक्टिवनेस ऑफ थोराको-लूंबर फखासिआ रिलिज इन क्रोनिक एलवीपी ड्यू टू थोराको - लूंबर डीसफंक्सन।

आरम्भ तिथि : जनवरी 2017

कार्य संपून्न होने कि तिथि : जुलाई-अगस्त 2018

निष्कर्ष : Thoraco-lumbar fascia release group improved better than the other group.

14. इफेक्टस ऑफ पारटिसिपेशन इन ग्रु प प्ले थेरापी ऑन ट्रंक कंट्रोल एंड ग्रस मोटर परफरमांस इन चिल्ड्रेन विथ स्पास्टिक डाईप्लेजिक सेरेब्राल पालसी ।

आरम्भ तिथि : जनवरी 2017

कार्य संपून्न होने कि तिथि : जुलाई-अगस्त 2018

निष्कर्ष : The results of the study shows play therapy is more effective in improving the trunk control and gross motor function than convention exercise in children with spastic diplegic cerebral palsy.

15. ए कंपारिटिव स्टडि ऑन इफेक्ट ऑफ पिलाटिस एंड प्रानायम ऑन बोडी वैट, आबडोमिनल स्ट्रेंथ एंड एंड्यूरांस ।

आरम्भ तिथि : जनवरी 2017

कार्य संपून्न होने कि तिथि : जुलाई-अगस्त 2018

निष्कर्ष : The results of the study shows that both the groups treated by pilates and pranayam improved equally in reduction of weight parameters, abdominal strength and endurance.

16. ए कंपारिटिव स्टडि ऑन इफेक्ट ऑफ ट्रिगर पएंट रिलिज वेरिअस स्कापुलर सकटाबिलाईजेशन एक्सरसाईज ऑन पैन रिलेटेड पैरामिटर इन स्कापुला - कोस्टाल पैन सिंग्ड्रोम – ए रानडोमाईज्ड कंट्रोल ट्रायल ।

आरम्भ तिथि : जनवरी 2017

कार्य संपून्न होने कि तिथि : जुलाई-अगस्त 2018

निष्कर्ष : The results of the study shows significant improvement in pain and pressure pain threshold in patients with scapulocostal pain syndrome treated by trigger point release than the scapula stabilization exercises.

आर एवं डी. योजनाएं प्रगति पर

1. इफेक्टिवनेस ऑफ थोराको-लुंबार फासिए रिलिज इन क्रोनिक मेकानिकॅल लो बैक पैन ड्यू टु स्पाईनल डिसफंकशन ।

आरम्भ तिथि : जनवरी 2018

कार्य संपून्न होने कि तिथि : जुलाई-अगस्त 2019

2. इफेक्ट ऑफ कोर मस्कुल स्ट्रेंगदेनिं अन सिटिं बालांस इन स्पास्टिक डाईप्लेजिक सेरेब्राल पालसी ।

आरम्भ तिथि : जनवरी 2018

कार्य संपून्न होने कि तिथि : जुलाई-अगस्त 2019

3. इफेक्ट ऑफ सर्विको - थोरासिक मोबिलाईजेशन ऑन पूलमोनारी फंकशन इन पैराप्लेजिक्स ।

आरम्भ तिथि : जनवरी 2018

कार्य संपून्न होने कि तिथि : जुलाई-अगस्त 2019

4. इफेक्टिवनेस ऑफ लेवाटोर स्कापुल स्ट्रेचिं इन स्पाईनल कॉर्ड इंजूरी पैसेंट हेवींग न्यूरोपाथिक पैन ।

आरम्भ तिथि : जनवरी 2018

कार्य संपून्न होने कि तिथि : जुलाई-अगस्त 2019

5. इफेक्ट ऑफ योगा इन पैसेंट्स विथ स्ट्रोक ।

आरम्भ तिथि : जनवरी 2018

कार्य संपून्न होने कि तिथि : जुलाई-अगस्त 2019

6. रिस्क ऑफ डेवेलपिंग मेडिअल कंर्पाटमेंट ओए इन पैसेंट विथ पिरिफरमिस टाइटनेस।

आरम्भ तिथि : जनवरी 2018

कार्य संपून्न होने कि तिथि : जुलाई-अगस्त 2019

7. टूएनालाईज ह्वेदर स्मार्ट फोन इज ए रिस्क फैक्टर फॉर मस्कूलोस्केलेटॉल डिसअर्डर एमंग कॉलेज स्टुडेंट्स ।

आरम्भ तिथि : जनवरी 2018

कार्य संपून्न होने कि तिथि : जुलाई-अगस्त 2019

8. कंपारिशन बिट्विन ट्राडिशनल वर्ससमोर्डन बालांस ट्रेनिं इन हेमिप्लेजिक ।

आरम्भ तिथि : जनवरी 2018

कार्य संपून्न होने कि तिथि : जुलाई-अगस्त 2019

9. इफेक्ट ऑफ र्वचुअल रिहाबिलिटेशन ऑन अपर लिंब फंकशन इन चिल्ड्रेन विथ सेरेब्राल पालसी ।

आरम्भ तिथि : जनवरी 2018

कार्य संपून्न होने कि तिथि : जुलाई-अगस्त 2019

10. इफेक्टिवनेश ऑफ केनापसिस वी.आर. सफ्टवेयर इन अपर लिंब रिहाबिलिटेशन इन हेमिप्लेजिक पैसेंट ।

आरम्भ तिथि : जनवरी 2018

कार्य संपून्न होने कि तिथि : जुलाई-अगस्त 2019

11. कंपारिशन बिट्विन 2 ट्रिटमेंट प्रोटोकॉल्स टू उनडो द इफेक्ट ऑफ ड्ब्ल्यू सिटिं इन स्पास्टिक डाईप्लेजिक सेरेब्राल पालसी चिल्ड्रेन ।

आरम्भ तिथि : जनवरी 2018

कार्य संपून्न होने कि तिथि : जुलाई-अगस्त 2019

12. इफेक्टिवनेस ऑफ मल्टिमोडेल फिजिओथेराप्यूटिक एप्रोचेस टू मेसर द चेंज इन कार्निओवर्टिब्राल एंगल इन स्टुडेंट्स।

आरम्भ तिथि : जनवरी 2018

कार्य संपून्न होने कि तिथि : जुलाई-अगस्त 2019

13. इफिसिएंसि ऑफ सेक वेव थेरापि इन हेट्रोट्रोपिक ओसिफिकेशन ।

आरम्भ तिथि : जनवरी 2018

कार्य संपून्न होने कि तिथि : जुलाई-अगस्त 2019

14. टू कंपार द ईफेक्टस ऑफ कंनवेंनसनल फ्लेकशन एक्सरसाइज वर्सस पिलाटेस इन स्पनडिलोलिस्थसिस।

आरम्भ तिथि : जनवरी 2018

कार्य संपून्न होने कि तिथि : जुलाई-अगस्त 2019

15. कंपारिशन बिट्विन बोडि वेट सपोर्ट गैट ट्रेनिंग इन थ्रेडमिल वर्सस कंनवेनशनल गैट ट्रेनिं इन स्ट्रोक पैशेंट्स ।

आरम्भ तिथि : जनवरी 2018

कार्य संपून्न होने कि तिथि : जुलाई-अगस्त 2019

16. रानडोमाईजड कंट्रोल ट्रायल ऑफ द इफेक्ट्स ऑफ मायोफखेसियल रिलिज ऑफ द ट्रिगर पोएंट्स इन अपर ट्रापिज्यूस ।

आरम्भ तिथि : जनवरी 2018

कार्य संपून्न होने कि तिथि : जुलाई-अगस्त 2019

17. इफेक्टस ऑफ मायोफेसियल रिलिज ऑफ काल्फ मस्कुल ऑन टो वाकिं इन चिल्ड्रेन विथ स्पाटिक डायप्लेजिक एंड हेमिप्लेजिक ।

आरम्भ तिथि : जनवरी 2018

कार्य संपून्न होने कि तिथि : जुलाई-अगस्त 2019

18. कंपारिशन ऑफ टेकर थेरापी वर्सस मायोफेसियल रिलिस ऑन मायोफेसियल पैन इन लिवाटर स्कापुले एंड अपर ट्रापिजियस मस्कुल्स ।

आरम्भ तिथि : जनवरी 2019

कार्य संपून्न होने कि तिथि : जुलाई-अगस्त 2020

19. कंपारिशन ऑफ क्वालिटि ऑफ लाईफ, फिसिकॅल एंड रेस्पिरेटोरी पैरामिटरस इन प्लेयर्स एंड नन-प्लेयर्स विथ स्पाईनल कोर्ड इंजूरी।

आरम्भ तिथि : जनवरी 2019

कार्य संपून्न होने कि तिथि : जुलाई-अगस्त 2020

20. इफेक्ट्स ऑफ टेकार थेरापी वर्सस माइट्लांट मोबिलाईजेशन इन पैशेंट्स विथ आक्यूट आदेसिव कास्पुलिटिस ऑफ सोलडर ज्वायंट - ए कंपारेटिव स्टडी ।

आरम्भ तिथि : जनवरी 2019

कार्य संपून्न होने कि तिथि : जुलाई-अगस्त 2020

21. मायोफखेसियल रिलिज वर्सस डीप ओसिलेशन थेरापी ऑन लेंथ एंड टोन ऑफ हामस्ट्रिंग मस्कुल

इन चिल्ड्रेन विथ स्पास्टिक सेरेब्राल पालसी – ए कंपारेटिव स्टडी ।

आरम्भ तिथि : जनवरी 2019

कार्य संपून्न होने कि तिथि : जुलाई-अगस्त 2020

22. इफिसिएंसी ऑफ लासर थेरापी इन चेंज ऑफ लेंग्थ, एंड्यूरांस ऑफ एरेकटर स्पाईन ग्रुप एंड पेलविस ओबलिक्विटी इन सबजेक्ट्स विथ लोअर क्रासड सिंगड्रोम टाईप ए ।

आरम्भ तिथि : जनवरी 2019

कार्य संपून्न होने कि तिथि : जुलाई-अगस्त 2020

23. एडेड इफेक्ट्स ऑफ मोटर कंट्रोल एक्सरसाइजेस ओवर कंनवेंशनल एंड डीप ओसिलेशन थेरापी इन रिड्यूसिं पैन एंड इंप्रुविं फंक्सनल एबिलिटि इन पैशेंट्स विथ क्रोनिक नन स्पेसिफिक लो बैक पैन ।

आरम्भ तिथि : जनवरी 2019

कार्य संपून्न होने कि तिथि : जुलाई-अगस्त 2020

24. कोरिलेशन बिट्विन प्रोनेटेड फूट एंड पेविक इनक्लाइनेशन, फेमोरल एंटिवर्सन, क्वाड्रिसिप्स एंगल एंड टिबियल टॉसन इन आसिमटोमाटिक एडल्ट्स ।

आरम्भ तिथि : जनवरी 2019

कार्य संपून्न होने कि तिथि : जुलाई-अगस्त 2020

25. इफिसिएंसि ऑफ रिलिजिं टेनशन इन साक्रोट्यूबेरोस लिगामेंट इन रिड्यूसिं पैन एंड डिसाबिलिटि इन लो बैक पैशेंट्स विथ युनिलाटेराल साक्रालिसेसन ।

आरम्भ तिथि : जनवरी 2019

कार्य संपून्न होने कि तिथि : जुलाई-अगस्त 2020

26. इफिसिएंसि ऑफ सर्विको - थोरासिस इलेकट्रिकाल सेंसोरी स्टिमुलेशन ऑन रिस्ट फ्लेक्सर स्पाटिसिटि ऑन पर्सन्स हु सर्वाइवड सेरेब्रोवास्कुलर एक्सिडेंट (सी.वी.ए.) ।

आरम्भ तिथि : जनवरी 2019

कार्य संपून्न होने कि तिथि : जुलाई-अगस्त 2020

27. इफेक्टिवनेस ऑफ लासर थेरापी ऑन एलबो फ्लेक्सर स्पाटिसिटि कज्ड बाई सेरेब्रोवास्कुलर एक्सिडेंट ।

आरम्भ तिथि : जनवरी 2019

कार्य संपून्न होने कि तिथि : जुलाई-अगस्त 2020

28. ए प्रोटोकॉल ऑन कंट्रोलिंग बोडी - माइंड एंड ब्रेथ ऑन क्वालिटी ऑफ लाईफ एंड डिप्रेशन, एंजाईटी, स्ट्रेस इन कैर टेकर्रस ऑफ पर्सन्स विथ लोकोमोटर डिसाबिलिटि ।

आरम्भ तिथि : जनवरी 2019

कार्य संपून्न होने कि तिथि : जुलाई-अगस्त 2020

29. इफेक्ट ऑफ बालांस ट्रेनिं ऑन गैट एंड फंकश्नल आबिलिटिज इन पर्सन्स विथ हेमिप्लेजिआ ड्यू टू स्ट्रोक ।

आरम्भ तिथि : जनवरी 2019

कार्य संपून्न होने कि तिथि : जुलाई-अगस्त 2020

30. इफेक्ट ऑफ डिस्ट्रिब्युटिव प्राक्टिस ऑफ कंस्ट्रेंट इनड्यूड मुवमेंट थेरापी इन हेमिप्लेजिक सेरेब्राल पालसी चिल्ड्रेन टू इंप्रुव अपर एक्सट्रिमिटी फंकशन्स।

आरम्भ तिथि : जनवरी 2019

कार्य संपून्न होने कि तिथि : जुलाई-अगस्त 2020

31. इफेक्ट ऑफ ग्रुप थेराप्यूटिक प्ले वर्सस ब्रेथ बोडी एंड माइंड प्रोग्राम ऑन फिजिकॅल एंड साईकोलॉजिकाल पैरामिटर (बी.पी., बालांस, क्यू.ओ.एल., एस.ए.डी.) इन एडल्ट स्ट्रोक पैशेंट्स ।

आरम्भ तिथि : जनवरी 2019

कार्य संपून्न होने कि तिथि : जुलाई-अगस्त 2020

32. इफेक्ट्स ऑफ पार्सियल - बोडी वेट सर्पोटेड ट्रेडमिल ट्रेनिं ऑन नन-एमबुलेटोरी सेरेब्राल पालसी चिल्ड्रेन ।

आरम्भ तिथि : जनवरी 2019

कार्य संपून्न होने कि तिथि : जुलाई-अगस्त 2020

33. इफेक्ट ऑफ स्टार्ट - प्ले थेरापी फॉर सिटिं बालांस, ट्रंक कंट्रोल एंड कगनिशन इन चिल्ड्रेन विथ डेबेलपमेंटाल डिले ।

आरम्भ तिथि : जनवरी 2019

कार्य संपून्न होने कि तिथि : जुलाई-अगस्त 2020

34. इफेक्ट ऑफ मायोफेसियल रिलिज युसिंग टेनिस बल एंड स्टाटिक स्ट्रेचिंग ऑन गैस्ट्रो - सोल्युस स्पाटिसिटी टू इंप्रुव डोरसिफ्लेकशन रेंज ऑफ मोसन बालांस इन पर्शन्स विथ हेमिप्लेजिआ ड्यू टू स्ट्रोक ।

आरम्भ तिथि : जनवरी 2019

कार्य संपून्न होने कि तिथि : जुलाई-अगस्त 2020

व्यावसायिक चिकित्सा विभाग

पुरे हो चुके आर एवं डी. योजनाएं

1. इफेक्टिवनेस ऑफ बैकवाड वाक्लिं ट्रेनिं ऑन वाक्लिं आबिलिटी इन हेमिप्लेजिक पैशेंट्स ।

आरम्भ तिथि : जुलाइ 2017

कार्य संपून्न होने कि तिथि : अगस्त 2018

निष्कर्ष : In this study none of our subjects fell down during backward walking training. Backward walking training may be an appropriate training modality for improving asymmetric gait patterns. The study support that backward walking training significantly improves gait performance among stroke patients. In the study patient with hemiplegic were selected in two groups, experimental and control group. Following a backward walking training along with conventional treatment the patients in experimental group showed significantly better results than the control group.

2. इफेक्ट ऑफ कग्निटिव ओरिएंटेशन टू ओक्यूपैशनल परफरमांस (सी.ओ.–ओ.पी.) एप्रेच ऑन फंकशनल परफरमैंस ऑफ सेरेब्राल पालसी चिल्ड्रेन ।

आरम्भ तिथि : जुलाइ 2017

कार्य संपूत्र होने कि तिथि : अगस्त 2018

निष्कर्ष : The result indicate that there was significant improvement in functional performance when cognitive orientation to daily occupational performance approach was used as an adjunct to occupational therapy as compared to the occupational therapy was given alone.

So, the null hypothesis is rejected and alternative hypothesis is accepted. Thus cognitive practice is a promising area of research and cognitive orientation to daily occupational performance approach can be efficiently used in clinical practice for treating cerebral palsy children.

3. इंप्रुवमेंट ऑफ फंकशनल सिटिं इन स्पाईनल कोर्ड इंजूरी थ्रो मोडिफिकेशन ऑफ ह्विल चेयर सिटिं सरफेस ।

आरम्भ तिथि : जुलाइ 2017

कार्य संपूत्र होने कि तिथि : अगस्त 2018

निष्कर्ष : From the above study it can be concluded that modification in wheel chair sitting surface by customized made cushion on basis of individual pressure magnitude for functional sitting improvement will have a positive effect on individual with SCI, more beneficial during the intervention period.

4. टू कंप्यार द इफेक्ट ऑफ काइनेसिओ टापिं एडजंकटिवली विथ हैंड एक्सरसाइज ऑन इंप्रुविं हैंड फंक्शन इन स्टेज I एंड स्टेज II ऑफ रूहमाटोइड एरर्थाइटिस ।

आरम्भ तिथि : जुलाइ 2017

कार्य संपूत्र होने कि तिथि : अगस्त 2018

निष्कर्ष : From the present study it can be concluded that kinesio taping can be used adjunctively with hand exercise to improve hand function in early active rheumatoid arthritis.

As there was no significant difference between the Grip Ability Test score of Group I and Group II, the null hypothesis is accepted and the alternate hypothesis is rejected.

5. टू कंप्यार द इफेक्ट ऑफ मोडिफाइड कंस्ट्रेंट इंडिच्यूड मुवमेंट थेरापी (एम.सी.आई.एम.टी.) एंड बाईमैनुअल मिरर थेरापी इन इंप्रुवमेंट ऑफ हैंड फंकशन एंड स्ट्रंग्थ इन यूनिलाटेराल सेरेब्राल पालसी।

आरम्भ तिथि : जुलाइ 2017

कार्य संपून्न होने कि तिथि : अगस्त 2018

निष्कर्ष : The result indicate that the Modified Constraint Induced Movement Therapy (mCIMT) and bimanual mirror therapy; both are effective for improving upper extremity hand function and strength in children with Unilateral Cerebral Palsy. However, Modified Constraint Induced Movement Therapy (mCIMT) is effective in improving hand function whereas bimanual mirror therapy is more effective in improving in grip strength.

6. ए स्टडी टू डेवेलोप ए कोस्चिनेयर टू फाइंड आउट द स्पेसिफिक कजेटिव फ्याक्टर ऑफ फिडिं डिसअर्डर इन चिल्ड्रेन विथ ए.एस.डी. ।

आरम्भ तिथि : जुलाइ 2017

कार्य संपून्न होने कि तिथि : अगस्त 2018

निष्कर्ष : The purpose of the study was to develop a questionnaire which will help to find out the specific causative factor responsible for feeding problem in ASD children. Therefore, from the above study, it is concluded that autism can have an adverse effect on a child's ability to tolerate the sensory properties of food and that leads to food selectivity, food refusal and aversion to oral care.

7. इफेक्ट ऑफ काईनेसिओटेपिं ऑन गैट एंड बालांस इन सबजेक्ट ऑफ स्ट्रोक विथ नी हाईपर एक्सटेनशन ।

आरम्भ तिथि : जुलाइ 2017

कार्य संपून्न होने कि तिथि : अगस्त 2018

निष्कर्ष : The present finding suggests that kinesio-tape show promising results in improving the balance and gait in the stroke subjects with knee hyperextension. Thus, it is concluded that there is positive effect of kinesio-tape in balance and gait in stroke

subjects with knee hyperextension.

8. टू स्टडी द इफेक्ट ऑफ होम बेस्ड एक्सरसाइज प्रोग्राम (एच.ई.पी.) वर्सस इंस्टिट्यूशन बेस्ड ऑक्यूपैशनल थेरापी (आई.ओ.टी.) इन इंप्रुविं हैंड फंकशन इन पोस्ट ऑपरेटिव कोलिस फ्राक्चर।

आरम्भ तिथि : जुलाइ 2017

कार्य संपून्न होने कि तिथि : अगस्त 2018

निष्कर्ष : The result of this study found that there is difference on improvement of hand function of the subjects undergone for IOT & HEP. Hence the experimental hypothesis was rejected & null hypothesis was accepted. It is concluded that HEP & need based IOT both are not equally effective in improving hand function.

9. इफेक्ट्स ऑन डूअल टास्कट्रेनिं एलंग विथ र्वचुअल रिआलिटि ट्रेनिं ऑन बालांस इन क्रोनिक स्ट्रोक।

आरम्भ तिथि : जुलाइ 2017

कार्य संपून्न होने कि तिथि : अगस्त 2018

निष्कर्ष : The dual-task training paradigm proposed in this study could effectively promote the ability to maintain optimal function on balance and cognitive tasks under challenging 'real life' circumstances without compromising compliance to the practice schedule.

10. इफेक्ट ऑफ टाकटाईल स्टिमुलैशन एंड वेस्टिबुलर स्टिमुलैशन ऑन इंप्रुवमेंट ऑफ डेक्सटेरिटी एंड मैनुअल एबिलिटि ऑफ हैंड इन हेमिप्लेजिक सेरेब्राल पालसी — ए कंपारेटिव स्टडी ।

आरम्भ तिथि : जुलाइ 2017

कार्य संपून्न होने कि तिथि : अगस्त 2018

निष्कर्ष : The result of this study found that there is difference on improvement of hand dexterity & manual ability of the children undergone for tactile stimulation & vestibular stimulation. Hence the null hypothesis was rejected & experimental hypothesis was accepted. It is concluded that tactile stimulation is more effective in improvement of dexterity & manual ability of hand in hemiplegic cerebral palsy.

11. इफेक्ट्स ऑफ कग्निटिव ट्रेनिं ऑन गैट पैरामिटर ह्वाइल टकिं ड्यूरिं वाल्किं एमंग स्ट्रोक सर्वाइवर्स ।

आरम्भ तिथि : जुलाइ 2017

कार्य संपून्न होने कि तिथि : अगस्त 2018

निष्कर्ष : From this study it is concluded that there is positive effect of cognitive train-

ing to improve gait parameter and balance which was generally impaired after stroke among stroke survivors. Hence these findings should be used in caution when treating the patient with stroke with gait and balance impairment.

12. कंपारिशन बिटविन फंक्सनल इलेक्ट्रिकॉल स्टिम्यूलैशन एंड विजुअल अगमैंटेड फिडबैक ट्रेनिं इन पास्ट स्ट्रोक सर्वाइवर्स फॉर इंप्रुविं रिस्ट एक्सटेंशन ।

आरम्भ तिथि : जुलाइ 2017

कार्य संपून्न होने कि तिथि : अगस्त 2018

निष्कर्ष : From the obtained results of the study it is seen that the stroke patients improved in their FMA scores for the wrist components on both the groups but there was no significant difference between the groups so null hypothesis was accepted and experimental hypothesis was rejected. It is concluded that there is no significant difference in improving wrist extension between the functional electrical stimulation and visual augmented feedback groups.

13. टेस्ट ऑफ इन हैंड मानिपुलैशन स्किल - टूल रिविजन ।

आरम्भ तिथि : जुलाइ 2017

कार्य संपून्न होने कि तिथि : अगस्त 2018

निष्कर्ष : IHM is considered an essential component of the fine motor skills necessary to manipulate tools and objects and to master the world. Specific IHM activities are frequently included in occupational therapy intervention sessions for children with fine motor difficulties (Case-Smith, 2000) (11). The TIMS-R1 is an assessment of IHM that examines simple shift, complex shift, palm to finger, finger to palm translation, simple rotation, complex rotation with stabilization and without stabilization. No previous study has explored about the time required to complete each items of the TIMS and its reliability.

14. इफेक्ट ऑफ टाकटाईल एंड वेस्टिबुलर स्टिमुलैशन ऑन स्टेरिओटाइपिकॉल एंड रिपिटेटिव बिहाविअर इन अटिजिम स्पक्ट्रम डिसअर्डर चिड्रेन : ए कंपारेटिव स्टडी ।

आरम्भ तिथि : जुलाइ 2017

कार्य संपून्न होने कि तिथि : अगस्त 2018

निष्कर्ष : From the data analysis & result of the present study it had been found that sensory based interventions along with sensory integrative interventions& Sensory integration intervention both was effective on reducing stereotyped &repetitive behavior in children with autism spectrum disorder yet there is no significant changes between sensory based interventions along with sensory integration interventions and sensory integration intervention alone which suggested that the experimental hypothesis had been rejected null hypothesis had been accepted. However the mean difference score of group-1 shows more as compare to the mean difference score in group-2 which is accepted by subjective reply by the parents of group1.

परियोजनाएं प्रगति पर

1. डेवेलपमैंट ऑफ आडिआ वर्सन ऑफ सेंसोरी प्रोफाइल, ट्रांसलेशन, क्रस कल्चराल एडपशन एंड स्ईकोमैट्रिक वालिडेशन ।
2. इफेक्ट ऑफ अगमैनटेड इंडिविजुअलिटि टैलर सी.बी.टी. इन पोस्ट स्ट्रोक डिप्रेशन ।
3. डेवेलपमैंट ऑफ रिमोर्ट कंट्रोल आसिस्टिव फिडिं डिवाईस फॉर द इंडियन सिटिजेन्स हैविग लस ऑफ हैंड टू माउथ मुवमैंट ।
4. इफेक्ट ऑफ टास्क ओरिएंटड र्सकिट ट्रेनिं टू इंप्रुव हैंड फंकशन एंड ए.डी.एल. इन स्ट्रोक पैशेंट ।
5. इफेक्ट ऑफ ओरल सेंसोरी स्टिमुलैशन बेस्ड ऑन सेंसोंरी मोटर एप्रोच टू रिड्युस ओरल सेंसोरी सेंसिटिविटि इन चिल्ड्रेन विथ ए.एस.डी. ।
6. डिलैड इफेक्ट ऑफ फोरआर्म काईनेसिओ टापिंग ऑन हैंड ग्रिप स्ट्रेंथ इन हैलदी इंडिविजुअॅल ।
7. इफेक्ट ऑफ एफ.ई.एस. विथ टास्क ओरिएंटड एप्रोच ऑन रिच एंड ग्रास्प इन चिल्ड्रेन विथ स्पाटिक डाईप्लेजिक सी.पी. एंड इनफानटाईल हैमि ।
8. इफेक्ट ऑफ पी.एन.एफ. गैट रेसिसटैंस ट्रेनिं एंड एगिलिटी ट्रेनिं इन गैट एंड क्यू.ओ.एल. विथ स्ट्रेक सर्वाइवर्स।
9. इफेक्ट ऑफ काइनेसिओ टापिं ऑन सब आक्यूट स्ट्रोक ऑन हैंड फंकशन ।
10. इफेक्टिवनेस ऑफ एन.डी.टी. ऑन मोबिलिटी फॉर चिल्ड्रेन विथ सी.पी. ।
11. इफेक्ट ऑफ मोडिफायड ह्विल चेयर स्किल ट्रेनिं प्रोग्राम ऑन क्यू.ओ.एल. इन पर्शन्स विथ एस.सी. आई. ।
12. इफेक्ट ऑफ टाकटाईल एंड प्रोप्रायोसेपटिव स्टिमुलेशन ऑन हैंड राईटिं आमंग ए.एस.डी. चिल्ड्रेन ।
13. इफेक्टिवनेस ऑफ बाइलैटेरल आर्म ट्रेनिं एलंग विथ फिस फॉर रेस्टोरेशन ऑफ अपर लिंब फंकशन एंड ए.डी.एल. परफरमांस इन क्रोनिक स्ट्रोक ।
14. रिलेशनसिप बिटविन टेम्प्रामेंट सेंसोरी इस्यूस एंड मोटोर कोअरडिनेशन इन चिल्ड्रेन विथ ए.एस.डी.।
15. यूज ऑफ हैंड टियुटर टू इंप्रुव ग्रिप, पिंच स्ट्रेंथ एंड हैंड फंकशन इन स्ट्रोक सरवाइवर ।

प्रोस्थेटिक्स एवं अर्थोटिक्स विभाग

(एस. एवं टी मिसन मोड के तहत संपुर्ण हुए वीत्त पोषित परियोजनाएं)

1. मोडुलर बी.के. प्रोस्थेसिस का विकास ।

एसवीनिरतार में मोडुलर बी.के प्रोस्थेसिस के निर्माण के लिए एलिम्को से प्राप्त मोडुलर बी.के कीट्स एक नियमित उपकरण के रूप में व्यवहृत हो रहा है । 150 बी.के आंपुटीस में 178 मोहुलार बी.के प्रोस्थेसिस एवं 14 बाईलाटेराल आंपुटीस लगाये गए हैं । एलिम्को द्वारा कम संख्या में मोडुलर बी.के. उपकरण आपुर्ति होने के कारण अधिक मामलों में यह उपकरण नहीं लगाये गए हैं ।

2. मोडुलर ए.के. प्रोस्थेसिस का विकास ।

एलिम्को से प्राप्त मोडुलर ए.के. प्रोस्थेटिक किट का उपयोग मोडुलर ए.क. एवं टी.के. प्रोस्थेसिस

के निर्माण में एक नियमित उपकरण के रूप में व्यवहार किया जाता है । 17 टी.के. आंपुटी एवं 40 ए.क. आंपुटी में 57 मडुलर ए.क. किट चार बार सहलग्नक घुटने के जोड से लगाये गए हैं ।

आर एवं डी. परियोजनाएं प्रगति पर

1. इफेक्ट ऑफ प्रीफेब्रिकेटेड निओप्रिनि हैंड स्प्लिंट ऑन ग्रिप स्ट्रेग्थ इन चिल्ड्रेन विथ हेमिप्लेजिक सेरेब्राल पालसी ।
2. इमिडिएट इफेक्ट ऑफ सिलिकॉन इनसोल्स ऑन पोस्चर एंड बालांस इन चिल्ड्रेन विथ फ्लेक्सिबल फ्लाट फूट ।
3. ए स्टडी ऑन क्लिनिकॅल एफिसिंएसी ऑफ मोडिफायड मोल्डडेड ए.एफ.ओ. इन द मेनेजमैट ऑफ क्लब फूट ।
4. इंपाक्ट ऑफ गिटर ऑन एलबो स्पाटिसिटी एंड पैन इन सबजेक्ट्स विथ स्ट्रोक ।
5. इफेक्ट ऑफ रिजिड लूम्बोसाक्राल ऑथोसिस ऑन रेडिओग्राफिक फिर्चस एंड पैन इन पैशेंट्स विथ स्पडिलिओलिस्थेसिस ।
6. इफेक्ट ऑफ एंकेल फूट ऑथोसिसऑन स्टटिक स्टाबिलिटी एंड बालांस इन सबजेक्ट्स विथ स्पाटिक डाइप्लेजिक सेरेब्राल पालसी ।
7. इफेक्ट ऑफ अलटेरेशन्स ऑफ एलाइनमेंट ऑफ एंकल फूट ऑथोसिस ऑन सबजेक्ट्स विथ स्ट्रोक।
8. कंपारिसन बिटविन फ्लाट एंड कोस्टमाईज्ड सिट कुशन इन सबजेक्ट्स विथ स्पाईनल कॉर्ड इंजूरी ।
9. कंबाइंड इफेक्ट ऑफ डाइनामिक हैंड स्पिंट एंड थेरापी ऑन हैंड ग्रिप स्ट्रेंग्थ इन सबजेक्ट्स विथ स्ट्रोक ।
10. इमिडि,ट इफेक्ट ऑफ ब्राचिंग ऑन बालांस एंड पोस्चर इन एडोलेसेंट ईडिओपाथिक स्कोलिओसिस।

समाजकार्य विभाग

दिव्यांगता एवं पुनर्वास के पहलुओं पर सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पक्ष पर विभिन्न चुनौतिपूर्ण मद पर अनुसंधान कार्य हो रहा है । संस्थान में विभागाध्यक्ष, डी.एस.डब्ल्यू के देख रेख में यू.एन. स्वायत कॉलेज ऑफ साईंस एंड टेकनोलॉजी, अडसपुर के एम.एस.ड्बल्यू. के छात्रों के अभिकरण कार्य नियोजन के दौरान वर्ष 2018-19 के लिए तीन अनुसंधान कार्य किया गया एवं संपूर्ण हुए ।

1. ''इंपाक्ट ऑफ स्किल डेवेलपमेंट ट्रेनिं प्रोग्राम्स ऑन क्वालिटि लाईफ ऑफ पर्शन्स विथ डिसाबिलिटिस इन रुरल एरिआज — ऑन इवालुयेटिव स्टडि विथ स्पेसिअल रेफखेरेंस टू एसवीनिरतार'' ।

समय सीमा : 2017-18

निष्कर्ष : Improving the quality of life of people with disabilities is a difficult and challenging task. World Health Organization estimates that 10% of the world's population has some kind of disability, and around 80% of the disabled population resides in rural areas. Improved training and skill development has to be a critical part of the

employment strategy. Employment is often seen as an important step towards the rehabilitation and empowerment of person with disability, because it provides a sense of belonging, importance and independence. However, persons with disabilities often face many barriers when seeking employment and this is particularly in rural areas. Despite Government pledges to ensure equality of opportunity for people with disabilities through different skill development training programmes for employment but till now it is not been accessible to most of rural youths.

2. ''वमेंन विथ डिसाबिलिटि'' — एक्ससेश टू सोसल एंड जुडिशियल सपोर्ट - ए स्टडी एट् एसवीनिरतार।

समय सीमा : 2018-19

निष्कर्ष : Girls and women of all ages with any form of disability are generally among the more vulnerable and marginalized of society. Less than five per cent of girl children and Women with disabilities have access to education and training. Girls and young women face significant barriers to participating in social life and development. When women with disabilities work, they often experience unequal hiring and promotion standards, unequal access to training and retraining, unequal access to credit and other productive resources, unequal pay for equal work and occupational segregation, and they rarely participate in economic decision making. Women with disabilities are particularly vulnerable and faced gender discrimination, violence, poverty, armed conflict, dislocation and other forms of social deprivation. Women with disabilities are among the most hidden and neglected of all displaced people, excluded from or unable to access most aid programs because of physical and social barriers or because of negative attitudes and biases. Definitely there is need of Social and Judicial support to this vulnerable group to uplift these women with disability.

3. ''इस्यूज एंड चालेंज्स ऑफ पर्शन्स विथ स्पाईनल कार्ड इंजुरी'' — ए स्टडी एट् एसवीनिरतार।

समय सीमा : 2018-19

निष्कर्ष : In India, the situation is quite different from that of developed nations. Majority of the Indian population is in rural area which lacks the basic necessity and safety precautions such as lack of fencing to the wells, roof, and staircase and has poorly built/substandard homes (mud homes), Therefore, people are at a greater risk of having spinal injury either due to fall from height or fall of a heavy object. Other cause is road traffic accidents which are increasing due to lack of strict implementation in smaller cities and villages and also the lack of awareness regarding the traffic rules. According to the WHO, the incidence of this disease is on the rise in developing countries like India and road traffic accidents will become the third most disabling condition by 2020. Trauma care services in India are in its initial stage or evolving, and there is inconsistency in their distribution. There is a lack of coordination between the trauma care facilities and ambulance services.

❑❑❑

अध्याय - 3

भौतिक औषधि एवं पुनर्वास विभाग

3.1 प्रस्तावना

भौतिक औषधि एवं पुनर्वास विभाग संस्थान के प्रमुख विभागों में से एक है । इस विभाग में विभिन्न प्रकार के जन्मजात एवं अर्जित दिव्यांगता स्थिति का उपचार किया जाता है तथा विभिन्न अस्पतालों से भेजे गए उपेक्षित ट्रोमा मामलों का भी विशेष तौर पर चिकित्सा कराया जाता है । यह विभाग दिव्यांगता एवं पुनर्वास सेवा के क्षेत्र में अपने उत्कृष्टता के कारण भलीभांती परिचित है । यहां पर विभिन्न प्रकार के बीमारियों के कारण चलन संबंधी दिव्यांगता से ग्रस्त रोगियों का व्यापक स्तर पर पुनर्वास कराया जाता है । इसमें से कुछ आम स्थिति जन्मजात विकृति जैसे जन्म से विकलांगता, ट्रोमा के कारण अर्जित विकृति, संक्रमण आदि हैं तथा अन्य स्थिति प्रमस्तिष्क अंगघात, आरथ्राईटिस, मस्तिष्क घात, झटका, मेरूदण्ड क्षति, कुष्ठरोग, अम्प्यूटी, ट्यूमर, स्नायुगत गड़बड़ी के कारण भी होते हैं ।

3.1.1 रोगियों के लिए सम्प्रति उपलब्ध आधारभूत सेवाएं

- ओ.पी.डी. एवं आपातकालीन सुविधाएं
- 100 शैया वाला अस्पताल
- दो मोड्यूलार शल्योपचार कक्ष
- ओ.आर.एस. (ऑनलाईन आरक्षण पद्धति), ततकाल उपचार क्लिनिक, प्रार्थना गृह, क्लबफूट क्लिनिक

रोगियों के लिए सुविधाएं

- नि:शुल्क भोजन एवं ओषधि

3.2 इस विभाग में कर्मचारी वर्ग का विवरण नीचे की तालिका में दिया गया है ।

विवरण	स्वीकृत पद	पूरित पद	रिक्त पद
संकाय	10	7	03
तकनीकी	33	18	15
प्रशासनिक	16	15	01
कुल	**59**	**40**	**19**

3.3 सेवा गतिविधियां

संस्थान में पुनर्वास सेवा प्रदान करने के लिए ओ.पी.डी. (नामांकन क्लिनिक) में चिकित्सा क्रम में रोगियों/भिन्नक्षम जनों का मूल्यांकन चिकित्सा प्रक्रिया का मानांकन तथा पुनर्वास संबंधी योजना पुनर्वास व्यावसायिकों के एक दल द्वारा किया जाता है, जिसमें अस्थिरोग शल्य चिकित्सक / फिजियाट्रिस्ट, प्रोस्थेटिस्ट/ ऑर्थोटिस्ट , भौतिक चिकित्सक, व्यावसायिक चिकित्सक, श्रवण विज्ञानी/वाणी चिकित्सक, नैदानिक मनोवैज्ञानिक एवं सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हैं । संस्थान में विकिरण चिकित्सा विज्ञान तथा रोग विज्ञान संबंधी जाँच जैसी सहायक सेवायें भी उपलब्ध हैं ।

3.3.1 गत तीन वर्षों के दौरान उपचार किये गए रोगियों की कुल संख्या नीचे तालिका में उल्लिखित है :

सेवा का प्रकार	2016-17	2017-18	2018-19	
			लक्ष	प्राप्तियां
मानांकन क्लिनिक (ओ.पी.डी.) में देखे गए रोगी	(27373 - नये कैस) 14128 - पुराना कैस) कुल- 41501	(26220 - नये कैस) 13,440 - पुराना कैस) कुल- 39660	(26220 - नये कैस) 13,440 - पुराना कैस) कुल- 39660	(38021- नये कैस) 15758- पुराना कैस) कुल- 53779
आवासी रोगी	1,054	1,320	1,320	1122
शल्य चिकित्सकीय सुधार	6,287	5,736	5,736	5598
विकिरण विज्ञान संबंधी जाँच	22,069	19,524	19,524	16,899
रोग विज्ञान संबंधी जाँच	14,949	12,624	14,949	16,843
रेल कंसेशन प्रमाण पत्र जारी	243	180	__	166
नई डॉर्मिटॅरी		314	__	396
जराचिकित्सा क्लिनिक		482	__	142
मुत्रविज्ञान क्लिनिक		197	__	148
बालरोग क्लिनिक		__	__	14

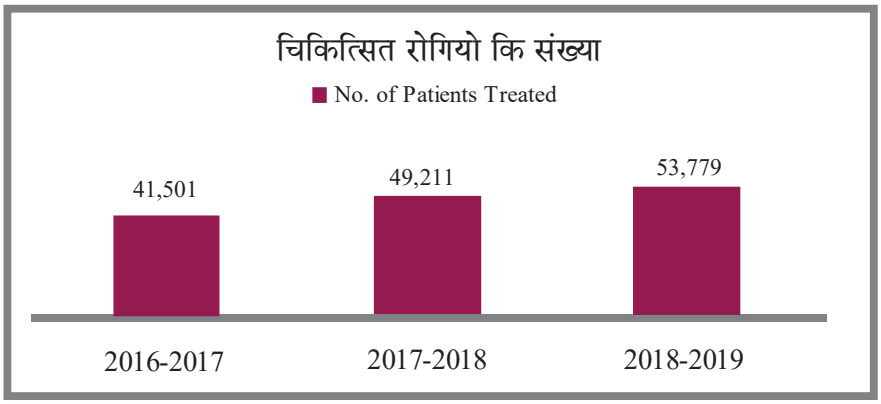

गत तीन वर्षों के दौरान चिकित्सित रोगी

3.3.2 विशेष निदानालय/नैदानिक बैठक

एसवीनिरतार अम्प्युटियों, प्रमस्तिष्क अंगघात एवं जन्मजात विकृतियों से पीड़ित मरीजों की बेहेतर चिकित्सा के लिये विशेष क्लिनिक का भी संचालन कर रहा है । विभिन्न विभागों के विशेषज्ञ एकसाथ बैठकर रोगियों की समस्या की पहचान करते हैं तथा प्रत्येक भिन्नक्षम व्यक्ति के व्यवस्थापन संबंधी प्रोटोकॉल का निर्धारण करते हैं । उपरिलिखित स्वाथ्य सुविधाओं के लिए निम्न प्रकार की क्लिनिक कार्य कर रहे हैं —

– स्नायुरोग क्लिनिक
– बालरोग क्लिनिक
– मूत्र विज्ञान क्लिनिक

3.3.3 यहाँ पर चिकित्सा के लिये विभिन्न राज्यों से रोगी आते हैं तथा विगत तीन वर्षों के दौरान रोगियों का प्रकार, आयु तथा क्षेत्रवारी वर्गीकरण तालिकाओं में दिया गया है ।

(a) आवासी रोगियों का राज्य वारी वर्गीकरण

राज्य का नाम	रोगियों की संख्या		
	2016-17	2017-18	2018-19
ओड़िशा	998	1031	1022
बिहार	11	9	15
छत्तीसगढ़	7	6	10
झारखंड़	6	5	6
पश्चिम बंगाल	22	23	11
आन्ध्र प्रदेश	1	3	26
अन्य	9	21	32
कुल	**1054**	**1098**	**1122**

(b) आवासी रोगियों का रोग के प्रकार अनुसार वर्गीकरण

रोगियों का प्रकार	रोगियों की संख्या		
	2016-17	2017-18	2018-19
प्रमस्तिष्क अंगघात	90	82	90
पी.पी.आर.पी.	17	22	35
अम्प्युटियां	151	148	149
अर्जित विकृतियां	39	49	50
हैन्सन रोग	5	7	5
विकासात्मक विकृतियां	103	98	89
जलने से हुई सिकुड़न	11	20	19
लकवा	163	170	160
जन्मजात विकृतियां	212	260	225
अन्य	263	242	300
कुल	**1054**	**1098**	**1122**

(c) आवासी रोगियों का क्षेत्र वारी वर्गीकरण

क्षेत्र का प्रकार	रोगियों की संख्या		
	2016-17	2017-18	2018-19
शहरी	153	289	303
ग्रामीण	756	680	697
जनजातीय	145	129	122
कुल	**1054**	**1098**	**1122**

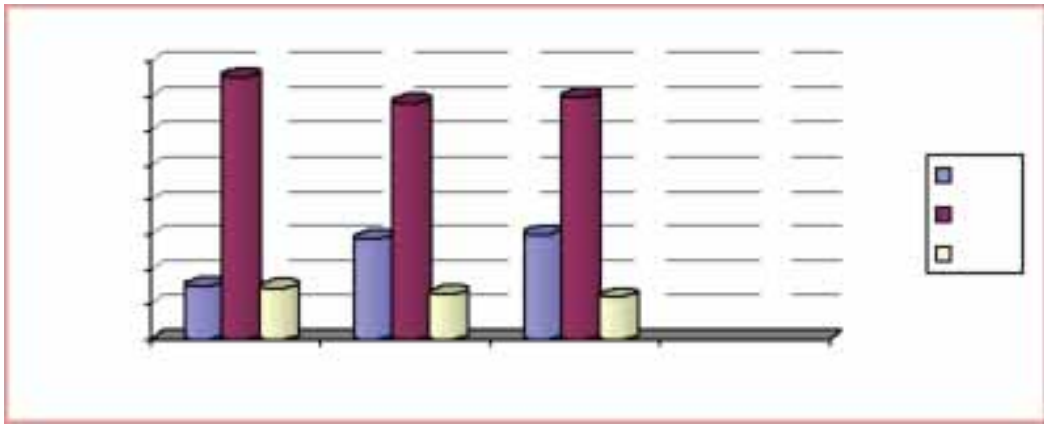

आवासी रोगियों का क्षेत्र वारी वर्गीकरण

(d) आवासी रोगियों का आयु वारी वर्गीकरण :

आयु वर्ग		रोगियों की संख्या		
		2016-17	2017-18	2018-19
14 वर्ष से कम	पुरुष	340	361	356
	महिला	125	120	109
14 वर्ष से अधिक	पुरुष	351	360	401
	महिला	238	257	256
कुल		**1054**	**1098**	**1122**

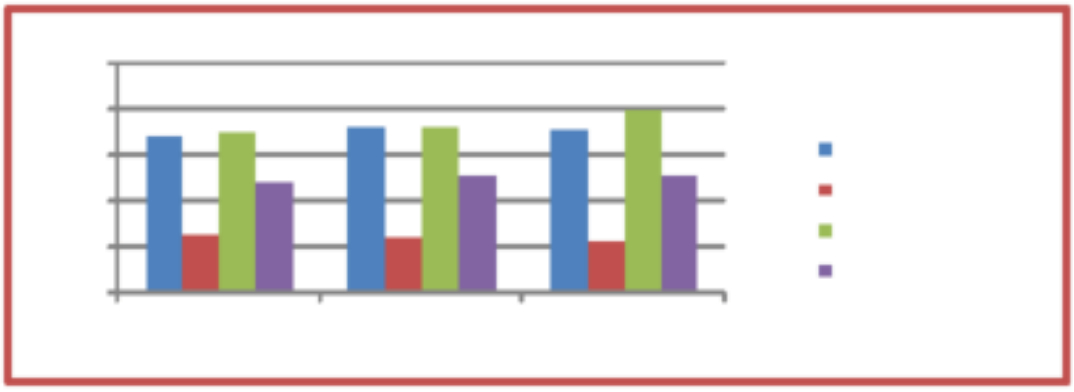

आवासी रोगियों का उम्र वारी वर्गीकरण

3.3.4 मानांकन - सह - शल्यक्रिया शिविर :

विभाग ने राज्य के कई भागों में तथा राज्य के बाहर विभिन्न शिविर क्रियाकलापों में भाग लिया । बाह्य - पुनर्वास के तहत मानांकन - सह - वितरण शिविर आयोजित हुए । ऐसे मरिज़ जो संस्थान में आने में असमर्थ हैं उनके लिए भी विभाग राज्य तथा राज्य के बाहर के सुदूर क्षेत्रों में शल्योपचार शिविर के तहत शल्योपचार पुनर्वास में सामुदायिक स्तर पर सेवा उपलब्ध करा रहा है । वर्ष के दौरान 05 सुधारात्मक शल्योपचार शिविर में 147 सर्जरी संपादित किए गए ।

■ **आकलन सह शल्यक्रिया शिविरों का व्यौरा** 2017-18

क्र.	शिविर स्थल	आकलनों की संख्या	शल्यक्रिया संख्या	शल्य चिकित्सक
i.	कोरापुट में शल्यक्रिया शिविर दिनांक 19.09.2018		31	डॉ. के.सी.महापात्र डॉ पी. के. साहु डॉ एन.के.बेहेरा
ii.	केउंझर में शल्यक्रिया शिविर दिनांक 11.10.2018		32	डॉ. के.सी.महापात्र डॉ डी.के. सिंह डॉ. एन. दास
iii.	जिला अस्पताल, सुंदरगढ़ में शल्यक्रिया शिविर दिनांक 08.11.2018 से 10.11.2018 तक		29	डॉ. के.सी.महापात्र डॉ पी. के. साहु डॉ. एस.प्रधान
iv.	जिला अस्पताल, भवानीपाटना, कलाहांडि में शल्यक्रिया शिविर दिनांक 18.12.2018 से 20.12.2018 तक		30	डॉ. के.सी.महापात्र डॉ पी. के. साहु डॉ. एस.प्रधान
v.	सी.आर.सी. गुवाहाटी में शल्यक्रिया शिविर दिनांक 09.01.2019 से 10.01.2019 तक		25	डॉ. एस.पी. दास डॉ. के.सी.महापात्र डॉ पी. के. साहु डॉ. एस.प्रधान

3.4 शैक्षिक गतिविधियां

3.4.1 लघु अवधि पाठ्यक्रम / विभागीय संगोष्ठी

विभाग ने कुछ लघु अवधि पाठ्यक्रम आयोजित किये । इसका विसृत विवरण अध्याय -15, मानव संसाधन विकास (शैक्षिक विभाग) में उपलब्ध है ।

3.4.2 सम्मेलनों, कार्यशालाओं, सि.एम.ई. एवं संगोष्ठी आदि में वैज्ञानिक लेख-पत्रों का प्रस्तुतीकरण :

विभिन्न सम्मेलनों एवं संगोष्ठी आदि में स्टाफ द्वारा प्रस्तुत लेख - पत्र का विस्तृत विवरण निम्न प्रकार हैं :

''फिजिकॅल एंड मेंटल डिसाबिलिटि इन द लाईट ऑफ ग्लोवाल बेस्ट प्राक्टिस इन केयर, रिहाबिलिटेशन एंड रिसर्च'' पर राष्ट्रीय सम्मेलन :

(i) डॉ. पी.के साहु, सहा. प्रोफेसर (पी.एम.आर.)

- विषय : ''ग्लोवाल बेस्ट प्राक्टिस इन केयर, रिहाबिलिटेशन एंड रिसर्च फॉर लोकोमोटर डिसाबिलिटि एंड ड्वारफिसिम ।''

कोयमबटुर, तामिलनाडु में 28 नवंबर 2018 से 01 दिसंबर 2018 तक आई.ओ.ए.सी.ओ.एन. सम्मेलन (IOACON) -2018 का प्रस्तुतिकरण किया गया ।

(i) डॉ. एस.पी.दास, सह प्रोफेसर (पी.एम.आर./ऑर्थो)

- विषय : ''अर्लि सेंट्रालाईजेशन एंड रिकंस्ट्रकशन ऑफ एंकल इन कंजेनसिअल आबसेंस ऑफ फिबुला ।''

दिनांक 19 से 20 जनवरी 2019 तक मुंबई में भौतिक औषधि एवं पुनर्वास के राष्ट्रीय बार्षिक सम्मेलन :

(i) डॉ. पी.के साहु, सहा. प्रोफेसर (पी.एम.आर.)

- विषय : ''वीडिओ प्रेजेंटेशन ऑन हामर्ष्ट्रिंग लेंदेनिंग ।''

भौतिक औषधि एवं पुनर्वास संघ, कटक, ओडिशा

(i) डॉ. एस.पी.दास, सह प्रोफेसर (पी.एम.आर./ऑर्थो)

- विषय : ''ऑर्थोपेडिक सर्जरी इन सेरेब्राल पालसी ।''

(ii) डॉ. पी.के.साहु, सहा. प्रोफेसर (पी.एम.आर.)

- विषय : ''क्लब फूट मेनेजमेंट - ह्वेर आम आई रंग ।''

(iii) डॉ. डी. के. सिंह, प्राध्यापक

- विषय : ''मालालिगमेंट टेस्ट ।''

(iv) डॉ. अभिषेक सानेयल, (डी.एन.बी.)

- विषय : ''ड्रगस् इन न्यूरोरिहाबिलटेशन ।''

(v) डॉ. नागेश्वर उजाडे, (डी.एन.बी.)

- विषय : ''डापामाईन इन ब्रेन ।''

(vi) डॉ. दिवाकर मिश्र, (डी.एन.बी.)

- विषय : ''एम.ई.टी.स्कोर क्लिनिकॅल आप्लिकेशन ।''

(vii) डॉ. महेश्वर विजय, (डी.एन.बी.)

- विषय : ''बालिअंट सिंड्रोम ।''

(viii) डॉ. नेहाल, (डी.एन.बी.)

- विषय : ''उ्वान एंड हाफ सिंड्रोम ।''

(ix) डॉ. लोपा, (डी.एन.बी.)

- विषय : ''मार्टिन ग्युवर आनास्टोनाशिस ।''

3.4.3 जर्नल में लेख -पत्रों का प्रकाशन :

(i) डॉ. पी.के साहु, सहा. प्रोफेसर (पी.एम.आर.)

- ''ऑन क्लासिफायड ट्राइबाल हेमिमेलिआ'' — क्लिनिकॉल रिसर्च फूट एंकेल जर्नल - 2018, वोल.-6, इसु - 2 में प्रकाशित ।
- ''रिहाबिलटेशन ऑफ अरगानोस्पेट इनड्यिूड डिलेड पोली न्यूरोपाथी'' — अंतराष्ट्रीय जर्नल ऑफ भौतिक औषधि एवं पुनर्वास - 2018, वोल.-6, इसु - 4 में प्रकाशित ।
- ''स्प्लिट ह्याड एंड फूट मालफरमेशन विथ कंजेनशियल डिफरमिटि ऑफ टिबिआ : नोवेल रिहाबिलिटेशन एप्रोच ऑफ रेयर सिंड्रोम'' — इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन ऑर्थोपेडिक, 2018 - नवंबर, वोल.- 4 (6) 913-17 में प्रकाशित ।
- ''चारिटी टू ह्यूमन राईटस् – ए जर्नि फॉर पर्सन विथ डिसाबिलिटिज '' — सोवनियर ऑफ ओडिशा ऑर्थोस्कोपी सोसाइटी वार्षिक सम्मेलन में प्रकाशित ।

(ii) डॉ. एस.पी. दास, सह प्रोफेसर (पी.एम.आर./ऑर्थो)

- ओड़िशा आन्थ्रोस्कोपी सोसाइटी ने वार्षिक सम्मेलन के स्मारिका में ''कम्युनिकेशॅन आण्ड सोशीआलाईजेशॅन'' प्रकाशित हुआ।

3.4.4 अन्य सूचना

(i) डॉ. एस.पी. दास, सह प्रोफेसर (पी.एम.आर./ऑर्थो)

- दि.28.11.2018 से 01.12.2018 तक कोयमबटूर में आयोजित आई.ओ.ए.सी.ओ.एन. 2018 में भाग लिया और तीन सत्र को संबोधित किया ।
- दि.3.11.2018 से 4.11.2018 तक ओड़िशा अर्थोस्कापी सोसाइटी सम्मेलन, भुवनेश्वर, ओडिशा के वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया ।

(ii) डॉ. पी.के. साहु, सहा. प्रोफेसर (पी.एम.आर.), डॉ. एन. दास एवं डॉ. पी.के. परिडा

- दि.21.04.2018 को पुरी ओडिशा में ऑर्थो-जेरिआट्रिक्स पर आयोजित सी.एम.ई. में भाग लिया और डॉ. पी.के. साहु, ने सत्र को संबोधित किया ।

(iii) डॉ. पी.के. साहु, सहा. प्रोफेसर (पी.एम.आर.)

- दि.15.09.2018 से 16.09.2018 तक ''न्यूरोलॉजिक ब्लाडर इनकॉटिनेन्स एंड यूरोडायनामिक्स '' पर नई दिल्ली में आयोजित द्वितीय अंतराष्ट्रीय मास्टरक्लास में भाग लिया ।
- दि.15.11.2018 से 18.11.2018 तक '' पेडिआट्रिक कोर्स '' पर मुंबई ऑर्थोपेडिक सोसाइटी, मुंबई और मुंबई के विभिन्न अस्पतालों द्वारा हुए पेडिआट्रिक्स ऑर्थोपेडिक सर्जरी में भाग लिया ।

- दि.27.11.2018 से 29.11.2018 तक '' रिसर्च मेथडोलॉजी इन हेल्थ साईंस'' पर आई.एम.एस. एवं सम् अस्पताल, भुवनेश्वर द्वारा आयोजित आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया ।

(iv) डॉ. डी.के. सिंह, प्राध्यापक

- दि.18.07.2018 को ''बार कोडिं सिस्टम फॉर मेनेजमेंट ऑफ बायोमिडिकॅल वेस्ट डेमनस्ट्रेशन'' पर होटल प्रेसिडेंसी, इस्कन मंदिर के पास, भुवनेश्वर में हुए वैठक में भाग लिया ।
- दि.02.08.2018 से 04.08.2018 तक ''एडवांसड एप्लिकेशन ऑफ एस.यू.वी. डिफॉरमिटी करेकक्सन'' पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया ।
- दि.30.01.2019 को कटक में पालन किये गये एनटि - लेपर्सि डे में भाग लिया ।

(v) डॉ. निवेदिता दास, प्रध्यापक

- दि.20.12.2018 को सी.आर.सी. गुवाहाटी द्वारा आयोजित मानांकन शिविर में भाग लिया तथा शल्यक्रिया के लिए 27 रोगियों को चुने ।

(vi) डॉ. प्रमोद कुमार परिडा, प्राध्यापक

- दि.16.12.2018 को मोहंगा, कटक में आयोजित मेगा हेल्थ केंप में भाग लिया । कुल 57 रोगियों का मानांकन किया गया एवं 17 तीपैहा साईकेल, ह्विल चेयर और ब्लाइंड स्टिक बांटे गये ।

(vii) डॉ. सुधाकर प्रधान, प्रध्यापक

- दि.03.12.2018 को महाबोधि सोसाइटी ऑफ इंडिआ द्वारा आयोजित मानांकन शिविर में भाग लिया तथा कुल 40 रोगियों का मानांकन किया ।

(viii) डॉ. एन.के.बेहेरा, प्राध्यापक एवं श्री देवी प्रसाद मिश्र

- दि.30.01.2019 से 31.01.2019 तक दंगागादी एवं सुकिंदा में कलिंगनगर के ग्रामीण लोगों के लिए आयोजित स्वास्थ्य मेला में भाग लिया ।

(ix) दि.21.06.2018 को अस्पताल में चौथा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का पालन किया गया । इस इस समारोह का उद्घाटन संस्थान के निदेशक एवं विभागाध्यक्ष, पी.एम.आर.डी. ने किया । समारोह में सभी रोगी एवं उनके परिवारजन मौजुद थे । तीन योग गुरु मार्ग दर्शन के लिए उपलब्ध रहे ।

(x) दि.23.10.2018 को एसवीनिरतार के प्रेक्षागृह में सी.ओ.एल.एस. सीधा कार्यशाला का आयोजन कराया गया । एस.सी.बी. मेडिकॉल कॉलेज, कटक के संकाय प्रो. बसंत प्रधान, प्रो. निवेदिता रानी, प्रो. अनंग मोहन दलाई एवं डॉ. देवाशिष ने विशेषज्ञ के रूप में कार्यशाला में भाग लिया । सभी मरीज, अटेडांट, सुरक्षा कर्मचारी एवं अन्य मेडिकल स्टाफ ने कार्यशाला में भाग लिया ।

(xi) दि.09.12.2018 को एसवीनिरतार के पी.एम.आर. विभाग के साथ भौतिक औषधि एवं पुनर्वास पर प्रथम राष्ट्रीय सम्मेलन में सभी डॉक्टरों एवं पी.जी. (डी.एन.बी. पी.एम.आर.) छात्रों ने भाग लिया ।

निदेशक महोदय द्वारा प्रस्तुतिकरण

यूरोडाईनामिक्स प्रयोगशाला में
यूरोडाईनामिक्स अध्ययन

पी.एम.आ.डी. में शीघ्र हस्तक्षेप क्लिनिक

माईनर शल्योपचार कक्ष में पोनेस्टी प्लास्टर कास्टिंग

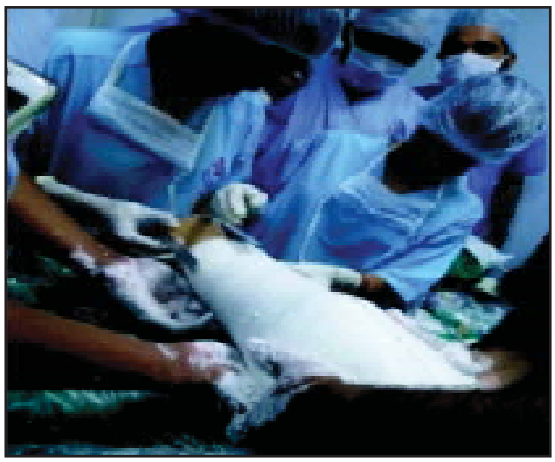

प्रमुख शल्योपचार कक्ष में आई.पी.ओ.पी. का लगाये जाने का निदर्शन

अध्याय - 4

प्रोस्थेटिक्स एवं ऑर्थोटिक्स विभाग

4.1 प्रस्तावना :

प्रोस्थेटिक एवं ऑर्थोटिक संस्थान का सबसे पुराना विभाग है एवं यहां से एकदा संस्थान का प्रारम्भ हुआ । चूंकि प्रोस्थेटिक एवं ऑर्थोटिक चलन संबंधि पुनर्वास में एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है अत: दिव्यांगजनों के लाभार्थ तकनीकी के विकास के लिए अनुसंधान एवं विकास कार्यक्रम हेतु इसे समुचित समय की आवश्यकता है । विभाग दोनों बी.पी.ओ. स्नातक एवं बी.पी.ओ. स्नातकोत्तर दीर्घावधि पाठ्यक्रम के लिए यथाक्रम साढेचार वर्ष एवं दो वर्ष का अवधि का पाठ्यक्रम चला रहा है । इसके अतिरिक्त विभाग इस क्षेत्र में नवीनतम विकास को सुग्राही बनाने के लिए विभिन्न अल्पा - मोड्युल पाठ्यक्रमों का भी संचालन करा रहा है । इसमें प्रोस्थेटिक एवं ऑर्थोटिक पृष्ठभूमि के व्यवसायिकों, मरिजों तथा उनके परिवारजनों के लिए , नियम संशोधन भी अन्य सेवा व्यवस्था उपलब्ध करा रहे लोग शामिल है । हालांकि इसके विभाग के अन्तर्गत दिव्यांगजनों को सहायक यत्र एवं उपकरण के वितरण के लिए राज्य तथा राज्य के बाहार बाह्य-पहुंच पुनर्वास शिविर का भी संचालन कराया जा रहा है । विभाग देश के विभिन्न भागों में सी.आर.सी. स्थापना कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है ।

4.2 विभाग के स्टाफ की संख्या

विवरण	स्वीकृत पद	पूरित पद	रिक्त पद
संकाय	12	06	06
तकनीकी	25	10	15
प्रशासनिक	05	05	0
कुल	**42**	**21**	**21**

4.3 सेवायें

4.3.1 कर्मशालाएँ

संस्थान में सहायक यंत्र एवं उपकरण बनाने के लिए, प्रोस्थेटिक एवं ऑर्थोटिक पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण देने के लिये तथा रोगियों को सेवायें प्रदान करने के लिए इस विभाग में अत्याधुनिक यंत्र एवं उपकरणों से युक्त दो आधुनिक कर्मशालायें और एक चमड़ा अनुभाग है ।

4.3.2 सहायक यंत्र एवं उपकरणों का फिटमेंट

पिछले तीन वर्षों के दौरान लगाये गये / प्रदान किये गये पुनर्वास सहायक यंत्रों एवं उपकरणों का विवरण नीचे तालिका में दर्शाया गया है ।

उपकरणों का स्वरूप	2016-17	2017-18	2018-19
प्रोस्थेसिस	374	372	291
ऑर्थोसिस	2078	2105	2052
सर्जिकल जूते	544	470	534
पहिएदार कुर्सियां	144	137	103
तिपहिया साईकिल	59	92	53
स्पाइनल ब्रेस	326	254	294
क्रचेस	227	267	147
पुनर्वास सम्बन्धी अन्य सहायक यंत्र	77	281	125
कुल	**4044**	**3978**	**3599**

4.3.3 शिविर

इस विभाग के स्टाफ ने कई पुनर्वास शिविरों एवं प्रदर्शनियों में भाग लिया ।

क्रमांक	शिविरों की संख्या	लाभार्थियों की संख्या	पुनर्वास संबंधी सहायक यन्त्र एवं उपकरणों की संख्या
1	8	656	919

इस संबंध में अधिक जानकारी अध्याय -12 भिन्नक्षमों को सहायता (ए.डी.आई.पी.) में है ।

4.4 अकादमिक गतिविधियां

4.4.1 दीर्घकालीन पाठ्यक्रम

वर्तमान में संस्थान प्रोस्थेटिक्स एवं आर्थोटिक्स (बी.पी.ओ) पर साढ़े चार वर्ष (छः महीने की इटर्नशिप सहित) चला रहा है इसमें 46 सीट हैं । 2 वर्ष अवधि के एम.पी.ओ. पाठ्यक्रम वर्ष 2018 -19 के लिए आरम्भ हुए हैं । इस पाठ्यक्रम में प्रवेश क्षमता 10 विद्यार्थियों की है ।

4.4.2 लघु अवधि पाठ्यक्रम

विभाग कुछ लघु अवधि के पाठ्यक्रम चलाता है । विवरण अध्याय - 15 , मानव संसाधन विकास (शैक्षिक विभाग) अध्याय में हैं ।

4.4.3 विश्वविद्यालय परिक्षा परिणाम

बी.पी.ओ तृतीय वर्ष में 39 छात्र द्वीतिय वर्ष में 34 छात्र एवं प्रथम वर्ष में 40 छात्र परिक्षा में सामिल हुए एवं परिक्षा परिणाम प्रतीक्षित है । इस विभाग के एम.पी.ओ पाठ्यक्रम के 9 छात्र फाईनल एम.पी.ओ परिक्षा में सामिल हुए एवं परिक्षा परिणाम प्रतीक्षित है ।

4.4.4 आमन्त्रित अतिथि संकाय

दिर्घावधि पाठ्यक्रमों में व्याख्यान देने के लिए अतिथि संकाय बुलबाये गए । श्री हिमांसु सेखर महापात्र, प्राध्यापक, बटनी, यू.एन. कॉलेज, अडशपुर को एनवाईनमेंटल स्टडी एवं आर.एन.डी. प्रा. प्रयोगशाला, भुवनेश्वर के इंजिनियर शिव श्री महारणा को रिसर्च मेथडोलॉजी एवं बायो - स्टटिसटिक विषय पर व्याख्यान के लिए बुलाया गया ।

4.4.5 इंटर्नशिप

37 छात्रों ने अपना अंतीम वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण होने के बाद छ: महीने की रोटाटॅरी इंटर्रशीप कार्यक्रम में दाखिला लिया है एवं 31 विद्यार्थियों ने अपना रोटाटॅरी इंटर्नशीप कार्यक्रम पूरा किया है ।

4.4.6 सम्मेलनों, कार्यशालाओं, सि.एम.ई. एवं संगोष्ठी आदि में वैज्ञानिक लेख-पत्रों का प्रस्तुतीकरण

विभिन्न सम्मेलनों एवं संगोष्ठी आदि में स्टाफ द्वारा प्रस्तुत लेख - पत्र का विस्तृत विवरण निम्न प्रकार हैं :

दि.10.01.2019 से 11.01.2019 तक ''डिसाबिलिटि एंड सोसल ईनक्लूशन : 2019'' पर आई.आई.टी. गुवाहाटी में हुए राष्ट्रीय सम्मेलन ।

i. श्री आर.के.महान्ति

- विषय : ''द रोल ऑफ टेक्नोलॉजी'' ।

ई.एस.आई.सी मेडिकल कॉलेज, कोलकता में हुए 13वीं राष्ट्रीय सम्मेलन आई.ए.सी.पी. 2018

i. श्री आर.के.महान्ति

- विषय : ''द रोल ऑफ ऑर्थोसिस फॉर फूट डिसअर्डरस इन सेरेब्राल पालसी'' ।

दि.22.12.2018 से 23.12.2018 तक ईडकोल ओडिटोरियम, भुवनेश्वर में हुए आई.ए.ए.टी.-एन.सी. 2018

i. श्री लालमोहन सेनापति

- विषय : ''ऑन इंपोटेंट इलिमेंट ऑफ एसिसटिव डिवाईस इन द रिहाबिलिटेशन प्रोसेस'' ।

ii. श्री श्रीकांत महारणा, श्री लालमोहन सेनापति, श्रीमती पी. मोनालिसा दाश

- विषय : ''कोष्ट ईफेक्टिव इंटरवेंशन फॉर प्रिवेनशन ऑफ इनफानटाइल टोर्टिकोलिस'' ।

iii. श्री आर.के.महान्ति

- विषय : ''ऑर्थो-प्रोस्थेसिस फॉर टाईप -II फाइबुलर डेफिसिएंट चाईल्ड विथ एंट्रोमेडिअल टिबिअल बोईंग ।''
- विषय : ''सक्सेसफूल प्रोस्थेटिक रिहाबिलिटेशन एंड गैट एनालिसिस ऑफ सबजेक्ट विथ बाईलाटेराल ट्रानटिबियल एमप्यूटेशन : ए कंपारिशन विथ एबुल बडिड कंट्रोल ।''
- विषय : ''प्रोस्थेटिक मेनेजमेंट ऑफ कंजेनसियल बाईलाटेरल लंगिचुडिनल डेफिसिएंसी ऑफ फाईबुला।''
- विषय : ''डिसाईन, डेवेलपमेंट एंड गैट एनालिसिस ऑफ पोलिसेंट्रिक ऑर्थोटिक 4-बार लिंकेज नी बाइ 3डी प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी ।''

iv. श्री आर.के.महान्ति , श्रीमती नंदिता त्रिपाठी

- विषय :''3डी प्रिंटेड ओपन सोर्स मायोइलेट्रिक प्रोस्थेटिक हैंड: डेवेलपमेंट ऑफ प्रोटोटाईप ।''

v. सुश्री संगीता नाएक

- विषय : ''मल्टिपरपोस सी.पी. वाकर ।''

vi. सुश्री स्वप्ना साहु

- विषय : ''एनालाइटिकॅल लिनियर एडज्टेबल मेकानिजिम इन मानुअल ह्विलचेयर्स ।''

4.4.7 परीक्षक

विश्वविद्यालय परिक्षा में निम्न संकायों ने परीक्षक बने ।

(i) श्री एस.एन. राउत, सहा. प्रोफेसर (पी.एंड ओ.)

- दिसम्बर 2018 को एन.आइ.एल.डी., कोलकता में बी.पी.ओ. फाईनल परीक्षा के लिए बाह्य परिक्षक बने ।
- जून 2018 को एन.आइ.एल.डी., कोलकता में बी.पी.ओ. तृतीय वर्ष परीक्षा के लिए बाह्य परिक्षक बने ।

(ii) श्री आर. के. महान्ति, प्राध्यापक (पी. एंड ओ.) परामर्शदाता

- दि.07.02.2019 से 08.02.2019 तक एन.आइ.एल.डी., कोलकता में प्रथम बी.पी.ओ. मौखिक एवं प्रायोगिकि, विश्वविद्यालय परीक्षा 2018 के लिए बाह्य परिक्षक बने ।
- दि.18.03.2019 से 20.03.2019 तक एन.आइ.एल.डी., कोलकता में तृतीय बी.पी.ओ. मौखिक एवं प्रायोगिकि, विश्वविद्यालय परीक्षा 2018 के लिए बाह्य परिक्षक बने ।

4.4.8 अन्य सूचना

(i) श्री एस.एन. राउत, सहा.प्रोफेसर (पी. एंड ओ.) ने दि.11.09.2018 को सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, नई दिल्ली में हुई बैठक में भाग लिया ।

(ii) श्री आर.आर.स्वाईं (कंप्यूटर इंजिनियर) एवं आर.सी. आचार्य, डेमोनस्ट्रेटर ने दि.25.02.2019 को एन.आई.एल.डी. में सी.इ.टी. 2019 के बैठक में भाग लेने कोलकता गये ।

(iii) श्री एन. ओझा, कनि. प्राध्यापक (पी. एंड ओ.) ने दि.06.06.2018 को नई दिल्ली में दिव्यांगजनों के सुविधा के लिए डी.एस.टी द्वारा पर हुई बैठक में भाग लिया ।

(iv) श्री एन. ओझा, कनि. प्राध्यापक (पी. एंड ओ.) एवं श्रीमती स्वाप्ना साहु दि.22.12.2018 से 23.12.2018 तक आई.डी.सी.ओ.एल ऑडिटोरियम में आई.ए.ए.टी.एन.सी.2018 में भाग लिया और युसेज ऑफ आसिसटिव वाल्किं डिवाईसेस एंड ओस्टौआर्थेटिस : ए पैरालाल सीनारिओ पर पोस्टर प्रस्तुत किये ।

(v) श्री एन. ओझा ने इफेक्टिव वे टू रिड्यूस द इनसिडेन्स ऑफ एम्पूटेशन इन डायबेटिक फूट पर एवं क्रियेट आवेरनेस आमंग ग्रास रुट लेवल फॉर सिलेक्सन ऑफ एप्रोप्रियेट क्रच एंड क्रच गैट पर पोस्टर प्रस्तुत किये ।

(vi) श्री एन. ओझा, कनि. प्राध्यापक (पी. एंड ओ.) दि.22.01.2019 को नई दिल्ली में फंड सांग्सनिं अथोरिटी (एफ.एस.ए.) ऑन कंसिडिरेशन ऑफ जी.आई.ए. प्रपोसाल ऑफ आर.सी.आई. के बैठक में भाग लिया ।

(vii) श्री एन. ओझा, कनि. प्राध्यापक (पी. एंड ओ.) दि.26.07.2018 से 27.07.2018 तक कैड-कैम पर हुए ट्रेनिं में भाग लेने नई दिल्ली गये ।

(viii) श्री ए.एन. नंद, कनि. प्राध्यापक (पी. एंड ओ.), श्री एन. ओझा, कनि. प्राध्यापक (पी. एंड ओ.), श्री डी. साहु, पी. एंड ओ. ग्रेड.- I, श्री एल.एम. सेनापति, डेमोनस्ट्रेटर (पी.एंड ओ), श्री ए.के.बेहेरा, पी. एंड ओ. ग्रेड.- II, श्री श्रीकांत महारणा, प्राध्यापक (पी. एंड ओ.) दि.21.02.2018 से 23.02.2018 तक आई.ए.ए.टी. एन.सी. 2018, भुवनेश्वर में भाग लिया ।

श्री रंजन दास, प्राध्यापक, ग्रेड.- II, दि.24.05.2018 से 25.05.2018 तक राईट टू इनफरमेसन एक्ट 2005 पर हुए ट्रेनिं में पी.आई.ओ. बन कर भाग लेने गोआ गये ।

(ix) श्री ए.एन. नंद, कनि. प्राध्यापक (पी. एंड ओ.) दि.07.09.2018 को निमापडा, पुरी में आई.ए.ए.टी. एन.सी. सम्मेलन का संचालन किया ।

(x) श्री डी. साहु, पी. एंड ओ. ग्रेड.- I ने दि.11.02.2019 से 15.02.2019 तक सी.आर.सी. के कार्यालयीन कार्य तथा लैंड डिमार्ककेशन के लिए बलांगीर गये ।

(xi) श्री ए.के.बेहेरा, पी. एंड ओ. ग्रेड.- II ने दि.28.01.2019 से 27.05.2019 तक अस्थायी ड्यूटी पर सी.आर.सी. गौहाटी गये ।

(xii) श्री बी. कर्माकर, पी. एंड ओ. ग्रेड.- II दि.30.01.2019 को आंटी लैपर्सी डे पर भाग लेने कटक गये ।

(xiii) श्री बी. कर्माकर, पी. एंड ओ. ग्रेड.- II दि.26.07.2018 को हुए ए.डी.आई.पी. डिस्ट्रिब्युशन कैंप के कागजात लिए दि.11.11.2018 से 17.11.2018 तक मालकानगीर गये ।

(xiv) श्री आर. के. महान्ति, प्राध्यापक (पी. एंड ओ.) सलाहकार आर.सी.आई, नई दिल्ली के विजिटिं एक्सपर्ट बन कर दि.28.06.2018 को डॉ. शकुंतला मिश्र नेसनल रिहाबिलिटेशन यूनिवर्सिटी, लखनौ में बी.पी.ओ पाठ्यक्रम का एक्सटेनसन हेतु ट्रेनिं सुविधाओं के लिए संयुक्त मानांकन के लिए लखनौ गये ।

(xv) श्री आर. के. महान्ति, प्राध्यापक (पी. एंड ओ.) सलाहकार आर.सी.आई, नई दिल्ली के विजिटिं एक्सपर्ट बन कर दि.18.07.2018 को आई.एस.आई.सी., नई दिल्ली में बी.पी.ओ पाठ्यक्रम प्रारंम्भ के लिए संयुक्त मानांकन के लिए गये ।

(xvi) श्री आर. के. महान्ति, प्राध्यापक (पी. एंड ओ.) सलाहकार दि.27.03.2019 से 29.03.2019 तक आई.आई.टी., गुवाहाटी, आसाम में ''मेडिकल डिवाईस एंड रिहाबिलिटेशन इंजिनियरिं'' पर हुए कार्यशाला में भाग लिया ।

(xvii) श्रीमती रोजालिन प्रधान, प्राध्यापक (पी. एंड ओ.) सलाहकार आर.सी.आई, नई दिल्ली के विजिटिं एक्सपर्ट बन कर दि.17.05.2018 को मोबिलिटी इंडिआ, बैंगालोर में एम.पी.ओ पाठ्यक्रम प्रारंम्भ हेतु ट्रेनिं सुविधाओं के लिए संयुक्त मानांकन के लिए बैंगालोर गये ।

(xviii) श्रीमती पी. मोनालिसा दाश दि.22.12.2018 से 23.12.2018 तक आई.डी.सी.ओ.एल ऑडिटोरियम में आई.ए.ए.टी.एन.सी.2018 में भाग लिया और लोयर लिंब प्रोस्थेटिक एडपटेशन्स फॉर स्पोर्ट्स एंड रिक्रेशन एंड एडवानसमेंट इन पावार्रड ह्विल चेयर इन युटिलिटि परपोज पर पोस्टर प्रस्तुत किये ।

(xix) श्री एस. महारणा, श्रीमती स्वप्ना साहु दि.22.12.2018 से 23.12.2018 तक आई.डी.सी.ओ.एल ऑडिटोरियम में आई.ए.ए.टी.एन.सी.2018 में भाग लिया और आन इंट्रोस्पेकटिव स्टडी ऑफ आसिसटिव टेक्नोलॉजी फॉर द विजुअल इंप्यार्ड : स्टेट ऑफ द आर्ट एंड द फियूचर ट्रेंड्स पर पोस्टर प्रस्तुत किये ।

(xx) श्री एस. महारणा, श्री एन. ओझा, श्री ए.एन. नंद, श्री बी.जर्नादनन एंड श्रीमती सरिता साहु दि.22.11.2018 से 24.11.2018 तक मोबिलिटी इंडिआ, बैंगालोर में ''डिजाबिलिटी ट्रांसर्फमेशन एंड 3डी प्रिंटिं फॉर टी.टी. सॉकेट '' पर हुए कार्यशाला में भाग लिया ।

(xxi) श्री बी.जर्नादनन, श्री आर.के. महांति, श्रीमती रोजालिन प्रधान, श्रीमती संगीता नायक, श्रीमती सरिता साहु एंड श्रीमती पी. मोनालिसा दाश दि.08.09.2018 से 09.09.2018 तक सी.आई.आर.एस., भुवनेश्वर में ''ऑर्थोटिक मैनेजमेंट ऑफ न्यूरोलाजिकॉल कंडिशन्स'' पर हुए दो दिवसिय सेमिनार में भाग लिया ।

❑❑❑

कैड - कैम सॉकेट सहित आर.टि. ट्रान्स् - फेमोराल प्रोस्थेसिस से लगाया गया एक मरिज ।

द्विपक्षीय मोड्यूलार स्टब्बीस से युक्त द्विपक्षीय ट्रान्स् - फेमोराल अम्प्यूटेशॅन से लगवाया गया रोगी ।

कैड- कैम कार्विंग के पश्चात् पजिटिव मोल्ड़ ।

अध्याय - 5

भौतिक चिकित्सा विभाग

5.1 प्रस्तावना

स्वावीनिरतार में स्थित भौतिक चिकित्सा विभाग में से भारत में मौजुद पुराने भौतिक चिकित्सा विभाग में से एक है । भौतिक चिकित्सा विभाग में मस्क्युलोस्केलिटॅल इकाई (हस्त चिकित्सा एवं ट्रेकशॅन, वैद्युतिक चिकित्सा, तापोपचार व एक्टिनो चिकित्सा), बालचिकित्सा इकाई एवं स्नायुरोग पुनर्वास इकाई शामिल हैं । यह विभाग भौतिक चिकित्सा में स्नातक एवं स्नातकोत्तर डिग्री पाठ्यक्रम भी संचलित कर रहा है । यह विभाग गहन अनुसंधान रत है तथा अनुसंधान - सूचित अध्यापन के लिए प्रतिबद्ध है । विभाग के सभी संकाय अनुकरणीय व्यावसायिक व्यवहार, सहयोग एवं सहायता सम्पन्न हैं ।

बेहेत्तर स्वास्थ्य सुविधा प्रदान हेतु एवं अनुसंधान के उद्देश्य से निम्न प्रकार की नई वैद्युतिक चिकित्सा उपकरण को विभाग में शामिल किया गया है ।

गहन दोलन चिकित्सा : गहन दोलन चिकित्सा एक अद्वितीय, अन्तराष्ट्रीय एकस्वीकृत चिकित्सा पद्धति है । इसका विशेष संरचना टिस्यू के चिकित्सा में इलोक्ट्रोस्टाटिक अट्राकशॅन व फ्रिकशॅन की सहायता से बायोलजिकॅल इफेक्टिव अशिलेशॅन उत्पन्न कराता है । अन्य चिकित्सायों के विपरीत इस दोलन चिकित्सा का सभी टिस्यू अंगों पर (त्वचा, संयोमात्मक टिस्यू, अवत्वचीय मोटापा, मांसपेशी, रक्त एवं लसीका) एक सौम्य एवं गहन - कार्यकारी प्रभाव रहता है । गहन दोलन चिकित्सा का दर्द घटाने में, सृजनरोधी, घाव भराने में सहायक । रूबर घटाब, विषाक्तता दूर कराना, पोषण बढ़ाना, फेब्रोटिक रोधी में काफी प्रभावशाली है ।

टेकर चिकित्सा : सिलेक्टिव टिस्यू हाईपरथर्मिया पैदा कराने वाले शरीर के टिस्यू के तहत उच्च फिक्युऐंशी इलेक्ट्रोमैगनेटिक शक्ति का टार्गेटेड रेडिओफ्रिकुऐंशी चिकित्सा अंतरण कराता है । इसमें विभिन्न प्रकार के चिकित्सीय प्रभाव जैसे तत्काल एवं गहन दर्द राहत, मांसपेशी शिथिलता, एडेमा घटाव सहायक टिस्यु पुन:उत्पन्न एवं भराव कराने के लिए बैज्ञानिक तौर पर प्रमाणित हुए हैं । ज्यादातर सामान्यत: संकेतों में लोकल मशॅल स्पास्म, ट्रिगर, पएंट्स, मायलजिया, टेन्डीटिनिस सविकल पेन, एवं पोस्ट - ट्रमाटिक एडेमा शामिल है । इसका तत्काल चिकित्सीय प्रभाव मरीजों द्वारा शीघ्र ही परिलक्षित किया जाता है एवं चिकित्सा के पश्चात कई दिनों तक कायम रहता है । चिकित्सकों का संयोग इस चिकित्सीय संकल्पना को मौके पर परिणामों के लिए सबसे बेहेतरीन आधुनिक चिकित्सा सहित कराता है ।

डिकंप्रेशॅन थेरापी : एक्सीयल रोटेशॅन एवं लाटेरल फ्लेकशॅन को साधारण तौर पर किया जा सकता है । यह अन्य ट्राकशॅन इकाई जिसमें एक सवीधा एवं सरल पूल रहता है, कि तटह नहीं है । इसके

अतिरिक्त इस पद्धति में पी.-ए. फ्लेकशॅन दक्षता है । डिजिटल कमॉड केन्द्र में विशेष बर्टिब्राल टार्गेटिंग , अलग लम्बर एवं सर्विकल डिकम्प्रेशॅन आदि शामिल है ।

5.2 विभाग के स्टाफ की संख्या

विवरण	स्वीकृत पद	पूरित पद	रिक्त पद
संकाय	9	7	2
तकनीकी	2	1	1
प्रशासनिक	2	2	0
कुल	**13**	**10**	**03**

5.3 गत तीन वर्षों के दौरान चिकित्सित किये गये रोगियों की संख्या का उल्लेख नीचे किया गया है :

वर्ष	लक्ष	चिकित्सित किये गए रोगियों की संख्या
2016-17	80,500	99,672
2017-18	-	1,02,794
2017-18	-	1,00,206

गत तीन वर्षों के दौरान चिकित्सित किये गये रोगियों की संख्या ।

5.4 अकादमिक गतिविधियां :

5.4.1 दीर्घकालीन पाठ्यक्रम :

वर्तमान में संस्थान साढ़े चार वर्षीय (छः महीने के इंटर्नशिप सहित) पाठ्यक्रम स्नातक फीजियोथेरापी (बी.पी.टी) में 62 अंतर्ग्रहण सहित जारी रखे है । दो वर्षीय एम.पी.टी. में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम 15 अंतर्ग्रहण क्षमता सहित चल रहा है । एम.पी.टी. के लिए विशेषज्ञता निम्न विषयों में उपलब्ध है : 'पुनर्स्थापन' एवं 'मस्कूलोस्केलेटल स्थितियां' ।

5.4.2 अल्पावधि पाठ्यक्रम :

विभाग कुछ अल्पावधि पाठ्यक्रम भी आयोजित करता है । उन का विवरण अध्याय -15 मानव संसाधन विकास (शैक्षणिक विभाग) में उपलब्ध है ।

5.4.3 अतिथि अध्यापक आमंत्रित :

दीर्घकालीन पाठ्यक्रम में अतिथि अध्यापक आमंत्रित होते हैं । डॉ. सुश्री सामल (सोसिओलॉजी),

डॉ. हिमांसु शेखर महापात्र (एनवाईरनमेंटल साइंस), श्री सुरेंद्र प्रधान (योगा एवं नेचरोपाथी), श्री बिजय कुमार पट्टनायक (आक्युपंचर एवं आक्युप्रेसर) एवं डॉ. लुलुमिना दास (साईकोलॉजी)।

5.4.4 विश्वविद्यालय परीक्षा परिणाम :

वर्ष 2018-19 में संपन्न बी.पी.टी परीक्षा में 73 एवं एम.पी.टी परीक्षा में 18 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए ।

5.4.5 इंटर्नशिप :

62 बी.पी.टी. इंटर्णि ने अपना रोटेटरी इंटर्नशिप कार्यक्रम पूरा किया एवं 79 बाह्य इंटर्णि ने अपनाइंटर्नशिप कार्यक्रम पूरा किया एवं 25 फिजिओथेरापिस्ट एवं (एम.पी.टी.) छात्रों ने सुपरवाईज्ड क्लिनिकॅल ट्रेनिं पुरा किया ।

5.4.6 सम्मेलनों, कार्यशालाओं एवं सी.एम.ई. संगोष्ठियों में वैज्ञानिक प्रपत्र प्रस्तुत :

संकाय द्वारा सम्मेलनों एवं सेमिनारों में प्रस्तुत प्रपत्रों का विवरण :

दि.29.09.2018 से दि.30.09.2018 तक आई.ए.एम.आर., गाजिआबाद में आयोजित चतुर्थ न्यूराक्सिस - न्यूरो रिहाबिलिटेशन कोलोक्यूयम

(i) डॉ. पी. पी. महान्ति, सह. प्रोफेसर (पी.टी.)

- विषय: ''अंडरस्टाडिंग लो बैक पैन एसेसमेंट एंड ट्रिटमेंट ऑन मेनुअॅल थेरापी कंसेप्ट ।''

(ii) श्रीमती एम. पट्टनायक, सहा. प्रोफेसर (पी.टी.)

- विषय: ''क्रोनिक स्पाईनल पैन क्लिनिकल एंड रिसर्च पर्सपेक्टिव ।''

(iii) श्री सी.आर.मिश्र, वरी.पी.टी सह कनि. प्राध्यापक (पी.टी.)

- विषय: ''इवालुएशन ऑफ स्पाईनल कार्ड इंजुरी ।''

दि.22.12.2018 से दि.23.12.2018 तक पी.जी.आई.एम.आर., चंडिगढ़ में आयोजित 5 वीं वार्षिक सम्मेलन, फिजिओकन

(i) डॉ. पी. पी. महान्ति, सह. प्रोफेसर (पी.टी.)

- विषय: ''मेनुअॅल थेरापी मैनेजमेंट ऑफ नैक पैन ।''

(ii) श्रीमती एम. पट्टनायक, सहा. प्रोफेसर (पी.टी.)

- विषय: ''इफेक्ट्स ऑफ लेवाटर स्कापुले स्ट्रचिं फॉर द मैनेजमेंट ऑफ क्रोनिक पैन सिंगड्रोम एंड स्पाटिसिटी ऑफ स्पाईनल अरिजिन ।''

दि.24.01.2019 से दि.25.01.2019 तक विशाखापट्टनम में आयोजित 3 वीं राष्ट्रीय सम्मेलन, ए.पी.पी.सी.ओ.एन.

(i) डॉ. पी. पी. महान्ति, सह. प्रोफेसर (पी.टी.)

- विषय: ''डायग्नोसिस एंड मैनेजमेंट ऑफ फासियल डिसफंकशन ।''

5.4.7 परीक्षक :

विभिन्न विश्वविद्यालयों की परीक्षा में निम्न संकाय विषेशज्ञ के रूप में कार्य किया ।

(i) डॉ. पी.पी. महान्ति, सह. प्रोफेसर (पी.टी.)

- उत्कल युनिवर्सिटी, भुवनेश्वर, एम.जी.एम. युनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंस , मुंबई, बाबा फरिद युनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंस, फरिदकोट, बर्कतुल्हा विश्वविद्यालय, भोपाल, देवी अहल्या विश्वविद्यालय, इंदोर, सिकिम - मणिपनाल युनिवर्सिटी, गांगटक में हुए बी.पी.टी. एवं एम.पी.टी. परीक्षा के लिए परीक्षक बने ।

(ii) श्रीमती एम. पट्टनायक, सहा. प्रोफेसर (पी.टी.)

- उत्कल युनिवर्सिटी, भुवनेश्वर में हुए एम.पी.टी. परीक्षा के लिए परीक्षक बने ।

(iii) श्री बी.के. नंद, प्राध्यापक (पी.टी.), श्री सी.आर.मिश्र, वरी.पी.टी सह कनि. प्राध्यापक (पी.टी.) एवं श्रीमती ममता मंजरी साहु, वरी.पी.टी सह कनि. प्राध्यापक (पी.टी.)

- उत्कल युनिवर्सिटी, भुवनेश्वर में हुए बी.पी.टी. परीक्षा के लिए परीक्षक बने ।

5.4.8 जर्नल में लेख पत्र प्रकाशन :

(i) बी. मंत्री, डॉ. पी.पी. महान्ति, सह. प्रोफेसर (पी.टी.) एवं श्रीमती मोनालिसा पटनायक सहा. प्रोफेसर (पी.टी.)

- ''इफेक्ट ऑफ स्टाटिक आबडोमेनल्स ट्रेनिं एंड इनसेनटिव स्पाईरोमिटर इंप्रुवमेंट ऑफ पोलुमनारी फंकशन एंड आबडोमिनल स्ट्रेंथ इन स्पाइनल कार्ड इंजुरी पैशेंट – ए कंपारेटिव स्टडी'', स्पाईन रेस वोल- 3, नं -3:14 में प्रकाशित ।

(ii) लोकेश कुमार महेंद्र, डॉ. पी.पी. महान्ति, सह. प्रोफेसर (पी.टी.) एवं श्रीमती मोनालिसा पटनायक सहा. प्रोफेसर (पी.टी.)

- ''इफेक्ट ऑफ वाईब्रेशन ऑन अपर लिंब स्पाटिसिटी एंड फंकशन इन चिल्ड्रेन विथ हेमिप्लेजिक

सेरेब्राल पालसी ।'', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करेंट मेडिकल एंड फार्मास्यूटिकल रिसर्च, 04(8), pp. 3555-3561 में प्रकाशित ।

(iii) कोल एस., डॉ. पी.पी. महान्ति, एसोसि. प्रोफेसर (पी.टी.), श्रीमती मोनालिसा पट्टनायक, सहा. प्रोफेसर (पी.टी.)

- ''स्ट्रेंग्देनिं एक्र्ससाईज वर्सस न्यूरो - मस्कुलार इलेक्ट्रिकल स्टिमुलेशन ऑफ ग्लुटेयस माक्सिमम ऑन पेलविक ओबलिक्युटी इन चिल्ड्रेन विथ स्पाटिक डाईप्लेजिक सेरेब्राल पालसी : ए कंपारेटिव स्टडी ।'' इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हेल्थ एंड एलाईड साइंसेस, 7(3) : 165 - 170 में प्रकाशित ।

(iv) शूभस्मिता द्विवेदी, श्रीमती मोनालिसा पट्टनायक, सहा. प्रोफेसर (पी.टी.), डॉ. पी.पी. महान्ति, एसोसी. प्रोफेसर (पी.टी.)

- ''इफेक्ट ऑफ स्विमिं आज ए हायड्रोथेराप्युटिक इंटरवेंशन फॉर द मैनेजमेंट ऑफ क्रोनिक नन-स्पेसिफिक लो बैक पैन – ऑन एक्सप्रिमेंटल स्टडी'' – इंटर. जर्नल एडवां रेस. 6 (8), 665 - 675 में प्रकाशित ।

(v) श्रीमती मोनालिसा पट्टनायक, सहा. प्रोफेसर (पी.टी.)

- ''द नी फॉर फिजियोथेरापिस्ट'' नामक किताब जेईपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिसर्स द्वारा प्रकाशित ।

5.4.9 पाठ्य समिति की सदस्य :

सिकिम-मनिपाल युनिवर्सिटी, गांगटक, उत्कल विश्वविद्यालय भुवनेश्वर, युनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेकनोलॉजी, मेघालय के लिए डॉ. पी. पी. महान्ति, सह. प्रोफेसर (पी.टी.) पाठ्य समिति की सदस्य नियुक्त हुए हैं ।

- सिकिम-मनिपाल युनिवर्सिटी, गांगटक, लवली प्रोफेशनल युनिवर्सिटी, जलंधर, पंजाब, श्री रामचंद्र इंस्टिट्युट ऑफ हायर एडुकेशन एंड रिसर्च, चेनेइ, आन्नामलाई युनिवर्सिटी, चेनेइ, के पी.एच.डी. पाठ्यक्रम के लिए डॉ. पी.पी. महान्ति, सह. प्रोफेसर (पी.टी.) पाठ्य समिति की सदस्य नियुक्त हुए हैं ।

5.4.10 अन्य सूचनाएं :

(i) डॉ. पी.पी. महान्ति, सह. प्रोफेसर (पी.टी.)

- दि. 30.10..2018 को स्टेट डिसाबिलिटी कमिशनर, ओडिशा, भुवनेश्वर द्वारा ''डिसाबिलिटी इवालुएशन गाईडलाइन्स एंड सार्टिफिकेशन प्रोसिड्युअर फॉर डक्टर्रस ऑफ द मेडिकल बोर्ड एंड रिहाब प्रोफेशनल्स

'' पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया ।

(ii) डॉ. पी.पी. महान्ति, सह. प्रोफेसर (पी.टी.), श्री सी.आर.मिश्र, वरी. पी.टी. सह कनि. प्राध्यापक (पी.टी.), श्री विनय कुमार, फिजिओथेरापिस्ट एवं 02 एम.पी.टी. छात्रा

- दि.08.04.2018 को भद्रक में आयोजित फिजिओथेरापी कैंप में भाग लिया । 121 रोगियों का मानांकन कराया गया ।

(iii) श्री बी. के. नंद, प्राध्यापक (पी.टी.)

- दि.19.09.2018 को राईट्स ऑफ पी.ड्ब्ल्यू.डीस एक्ट 2016 एवं होलिस्टिक मैनेजमेंट ऑफ चिल्ड्रेन विथ सी.पी. पर आयोजित सेमिनार में भाग लिआ ।

(iv) श्री बी. के. नंद, प्राध्यापक (पी.टी.), श्री विनय कुमार, फिजिओथेरापिस्ट

- दि. 24.09.2018 से 25.09.2018 तक इंडियन एकादमी ऑफ सेरेब्राल पालसी, कोलकता में XIIIवीं वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया ।

(v) श्री बी. के. नंद, प्राध्यापक (पी.टी.), श्री सी.आर.मिश्र, वरी. पी.टी. सह कनि. प्राध्यापक (पी.टी.), श्रीमती सुजाता महारथी, डेमोनस्ट्रेटर, पी.टी., श्री विनय कुमार, फिजिओथेरापिस्ट

- दि. 22.12.2018 से 23.12.2018 तक इंडियन एसोसिएसन ऑफ एसिसटिव टेक्नालॉजी 2018, भुवनेश्वर का प्रथम राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया ।

(vi) श्रीमती सुजाता महारथी, डेमोनस्ट्रेटर, पी.टी.

- दि. 03.12.2018 को महाबोधी सोसाईटी, भुवनेश्वर द्वारा आयोजित मानांकन शिविर में भाग लिया ।

(vii) श्री विनय कुमार, फिजिओथेरापिस्ट

- ''हैंडेलिं द रिब केज - आन इंटरडकशन'' पर हुए कार्यशाला में भाग लिया ।

(viii) श्री विनय कुमार, फिजिओथेरापिस्ट

- दि. 03.12.2018 एवं दि.30.01.2019 से 31.01.2019 तक, दि.05.02.2019 एवं दि.26.02.2019 से 02.03.2019 तक क्रमानुसार जाजपुर, गोप, पुरी एवं श्रकाकुलम, आंध्रप्रदेश में हुए दिव्यांगजनों के लिए मानांकन शिविर में भाग लिया ।

(ix) दि. 07.04.2018 से 08.04.2018 तक लवली प्रोफेसनल युनिवर्सिटी, जलंधर, पंजाब में हुए स्पाईनल कॅर्ड मिट में 03 पर्शन्स विथ एस.सी.आई. ने भाग लिया । सट् पुट में गोल्ड मेडॅल, जावलिन

थ्रो एवं डिसकस थ्रो मेंसिलवर मेडॅल प्रशांत नाएक को मिला और कमलकांत ने डिसकस थ्रो एवं जावलिन थ्रो में गाल्ड मेडॅल एवं सट् पुट में सिलवर मेडॅल पाया ।

(x) श्री कमलकांत एवं प्रशांत नाएक दि.15.08.2018 को एसवीनिरतार से ह्विलचेयर पर पुरी के लिए गए । कलेक्टर, पुरी द्वारा उनको सम्मानित किया गया ।

(xi) दि. 06.09.2018 को चेनेइ में एस.सी.आई. के साथ 19 पर्शन्स ''स्पाईनल कॉर्ड कोडाक ह्विल चेयर माराथन'' में भाग लिया । जिसमें कमलाकांत प्रथम हुए, 21 की.मी., वासुदेव बेहेरा द्वितीय 10 की.मी धीरज कुमार प्रथम 3 की.मी. के लिए हुए ।

(xii) दि. 20.09.2018 से 23.09.2018 तक 5वीं नेशनल ह्विल चेयर बासकेट बॉल चंपियनसिप, एरोड, तामिलनाडु में खेला गया जिसमें मेन ह्विल चेयर बासकेट बॉल टीम ने भाग लिया ।

(xiii) एसवीनिरतार, भौतिक चिकित्सा विभाग द्वारा 6 अक्तूबर को विश्व सेरेब्राल पालसी दिवस मनाया गया । 80 सेरेब्राल पालसी बच्चे और उनके कैर - गिवर्स इस में भाग लिया । कार्यक्रम का शुभारंभ श्री सी.आर.मिश्र, वरी. पी.टी. सह कनि. प्राध्यापक एवं श्री डी. सिद्धार्थ, प्रोफेसर, महाराजा इंस्टिट्युट ऑफ मेडिकल साइंसेस, विजयनगरम, आंध्र प्रदेश द्वारा किया गया । बच्चों में पेंटिं, बॉल ट्रान्सफर, बेलुन ब्लोइं, बेलुन बर्स्टिं प्रतियोगिताएं कराया गया । सी.पी. बच्चों में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी कराया गया । प्रत्येक प्रतियोगिता के लिए तीन कृती बच्चों को अतिथि द्वारा पुरस्कृत किया गया । श्री विनय कुमार, फिजिओथेरापिस्ट एवं एम.पी.टी. छात्रों द्वारा यह कार्यक्रम का आयोजन कराया गया ।

(xiv) दि. 29.10.2018 से 05.11.2018 तक मेन ह्विल चेयर बासकेट बॉल प्रशिक्षण कार्यक्रम, चेनेइ एस.सी.आई. के साथ श्री दिपक कुमार सिंह डेवेलपमेंट कैंप में भाग लिया ।

(xv) दि.06.01.2019 में एस.सी.आई. और 21 पर्शन्स 7वीं चेनेइ माराथन, चेनेइ में भाग लिया । एच.एम. पासर टाईटेल श्री कमलकांत को मिला ।

(xvi) दि.18.01.2019 को एस.सी.आई. और टीम ऑफ पर्शन्स सी.आई.पी.ई.टी.वाई.आई. माराथन, भुवनेश्वर में भाग लिया । श्री कमलकांत को गोल्ड मेडॅल, श्री सरोज कुमार को सिलवर मेडॅल और पापु पालकिया को ब्रोंज मेडॅल मिला ।

(xvii) ''स्पाईनल रिहाबिलिटेशन'', चंडिगढ द्वारा जनवरी से फरवरी 2019 तक एस.सी.आई. और 6 पर्शन्स 45 दिन तक कैंप में भाग लिया । दि.26.01.2019 को पंजाब माराथन और दि.17.02.2019 को हुम्मिंगबार्ड माराथन, राजपुरा में भाग लिया ।

(xviii) दि.22.02.2019 से 23.02.2019 तक एस.सी.आई. और 4 पर्शन्स की एक टीम पाटना, बिहार में हुए नेशनल ह्विल चेयर रुगबी में भाग लिया और रनर्स ऑप हुए ।

डिकम्प्रेशॅन चिकित्सा

डिप ऑशिलेशॅन चिकित्सा

लेज़र चिकित्सा

टार्गेटेड रेडिओफ्रिक्व्यूएंशी चिकित्सा

अध्याय - 6

व्यावसायिक चिकित्सा विभाग

6.1 प्रस्तावना

6.1.1 व्यावसायिक चिकित्सा व्यक्तियों एवं व्यक्तिसमूहों के द्वारा घर, स्कूल, समाज में कार्यस्थल एवं अन्य व्यवस्थाओं में रोजमर्रे की गतिविधियों से जुड़ी है । स्वस्थ रहने के लिए इन सार्थक गति-विधियों में पहुंच और जुड़े रहने में विश्वास करती है । व्यावसायिक चिकित्सा मरीजों को स्वतंत्र रूप से कार्यक्षम बनाने के लिए अत्यावश्यक कार्यकौशल की पुन: प्राप्ति, विकास एवं संगठन में सहायता प्रदान करती है ।

6.1.2 व्यावसायिक चिकित्सा विभाग के मुख्यत: दो अंग हैं - पहला शैक्षणिक कार्यकलाप दूसरा है नैदानिकी कार्यकलाप । शैक्षणिक कार्यों में दो दीर्घकालिक पाठ्यक्रम (पूर्वस्नातक एवं स्नातकोत्तर) एवं कुछ अल्पकालीन कार्यक्रमों का संचालन शामिल है । नैदानिकी कार्यकलापों में विभिन्न प्रकार के मरीजों का रोग निर्धारण कर, उनकी योजना तैयार कर उन्हें व्यावसायिक चिकित्सा उपलब्ध कराना शामिल है ।

6.2 विभाग के स्टाफ की संख्या

विवरण	स्वीकृत पद	पूरित पद	रिक्त पद
संकाय	09	06	03
तकनीकी	02	01	01
प्रशासनिक	02	02	0
कुल	**13**	**09**	**04**

6.3 सेवाएं

6.3.1 व्यावसायिक चिकित्सा विभाग में निम्न अनुभाग हैं

(क) सामान्य व्यावसायिक चिकित्सा

(ख) हस्त चिकित्सा

(ग) हस्त स्प्लिंटिंग

(घ) दैनिक जीवन के क्रियाकलाप (ए.डी.एल.)

(ङ) बाल व्यावसायिक चिकित्सा

(च) संवेदी एकीकृत चिकित्सा

(छ) विशेष उपकरण

(ज) आकलन एवं परवर्ती देखभाल

6.3.2 व्यावसायिक चिकित्सा विभाग में निम्न सेवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं

(क) क्रियात्मक कार्यकलापों में कमी का मूल्यांकन एवं इसका प्रबन्धन

(ख) परिवर्धनात्मक चिकित्सा

(ग) हस्त चिकित्सा

(घ) ए.डी.एल. प्रशिक्षण

(ङ) अवरोध मुक्त वातावरण पर भिन्नक्षम व्यक्तियों के लिए परामर्श सेवा

(च) संवेदी एकीकरण चिकित्सा

(छ) स्प्लिंट्स एवं सहायक यंत्र एवं उपकरण

* विभाग आवासी रोगियों को शनिवार को भी सेवा प्रदान करता है ।

6.3.3 वर्ष 2018-19 के लिए रोगियोंके आँकड़े

गत तीन वर्षों के दौरान चिकित्सित किये गये रोगियों की संख्या का उल्लेख नीचे किया गया है :

वर्ष	देखे गए रोगियों की संख्या	तैयार किये गये हस्त स्प्लिंट
2016-17	70,068	1091
2017-18	72,855	832
2018-19	86,276	890

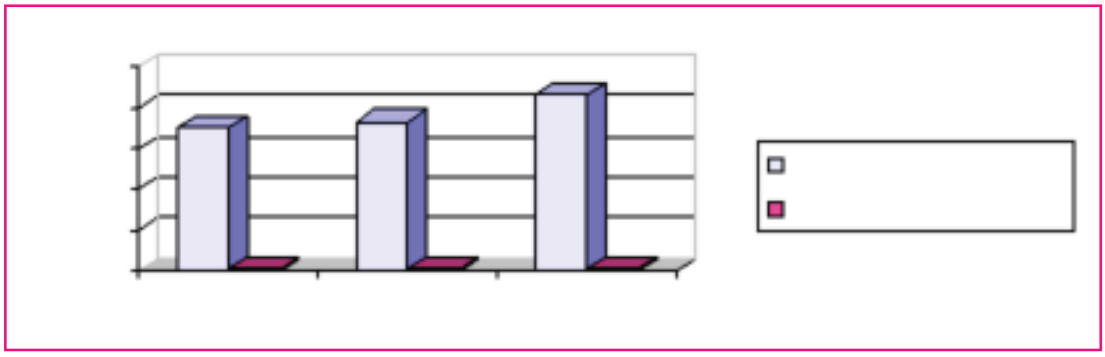

6.4 अकादमिक गतिविधियां

6.4.1 दीर्घावधि पाठ्यक्रम

फिलहाल संस्थान साढ़े चार वर्षीय (छः महीने के इंटर्नशिप सहित) व्यावसायिक चिकित्सा में स्नातक पाठ्यक्रम 62 अंतर्ग्रहण सीटों सहित चलाता है । दो वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम एम.ओ.टी.15 अंतर्ग्रहण सीटों सहित चलाता है । एम.ओ.टी. के लिए विशेषज्ञता ''दिव्यांगता विकासात्मक एवं पुनस्थापन'' तथा ''विकासात्मक दिव्यांगता'' में उपलब्ध है ।

6.4.2 अल्पावधि पाठ्यक्रम

विभाग कुछ अल्पावधि पाठ्यक्रम आयोजित करता है । उनका विवरण अध्याय -15 मानव संसाधन विकास (अकादमिक विभाग) में उपलब्ध है ।

6.4.3 विश्वविद्यालय परीक्षा परिणाम

पास दर :

17 % छात्रों ने अंतिम एम.ओ.टी. परीक्षा में पास किया ।

61 % छात्रों ने प्रथम सेमेष्टर बी.ओ.टी परीक्षा में पास की एवं यह परिणाम 01.03.2019 को घोषित किया गया था ।

65 % छात्रों ने द्वितीय सेमेष्टर बी.ओ.टी परीक्षा पास की ।

90 % छात्रों ने चौथी सेमेष्टर बी.ओ.टी. परीक्षा में पास की एवं यह सितंबर 2017 को किया गया था ।

50 % छात्रों ने पांचवीं सेमेष्टर बी.ओ.टी परीक्षा में पास की ।

50 % छात्रों ने सातवीं सेमेष्टर बी.ओ.टी. परीक्षा में पास की एवं यह परिणाम 22.09.2017 को प्रकाशित किया गया था ।

58 % छात्रों ने आठवीं सेमेष्टर बी.ओ.टी परीक्षा में पास की ।

6 छात्रों ने आठवीं सेमेष्टर बी.ओ.टी विश्वविद्यालय परीक्षा के परिवर्त्तित परिणाम प्रकाशित किया गया था और वे 6 छात्रों ने रोटरी कंपलसरी ईंटर्नसिप में दाखिला ली ।

6.4.4 इंटर्नशिप

वर्ष 2018-19 में 46 छात्रों ने इंटर्नशिप कार्य संपन्न किया ।

6.4.5 आमंत्रित अतिथि संकाय

बी.ओ.टी. पाठ्यक्रम के लिए व्याख्यान हेतु अतिथि वक्ताओं को व्याख्यान हेतु बुलाया गया । डॉ. सचदेव स्वाईं (सोसोलॉजी) एवं सुश्री डूली टूडू (एनवारनरमेंटल साइंस), श्रीमती प्रियदर्शिनी शतपथी, सर्टिफायड हैंड थेरापिस्ट, यू.एस.ए. ने ''ओटी प्राक्टिस सिनेरिओ इन डिफेरेंट कंट्री'' पर बी.ओ.टी. एवं एम.ओ.टी. छात्रों को व्याख्यान दिये । दि. 05 मार्च 2019 को डॉ. सोभान शाहा, सहा. प्रोफेसर, एस.ओ.ए.एच.एस., मनिपाल एकादमी ऑफ हायर एजुकेशन ने ''कांप्लेक्स हैंड इंजूरीज एंड इट्स मैनेजमेंट'' पर व्यावसायिक चिकित्सा के स्नातकोत्तर छात्रों को व्याख्यान दिया ।

6.4.6 सम्मेलनों, कार्यशालाओं, सि.एम.ई. एवं संगोष्ठी आदि में वैज्ञानिक लेख-पत्रों का प्रस्तुतीकरण

विभिन्न सम्मेलनों एवं संगोष्ठी आदि में स्टाफ द्वारा प्रस्तुत लेख - पत्र का विस्तृत विवरण निम्न प्रकार हैं :

दि.22.12.2018 से 23.12.2018 तक भुवनेश्वर में हुए एसवीनिरतार, (सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा इंडियन एसोसिएशन ऑफ एसिसटिव टेक्नोलॉजिस्ट, आई.ए.ए.टी.-एन.सी 2018 का प्रथम राष्ट्रीय सम्मेलन ।

i. श्री सुब्रत कुमार हलदार, बरिष्ठ ओ.टी. सह कनिष्ठ प्राध्यापक (ओ.टी.)

- विषय : ''डेवेलपमेंट ऑफ न्यू कॉष्ठ इफेक्टिव प्रोडक्ट एम्ड एट इंप्रूविं द लाईफ ऑफ पर्सन्स विथ डिजाबिलिटिस'' ।

ii. श्री देवाशिस बेहेरा, एम.ओ.टी. छात्रा

- विषय : ''रिमोर्ट कंट्राल्ड एसिसटिव फिडिं डिवाईस'' ।

दि.10.01.2019 से 11.01.2019 तक एन.आइ.एल.डी., कोलकता में हुए ''डिसाबिलिटी एंड सोसल इंक्लूशन - द रोल ऑफ टेक्नोलॉजी पर राष्ट्रीय सम्मेलन ।

i. श्री सुब्रत कुमार हलदार, बरिष्ठ ओ.टी. सह कनिष्ठ प्राध्यापक (ओ.टी.)

- विषय : ''डेवेलपमेंट ऑफ न्यू कॉष्ठ इफेक्टिव प्रोडक्ट एम्ड एट इंप्रूविं द लाईफ ऑफ पर्सन्स विथ डिजाबिलिटिस'' ।

ii. सुश्री धनमंजूरी शर्मा, एम.ओ.टी. छात्रा

- विषय : ''मोड्यूलर बैड पोजिसनिं ऑफ ऑबस्ट्रेट्रिक्स बी.पी.टी.'' ।

6.4.7 परीक्षक

विभिन्न विश्वविद्यालय परिक्षा में 3 संकाय सदस्यों ने परिक्षक के रूप के कार्य किया ।

(i) श्रीमती अनुरूपा सेनापति, सहा. प्रो. (ओ.टी.)

— दि.02.07.2018 में एन.आई.एल.डी. कोलकता में बी.ओ.टी मौखिक एवं प्रायोगिक परीक्षा के लिए बाह्य परीक्षक का कार्य किया ।

(ii) श्रीमती अनुरूपा सेनापति, सहा. प्रो. (ओ.टी.)

— दि. 17.07.2018 से 20.07.2018 तक दो अलग- अलग कॉलेज, एल.टी.एम.एम.सी. एवं टी.एन.एम.सी., मुंबई में एम.ओ.टी परीक्षा के लिए बाह्य परीक्षक का कार्य किया ।

(iii) श्रीमती अनुरूपा सेनापति, सहा. प्रो. (ओ.टी.)

— दि. 04.03.2019 से 09.03.2019 तक में एन.आई.एल.डी. कोलकता में मौखिक एवं प्रायोगिक परीक्षा के लिए बाह्य परीक्षक का कार्य किया ।

(iv) श्रीमती प्रज्ञा सिंह, प्राध्यापक (ओ.टी.)

— दि. 16.07.2018 एवं 17.07.2018 तक एम.ओ.टी.एच. कॉलेज ऑफ मुंबई में एम.ओ.टी परीक्षा के लिए बाह्य परीक्षक का कार्य किया ।

6.4.8 जर्नल में लेख-पत्रों का प्रकाशन

(i) श्रीमती अनुरूपा सेनापति, सहा. प्रो. (ओ.टी.) एवं सुश्री सुदीप्ता पढिहारी, एम.ओ.टी छात्र

- लेख : ''ईफेक्टिवनेस ऑफ मोडिफाईड कंनस्ट्रेंट इंड्युस्ड मुवमेंट थेरापी एंड बाईमेनुअल इनटेनसिव थेरापी ऑन अपर एक्ट्रीमीटी फॅकशन इन चिल्ड्रेन विथ अबस्ट्रेटिक ब्राचियल प्लेक्सस इंजूरी '' इंडियन जर्नल ऑफ आकूपेशनल थेरापी, वोल - 49, ईसू – 3, जुलाई से सितंबर 2017 में प्रकाशित ।

(ii) श्री सुब्रत कुमार हलदार, बरिष्ठ ओ.टी. सह कनिष्ठ प्राध्यापक (ओ.टी.) एवं श्री राम नरेश पांडे, एम.ओ.टी छात्र

- लेख : ''डेवेलॉपमेंट एंड वालिडेशन ऑफ कैयर-गिवर बुर्डेन स्केल – इंडियन पपुलेशन'' जर्नल ऑफ प्रिवेंटिव मेडिसिन, 2019, 10:31 में प्रकाशित ।

(iii) श्री सुब्रत कुमार हलदार, बरिष्ठ ओ.टी. सह कनिष्ठ प्राध्यापक (ओ.टी.) एवं श्री देवाशिष राउत, एम.ओ.टी छात्र

- लेख : ''ईफेक्टिवनेस ऑफ फ्लोर लाडर ट्रेनिं ऑन फंकशनल बालांस एंड वेट डिस्ट्रिब्युशन इन यूनिलैटेरल बिलो नी एम्प्यूट्स विथ प्रोस्थेसिस'' इंटरनेशनल मल्टि डिसिप्लिनारी ई-जर्नल, वोल - 6, ईसू – 4 एवं अप्रैल 2017 में प्रकाशित ।

(iv) श्री राम कुमार साहु, वरि. ओ.टी. सह कनि. प्राध्यापक एवं सुश्री टीनु सेठी, एम.ओ.टी छात्र

- लेख : ''कंपारिशन ऑफ मोटर रिलर्निंग प्रोग्राम एंड न्यूरो डेवेलोपमेंटाल थेरापी इन रेसटोरिं अपर एक्सट्रिमिटी मोटर फंकशन इन स्ट्रोक'' इंडियन जर्नल ऑफ आकूपेशनल थेरापी, वोल - 50, ईसू – 2, अप्रैल से जून 2018 में प्रकाशित ।

6.4.9 पुरस्कार प्राप्त

(i) श्री सुब्रत कुमार हलदार, बरिष्ठ ओ.टी. सह कनिष्ठ प्राध्यापक (ओ.टी.)

- ''द डेवेलोपमेंट ऑफ बेस्ट न्यू कोस्ट इफेक्टिव प्रडक्ट डेवेलोपमेंट एंम्ड एट इंप्रुविं द लाईफ ऑफख पर्शन्स विथ डिसाबिलिटिस (दिव्यांग जन)'' के लिए दि.03.12.2018 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में भारत के माननीय उप-राष्टपति द्वारा पार्लियामैंट मुख्य गृह पर राष्ट्रीय पुरस्कार -2018 से सम्मानित हुए ।

(ii) श्री सुब्रत कुमार हलदार, बरिष्ठ ओ.टी. सह कनिष्ठ प्राध्यापक (ओ.टी.)

- दि.08.02.2019 को चंडिगढ में हुए ए.आई.ओ.टी.ए. का वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रोफेशनल एक्सिलैंसि पुरस्कार से सम्मानित हुए ।

(iii) सुश्री अभिप्सा पात्र, बी.ओ.टी छात्र

- दि.08.02.2019 को चंडिगढ में हुए ए.आई.ओ.टी.ए. का वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में बेस्ट डेलिगेट पुरस्कार से सम्मानित हुए ।

6.4.10 अन्य सूचना :

(i) श्रीमती अनुरूपा सेनापति, सहा. प्रो. (ओ.टी.)

- दि.22.10.2018 से नई दिल्ली में आयोजित कार्यशाला में भाग लेने अस्थायी ड्यूटी पर गये ।

(ii) श्री सुब्रत कुमार हलदार, बरिष्ठ ओ.टी. सह कनिष्ठ प्राध्यापक (ओ.टी.)

- दि.06.08.2018 से दि.12.08.2018 तक एन.आई.एल.डी, कोलकता में आयोजित सी.ई.टी. 2018 काउंनसेलिं में भाग लिया ।

(iii) श्री सुब्रत कुमार हलदार, बरिष्ठ ओ.टी. सह कनिष्ठ प्राध्यापक (ओ.टी.)

- दि.03.10.2018 को पार्यावरण भवन, सी.जी.ओ. कॉप्लेक्स, नई दिल्ली में बेस्ट एप्लाईड रिसर्च/ ईनोवेटर / प्रडक्ट डेवेलोपमेंट पर आयोजित राष्ट्रीय पुरस्कार 2018 में भाग लेने अस्थायी ड्यूटी पर गये ।

(iv) श्री सुब्रत कुमार हलदार, बरिष्ठ ओ.टी. सह कनिष्ठ प्राध्यापक (ओ.टी.)

- दि.19.09.2018 को निमापडा, पुरी में राईट्स ऑफ पर्शन्स विथ डिसाबिलिट्स एक्ट - 2016 पर कार्यशाला और पिंगलाखी पब्लिक वेलफर अरगानाईजेशन (पी.पी.ड्ब्यू.ओ.) द्वारा होलिस्टिक मेनेजमेंट ऑफ चिल्ड्रेन विथ सेरेब्राल पालसी पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने अस्थायी ड्यूटी पर गये ।

(v) श्री सुब्रत कुमार हलदार, बरिष्ठ ओ.टी. सह कनिष्ठ प्राध्यापक (ओ.टी.)

- दि.16.12.2019 को माहांगा ब्लॉक, जिला- कटक द्वारा आयोजित मेगा हेल्थ कैंप में भाग लेने अस्थायी ड्यूटी पर गये ।

(vi) श्री सुब्रत कुमार हलदार, बरिष्ठ ओ.टी. सह कनिष्ठ प्राध्यापक (ओ.टी.)

- दि.11.04.2018 को सी.आर.सी., राजनंदगांव, छत्तीशगढ में ''राईट्स ऑफ पर्शन्स विथ डिसाबिलिट्स एक्ट,-2016 पर आयोजित सम्मेलन में भाग लेने अस्थायी ड्यूटी पर गये ।

(vii) श्री सुब्रत कुमार हलदार, बरिष्ठ ओ.टी. सह कनिष्ठ प्राध्यापक (ओ.टी.)

- दि.01.03.2019 को डॉ. आम्बेदकर इंटरनेशनल सेंटर, जनपथ, नई दिल्ली में बी.एच.आई.एम. ऑडिटोरियम में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया ।

(viii) श्री राम कुमार साहु, वरि. ओ.टी. सह कनि. प्राध्यापक

- जिला स्वास्थ्य भवन, कटक में हुए ''सेंसिटाइजेशन मिटिं ऑन पोपुलेशन बेस्ड स्ट्रोक रेजिस्ट्री वैठक में भाग लिया ।

(ix) श्री राम कुमार साहु, वरि. ओ.टी. सह कनि. प्राध्यापक

- दि. 23.11.2018 से 30.11.2018 तक कटक में हुए बालिजात्रा में ओडिशा सरकार द्वारा हुए दिव्यांग जन आवारनेस स्टल के मुख्य संचालक बन कर भाग लेने अस्थायी ड्यूटी पर गये ।

(x) श्री राम कुमार साहु, वरि. ओ.टी. सह कनि. प्राध्यापक

- दि. 03.12.2018 में महाबुद्धि सोसाईटी ऑफ इंडिया, भुबनेश्वर द्वारा आयोजित पी.ड्ब्ल्यू.डी. के लिए मानांकन शिविर में भाग लेने अस्थायी ड्यूटी पर गये ।

(xi) श्री संजीब कुमार सेठी

- दि. 24.11.2018 से 25.11.2018 तक कोलकता मेडिकल कॉलेज, कोलकता में आई.ए.सी.पी. राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने अस्थायी ड्यूटी पर गये ।

(xii) दि. 29.09.2018 में श्रीमती शकुंतला डी.गैमलीन, सचिव, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, दिव्यांग जन सशक्तिकरण विभाग, भारत सरकार एवं श्रीमती डोली चक्रबर्ती, संयुक्त सचिव, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, दिव्यांग जन सशक्तिकरण विभाग, भारत सरकार ने विभाग का परिदर्शन किया ।

(xiii) श्रीमती प्रज्ञा सिंह, प्राध्यापक (ओ.टी.), श्री राम कुमार साहु, वरि. ओ.टी. सह कनि. प्राध्यापक, श्री संजीब कुमार सेठी, वरि. ओ.टी. सह कनि. प्राध्यापक

- एसवीनिरतार सटेलाईट सेंटर, बलांगीर का उद्घाटन समारोह में भाग लेने अस्थायी ड्यूटी पर गये ।

❑❑❑

कंधे की एवं शक्ति बढ़ाने के लिए कंधे ह्विल जैसे क्रिया का व्यवहार

कार्यात्मक सहनशक्ति को बेहतर बनाने के लिए व्यवहृत ईर्गोमीटर

प्रमस्तिष्क अंगघात से पीडित बच्चे में चलन संबंधित विकास के लिए गतिविधि

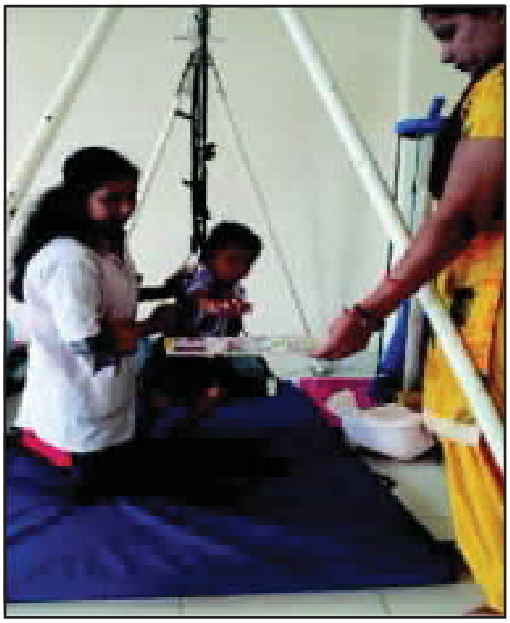

ओकुलर मूवमेंट बढ़ाने के लिए वेस्टिबुलर उत्तेजना उपलब्ध कराने हेतु गतिविधियां

अध्याय - 7

नैदानिक मनोविज्ञान विभाग

7.1 प्रस्तावना

7.1.1 मनोविज्ञान चिकित्सा की एक ऐसी शाखा है जो रोगियों की मनो-सामाजिक व्यवहार से जुडा हुआ है जिसमें अनुकूलन, समायोजन एवं व्यक्तिगत विकास को संबर्धन मिलता है । मनोविज्ञान में रोगियों को पुनर्वास के विभिन्न स्तरों में बौद्धिक, भावात्मक, सामाजिक एवं व्यवहारिक पक्ष पर भी जोर दिया जाता है ।

नैदानिक मनोविज्ञान में विज्ञान, शिद्धान्त एवं व्यवहारिक्ता को मिला कर संयुक्त रूप से कुसमयोजन, दिव्यांगता एवं असुविधा को समझने तथा उसके उन्मूलन में प्रयोग किया जाना है । साथ ही मानवीय ग्रहणीयता, समायोजन एवं वैज्ञानिक विकास को भी बढ़ावा दिया जाता है । नैदानिक मनोविज्ञान में जीवन काल के दौरान मानव कार्यकाल, बुद्धिमता, भावनाएं, जैनिक, मोवैज्ञानिक, सामाजिक एवं व्यवहारिक पक्ष पर केंद्रीत है ।

मनोविज्ञान विभाग की तीन प्रमुख गतिविधियां हैं ; अकादमिक गतिविधियां एवं क्लिनिकल गतिविधियां एवं अनुसंधान गतिविधियां । अकादमिक गतिविधियों में मनोविज्ञान शिक्षण जरुरी विषय है एवं संस्थापन विषय तीन दीर्घावधि पाठ्यक्रम – पी.टी., ओ.टी. एवं पी. एंड ओ. पाठ्यक्रम में है तथा कई अल्पावधि कार्यक्रम में है । क्लिनिक गतिविधियों में जल्दी पहचान, आकलन, आयोजन एवं मनोविज्ञान सेवायें उपलब्ध कराना एवं काउंसेलिंग तथा अनुसंधान गतिविधियां विभिन्न प्रकार के अंत:रोगी एवं बाह्य रोगी के साथ में जो संस्थान में आते हैं ।

7.2 केंद्र में स्टाफ की स्थिति

विवरण	स्वीकृत पद	पूरित पद	रिक्त पद
संकाय	01	01	Nil

7.3 सेवा गतिविधि

7.3.1 मनोविज्ञानिक सेवा

1. ऑटिस्म, ध्यान में कमी की असमर्थता, हाईपर अलिव विकृति, प्रमंस्तिष्क अंगघात जैसे एवं विविध दिव्यांगता ग्रस्त बच्चे जैसे विशेष बच्चों को बेहेतर मनोवैज्ञानिक सेवा हुहैया कराने के लिए ।
2. सीखने में असमर्थ बच्चों को स्मरण प्रशिक्षण, पढ़ाई एवं लेखन तथा गणित के लिए विशेष शिक्षा प्रदान कराना ।
3. विशेष ध्यान रखे जाने बाले बच्चों के माता-पितायों को परामर्श ।
4. हेमिप्लेजिक, पैराप्लेजिआ, मस्क्यूलार डिस्ट्रोफी एवं अन्य पुनर्वास मामलों के प्राप्त बयस्क रोगियों को

परामर्श एवं मनोवैज्ञानिक सेवा प्रदान करना ।

5. प्रमस्तिष्क अंगघात, मानसिक मंदता, ऑटिस्टिक (ए.एस.डी.), ध्यान में कमी एवं हाईपर एक्टिव विकृति एवं विविध दिव्यांग बच्चों में पहचान एवं शीघ्र हस्तक्षेप ।
6. सी.पी., एम.आर., अटिस्टिक एवं बहु-दिव्यांगता बच्चों एवं सीखने में अक्षम बच्चों, हेमिप्लेजिआ, पैराप्लेजिआ, ट्रोमा, मायोपाथी एवं अन्य पुनर्वास मामलों के परिवार के सदस्य एवं देख - रेख करने वालों के लिए परामर्श एवं मनोवैज्ञानिक सेवा ।

7.3.2 पिछले तीन वर्षों के मरीजों के ऑकड़े

पिछले तीन वर्षो के दौरान चिकित्सित रोगियों की संख्या निम्न प्रकार हैं :

वर्ष	रोगियों की संख्या		
	लक्ष्य	उपलब्धियां	शिविर
2016 - 2017	2340	2687	584
2017 - 2018	2340	2646	634
2018 - 2019	2340	2536	12 (ऑटिस्म के लिए)

7.4 शैक्षणिक गतिविधियां

बी.पी.टी., बीओ.टी. एवं बी.पी.ओ छात्रों को एक पूर्णकालिक कोर विषय के रूप में मनोविज्ञान एवं पुनर्वास मनोविज्ञान (पी.एम.आर.) में अध्यापन हो रहा है । विभाग कुछेक अल्पकालीन पाठ्यक्रम संचालित करा रहा है । इसका विस्तृत विवरण अध्याय-15, मानव संसाधन विकास (शैक्षणिक विभाग) में प्रस्तुत है । संस्थान में आ रहे विभिन्न आवासीय एवं बाह्य रोगियों को ले कर कई अनुसंधान गतिविधियां लगातार हो रहे हैं जो विभिन्न पुस्तकों, जर्नल, अनुसंधान एवं परियोजना कार्य में प्रकाशित किये जाते हैं । अनुसंधान गतिविधियों में अंतराष्ट्रीय जर्नल में लेख - पत्र प्रकाशन भी शामिल है ।

♦ **वर्ष (2016-17, 2017-18, 2018-19) में विभाग की शैक्षणिक गतिविधियां**

	अध्यापन गतिविधियां	छात्र	लक्ष	वर्ष
(i)	पी.टी, ओ.टी., पी.ओ. के स्नातक एवं पी.टी. व ओ.टी. के प्रथम सेमिस्टर के छात्रों को मनोविज्ञान पढाया ।	124	पाठ्य विवरण/ पाठ्यक्रम संपूर्ण हुआ	2016-17
(ii)	द्वितीय वर्ष (बी.पी.ओ) पी.एम.आर.	45	पाठ्य विवरण/ पाठ्यक्रम संपूर्ण हुआ	2017-18
(iii)	7वीं सेमिस्टर (पी.टी. एवं ओ.टी) (अन्तिम वर्ष) पी.एम.आर.	124	पाठ्य विवरण/ पाठ्यक्रम संपूर्ण हुआ	

7.4.1 पाठ्य समिति की सदस्य

- उत्कल विश्वविद्यालय द्वारा प्रोस्थेटिक एवं ऑर्थोटिक स्नातक पाठ्यक्रम में मनोविज्ञान के लिए श्रीमती मीना बराई पाठ्य समिति के एक सदस्य के रूप में कार्य किया ।

- बरहमपुर विश्वविद्यालय द्वारा मानसिक मंदता (एम.आर.), दृष्टि विकृति (वी.आई.) एवं श्रवण विकृति (एच.आई.) विषय के स्नातक पाठ्यक्रम में मनोविज्ञान के लिए श्रीमती मीना बराई पाठ्य समिति के एक सदस्य के रूप में कार्य किया ।

7.4.2 परीक्षक

- श्रीमती मीना बराई, एच.ओ.डी. (मनोविज्ञान), विभिन्न विश्वविद्यालयों में हुए परीक्षा में परीक्षक बनी ।
- बरहमपुर विश्वविद्यालय (2016-17, 2017-18 , 2018-19) के विशेष शिक्षा, बी.ईडी. (मानसिक मंदता, दृष्टि विकृति एवं श्रवण विकृति) में मनोविज्ञान परीक्षा में परीक्षक बनी ।

7.5 अन्य सूचनाएं

श्रीमती मीना बराई, एच.ओ.डी. (मनोविज्ञान)

- मनोविज्ञान विभाग द्वारा बलांगीर सटेलाईट सेंटर में श्री थावरचंद गेहलोत, माननीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता केंद्र मंत्री, भारत सरकार द्वारा 15 एम.एस.आई.ई.डी. कीट दि. 21.5.2018 को वितरण किया गया ।
- मनोविज्ञान विभाग ने श्री थावरचंद गेहलोत, माननीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता केंद्र मंत्री, भारत सरकार द्वारा एक एम.एस.आई.ई.डी. कीट दि. 29.9.2018 को वितरण किया ।
- दि. 02 अप्रैल को सी.डी.एम.ओ. ऑफिस, कटक द्वारा अटिस्टिक दिवस पालन किया गया जिसमें श्रीमती मीना बराई, एच.ओ.डी. को अटिसिम मानांकन एवं प्रमाणित के लिए बुलाया गया । उनके द्वारा 12 रोगियो का मानांकन किया गया ।
- दि.20.10.2018 से दि.31.10.2018 तक स्टेट कमिशनर फॉर पर्शन्स विथ डिसाबिलिटि द्वारा डिसाबिलिटि, इवालुएशन, गाईडलाइन्स एंड सटिर्फिकेशन प्रोसिडिअर पर होटॅल मै-फेयर, भुवनेश्वर में हुई कार्यशाला में भाग लिया ।

❑❑❑

अध्याय - 8

समाज - कार्य विभाग

8.1 प्रस्तावना

समाज कार्य की संकल्पना विश्व युद्ध -II के दौरान शुरु हुई एवं समाज कार्य को एक व्यवसाय की मान्यता मिली । समाज कार्य सरकारी तथा गैर-सरकारी तत्वावधान में निरपेक्ष रूप से समाज के सभी वर्ग के सदस्यों के लिए संभावना से सम्पन्न है । यह उसे समाज में सर्जनात्मक एवं संतोषजनक जीवन शैली प्राप्त करने के लिए संपूर्ण संभावना प्राप्त करने में सहायता प्रदान करता है । समाज कार्य आर्थिक रूप से निर्भरशील वर्गों जैसे भिन्नक्षम व्यक्ति, बीमार व्यक्ति, वेरोजगार व्यक्ति, वृद्ध, मानसिक रागी, विधवा, निर्भरशील बच्चे को समर्थन एवं पुनर्वास मुहैया कराने में एक सुव्यवस्थित पद्धति है ।

परिवर्तित परिप्रेक्ष में, भिन्नक्षम व्यक्तियों के पुनर्वास के क्षेत्र में समाज कार्य की महत्व एवं आवश्यकता को पहचानते हुए 2012 में समाज कार्य विभाग की स्थापना हुई । यह भिन्नक्षमों को समाज में उनके अखंडता को बढ़ावा देते हुए उनको उनके अधिकार दिलाने में तथा सशक्त बनाने में सहायता प्रदान करती है । भिन्नक्षमों को शिक्षा, दक्षता प्रशिक्षण, नौकरी में अवस्थापन, अनुसंधान, प्रकाशन एवं विस्तार सेवा के तहत पुनर्वास मुहैया कराना इस विभाग के प्रमुख लक्ष्य है । इससे भिन्नक्षम व्यक्तियों को उनके जीविका उपार्जन कराने में अवस्थापन सेवा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्व-रोजगार एवं उद्भमिता को बढ़ावा देने के लिए दक्षता विकास प्रशिक्षण जैसे सामाजिक - आर्थिक सशक्तिकरण सेवा गतिविधियों को बल मिलता है । साथ ही समाज कार्य एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण के क्षेत्र में मानव संसाधन का विकास करना एवं उसी क्षेत्र में समुचित दृष्टिकोण से अनुसंधान गतिविधियां संचालित करना भी इस विभाग के लक्ष्य रहे हैं ।

8.1.1 समाज कार्य विभाग में नई पहल

- एस.आई.पी.डी.ए. योजना के तहत रु.15.95 करोड के व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र भवन जिसमें कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए महिला एवं पुरुष दिव्यांग प्रशिक्षुयों के लिए हास्टेल व्यवस्था शामिल है, के आधारशिला की स्थापना दि.29.09.2018 को एसवीनिरतार में सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के सचिव श्रीमती शकुंतला डी. गैमलिन एवं संयुक्त सचिव श्रीमती डोलि चक्रवर्त्ती के द्वारा सम्पन्न हुआ ।

- रु.122 लाख रुपए के प्रस्तावित बजट में एस.आई.पी.डी.ए. योजना के तहत रु. 5,65,500/- का अनुदान दक्षता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम में संस्थान एवं ई.टी.पी. के तहत ओडिशा के विभिन्न भागों से आये 80 दिव्यांगजनों को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए नया प्रस्ताव दिया गया है ।

- वार्षिक कार्य योजना 2019-90 में एक नए पाठ्यक्रम ''पुनर्वास विज्ञान में स्नातकोत्तर (एम. आर.एससी.) आरंभ करने के लिए 96वीं कार्यकारी परिषद बैठक की मद संख्या 96.36 में विस्तृत प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है एवं प्रस्ताव को आवश्यक अनुमोदन प्राप्त हुआ । इसे राज्य सरकार से पहले से अनापत्ति प्रमाणपत्र प्राप्त है ।

- उत्कल विश्वविद्यालय द्वारा प्रश्नपत्र तैयार करने वाले बोर्ड को एक सदस्य के रूप में चयन हुआ । बी.ए.एस.ड्ब्ल्यू. के विश्वविद्यालय परिक्षा के 6 ठे सेमिस्टर के लिए दो सेट के प्रश्नपत्र तैयार किए एवं 2018-19 के दौरान उत्कल विश्वविद्यालय को प्रस्तुत किया ।

- सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा ई.टी.पी. द्वारा चयनित दिव्यांगजनों को दक्षता विकास प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए ई.टी.पी. के क्षमता मानांकन के लिए विभिन्न संगठनों का दौरा किया एवं मंत्रालय को रिपोर्ट भेजा गया ।

- 18 अप्रैल 2019 को राष्ट्रपति भवन में महामहिम राष्ट्रपति जी के समक्ष प्रस्तुत किये जाने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए विशेष रूप से दक्ष दिव्यांगजनों के चयन के लिए मार्च 2018 में समाज कार्य विभाग द्वारा पहल लिया गया । इसके तहत एसवीनिरतार के चार सांस्कृतिक कार्यक्रम के वीडिओ मंत्रालय के चयन के लिए भेजे गये । इसमें से सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार ने अंतिम कार्यक्रम के लिए दो एकल नृत्य एवं एक सामुहिक नृत्य का चयन किया ।

8.2 विभाग में स्टाफ की स्थिति

विवरण	स्वीकृत पद	पूरित पद	रिक्त पद
संकाय	01	01	Nil

- वर्ष के दौरान मंत्रालय के द्वारा संविदागत आधार पर दो स्टाफ (परामर्शदाता पद) के लिए अनुमोदन किया गया इसमें से एक वरिष्ठ परामर्शदाता एवं अन्य एक समाज कल्याण अधिकारी (परामर्शदाता) ने समाज कार्य विभाग में संविदागत आधार पर नियुक्त हुए ।

- समाज - कार्य विभाग में संविदागत उपाधार पर दो व्यावसायिक प्रशिक्षण अनुदेशक परदा मुद्रण, एपलिक एवं एम्ब्राइडरी कार्य कर रहे हैं ।

8.3 विभाग में क्रियाकलाप

विभाग के प्रमुख गतिविधियां कुछेक मुख्य क्षेत्र में वर्गीकृत है — जैसे दक्षता विकास प्रशिक्षण, स्व-रोजगार एवं अवस्थापन, शिक्षण (अकादमी), अनुसंधान, प्रकाशन, मनोविनोद एवं बाह्य सेवाएं ।

8.3.1 शैक्षणिक गतिविधियां :

- एक संकाय के रूप में पी.टी., ओ.टी., पी. एंड ओ, के छात्रों को समाज कार्य, सामाजिक विज्ञान एवं पुनर्वास के विभिन्न पक्ष यथा व्यवसायिक, शैक्षिक, न्यायिक एवं मनोविनोद आदि व्यवसायिक विषयों पर शिक्षण प्रदान कर रही है । एम.एस.डब्ल्यू छात्रों को फील्ड दौरे के अवसर पर एस.वी.निरतार में एजेंसी प्लेसमेंट पर ब्याख्यान एवं डेमोंस्ट्रेशन प्रदान ।
- भिन्नक्षम व्यक्ति एवं पुनर्वास कार्मिकों को विभिन्न अल्पावधि अभिमुखीकरण पाठ्यक्रम / प्रशिक्षण कार्यक्रम में विशेषज्ञ एवं अधिकारियों के रूप में व्याख्यान दिए ।
- पुनर्वास समाज कार्य एवं व्यावसायिक मार्गदर्शन सेवा में विभिन्न शैखिक एस.ओ.सी. एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों की योजना एवं संचालन किया एवं व्यावसायिकों भिन्नक्षम व्यक्तियों एवं अधिकारियों को प्रशिक्षण कार्यक्रमों में विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान दिए ।
- पुनर्वास के आर्थिक एवं सांस्कृतिक पक्ष पर अनुसंधान कार्य / परियोजना कार्य ।
- वार्षिक / सेमिस्टर परीक्षा में निरीक्षक बनी ।
- प्रशिक्षण, सम्मेलन एवं कार्यशाला में भाग लिया ।
- एसवीनिरतार में एम.एस.ड्ब्ल्यू. छात्रों को उनके एजेंसी स्थापन / ब्लॉक स्थापन / इंटनशीप के दौरान अध्यापन एवं मार्गदर्शन दिया ।
- 14.08.2018 को एसवीनिरतार में आये नेशनल इंस्टिच्यूट ऑफ सोसअल वर्क एंड सोसअल साइंन्स के 50 एम.एस.ड्ब्ल्यू. एवं बी.एस.ड्ब्ल्यू के के विद्यार्थियों को व्याख्यान दिया एवं अभिमुखीकरण किया ।
- निश्वास के एम.एस.ड्ब्ल्यू के छात्र (तीसरी एवं चौथी सेमिस्टर के दो बैच) एवं बिजु पट्टनायक कॉलेज ऑफ होटल मैनेजमेंट एंड टुरीज़म (तीसरी सेमिस्टर) के एम.एस.ड्ब्ल्यू. के विद्यार्थियों ने अक्तूबर 2018 से जनवरी 2019 तक एक माह से तीन माह की अवधि तक संस्थान में आने तथा जनवरी 2019 से तीन माह तक निश्वास के चौथे सेमिस्टर के एक बैच भी यहां आये । सभी छात्र संस्थान के समाज कार्य विभाग के देखरेख एवं मार्गदर्शन पर अपने पाठ्यक्रम के एक भाग के रूप में अपने इंर्टनशीप एवं एजेंसी स्थापन में दिव्यागता एवं पुनर्वास पर शिक्षा प्राप्त करने हेतु आये थे ।
- 27.08.2018 को यू.एन. (स्वायत) कॉलेज ऑफ साइन्स एवं टेकनोलोजी का दौरा किया एवं वहां के समाज कार्य विभाग के विभागाध्यक्ष एवं संकाय के साथ उनके एम.एस.ड्ब्ल्यू. छात्रों का डी.एस.ड्ब्ल्यू., एसवीनिरतार में उनके थेसिस वर्क एवं एजेंसी स्थापन के बारे में चर्चा किया ।

8.3.2 अनुसंधान गतिविधियां

समाज कार्य विभाग ने ''सोसियो - इंकोनोमिक एंड कलचरल आसपेक्ट ऑफ डिसाबिलिटि एंड रिहाबिलिटेशन'' विषय के चुनौतीपूर्ण मुददों पर 3 अनुसंधान कार्य हाथ में लिये । 2018-19 के दौरान यू.एन. (स्वायत) कॉलेज ऑफ साइन्स एवं टेकनोलोजी, अडशपुर के एम.एस.ड्ब्ल्यू. छात्रों के इस संस्थान में अपने एजेंसी स्थापन के दौरान विभागाध्यक्ष, समाज कार्य विभाग के मार्गदर्शन एवं देख रेख में यह तीन अनुसंधान कार्य सम्पन्न हुए । विस्तृत जानकारी अध्याय - 2 में संलग्न है ।

8.3.3 प्रकाशन

जनसाधारण एवं दिव्यांगव्यक्तियों में जागरुकता एवं जानकारी प्रसार के उद्देश्य से यह विभाग जन सूचना एवं जागरुकता के लिए विभिन्न उपकरण, पोस्टर, पर्ची, पुस्तिका, योजनाओं, रियायत, भिन्नक्षमों के लिए सुविधाएं ,व्यवसायिक पुनर्वास आदि का ओड़िआ, हिन्दी एवं अंग्रेजी में प्रकाशन करता रहा है ।

— स्वा.वी.निरतार की गतिविधियां

— योजना, पी.ड्ब्ल्यू.डी के लिए रियायतें एवं सुविधायें

— पी.ड्ब्ल्यू.डी. का व्यावसायिक पुनर्स्थापन

— ए.डी.आई.पी. योजना

— प्रोस्थेसिस एवं ऑर्थोसिस की देखभाल

— ह्वील चेयर एवं ट्राइसाइकल की देखभाल

— श्रवण यंत्र की देखभाल

8.4 पुनर्वास सेवाएं

– विभागीय प्रशासनिक एवं संपर्क कार्य ।

– विभिन्न व्यवसायिकों, भिन्नक्षमों, सरकारी संगठनों एवं गैर सरकारी संस्थान के अधिकारियों को प्रशिक्षण एवं अभिमुखीकरण ।

– सामाजिक - व्यावसायिक मानांकन, परामर्श एवं मार्गदर्शन

– प्रशिक्षण, स्व-रोजगार एवं रोजगार के लिए सामाजिक - आर्थिक पुनर्वास सेवा ।

– दक्षता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र ।

– डल्स् हाऊस में भिन्नक्षम व्यक्तियों को खेल चिकित्सा एवं कला चिकित्सा ।

– जागरूकता संबंधी उपकरण, सामग्री (आई.इ.सी.) की तैयारी एवं प्रकाशन ।

– सहयोगितात्मक कार्यक्रम/सामाजिक सुरक्षा

– भिन्नक्षम व्यक्तियों के लिए खेल, सांस्कृतिक गतिविधियां एवं मनोविनोद क्रियाकलापों का संचालन करना ।

– बाह्य संगठनों के साथ सम्पर्क करना एवं संदर्भ सेवायें संयोजित कराना ।

8.4.1 समाज कार्य एवं सामाजिक पुनर्वास सेवाएं

- दिव्यंगजनों के प्रवेश से लेकर जाने तक पुनर्वास के एक सक्रिय सदस्य रहे ।
- चलन संबंधी दिव्यांगता ग्रस्त लोगों का सामाजिक - आर्थिक मानांकन करना ।
- सक्रिय भौतिक पुनर्वास के दौरान एवं पश्चात दिव्यांगजनों एवं उनके परिवार के सदस्यों को सामाजिक - मनोवैज्ञानिक एवं व्यावसायिक परामर्श प्रदान करना ।
- दिव्यांगजनों को विभिन्न प्रकार की सुविधाएं जैसे विकलांग भत्ता/पेंशन, अध्ययन, वृत्ति, वित्तिय सहायता / ऋण, रेल यात्रा एवं वस यात्रा में रियायत आदि जैसे सामाजिक सुरक्षा लाभ पाने में मदद करना ।
- दिव्यांग बच्चों को डाल्स हाऊस के माध्यम से कला चिकित्सा एवं खेल चिकित्सा उपलब्ध कराना ।
- विभिन्न परिचालना स्तर, सम्मेलन एवं कार्यशालायों आदि में जन जागरूकता पैदा कराना, शिक्षा, प्रशिक्षण एवं विभिन्न व्यवसायिक स्तर पर अभिमुखीकरण कराना ।
- जागरूकता संबंधी उपकरण, सामग्री (आई.इ.सी.) पोस्टर, पर्च्ची, पुस्तिका एवं साहित्य, टी. वी. स्पट की तैयारी एवं प्रकाशन ।
- दिव्यांगजनों के संपूर्ण पुनर्वास जैसे शिक्षा, व्यवसायिक प्रशिक्षण, स्वरोजोगार एवं कर्मनियुक्ति, संदर्भ एवं विस्तार सेवा जैसे कार्यक्रम एवं योजना के कार्यान्वयन के लिए गैर सरकारी संगठनों / सरकारी संगठनों के साथ संम्पर्क कराना
- दिव्यांगजनों के लिए नृत्य, संगीत, खेल, सांस्कृतिक गतिविधियां एवं मनोविनोद क्रियाकलापों का संचालन करना ।

8.4.2 व्यवसायिक पुनर्वास सेवाएं

– भिन्नक्षम व्यक्तियों के लिए दक्षता विकास प्रशिक्षण को बढ़ावा देने के लिए एन.एच.एफ.डी.सी. के

दक्षता प्रशिक्षण कार्यक्रम में केंद्रक अधिकारी के रूप में कार्य किया ।

- भिन्नक्षम व्यक्तियों का व्यवसायिक मानांकन, कैरियर एवं प्रशिक्षण मार्गदर्शन ।
- भिन्नक्षम व्यक्तियों के प्रशिक्षण के लिए दक्षता विकास प्रशिक्षण के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण वैंद्र ।
- विकसित कौशल, लाभजनक रोजगार के लिए ज्ञान एवं साधारण जीवन शैली के तहत भिन्नक्षम व्यक्तियों के सशक्तिकरण के लिए गैर सरकारी संगठनो के द्वारा ओड़िशा के विभिन्न जिलों एवं संस्थान में भिन्नक्षम व्यक्तियों के लिए व्यावसायिक / दक्षता प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन करना एवं प्रयास प्रारम्भ कराना ।
- भिन्नक्षम व्यक्तियों के लिए स्व-रोजगार एवं अवस्थापन के लिए योजना तैयार कराना, परियोजना प्रस्ताव प्रस्तुत कराना, ई.ओ.आई, एम.ओ.यु. एवं रूपरेखा प्रस्तुत कराना ।
- भिन्नक्षम व्यक्तियों के लिए नौकरी में अवस्थापन (स्वरोजगार / वेतन पर रोजगार) के लिए प्रबन्ध कराना ।
- दक्षता सम्पन्न भिन्नक्षम व्यक्तियों को स्वरोजगार व्यवसाय आरम्भ कराने के लिए स्व-रोजगार उपकरण का आबंटन ।
- भिन्नक्षम व्यक्तियों के लिए दक्षता विकास प्रशिक्षण के संचालन कराने के संबंध में गैर सरकारी संगठनों के अधिकारियों का अभिमुखीकरण ।
- गैर सरकारी संगठनों के द्वारा संचालित कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों का अनुवीक्षण एवं निरीक्षण ।
- दक्षता प्रशिक्षण के संबंध में पाठ्यक्रम प्रस्तुत, प्रपत्र तैयारी, प्रमाण पत्र एवं अन्य सभी पत्राचार एवं प्रशासनिक अनुमोदन प्रस्तुत कराना ।
- दिव्यांगजनों को वृत्तिका एवं ऋण मुहैया कराना ।
- व्यावसायिक प्रशिक्षण अनुदेशक का पर्यवेक्षण करना तथा एसवीनिरतार के व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र पर भिन्नक्षम व्यक्ति द्वारा प्रस्तुत सामग्री तथा व्यवसायिक प्रशिक्षण सामग्री, मशीन, उपकरण के सामान का स्टॉक रखना तथा रिकर्ड का अनुरक्षण करना ।
- स्व-रोजगार एवं चिकित्सा (मार्गदर्शन) के लिए वित्तिय सहायता प्रदान कराना ।
- व्यावसायिक सेवा के लिए अनुबंधन जिसमें भिन्नक्षम व्यक्ति के एस.एच.जी. के संवर्धन, प्रशिक्षण, स्व-रोजगार, नौकरी दिलाना आदि शामिल हैं ।

8.4.3 दक्षता प्रशिक्षण कार्यक्रम

– समाजकार्य विभाग एसवीनिरतार एवं ओड़िशा के विभिन्न जिला के सभी वर्ग के दिव्यांगजनों को आर्थिक रूप से स्वतंत्र एवं समाज में एक साधारण जीवन व्यतीत करने के लिए क्षमता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन कर रहा है । मंत्रालय को 122 लाख रुप की सहायता अनुदान राशि का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है । 540 दिव्यांगजनों के लिए दक्षता प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कराया जाएगा ।

व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र, एसवीनिरतार

एसवीनिरतार के सभी वर्ग के भिन्नक्षम व्यक्तियों के लिए तथा ओड़िशा के विभिन्न जिलाओं में एसवीनिरतार दक्षता प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संचालन कर रहा है । इसमें विभिन्न व्यवसाय जैसे एप्लिक एवं कढ़ाई कार्य, स्क्रीन मुद्रण, सुचना प्रौद्योगिकी, मशरुम् खेती, कम्प्यूटर प्रयोग, फन्सी बैग तैयारी, वेल्डिंग, ए.सी./डी.सी. मोटर वाइडिंग, कम्प्यूटर प्रयोग में डिप्लोमा, सिलाई - बुनाई, फेवरिक् पेन्टिंग, मोबाईल मरम्मत, लफाफा एवं फाईल आवरण तैयारी, डिटरजेंट पाऊड़र एवं लिक्युइड़ डिस् वॉश, नायलन / प्लास्टिक बैग तैयारी मसल प्रस्तुतीकरण , बांध कला एवं एजेंसी के द्वारा ओड़िशा में, पेपर प्लेट तैयारी आदि शामिल है । इस केन्द्र में भिन्नक्षम व्यक्तियों को उनके लम्बे चिकित्सा अवधि के दौरान व्यावसायिक कौशल प्रदान किया जाता है । यह अनुभव संस्थान से जाने के उपरांत उन्हें अपने जीविका निर्वाह करने में बल प्रदान करता है । बहुत जल्द एस.आई.पी.डी.ए. योजना के तहत कई नए क्षेत्र यथा मोबाइल मरम्मत एवं बियुटी कलचर, हाउस किपिंग आटेंडांट, आई टी., ॲपारेल एवं पेपर प्लेट तैयारी आदि शामिल होने की योजना है ।

व्यवसायिक प्रशिक्षण (ओड़िशा के विभिन्न जिला में)

अ.जा.एवं अ.ज.जा. एवं एस.आई.पी.डी.ए. के सहायता अनुदान के अधीन भिन्नक्षम व्यक्ति के सामाजिक - आर्थिक उत्थान के लिए गैर सरकारी संगठनों द्वारा ओड़िशा के विभिन्न भागों में दक्षता प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन होता रहा है ।

8.4.4 कार्य नियोजन एवं रोजगार सेवाएं

(i) वर्ष 2018-19 के दौरान मोबाईल मरम्मत, आई.टी., कंप्यूटर व्यवहार, एप्लीक्यू व एम्ब्रोडॅरी कार्य, परदा मुद्रण, कागज प्लेट तैयारी, सिलाई - बुनाई, मोटर वाइंडिंग, फिनाईल एवं फैंसी बैग प्रस्तुत करने जैसी विभिन्न विभागों में दक्षता प्रशिक्षण से 45 दिव्यांगजन अपने जीविका निर्वाह के लिए स्व-रोजगार एवं वेतन रोजगार में नियोजित हुए ।

(ii) एस.वीनिरतार भारत सरकार द्वारा विशेष रोजगार एक्सचेंज के रूप में अधिसूचित हुआ है जो जो

सावजनिक क्षेत्र उपक्रम, सरकारी कार्यालयों एवं नीजि संगठनों में वर्ग क, ख, ग, एवं घ समूह के पदों में नौकरी स्थानन के लिए उपयुक्त दिव्यांग व्यक्तियों के नाम की सिफारिश करेगी ।

8.4.5 ''स्व-रोजगार उपकरण'' का वितरण

दिव्यांगजनों को कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल समापन के पश्चात्, उन्हें आर्थिक रूप से स्वतंत्र एवं आत्म - निर्भर बनाने के उद्देश्य से उन्हें अपना स्वतंत्र व्यवसाय आरम्भ करने के लिए प्रति वर्ष स्व-रोजगार उपकरण प्रदान किए जाते हैं । वर्ष 2018-19 के दौरान 20 विभिन्न कौशल प्राप्त दिव्यांगजन जो ओडिशा के विभिन्न जिला में से आये थे एवं विभिन्न व्यावसायिक प्रशिक्षण जैसे मोटर वाइंडिंग, आई.टी.आई. कंप्यूटर प्रयोग, मोबाइल मरम्मत, परदा मुद्रण, एप्लिक्यू एवं एम्ब्रोडरी कार्य, सिलाई, मोमबत्ती तैयारी, आचार बनाना एवं पेपर प्लेंट तैयारी आदि में प्रशिक्षित हुए हैं , को कई प्रकार के स्व-रोजगार उपकरण जैसे — मोटर वाइंडिंग किट, लैपटॅप, मोबाइल मरम्मत किट, पैरो द्वारा चलाई जाने वाली एवं हाथ से चलाये जाने वाले मोटरीकृत सिलाई मशीन एवं परदा मुद्रण किट, पेपर / लिफ प्लेट तैयारी मशीन एवं मोमबत्ती तैयार किट आदि का संस्थान के समाज कार्य विभाग में आबंटन कराया गया ।

– 21 मार्च 2018 को सटेलाईट केन्द्र, बलांगीर के उद्घाटन के अवसर पर दिव्यांगजनों को जो ''मोटर वाइडिंग'' एवं ''परदा मुद्रण'' में कौशलप्राप्त हैं 11 स्व-रोजगार किट, 10 ''मोटर वाइडिंग'' किट एवं 01 ''परदा मुद्रण'' किट माननीय श्री थावार चंद गेहलोत, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री एवं माननीय श्री धर्मेन्द्र प्रधान, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री एवं कौशल पब्रशिक्षण एवं उद्यम भारत सरकार के करकमलों से प्रदान कराया गया ।

– दि.29.09.2018 को एसवीनिरतार में व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र एवं कैड-कैम प्रयोगशाला के आधारशीला स्थापना के अवसर पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के सचिव श्रीमती शकुंतला डी.गैमलीन एवं संयुक्त सचिव श्रीमती डोली चक्रर्वत्ती के करकमलों से कौशलप्राप्त दिव्यांगजन जो ''एडवान्स् आई.टी., एप्लिक्यू एवं एम्ब्रोडरी एवं परदा मुद्रण'' आदि में कौशलप्राप्त हैं को 6 स्व-रोजगार किट उनके दैनदिंन जीविका उपार्जन के लिए प्रदान किए गए ।

– तीन दिव्यांगजन (अ.जा. एवं अ.ज.जा.) हो जो परदा मुद्रण, एप्लिक्यू एवं एम्ब्रोडरी कार्य एवं मोमबत्ती तैयारी में कौशलप्राप्त हैं को उनके दैनदिंन जीविका के लिए एक परदा मुद्रण किट, एक मोटरीकृत सिलाई मशीन एवं एक मोमबत्ती तैयारी किट प्रदान किए गए ।

8.4.6 पुरस्कार प्रमाणपत्र

विभिन्न व्यवसाय में दक्षता प्रशिक्षण के सफल समाप्ति के पश्चात् 56 कौशल दिव्यांग व्यक्तियों को प्रमाणपत्र पुरस्कार प्रदान किए गए ।

8.5 डॉल्स् हाऊस एवं कला चिकित्सा, समाज कार्य विभाग में

प्रमस्तिष्क अंगघात, अटिसिज्म एवं चलन संबंधी भिन्नक्षमता से पीड़ित छोटे बच्चों के लिए डॉल्स् हाऊस खेल चिकित्सा मुहैया कराता है । यह चिकित्सा बच्चों को समन्वय प्रशिक्षण, मनोविनोद प्रदान करने के साथ - साथ चिकित्सा एवं व्यायाम में सहयोग करने के लिए बच्चों में अभिप्रेरणा भी प्रदान कराता है । साथ - साथ उनके मानसिक एवं शारीरिक स्थिति एवं क्षमता के विकास में भी यह चिकित्सा सहायता प्रदान कराती है ।

8.6 कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान दिव्यांगजनों द्वारा प्रस्तुत उत्पादों का प्रदर्शनी व बिक्री

दि 5 एवं 6 नवम्बर 2018 एवं दि 3 दिसम्बर 2018 को दिवाली एवं अंतराष्ट्रीय दिव्यांगता दिवस के अवसर पर एसवीनिरतार में समाज कार्य विभाग द्वारा दिव्यांगजनों के द्वारा संस्थान के व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र पर कौशल विकास प्रशिक्षण के तहत प्रस्तुत उत्पादों का प्रदर्शनी व बिक्री का आयोजन कराया गया । इन उत्पादों में हाथ के कार्य जैसे एप्लीक्यू एवं एम्ब्रोडरी कार्य, फैन्सी बैग, बेड कवर, कुशन कवर, वाल हैंगिंग, लाईट स्टेंड एवं कई अन्य फैंसी चीजें, स्क्रीन प्रिंटिंग उत्पाद कैसे अभिवादन कार्ड, शो पिस, फिनाइल, फैंसी कैंडल, वाशिंग ब्ल्यू, लिकुइड डिश वॉश आदि शामिल हैं । संस्थान के निदेशक महोदय के कार्यक्रम उद्घाटन के उपरांत सुबह 11 बजे से प्रदर्शनी एवं बिक्री आरम्भ हो गया । दिव्यांगजनों द्वारा प्रस्तुत उत्पादों को सभी ने अत्यंत सराहा एवं स्टाफख, विद्यार्थी, रोगी एवं आम जनता को बिक्री भी कराया गया ।

8.7 सामाजिक - व्यवसायिक पुनर्वास सेवाओं की उपलब्धियां

गत तीन वर्षो के दौरान उपलब्ध कराये गए सामाजिक एवं व्यवसायिक पुनर्वास सेवा का विवरण निम्नप्रकार :

सेवा प्रकार	लाभान्वितों की संख्या		
	2016-17	2017-18	2018-19
रोगी एवं उनके परिजनों का मानांकन एवं सामाजिक तथा मनोवैज्ञानिक परामर्श	2295	2895	3628
व्यवसायिक परामर्श एवं मार्गदर्शन	1886	2005	3313
शैक्षिक मार्गदर्शन एवं लक्ष्य वृत्ति	227	320	451
व्यावसायिक प्रशिक्षण	61	99	104
स्व-रोजगार मार्गदर्शन	272	644	937
सामाजिक सुरक्षा समर्थन	1546	1648	2012
स्थानन	187	96	45
खेल चिकित्सा एवं कला चिकित्सा	1804	2524	4367

8.8 अन्य सूचनाएं

सुश्री सस्मिता सामल, सामाजिक कार्यकर्त्ता - सह - व्यावसायिक परामर्शदाता

— दि 18.04.2019 को राष्ट्रपति भवन में महामहिम राष्ट्रपति जी के समक्ष अपने दक्षता प्रतिपादन करने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए सात विशेष रूप से दक्ष युवा दिव्यांगों का चयन एवं सिफारिश किया गया ।

— वर्ष 2018-19 में जापान में डसकीम लिडरसिप ट्रेनिं में भाग लेने के लिए एक लडकी एवं एक लडके – 2 दिव्यांगजन युवायों की सिपारिस की गई थी । यह कार्यक्रम एसिआ एवं पेसिफिक में दिव्यांगजनों के लिए जापान इंटरनेसनल कोपरेशन एजेंसी (जे आई.सी.ए.) तहत है ।

— दि. 3 जुलाई 2018 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित ''दिव्यांगजनों का कौशल विकास'' विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया ।

— ई.टी.पी. का दौरा दि.03.08.2018 को खोर्दा जिला के वमेन्स कम्यूनिटी मैनेजमेंट ग्रुफ का दिव्यांगों के कौशल विकास प्रशिक्षण के लिए क्षमता आकलन हेतु एवं दि.26.03.2019 को ''सेंचुरियन युनिवर्सिटी ऑफ टेकनोलॉजी एंड मैनेजमेंट'' एवं ''क्रम तरंग एंप्लोयाबिलिटी सर्विस प्रा.लि.'' का दौरा किया ।

— सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के निदेशानुसार अ.जा. एवं अ.ज.जा. में सहायता अनुदान के तहत ओडिशा के विभिन्न दूरदराज के जनजातीय क्षेत्र में दिव्यांग व्यक्तियों (अ.जा. एवं. अ.ज.जा.) को 25 मच्छरदानी दिए गये ।

❑❑❑

स.आई.पी.डी.ए. योजना के तहत रु.15.95 करोड के व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र भवन जिसमें कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए महिला एवं पुरुष दिव्यांग प्रशिक्षुयों के लिए हास्टेल व्यवस्था शामिल है, के आधारशिला की स्थापना दि.29.09.2018 को एसवीनिरतार में सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के सचिव श्रीमती शकुंतला डी. गैमलिन एवं संयुक्त सचिव श्रीमती डोलि चक्रवर्त्ती के द्वारा सम्पन्न हुआ ।

21 मार्च 2018 को सटेलाईट केन्द्र, बलांगीर के उद्घाटन के अवसर पर दिव्यांगजनों को स्व-रोजगार किट, माननीय श्री थावार चंद गेहलोत, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री एवं माननीय श्री धर्मेन्द्र प्रधान, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री एवं कौशल पब्रशिक्षण एवं उद्यम भारत सरकार के करकमलों से प्रदान कराया गया । दि.29.09.2018 को एसवीनिरतार में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के सचिव श्रीमती शकुंतला डी.गैमलीन एवं संयुक्त सचिव श्रीमती डोली चक्रर्वत्ती के करकमलों से कौशलप्राप्त दिव्यांगजनों को स्व-रोजगार किट प्रदान किए गए ।

एसवीनिरतार में समाज कार्य विभाग के वी.टी.सी. में दिव्यांगजनों को दक्षता विकास प्रशिक्षण ।

कौशल प्राप्त दिव्यांगजनों का स्थानन अडिशा के विभिन्न भागों में स्व-रोजगार । 1. बंधकला (हस्तकला), 2. परदा मुद्रण, 3. मशरुम खेती, 4. मोबाइल मरम्मत ।

अध्याय - 9

वाक् एवं श्रवण विभाग

9.1 प्रस्तावना

इस विभाग का कार्य है, संस्थान में चलन संबंधी भिन्नक्षमता से ग्रसित हुए तथा ग्रसित न हुए बाक् बाधितों का मानांकन करना । साथ - ही संस्थान में तथा संस्थान के बाहर विभिन्न शिविरों में श्रवण भिन्नक्षमता का मानांकन करना जैसे श्रवण विज्ञान सेवा भी उपलब्ध करना इस विभाग का उद्देश्य है । संस्थान में तथा शिविरों में श्रवण यन्त्रों का वितरण कराना भी इसमें शामिल है ।

9.2 केंद्र में स्टाफ की स्थिति

विवरण	स्वीकृत पद	पूरित पद	रिक्त पद
संकाय	01	01	Nil

9.3 सेवा क्रियाकलाप

9.3.1 विभाग में एवं दिव्यांग पहचान शिविरों पर श्रवण दिव्यांगों का श्रवण मूल्यांकन किया जाता है । लगभग 3 साल से ऊपर के बच्चों का तथा वयस्कों का श्रवण भिन्नक्षमता का मानांकन किया जाता है । मानांकन के पश्चात् श्रवण बाधितों को श्रवण यन्त्र मुहैया कराया जाता है । भिन्न रूप से अक्षम व्यक्तियों को श्रवण यन्त्रों का उचित उपयोग, देख - रेख, निवारण तथा रख - रखाव के संबंध में परामर्श प्रदान किया जाना है ।

चलन संबंधी विभिन्न भिन्नक्षमता जैसे सी.पी., टी.बी.आई, श्रवण बाधित, हेमीप्लेजिक, ए.डी.एम.डी, अटिस्टिक, क्लेफ्ट लिप एवं पैलेट, हकलापन, गलत उच्चारण एवं विंलन विकारात्मक शारीरिक प्रक्रिया से पीड़ित तथा ग्रसित न हुए भिन्नक्षम व्यक्तियों के लिए वाक् एवं भाषा का मानांकन किया जाता है । संस्थान में मानांकन के आधार पर चिकित्सात्मक सेवा भी प्रदान की जाती है । प्रोस्थेटिक अंगघात से पीड़ित बच्चों के पिता - माताओं को उनके भाजन से संबंधित विषय पर प्रशिक्षण सेवा दी जाती है । संस्थान के बाह्य पहुंच विस्तार सेवा पर शिविर आयोजन कराके भी वाक् एवं श्रवण सेवा उपलब्ध करायी जा रही है ।

9.3.2 शैक्षणिक गतिविधियां

- वाणी एवं श्रवण के व्यावसायिक विषयों पर पी.टी., ओ.टी. और पी. एवं ओ. के डिग्री छात्रों को शिक्षण प्रदान करते हैं तथा व्यावसायिकों, रोगियों एवं उनके देख - भाल करने वालों को पुनर्वास के

विभिन्न पहलूओं पर एस.ओ.सी./वर्कशप भी संचालित करते हैं ।

- विदेशी लागत प्रभावी वीणी चिकित्सा उपकरण के विकास के लिए अनुसंधान परियोजना हाथ में लिए ।

- विकल्प विकासीय कम्युनिकेशन (ए.ए.सी.) कार्यशाला प्रशिक्षित को वाक् प्रशिक्षक जो सर्वशिक्षा अभियान व विशेष स्कूल में वाक् शिक्षक का कार्य करें ।

9.4 पिछले तीन वर्षों के दौरान चिकित्सित रोगियों की संख्या निम्न प्रकार हैं :

वर्ष	लक्ष्य	रोगियों की संख्या
2016 - 2017	4600	5,928
2017 - 2018	4600	6,335
2018 - 2019	4600	7,321

9.5 मानांकन - सह - वितरण शिविर

वर्ष 2018 - 19 में ओडिशा राज्य तथा देश भर में मानांकन - सह - वितरण शिविर में श्री जे.एस.पंडा उपस्थित रहे ।

स्थान का नाम/ब्लॅक	जिला	राज्य	आकलन की संख्या	वितरित श्रवण यन्त्रों की संख्या
भुवनेश्वर	खुर्दा	ओडिशा	13	02
माहांगा	जगतसिंहपुर	ओडिशा	45	--
श्रीकाकुलम	श्रीकाकुलम	आंध्र प्रदेश	40	--
गुवाहाटी	गुवाहाटी	आशाम	20	20
टाटा स्टील, कलिंगनगर	जाजपुर	ओडिशा	34	09
बलांगीर	बलांगीर	ओडिशा	10	10
गोप	पुरी	ओडिशा	17	18
कुल			**179**	**59**

* उपर लिखित शिविरों में कुल 59 श्रवण यंत्र वितरित किए गए ।

9.6 पाठ्यक्रम समिति के सदस्य

उत्कल विश्वविद्यालय के बी.ए.एस.एल.पी. में श्री जे. एस. पण्डा, वाक् चिकित्सक पाठ्य समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त हुए ।

9.7 परीक्षक

— श्री जे. एस. पण्डा, वाक् चिकित्सक उत्कल विश्वविद्यालय के बी.ए.एस.एल.पी. में परीक्षक बने ।

— उत्कल विश्वविद्यालय के बी.ए.एस.एल.पी. परीक्षा के लिए प्रश्न पत्र तैयार किया ।

9.8 जर्नल में लेख - पत्र प्रकाशन :

(i) श्री जे. एस. पण्डा, वाक् चिकित्सक

- इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हेल्थ साइंसेस एंड रिसर्च के खण्ड-8, संस्करण -10, अक्तूबर 2018 में ''सेल्फ-एसेसेड हियरिं हैंडिकेप एंड क्वालिटी ऑफ लाईफ इन यल्डरर्लि पपुलेशन'' शीर्षक पर लेख - पत्र प्रस्तुत किया ।

- इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हेल्थ साइंसेस एंड रिसर्च के खण्ड-8, संस्करण -9, सितंबर 2018 में ''मेजरमैंट वारिएबुलस एफेक्टिंग द इवालुएशन ऑफ आकोस्टिक रिफ्लेक्स इन ह्यूमन'' शीर्षक पर लेख - पत्र प्रस्तुत किया ।

- ओडिशा जर्नल ऑफ सोसल साइंस के खण्ड-4, संस्करण -2, जुलाई 2018 में ''जेरेंटोलॉजी एंड कम्युनिकेशन डिसअर्डर'' शीर्षक पर लेख - पत्र प्रस्तुत किया ।

❑❑❑

शिशुओं में श्रवण मूल्यांकन के लिए
बेरा परीक्षा

वैयक्तिक वाक् - चिकित्सा

बाह्य पहुँच सेवा के अंतर्गत श्रवण मूल्यांकन

सामूहिक चिकित्सा

प्रमस्तिष्क पक्षाघात के लिए मौखिक मोटर व्यायाम

अध्याय - 10

विस्तार सेवायें

10.1 प्रस्तावना

ग्रामीण, जनजातीय एवं दूर-दराजों और अन्दरूनी इलाकों के भिन्नक्षम व्यक्तियों को पुनर्वास सेवायें प्राप्त करने में प्रायत: कठिनाइयों का सामना करना पडता है । ऐसे स्थानों पर पुनर्वास सेवाएं तथा भिन्नक्षम व्यक्तियों के नजदीकी क्षेत्रों पर सहायक यंत्र एवं उपकरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संस्थान ने भिन्नक्षम व्यक्तियों के नजदीकी इलाकों पर विभिन्न राज्यों में अनेक पुनर्वास शिविर आयोजित कराये हैं तथा संस्थान द्वारा तीन उप-केन्द्र (भुवनेश्वर, कटक एवं ढेंकानाल) भी चलाये जा रहे हैं । इन गतिविधियों के संचालन के लिए किसी भी स्टाफ को नामोद्दिष्ट नहीं किया गया है । विभिन्न विभागों के स्टाफ विस्तार तथा बाहर पहुंच सेवा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कार्य करते हैं ।

10.2 स्वा.वि.निरतार के उप केंद्र

10.2.1 संस्थान अपने तीन उपकेंद्रों – भुवनेश्वर, कटक एवं ढेंकानाल के जरिये पुनर्स्थापन सेवायें (भौतिक चिकित्सा एवं व्यावसायिक चिकित्सा) उपलब्ध कराता रहा है ।

10.2.2 ढेंकानाल, कटक, भुवनेश्वर उप केंद्र की गतिविधियों का विस्तृत व्यौरा

(क) रोगियों को उपलब्ध करायी जा रही भौतिक चिकित्सा सेवाओं के सांख्यिकीय आकड़े निम्नप्रकार हैं :

केंद्र	नई	पुरानी	कुल
ढेंकानाल उप केंद्र	259	5,001	5,260
पुनर्स्थापन केंद्र, कटक	854	15,674	16,528
पुनर्स्थापन केंद्र, भुवनेश्वर	1,394	7,247	8,641
कुल	**2,507**	**27,922**	**30,429**

उप-केन्द्रों पर उपलब्ध करायी जा रही भौतिक चिकित्सा पुनर्वास सेवायें

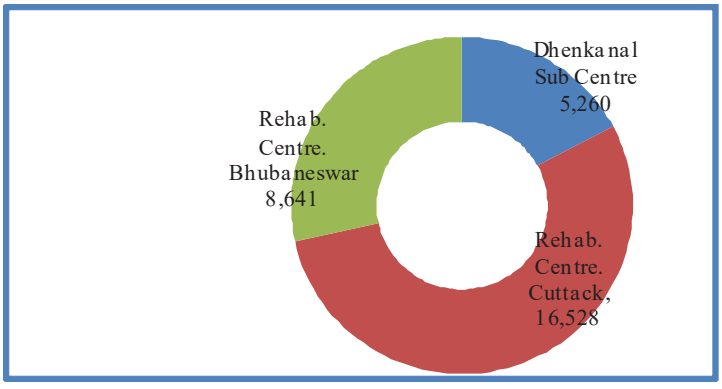

(ख) रोगियों को उपलब्ध करायी जा रही व्यावसायिक चिकित्सा सेवाओं के सांख्यिकीय आंकड़े निम्नप्रकार है :

केंद्र	नई	पुरानी	कुल
पुनर्स्थापन केंद्र, भुवनेश्वर	81	2,302	2,380
ढेंकानाल उप केंद्र	66	1,985	2,051
कुल	**147**	**4,287**	**4,431**

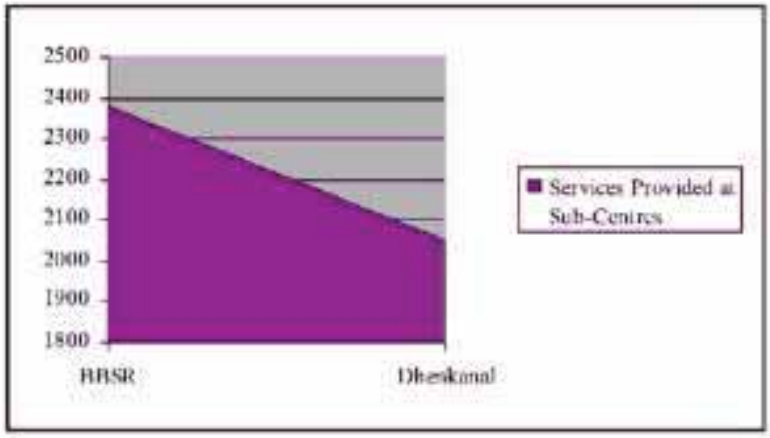

उप केंद्रो में उपलब्ध करायी जा रही व्यावसायिक चिकित्सा पुनर्वास सेवायें

10.2.3 नुआपड़ा, उप-केंद्र की गतिविधियों का ब्योरा

नुआपड़ा उप-केंद्र के भवन को एसवीनिरतार को हस्तांतरित किया गया है । नुआपड़ा उप-केंद्र के स्थापना के लिए अस्थायी तौर पर वैद्युतिक संयोग आरम्भ हो चुका है । उपकरणों की खरीद एवं जनशक्ति विकास कार्य प्रगति पर है ।

❑❑❑

अध्याय - 11

पुस्तकालय विभाग एवं सूचना केंद्र

11.1 प्रस्तावना

11.1.1 जीवन के सब क्षेत्रों में प्रगति के लिए संबद्ध क्षेत्र में सूचना निर्माण पर निर्भर है । कारगर सूचना प्रणाली, सेवाओं एवं सरकार तथा जनता द्वारा सूचना का उचित उपयोग द्वारा नागरिकों के जीवन और गतिविधियों में उन्नति संभव है ।

11.1.2 भारत तथा विदेशों में पुनर्वास संबंधी सूचनाओं का संकलन एवं प्रचार-प्रसार करना – संस्थान के मुख्य उद्देश्यों में से एक है । संस्थान द्वारा पुस्तकालय, सूचना एवं प्रलेखन केन्द्र के अधीन सूचना संचालन और संकलन पर अनेक गतिविधियों का संचालन किया जाता है ।

11.2 इस अनुभाग के कर्मचारी वर्गों का विवरण नीचे दिया गया है ।

विवरण	स्वीकृत पद	पूरित पद	रिक्त पद
तकनीकी	02	02	0
प्रशासनिक	0	0	0
कुल	**02**	**02**	**Nil**

11.3 पुस्तकालय

11.3.1 केंद्रीय / मेडिकल / तकनीकी पुस्तकालय

8,393 आधुनिक पुस्तकें, 8,458 पत्रिकाएं एवं कई रिपोर्ट, विभिन्न पुनर्मुद्रण आदि के संग्रह से सम्पन्न केन्द्रीय पुस्तकालय को बारह घंटे सुबह 8.30 बजे से रात्रि 9.00 बजे तक (30 मि. लंच छुट्टी) खुला रखा जाता है एवं यह संस्थान के कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों, सरकारी कार्यकर्ताओं, अन्य केन्द्रों के पुनर्वास व्यावसायिकों, गैर सरकारी संगठनों, विकलांग व्यक्तियों और उनके संबंधियों आदि की सूचना संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करता है । वर्ष 2018 - 19 के दौरान 52 नए किताबें पुस्तकालय में शामिल किए गए ।

11.3.2 विभागीय पुस्तकालय

केंद्रीय/मेडिकल/तकनीकी पुस्तकालय के अतिरिक्त हर विभाग की अपनी विभागीय लाइब्रेरी हैं । इसमें अध्यापकों तथा स्नातकोत्तर छात्रों के उपयोग हेतु रेफरल लाइब्रेरी है ।

11.3.3 हिंदी पुस्तकालय

संस्था के राजभाषा विभाग की अपनी हिंदी लाइब्रेरी है । यहां स्टाफ, पी.डब्लू.डी. एवं अन्य के लिए 231 पुस्तकें हैं ।

11.3.4 पाठकों का आगमन, कुल पुस्तकें ईशू की गई और पत्र /पत्रिका ईशू की गई :

वर्ष	कुल ईशू की गई पुस्तकें	कुल जर्नल ईशू की गई	कुल पाठकों का आगमन	लाइब्रेरी में पढ़ी गई पुस्तकें व जर्नल
2018-19	9,837	1,387	20,000	74,352

रु.14,416/- लाइब्रेरी ओवरड्यू शुल्क एवं कागजात प्रभार के हानि से प्राप्त किये गए ।

11.4 प्रलेखन

11.4.1 वर्ष 2017-18 के लिये संस्थान की वार्षिक रिपोर्ट का संकलन एवं मुद्रण किया गया ।

11.4.2 संस्थान की वेबसाईट का (http://www.svnirtar.nic.in) नियमित अद्यतन किया जाता है । स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए संस्थान की सार्वजनिक प्रवेश परीक्षा विवरण, टैंडरों को होस्ट किया गया ।

11.5 कंप्यूटर

11.5.1 संस्थान के पुस्तकालय के लिए ऑनलाइन रिसोर्स पैकेज सबस्क्राईब किया गया । (इसमें जर्नल, पुस्तकें, थेसिस एवं उपकरण शामिल हैं) । विभिन्न सूचना एवं प्रलेखन गतिबिधियों पर कम्प्यूटर का व्यवहार जारी रहा ।

ऑनलाइन संसाधन पैकेज के लिए यूजर आलंकडे :

- वर्ष के दौरान कुल खोज 2155
- पूरी विषय अनुरोध 929
- अब्स्ट्राक्ट अनुरोध 721
- डाटाबेस सत्र 1023
- लिंक आऊट अनुरोध 46
- लाइब्रेरी में 546 छात्रों ने इंटरनेट सुबिधा प्राप्त किया ।
- संस्थान के विभागाध्यक्ष, अधिकारी एवं छात्रों के लिए ई-जर्नल के लिए चरणबद्ध तरीके से नि:शुल्क प्रदर्शन कराया गया ।
- 31 समाचार पत्रों का क्लिपिंग कराया गया ।
- 210 नए छात्रों एवं बाहर के 47 इंटर्नियों को नामांकित कराया गया ।

❑❑❑

अध्याय - 12

भिन्नक्षमों को सहायता (ए.डी.आई.पी) योजना

12.1 प्रस्तावना

ए.डी.आई.पी. योजना भिन्नक्षमों के लिए 1981 में शुरु की गई थी । इसको सामाजिक न्याय एवं सशस्त्रीकरण मंत्रालय, नई दिल्ली ने लागू किया । यह पूर्ण प्रकाश में तब आया, जब पर्सन्स विथ डिजाबिलिटी ऐक्ट (इक्वल आपरच्यूनिटी एंड प्रोटेक्सन आफ राइटस एंड फुल प्रोटेक्सन ऐक्ट) 1995 बना । सरकार का निरंतर प्रयास रहा है कि भिन्नक्षमों को सहायक संयंत्र जो उन्हें उनके सामाजिक, आर्थिक एवं व्यावसायिक पुनर्स्थापन में जरुरी हैं, वे न्यूनतम मूल्य पर उपलब्ध कराये जायें । 2011 के सेंसस में कहा गया है 2.68 करोड़ व्यक्ति भिन्नक्षमता ग्रस्त (पी ड्ब्लू डी) देश में हैं । इसके अलावा करीब 3% बच्चे 14 वर्ष की कम आयु बाले विलंबित विकास ग्रस्त हैं । उन में कई मानसिक मंदता ग्रस्त हैं । उनमें कई मस्तिष्क पक्षाघात ग्रस्त हैं । उन्हें अपना ध्यान रखने की क्षमता प्राप्ति एवं स्वतंत्र जीवन के लिए सहायक संयंत्र जरुरी है । आधुनिक तकनीक के सहारे बड़ी संख्या में भिन्नक्षम लोग जो भिन्न आयु वर्ग से हैं, वो इन यंत्रों से वंचित रह जाते हैं, दुर्बल आर्थिक क्षमता के कारण, परिणामत: इज्जत की जिंदगी नहीं जी पाते ।

12.2 उद्देश्य

इस योजना का मुख्य उद्देश्य भिन्नक्षमों को सहायता करना है । इस के साथ उचित, दीर्घस्थायी, वैज्ञानिकत: निर्मित, आधुनिक, हलके संयंत्र एवं उपकरण उनकी पहुंच के लायक हों, उपलब्ध कराना है । यह सामाजिक, आर्थिक एवं वोकेशनल पुनर्स्थापना में अत्यंत जरुरी है । सहायक संयंत्र भिन्नक्षमों (पी ड्ब्ल डी) को इस उद्देश्य से दिये जाते हैं कि वे स्वतंत्र रूप से कार्य कर सकें, उनकी भिन्नक्षमता को रोका जा सके तथा सेकेंडरी भिन्नक्षमता न हो सके । इस योजना के अधीन उपलब्ध कराये यंत्र प्रभावित अवश्य हों ।

12.3 लाभार्थियों की योग्यता

भिन्नक्षमता वाले व्यक्ति ए.डी.आई.पी योजना के अंतर्गत लाभ पाने के हकदार होने के लिए निम्न शर्तें पूरा करते हों :

(i) भारततीय नागरिक किसी उम्र का हो ।

(ii) 40% भिन्नक्षमता प्रमाण पत्र रखता हो ।

(iii) सभी क्षेत्रों से मासिक आय कुल रु.20,000/- से अधिक न हो ।

(iv) निर्भरशीलों के मामले में अभिभावकों / माता पिता की कुल आय रु.20,000/- से अधिक न हो ।

(v) इसी उद्देश्य से जिन्होंने पिछले 3 वर्ष से किसी स्रोत से सहायता न ली हो । हालांकि 12 उम्र से कम बच्चों के लिए यह सिमा एक साल है ।

* टिप्पणी : आर्फनेज एवं हाफ-वे होम में रहने वालों के लिए आय प्रमाणपत्र जिलाधीश या संस्था के मुख्य से स्वीकार कर सकते हैं । ऐसा हिताधिकारी यंत्र व संयंत्र एल्मिको की योजना के अधीन उपलब्ध कराये जायेगा ।

12.4 भिन्नक्षम को उपलब्ध सहायता की मात्रा

यंत्र एवं संयंत्र रु.10,000/- तक की लागत वाले –

रुपये दस हजार से कम कीमत वाले यंत्र इस योजना के अंतर्गत एक अक्षमता के लिए शामिल हैं । जो हो , यदि एस.ड्ब्लू डी , IX कक्षा से ऊपर के छात्र हों तो सीमा रु.12,000/- तक बढ़ा दी जायेगी ।

कुल मासिक आय	सहायता राशि
रु.15,000/- तक	यंत्र एवं उपकरण की पूरी कीमत
रु.15,001/- से रु.20,000/-	यंत्र एवं उपकरण की कीमत का 50%

* यात्रा व्यय पी ड्ब्लू डी को एवं एक सहायक को बस किराया या रेल किराया, केंद्र को की गई यात्राओं की संख्या पर बिना विचारे रु.250/- की सीमा तक देय होगा ।

12.5 अनुदान की प्राप्ति और विनियोग ए.डी.आई.पी. योजना के अंतर्गत

बिना खर्च किया गया शेष वर्ष 2017-18	अनुदान की प्राप्ति वर्ष 2018-19	अनुदान पर ब्याज प्राप्त	व्यवहार में लाये गये अनुदान	बिना खर्च किया गया शेष वर्ष 2018-19
(1)	(2)	(3)	(4)	(5= 1+2+3-4)
113.53	699.57	7.55	418.77	401.88

12.6 पुनर्स्थापना शिविर

(i) **मानांकन - सह - वितरण शिविर :**

पुनर्वास संबन्धी सहायक यन्त्र एवं उपकरणों के वितरण के लिए मानांकन सह वितरण शिबिरों का आयोजन किया गया । वर्ष 2018 - 2019 के दौरान

-- आयोजित हुए मानांकन / वितरण शिविर - 8

-- आवंटित किए गए पुनर्वास संबंधी सहायक यत्र एवं उपकरण - 919

-- लाभार्थीयों की संख्या - 656

शिविर, मुहैया कराए गए पुनर्वास संबंधी सहायक यन्त्र तथा उपकरणों की संख्या एवं लाभान्वितों की संख्या आगे दर्शायी गयी है ।

वर्ष 2018-2019 के दौरान

मानांकन - सह - वितरण शिविर का विसृत विवरण

क्रमांक	जिला	शिविर तिथि	वितरण शिविर	
			वितरित किए गए सहायक यंत्र एवं उपकरण	लाभार्थियों की संख्या
1.	सी.आर.सी. बलांगीर	21.05.2018	27	27
2.	मालकानगीर, ओडिशा	26.07.2018	258	141
3.	मेदिनपुर, पश्चिम बंग	22.10.2018	19	19
4.	मालकानगीर, ओडिशा	13.11.2018	444	354
5.	माहांगा, ओडिशा	16.12.2018	24	17
6.	सी.आर.सी. गुवाहाटी, आसाम	10.01.2019	5	5
7.	टाटा, याजपुर, ओडिशा	31.01.2019	24	20
8.	गोप, ओडिशा	14.02.2019	118	73
	कुल		**919**	**656**

❑❑❑

अध्याय - 13

प्रशासन विभाग

13.1 प्रस्तावना

31 मार्च 2019 को संस्थान में 142 (कुल मंजूर पद 213 हैं) समर्पित कर्मचारी नियुक्त हैं । संस्थान का चार्ट अनुलग्नक-C के साथ दिया गया है । वर्ष के दौरान 15 स्टाफ सेवानिवृत्त हुए एवं 03 स्टाफ सहायक भंडार अधिकारी, संज्ञाहरणविज्ञानी एवं प्राध्यापक/ जी.डी.एम.ओ. एवं 01 स्टाफ का देहांत हुआ है । भारत सरकार की आरक्षण नीति का संस्थान पालन करता रहा है ।

13.2 सामान्य प्रशासन विभाग की स्टाफ क्षमता

विवरण	स्वीकृत पद	पूरित पद	रिक्त पद
संकाय	—	—	—
तकनीकी	05	05	—
प्रशासनिक	54	37	17
कुल	**59**	**42**	**17**

* सिविल एवं अनुरक्षण विभाग की स्टाफ क्षमता :

विवरण	स्वीकृत पद	पूरित पद	रिक्त पद
संकाय	—	—	—
तकनीकी	15	09	06
प्रशासनिक	02	01	01
कुल	**17**	**10**	**07**

13.3 एसवीनिरतार के स्टाफ की संख्या

कर्मचारियों का समूह एवं वर्गवार वितरण नीचे तालिका में दर्शाया गया है :

वर्ग	मंजूर पद	नियुक्ति	रिक्त पद	साधारण	अ.जा.	अ.ज.जा.	अन्य पिछडा वर्ग	भिन्नक्षम	भूत पूर्व सैनिक
क	35	19	16	13	03	01	02	0	0
ख	70	49	21	28	08	05	05	03	0
ग	108	74	34	35	22	11	01	05	0
कुल	**213**	**142**	**71**	**76**	**33**	**17**	**08**	**08**	**0**

* एक दिव्यांग प्रार्थी अ.जा. वर्ग के अंतर्गत एवं ग्रुप 'C' में हैं।

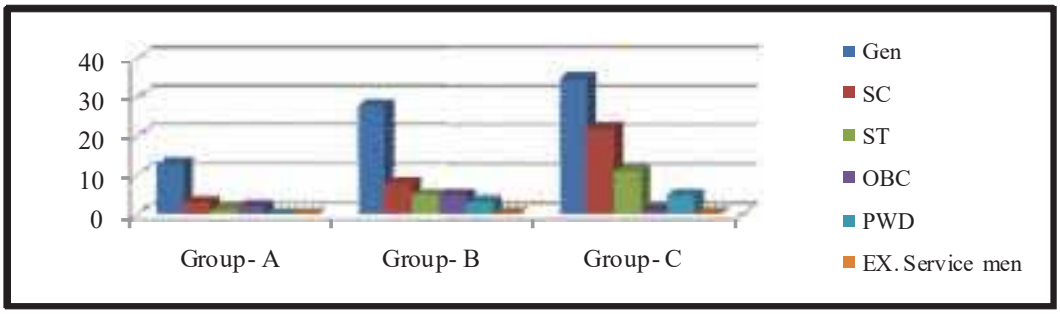

कर्मचारियों की वर्गवार

13.4 संस्थान की संकाय, तकनीकी एवं प्रशासनिक स्टाफ का विवरण

प्रकार	स्वीकृत पद	पूरित पद	रिक्त पद
संकाय	41	27	14
तकनीकी	86	48	38
प्रशासनिक	86	67	19
कुल	**213**	**142**	**71**

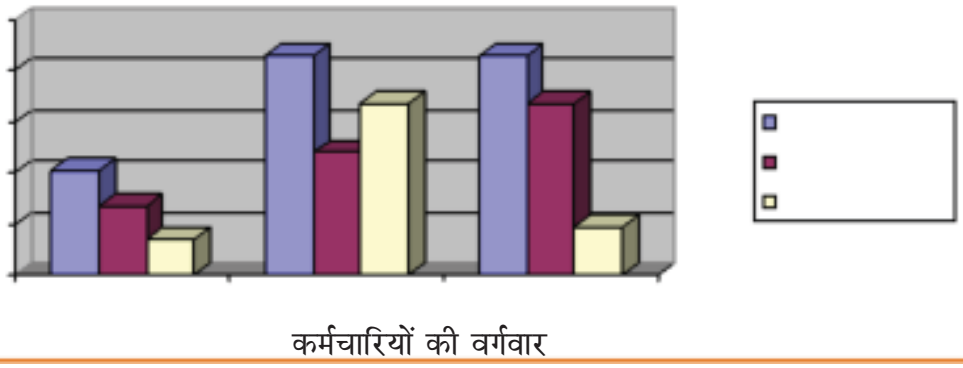

कर्मचारियों की वर्गवार

13.5 राजभाषा का कार्यान्वयन

राजभाषा हिन्दी के कार्यान्वयन के लिए संस्थान में एक राजभाषा अनुभाग है । जहां पर कार्यरत सहायक निदेशक रा.भा., हिन्दी अनुवादक राजभाषा के कार्यान्वयन हेतु सतत प्रयत्नशील है । वर्ष 2018-19 के दौरान इस अनुभाग द्वारा किए गए कार्यों का उल्लेख निम्नवत है :

पत्राचार	द्विभाषी	अंग्रेजी
क, ख एवं ग क्षेत्र को भेजे गये सरकारी पत्रों की संख्या	969	1362
राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) के अन्तर्गत जारी कुल सरकारी कागजों की संख्या	129	0
द्विभाषी सॉफ्टवेयर से युक्त कम्प्यूटरों की संख्या	70	0

13.5.1 हिन्दी पखवड़ा समारोह

संस्थान में 01 सितम्बर से 15 सितम्बर 2018 तक **'हिन्दी पखवाड़ा'** समारोह मनाया गया । हिन्दी पखवाड़ा समारोह के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसके तहत हिन्दी में (1) श्रृत लिखन प्रतियोगिता, (2) हिन्दी निबंध प्रतियोगिता, (3) हिन्दी अनुवाद, (4) आशु भाषण प्रतियोगिता, (5) कविता पाठ, (6) वादविवाद प्रतियोगिता, (7) टिप्पण - आलेखन प्रतियोगिता और खुला प्रश्नमंच प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया गया । सफल प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं सात्वना (दो) प्रतिभागियों को दिनांक 18.9.2018 को आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में नकद पुरस्कार दिये गये । प्रतियोगिताओं में सफल हुए प्रतिभागियों का सूची क्रमानुसार निम्न प्रकार है । (1) **श्रीमती सरीता साहु,** एम.पी.ओ., **श्रीमती योत्स्ना रानी पात्र**, वरी. आशुलिपिक, डी.ए., **श्रीमती स्वप्ना साहु,** एम.पी.ओ., **श्री प्रशांत कु. राउत,** वरी.सहायक सह प्रभारी अधिकारी ए.डी. 5, **श्री बसंत कुमार नंद,** प्राध्यापक, डी.पी.टी., (2) **श्रीमती जेमा इंक्का,** नर्सिंग सिस्टर, पी.एम.आर.डी., **श्रीमती स्वप्ना साहु,** एम.पी.ओ., **श्री प्रशांत कु. राउत**, वरी.सहायक सह प्रभारी अधिकारी ए.डी. 5, **श्रीमती अपन्ना दास,** सहा. पुस्तकालय एवं सूचना अधिकारी, एल.आई.सी., **श्री राम चंद्र आचार्य,** डेमोनस्ट्रेटर, डी.पी.ओ. (3) **श्रीमती सुजाता महारथी,** डेमोनस्ट्रेटर, डी.पी.टी, **श्रीमती अपन्ना दास,** सहा. पुस्तकालय एवं सूचना अधिकारी, एल.आई.सी., **श्री बसंत कुमार नंद,** प्राध्यापक, डी.पी.टी., **श्री राम चंद्र आचार्य,** डेमोनस्ट्रेटर, डी.पी.ओ., **श्री श्रीकांत महारणा,** प्राध्यापक, डी.पी.ओ. (4) **श्री राम चंद्र आचार्य,** डेमोनस्ट्रेटर, डी.पी.ओ., **श्री बसंत कुमार नंद,** प्राध्यापक, डी.पी.टी., **सुश्री नर्गिस बेगम,** ए.डी. 4, **श्रीमती अपन्ना दास,** सहा. पुस्तकालय एवं सूचना अधिकारी, एल.आई.सी., **श्रीमती सुजाता महारथी,** डेमोनस्ट्रेटर, डी.पी.टी, (5) **श्रीमती सावीत्री हेम्बरम,** कनि. सहायक, ए.डी. 3, **श्रीमती स्वप्ना साहु,** एम.पी.ओ., **श्रीमती सुजाता महारथी,** डेमोनस्ट्रेटर, डी.पी.टी, **श्री श्रीकांत महारणा,** प्राध्यापक, डी.पी.ओ., **श्रीमती सरीता साहु,** एम.पी.ओ., (6) **श्रीमती अपन्ना दास,** सहा. पुस्तकालय एवं सूचना अधिकारी, एल.आई.सी., **श्री प्रशांत कु. राउत,** वरी.सहायक सह प्रभारी अधिकारी ए.डी. 5, **श्री अशोक कुमार महांति,** वरी. लेखा अधिकारी, ए.डी.3, **श्रीमती सुजाता महारथी,** डेमोनस्ट्रेटर, डी.पी.टी, **श्री राम चंद्र आचार्य,** डेमोनस्ट्रेटर, डी.पी.ओ., (7) **श्री. तपन कुमार परिडा,** कनि. सहायक, ए.डी.6, **सुश्री नर्गिस बेगम**, ए.डी. 4, **श्रीमती योत्स्ना रानी पात्र,** वरी. आशुलिपिक, डी.ए., **श्री बसंत कुमार नंद,** प्राध्यापक, डी.पी.टी., **श्री प्रशांत कु. राउत,** वरी.सहायक सह प्रभारी अधिकारी ए.डी. 5 । मुख्य अतिथि के रूप में कटक, ओडिशा से हिन्दी के जाने - मोन लेखिका माननीया **श्रीमती पुष्पा सिंही** को आमंत्रित किया गया । संस्थान में वर्ष के दौरान 10,000 से अधिक हिन्दी शब्दों का प्रयोग करते हुए कार्य करने वाले छे अधिकारी/कर्मचारियों को प्रोत्साहन योजना 2018-19 के अन्तर्गत नकद पुरस्कार प्रदान किये गये ।

13.5.2 हिंदी शिक्षण योजना

हिन्दी शिक्षण योजना के अंतर्गत संस्थान द्वारा अपने रोस्टर के अनुरूप अप्रशिक्षित अधिकारियों/ कर्मचारियों के लिए प्राज्ञ, प्रवीण एवं प्रबोध पाठ्यक्रम के लिए प्रशिक्षण दिलाया जाता है । संस्थान के कुल 142 स्टाफ में से 84 अधिकारी एवं कर्मचारियों को हिन्दी प्रशिक्षण दिलाया गया है । इनमें से 36 कर्मचारी प्राज्ञ, 46 प्रवीण एवं 2 स्टाफ प्रबोध में उत्तीर्ण हुए हैं । बाकि 58 स्टाफ को बनबाये गए रोस्टर के अनुसार प्रशिक्षित कराया जाएगा ।

13.5.3 हिन्दी कार्यशाला

एसवीनिरतार के अधिकारी / कर्मचारियों के लिए सितम्बर 2018 में एक हिन्दी कार्यशाला का आयोजन कराया गया । इस कार्यशाला में कुल 42 स्टाफ ने भाग लिया । इस कार्यशाला में व्याख्यान प्रदान करने के लिए भारतीय स्टेट बैंक, प्रमुख शाखा के प्रबन्धक डॉ. बन बिहारी साहु को अतिथि संकाय के रूप में आमंत्रित किया गया था । कार्यशाला का विषय ''कम्प्यूटर में युनिकोड़ का प्रयोग'' रखा गया था ।

13.5.4 राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक वर्ष में चार बार 20.6.2018, 13.8.2018, 14.12.2018 एवं 20.03.2019 को की गई । इन बैठकों में राजभाषा नीतियों के कार्यान्वयन पर चर्चा हुई एवं सुझाव मिले । इन बैठकों का कार्यवृत्त सामाजिक न्याय एवं सशस्त्रीकरण मंत्रालय, नई दिल्ली, कोलकाता स्थित क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय तथा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, कटक को भेजा गया ।

संस्थान ने न.रा.का.स. की कटक में आयोजित 50 वीं एवं 51वीं बैठक दिनांक 30.05.2018 एवं 30.10.2018 में भाग लिया ।

13.5.5 हिन्दी प्रलेखन

वर्ष 2017-18 के लिये संस्थान की विर्षिक रिपोर्ट का हिन्दी में संकलन एवं मुद्रण किया गया । संस्थान की वेबसाईट का हिन्दी में (http://www.svnirtar.nic.in) नियमित अद्यतन किया जाता है । टैंडरों को भी हिन्दी में होस्ट किया गया ।

13.5.6 हिन्दी पुस्तकालय

संस्था के राजभाषा विभाग की अपनी हिंदी लाइब्रेरी है । यहां स्टाफ, पी.डब्लू.डी. एवं अन्य के लिए 231 पुस्तकें हैं । वर्ष 2018-19 के दौरान कुल रु.21,822/- लागत के 58 संख्या के हिन्दी पुस्तकें हिन्दी पुस्तकालय के लिए खरीद किया गया ।

13.5.7 प्रकाशन

दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा

प्रकाशित अर्ध-वार्षिक हिन्दी मैंगजीन ''दिव्यांग'' के खण्ड 3-2018 में हिन्दी अनुभाग के डॉ. दुर्गेश नंदिनी पारमिता दास, हिन्दी अनुवादक द्वारा लिखित एक रचना प्रकाशित हुई ।

13.5.8 सम्मान एवं प्रमाणपत्र

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के दिशानिर्देश अनुसार एसवीनिरतारय को सर्वश्रेष्ठ द्विभाषी वेबसाईट पुरस्कार से नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, कटक द्वारा दि.30.10.2018 को सम्मानित किया गया ।

13.6 आधारभूत विकास

वर्ष 2018-19 के दौरान निम्नलिखित निर्माण व विकास कार्य आरंभ / संपूर्ण किया गया है ।

- रु.136 लाख रुपए अनुमानित लागत के लिए लड़कों के छात्रावास के मरम्मत एवं रंगाई का कार्य सी.पी.ड्ब्ल्यू.डी. को सौंपा गया था । यह कार्य दिसम्बर 2018 में सम्पूर्ण होने की संभावना है ।
- रु.41 लाख अनुमानित लागत के लिए लड़कों के छात्रावास के बैद्युतिक कार्य के नवीकरण कार्य सी.पी.ड्ब्ल्यू.डी. को सौंपा गया था । यह कार्य दिसम्बर 2018 को सम्पूर्ण होने की संभावना है ।
- रु.75 लाख लागत की पैनेल बोर्ड की स्थापना कार्य सी.पी.ड्ब्ल्यू.डी. द्वारा संपूर्ण हो गया है ।
- रु.11 लाख की अनुमोदित लागत के A/B/C टाईप क्वार्टर के चारों तरफ आंतरिक सडकों का मरम्मत कार्य सी.पी.ड्ब्ल्यू.डी. को सौंपा गया है ।
- आर.ई.सी.एल. से सी.एस.आर. सहायता के तहत आनुमानित रु.15.89 करोड रुपये लागत की 100 शैया वाला पुनर्वास सेवा भवन का उपभवन का निर्माण कार्य की परियोजना सी.पी.ड्ब्ल्यू.डी. को सौंपा गया है ।
- रु.15.95 करोड रुपये अनुमोदित लागतकी व्यवसायिक प्रशिक्षण भवन का निर्माण कार्य सी.पी.ड्ब्ल्यू.डी. को सौंपा गया है । कार्य स्थल पर निर्माण कार्य जारी है ।
- स्वच्छ कार्य योजना के तहत रु.24.94 लाख रुपये लागत की स्वीकृत राशि के लिए सुगम्य शोचालय खण्ड का निर्णय कार्य सी.पी.ड्ब्ल्यू.डी. को सौंपा गया है ।
- रु.11 लाख की अनुमोदित लागत के टाईप-II क्वार्टर का रंगाई एवं मरम्मत कार्य सी.पी.ड्ब्ल्यू.डी. द्वारा किया गया है । यह कार्य संपूर्ण होने की स्थिति में है ।
- रु. 52,26,107/- अनुमानित लागत की लडकियों के छात्रावास का मरम्मत एवं नवीकरण का कार्य सी.पी.ड्ब्ल्यू.डी. को सौंपा गया है ।
- रु. 52,12,000/- अनुमानित लागत की लडकियों के छात्रावास के बैद्युतिक कार्य का मरम्मत एवं नवीकरण कार्य सी.पी.ड्ब्ल्यू.डी. को सौंपा गया है ।

- रु.6,90,998/- के अनुमोदित लागत के संस्थान की दक्षिण तरफ के दीवार का निर्माण कार्य सी.पी.ड्ब्ल्यू.डी. को सौंपा गया है ।
- रु.2,48,041/- के अनुमानित लागत के लडकियों के हॉस्टेल -1 के पास के सुरक्षा चौकि का निर्माण कार्य सी.पी.ड्ब्ल्यू.डी. को सौंपा गया है ।
- रु.71,84,045/- के अनुमानित लागत के लडकों के छात्रावास एवं टाईप -II क्वार्टर के समीप नहर के साथ रोड का मरम्मत कार्य सी.पी.ड्ब्ल्यू.डी. को सौंपा गया है ।
- रु.80,64,073/- के अनुमानित लागत के सीवेज उपचार की सुविधा का कार्य सी.पी.ड्ब्ल्यू.डी. को सौंपा गया है ।
- रु.28,76,755/- के अनुमानित लागत के लिए विभिन्न वैद्युतिक कार्य (ए.बी. केवल लगाना, प्रशासन ब्लॉक में प्रमुख पैनेल कार्य, यु.जी. केवलिंग, ए.सी. वायरिंग सहित चार कार्य) सी.पी.ड्ब्ल्यू.डी. को सौंपा गया है ।

13.7 इंटरनेट सेवा

वर्ष के दौरान संस्थान फाईवर ऑप्टिक्स केबलिंग के तहत उपलब्ध 8 एम.वी.पी.एस. लीज्ड इंटरनेट सुविधा द्वारा बी.एस.एन.एल. का व्यवहार करता रहा है ।

13.8 एसवीनिरतार स्टाफ के लिए विकास कार्यक्रम

यह संस्थान सुदूर ग्रामीण क्षेत्र में अवस्थित है एवं इसके कर्मचारी व्यावसायिक कार्यकलापों से कटे रहते हैं । इसलिये यह संस्थान अपने कर्मचारियों के व्यावसायिक ज्ञान को अद्यतन कराने के लिए अनुवर्ती शिक्षा के रूप में दीर्घकालिक पाठ्यक्रम, कार्यशालाओं, सम्मेलनों / अध्ययन गोष्ठियों / विचार-गोष्ठियों आदि में भाग लेने के लिए भेज कर उन्हें प्रोत्साहित करता आ रहा है ।

(i) डॉ. एस. पी. दास, निदेशक

- दि. 03.07.2018 को नई दिल्ली में ''दिव्यांगजनों के कौशल विकास'' पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया ।
- दि. 07.07.2018 से 08.07.2018 तक युनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, मेघालय में हुई सेरेब्राल पालसी अपडेट प्रोग्राम 2018 में भाग लिया ।
- दि. 20.08.2018 को भीम ऑडिटोरीयम, डॉ. आम्बेदकर इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित डी.डी.आर.सी. पर राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया ।
- दि. 30.09.2018 से 31.09.2018 तक सिलोंग, मेघालय में ''दिव्यांगजनों की पुनर्वास के लिए नर्थ-इष्ट स्टाटेजिक प्लान '' पर हुई राष्ट्रीय स्तरीय सेमिनार में भाग लिया ।

- दि. 14.09.2018 को नई दिल्ली में आयोजित डी.डी.आर.सी. पर राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया ।
- इटानगर, अरुणाचल प्रदेश में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया ।
- बांगालोर में ''डिसाबिलिटि ट्रांसफरमेशन एवं 3डी प्रिंटीं फॉर ट्रांसटिबियल सॉकेट डिसाइनिं'' पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया ।
- कोडिसिया ट्रेड फेयर सेंटर, कोयमबटूर में इंडियन ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन का 63 वीं राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया ।

(ii) श्री. आर.आर. सेठी, स्था. उपनिदेशक (का.एवं प्रशा.)

- दि. 05.10.2018 से 06.10.2018 तक नई दिल्ली में आयोजित ''डिसिप्लिनेरी प्रोसिड्यूयर'' पर हुई कार्यशाला में भाग लिया ।
- अशोका होटॅल, नई दिल्ली में आयोजित ग्लोबल आई.टी. चैलेंज फॉर युथ विथ डिसाबिलिटिस में भाग लिया ।
- दि. 25.08.2017 में नई दिल्ली में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम मोड्यूलस ऑफख पी.एफ.एम.एस. (ई.ए.टी) फॉर सेंट्रल सेक्यर स्किम फॉर - 2017-18 में भाग लिया ।

(iii) श्री सत्यजित पट्टनायक, सहा.यंत्री,(मेन.)सिविल

- दि. 21.06.2018 से 23.06.2018 तक शिमला में ''मेटेरियल मैनेजमेंट एंड र्पचेज पॉलीसि 7 प्रोसिड्यूयरर्स , ई.- प्रोक्योरमेंट इन गवर्नमेंट डिपार्टमेंट, अटोनमोस बॉडी'' पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया ।

(iv) श्रीमती डी.एन.पी. दास, हिन्दी अनुवादक एवं श्रीमती सर्मिष्ठा महापात्र, टंकक-लिपिक (आउट सोर्सिंग)

- केन्द्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक द्वारा आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया ।

13.9 सूचना का अधिकार अधिनियम का कार्यान्वयन

13.10 संस्थान ने सूचना का अधिकार अधिनियम (आर.टी.आई.), 2005 के तहत जानकारी उपलब्ध कराना जारी रखा है । इसका विवरण संस्थान की वेबसाइट में उपलब्ध है । संस्थान समय समय पर अपने अधिकारियों को जन सूचना अधिकारी, सहायक जन सूचना अधिकारी एवं प्रथम अपील अधिकारी के रूप में कार्य करने के लिए नामित करता आ रहा है । वे दूसरे प्रशासनिक जनशक्ति के उपयोग सहित अपने सामान्य कर्तव्यों के अतिरिक्त इन कार्यों का संपादन करते रहेंगें । आर.टी.आई. कक्ष नामित जन सूचना अधिकारी के कार्यालय से, डी.पी.एंड.ओ. एवं प्रथम अपील अधिकारी का कार्यक्षेत्र नामित प्रथम अधिकारी

के कार्यालय से कार्य करता आ रहा है । डी.ओ.टी. अपील मामलों की निपटान करेंगें । फरवरी 2017 से संस्थान नामित नोडल अधिकारी के द्वारा ऑनलाईन पोर्टल (ऑनलाईन अनुरोध – एवं सिटिजन इंटरफेस एवं लोक अधिकारी इंटरफेस के द्वारा अपील भर्ती कराना) के तहत ऑनलाईन आवेदन प्राप्त कर रहा है ।

संप्रति निम्नलिखित अधिकारी संस्थान में आर.टी.आई संबंधित कार्यों का देख - रेख कर रहे हैं एवं एसवीनिरतार, कटक के प्रोस्थेटिक्स एवं ऑर्थोटिक्स विभाग, प्रशिक्षण भवन से आर.टी.आई. कक्ष कार्यरत है ।

(i) सहायक केन्द्रीय जन सूचना अधिकारी - **श्री संजीब कुमार सेठी**, वरी. ओटी सह कनि.
प्राध्यापक, एसवीनिरतार, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, दिव्यंगजन ससक्तिकरण विभाग, भारत सरकार,
ओलटपुर, पोष्ट - बाईरोइ, जिला - कटक
मो.- 0671 - 2805450
फे. 0671 - 2805862
ई-मेल : sanjib.dot@gmail.com

(ii) केन्द्रीय जन सूचना अधिकारी - **श्री रंजन दास**, प्राध्यापक, (मेकानिकॅल इंजिनियरिं, ग्रे - II)
एसवीनिरतार, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय,
दिव्यंगजन ससक्तिकरण विभाग, भारत सरकार,
ओलटपुर, पोष्ट - बाईरोइ, जिला - कटक
फो. 0671 - 2805450
फे. 0671 - 2805862
ई-मेल : cpio.svnirtar@gmail.com

(iii) अपील प्राधिकारी - **श्रीमती अनुरूपा सेनापति**, सहायक प्रोफेसर (ओ.टी.)
एसवीनिरतार, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय,
दिव्यंगजन ससक्तिकरण विभाग, भारत सरकार,
ओलटपुर, पोष्ट - बाईरोइ, जिला - कटक
फे. 0671 - 2805348
फे. 0671 - 2805862
ई-मेल : nirtar@nic.in

13.11 आर.टी.आई. कक्ष को मुख्यत : निम्न दायित्व सौंपा गया है

(i) सूचना अधिकार अधिनियम 2005 के धारा 6(3) के तहत प्राप्त आवेदनों से संबंधित सभी कार्य ।

(ii) सूचना अधिकार अधिनियम 2005 के धारा 6(3) के अन्तर्गत समस्त कार्य जो आवेदनों का उसी संस्थान के अथवा दूसरे संस्थान के मानित जनसूचना अधिकारी को अंतरण के साथ संबंधित हो ।

(iii) सूचना अधिकार अधिनियम 2005 के अनुसार प्रथम अपील अधिकारी से प्राप्त अपीलों में शामिल होने संबंधित सभी कार्य करना ।

(iv) सूचना अधिकार अधिनियम 2005 के तहत जन प्राधिकारी को सौंपा गया अन्य दायित्वों का निर्वाह करने संबंधित समस्त कार्य करना ।

* विगत तीन वर्षों में प्राप्त आर.टी.आई. आवेदन पत्रों की संख्या, निपटन किए गए एवं पी.आई.ओ. के विरुद्ध अपील का विस्तृत विवरण ।

क्रम संख्या 1 अप्रैल से 31 मार्च	प्राप्त संख्या	निपटान किए गए संख्या	रिपोर्टेड प्रथम अपील एवं निपटान किए गए मामलों की संख्या	रिपोर्टेड द्वितीय अपील एवं कार्यवाही यदि कोई
2016-2017	62	62	6	Nil
2017-2018	54	54	6	Nil
2018-2019	121	113	12	Nil

13.12 अन्य सूचनाएं

दि. 22.10.2016 से एसवीनिरतार में **आहार केंद्र** का उद्घाटन हुआ एवं यह केंद्र कार्यक्षम भी हुआ, जहां पर रोगियों की देख - रेख कर रहे लोग रु.5/- में भोजन प्राप्त करते हैं । यह कार्यक्रम औडिशा सरकार द्वारा चलाया जा रहा एक सब्सिडी भोजन कार्यक्रम हैं जिसके तहत ग्रामांचल के गरीब लोगों को कम लागत पर भोजन उपलब्ध कराया जाना है । यह उन लोंगों के लिए भी काफी सहायक है जो बहत दूर से आते हैं एवं चिकित्सा के लिए ठहरे हुए हैं ।

❑❑❑

अध्याय - 14

लेखा एवं वित्त विभाग

14.1 प्रवेश

संस्थान संपूर्ण रूप से भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा वित्तपोषित है । संस्थान का लेखा विभाग संस्थान के वित्तीय संचालन का रेकार्ड रखता है । साफ्टवेयर के जरिये वेतन पत्रक एवं दैनंदिन लेखा का अनुरक्षण किया जाता है । लेखा विभाग भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा प्राप्त सहायता अनुदान का रेकार्ड तथा उसके उपयोगिता का रेकार्ड भी रखता है । भारत सरकार द्वारा जारी जी.एफ.आर. प्रक्रिया तथा अन्य दिशानिर्देशों के अनुसार वित्तीय संचालन के अनुवीक्षण करने में लेखा विभाग एक प्रधान भुमिका अदा करता है । नियत सकल अवधि के भीतर संस्थान के वार्षिक लेखा को पूरा करना तथा नियंत्रक और महालेखा परीक्षक, भारत सरकार द्वारा वार्षिक लेखा का लेखापरीक्षण कराना भी इस विभाग का एक प्रमुख कार्य है ।

14.2 विभाग में स्टाफ की स्थिति

विवरण	स्वीकृत पद
संकाय	-
तकनीकी	-
प्रशासनिक	10
कुल	**10**

14.3 वार्षिक रिपोर्ट एवं अंकेक्षित लेखा वर्ष 2016-17

विभाग	प्रस्तुत की तिथि		टिप्पणी
	लोकसभा	राज्य सभा	
वार्षिक लेखा रिपोर्ट एवं अंकेक्षित लेखा वर्ष 2017-18	09.07.2019	10.07.2019	मंत्रालय के पत्र सं 22-29/2019 NI दि.07.08.2019 के तहत ।

14.4 प्रस्तुति, लेखा परीक्षण एवं 2018-19 के वार्षिक लेखा की स्वीकृति

क्र.सं.	घटना	2018-19
1	महालेखाकार के समक्ष वार्षिक लेखा प्रस्तुति की तिथि	28.06.2019
2	लेखा परीक्षण प्रारंभ	02.07.2019
3	लेखा परीक्षण संपन्न	16.07.2019
4	एजी कार्यालय द्वारा जारी ड्राफ्ट लेखा परीक्षण रिपोर्ट	02.08.2019
5	ड्राफ्ट लेखा परीक्षण रिपोर्ट पर संस्थान की टिप्पणी देने की तिथि	06.08.2019
6	अंतिम लेखा परीक्षण रिपोर्ट जारी करने की तिथि	29.10.2019
7	सामान्य परिषद द्वारा लेखा परीक्षण रिपोर्ट के अनुमोदन की तिथि	05.02.2020

14.5 वर्ष 2018-19 के लिए जी.आई.ए. की प्राप्ति, उपयोग एवं अव्ययित शेष

क्र. सं.	लेखा शीर्ष	(रुपये लाख में)					
		01.4.19 के अथ शेष	2018-19 के दौरान प्राप्त अनुदान	2018-19 को जी.आइ.ए परब्याज	कुल	2018-19 उपयोग हुए अनुदान	31.03.19 को यथा अंत शेष
A	**राजस्व**						
i.	सामान्य	-	725.00	-	**725.00**	725.00	-
ii.	अ.जा.	3.63	20.00	-	**23.63**	17.59	6.04
iii.	अ.जा. पूंजी	-	69.00	-	**69.00**	8.87	60.13
iv.	अ.ज.जा.	10.85	10.00	-	**20.85**	20.85	-
v.	अ.ज.जा. पूंजी	-	70.00	-	**70.00**	8.87	61.13
vi.	वेतन	-	2,304.00	-	**2,304.00**	2,304	-
vii.	पूंजी	30.14	500.00	5.67	**535.81**	138.34	397.47
viii.	उत्तर-पूर्व	-	70.00	0.30	**70.30**	70.30	-
ix.	सी.आर.सी. बलांगीर	-	50.00	-	**50.00**	-	50.00
x	सी.आर.सी. रांची	-	36.75	-	**36.75**	7.00	29.75
	कुल	**44.62**	**3,854.75**	**5.79**	**3,905.34**	**3,300.82**	**604.52**
B.	**एडिप**						
i.	मुख्यालय	57.67	400.00	5.49	**463.16**	358.88	104.28
ii.	शिविर गतिविधिआं	55.86	150.00	2.06	**207.92**	59.89	148.03
iii.	एन.ई. कैंप कार्यकलाप	-	149.57	-	**149.57**	-	149.57
	कुल	**113.53**	**699.57**	**7.55**	**820.65**	**418.77**	**401.88**

C	**एसवीनिरतार एस.आई.पी.डी.ए.**	-	531.66	0.42	**532.08**	531.66	0.42
D	**सामान्य एवं लोक जागरूकता**	2.20	-	0.03	**2.23**	2.23	-
E	**आर.ई.सी.एल - सी.एस.आर. अनुदान**	4.18	-	1.04	**5.22**	-	5.22
F	**नालको - सी.एस.आर. अनुदान**	136.33	135.32	2.19	**273.84**	270.78	3.06
G	**सुगम्य शौचालय**	24.96	-	-	**24.96**	-	24.96
H.	**एम.सी.एल. सी.एस.आर.**	-	16.34	0.07	**16.41**	16.22	0.19
I.	**सी.आर.सी. राजनंदगांव**						
i.	वेतन	2.78	96.50	0.13	**99.41**	87.43	11.98
ii.	बेतन छोडकर आवर्ती	9.55	37.50	0.39	**47.44**	42.75	4.69
iii.	अनावर्ती व्यय	18.89	-	0.77	**19.66**	9.40	10.26
iv.	सी.आर.सी. राजनंदगांव एडीप	14.53	-	0.44	**14.97**	14.28	0.69
v.	सी.आर.सी. राजनंदगांव एडीप	6.23	-	0.09	**6.32**	-	6.32
	कुल	**51.98**	**134.00**	**1.82**	**187.80**	**153.86**	**33.94**
J.	**सी.आर.सी. गुवाहाटी**						
1.	**सी.आर.सी. गुवाहाटी**						
i.	वेतन	-	199.50	1.82	**121.32**	121.32	-
ii.	बेतन छोडकर आवर्ती	-	64.25	0.95	**65.20**	65.20	-
iii.	अनावर्ती व्यय	31.17	50.00	0.73	**81.90**	22.11	59.79
2.	**एच.आर.डी.**						
a.	वेतन	34.03	-	-	**34.03**	20.42	13.61
b.	वेतन छोडकर	8.53	-	-	**8.53**	4.17	4.36
c.	अनावर्ती	3.64	-	-	**3.64**	-	3.64
3.	**एस.आई.पी.डी.ए.**						
v	एस.आई.पी.डी.ए.	-	-	0.09	**0.09**	-	0.09
	कुल	**77.37**	**233.75**	**3.59**	**314.71**	**233.22**	**81.49**
	कुल योग	**455.17**	**5,605.39**	**22.68**	**6,083.24**	**4,927.56**	**1,155.68**

14.6 पिछले 5 वर्षों में संस्थान के स्वप्रोद्भूत निम्न प्रकार हैं

आय का स्रोत	2014-15	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19
अस्पताल सेवा	198.45	178.83	312.71	433.09	470.92
शैक्षणिक सेवा	99.39	171.99	153.41	170.60	161.75
अन्य आय	46.10	62.90	52.24	59.90	125.17
कुल आय	**343.94**	**413.72**	**518.36**	**663.59**	**757.84**

❑❑❑

अध्याय - 15

मानव संसाधन विकास (शैक्षणिक विभाग)

15.1 प्रस्तावना

लोगों में जागरुकता बढ़ने के कारण चलन संबंधी विकलांगताओं से ग्रस्त व्यक्तियों को व्यापक पुनर्वास सेवाएं मुहैया कराने के क्षेत्र में संव्यावसायिकों की मांग सदा बढ़ रही है । इस बढ़ती हुई मांग को पूरा करने के लिए तथा सरकारी नीतियों एवं कार्यक्रमों के कार्यान्वयन हेतु संस्थान व्यापक पुनर्वास सेवा के अंतर्गत वर्ष 2018-19 में पांच दीर्घकालिक एवं ग्यारह अल्पकालीन पाठ्यक्र संचलित किये है ।

2.2 इस विभाग में कर्मचारी वर्ग का विवरण नीचे की तालिका में दिया गया है ।

विवरण	स्वीकृत पद	पूरित पद	रिक्त पद
संकाय	--	--	--
तकनीकी	--	--	--
प्रशासनिक	5	5	--
कुल	**5**	**5**	**–**

15.3 दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

वर्तमान पाठ्यक्रम का सम्पूर्ण विवरण निम्नप्रकार है :

15.3.1 डिग्री पाठ्यक्रम

(i) भौतिक चिकित्सा में स्नातक (बी.पी.टी.)

संस्थान ने 1987 में भौतिक चिकित्सा में दो स्नातक स्तर के पाठ्यक्रम आरम्भ किये । संप्रति इन दो पाठ्यक्रमों में अंतर्ग्रहण क्षमता प्रत्येक 62 है और इन पाठ्यक्रमों की अवधि साढ़े चार वर्ष (छ: महीने की इंटर्नशिप सहित) है । ये उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर से सहबंधित हैं । इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु न्यूनतम योग्यता 10 + 2 (विज्ञान) में, न्यूनतम तीन विषय ले कर अथवा इस के समतुल्य, 50% कुल प्राप्तांक साधारण वर्ग के लिए तथा 40% अ.जा./ज.जा./शारीरिक अक्षम उम्मीदवारों को फिजिक्स, रसायन एवं बायोलाजी । अंग्रेजी एक विषय के रूप में पास करना अनिवार्य है ।

(ii) व्यावसायिक चिकित्सा में स्नातक (बी.ओ.टी.)

संस्थान ने 1987 में व्यावसायिक चिकित्सा में दो स्नातक स्तर के पाठ्यक्रम आरम्भ किये । संप्रति इन दो पाठ्यक्रमों में अंतर्ग्रहण क्षमता प्रत्येक 62 है और इन पाठ्यक्रमों की अवधि साढ़े चार वर्ष (छ:

महीने की इंटर्नशिप सहित) है । ये उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर से सहबंधित हैं । इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु न्यूनतम योग्यता 10 + 2 (विज्ञान) में, न्यूनतम तीन विषय ले कर अथवा इस के समतुल्य, 50% कुल प्राप्तांक साधारण वर्ग के लिए तथा 40% अ.जा./ज.जा./शारीरिक अक्षम उम्मीदवारों को फिजिक्स, रसायन एवं बायोलाजी । अंग्रेजी एक विषय के रूप में पास करना अनिवार्य है ।

(iii) प्रोस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक्स में स्नातक (बी.पी.ओ.)

एलिम्को की एक खंड की हैसियत से संस्थान में 1976-77 से प्रोस्थेटिक्स एवं आर्थोटिक्स में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम शुरू किया । सम्प्रति संस्थान में प्रोस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक्स (बी.पी.ओ.) में चार वर्ष छः माह का (छः माह की इन्टर्नशिप सहित) स्नातक पाठ्यक्रम भी संचालित किया जाता है और यह उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, 1998 से सहबंधित है । इस पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए न्यूनतम योग्यता 10 + 2 अथवा समकक्ष में भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, गणित और जीवन विज्ञान सहित सामान्य उम्मीदवारों के लिए 50 प्रतिशत तथा अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति / शारीरिक रूप से विकलांग उम्मीद्वारों के लिए न्यूनतम 40 प्रतिशत अंक होना आवश्यक है । इस पाठ्यक्रम में प्रवेश क्षमता 46 सीट की है ।

(iv) चयन प्रक्रिया

संस्थान एवं राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान (एन.आई. एल.डी.), कोलकता में इन सभी तीनों पाठ्यक्रमों के लिए उम्मीदवार चयन हेतु 17 जुलाई 2018 में एन.आई. एल.डी, कोलकता एवं एन.आई.पी.एम.ई.डी, चेनेइ, एसवीनिरतार के सहयोग से आयोजित अखिल भारतीय सार्वजनिक प्रवेश परीक्षा (सी.ई.टी.) के आधार पर किया गया । 169 नये उम्मीदवारों ने प्रवेश लिया । भारत सरकार के मानदंडों के अनुसार कुछ सीटें आरक्षित थी ।

15.3.2 स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

(i) व्यावसायिक चिकित्सा में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम (एम.ओ.टी.)

संस्थान में व्यावसायिक चिकित्सा (एम.ओ.टी.) स्नातकोत्तर डिग्री पाठ्यक्रम में दो वर्ष अवधि के पाठ्यक्रम चलाये जा रहे हैं । इन पाठ्यक्रमों की अवधि दो वर्ष की है । जिनमें प्रवेश क्षमता प्रत्येक 15 सीट की है । ये पाठ्यक्रम उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर से सहबंधित हैं । एम. ओ. टी. में 'रिहाबिलिटेशन', 'डेवेलपमेंटल डिसाबिलिटि', 'हैंड रिहाबिलिटेशन' एवं 'न्यूरोलोजी' है ।

(ii) भौतिक चिकित्सा में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम (एम.पी.टी.)

संस्थान में भौतिक चिकित्सा (एम.पी.टी.) स्नातकोत्तर डिग्री पाठ्यक्रम में दो वर्ष अवधि के पाठ्यक्रम चलाये जा रहे हैं । इन पाठ्यक्रमों की अवधि दो वर्ष की है । जिनमें प्रवेश क्षमता प्रत्येक 15 सीट की है । ये

पाठ्यक्रम उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर से सहबंधित हैं । एम.पी.टी पाठ्यक्रम में विशेषज्ञता का विषय यथाक्रम 'रिहाबिलिटेशन', 'मस्कोस्केलिटल कन्डीशन', 'न्यूरोलोजी' एवं 'पेडिआट्रिक' है ।

(iii) प्रोस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक्स में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम (एम.पी.ओ)

संस्थान में प्रोस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक्स (एम.पी.ओ.) स्नातकोत्तर डिग्री पाठ्यक्रम में दो वर्ष अवधि के पाठ्यक्रम चलाये जा रहे हैं । इन पाठ्यक्रमों की अवधि दो वर्ष की है । जिनमें प्रवेश क्षमता प्रत्येक 10 सीट की है । ये पाठ्यक्रम 2016-17 से सुरु हुई है । यह पाठ्यक्रम भारतीय पुनर्वास परिषद (आर.सी.आई.) द्वारा मान्यता प्राप्त है एवं उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर से सहबंधित हैं ।

(iv) डी. एन.बी. पी.एम.आर.

वर्ष 2018-2019 के लिए 2 डी.एन.बी. पी.एम.आर.छात्रों ने दाखिला लिया ।

(v) चयन प्रक्रिया

इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए काउन्सेलिंग सम्पन्न हो चुका है । संस्थान द्वारा 01 जुलाई 2018 को आयोजित स्नातकोत्तर प्रवेश परीक्षा - 2018 (एम.पी.टी./ एम.ओ.टी./ एम.पी.ओ.) के तहत 39 नए छात्रों ने उपयुक्त पाठ्यक्रम में दाखिल हुए ।

15.4 छात्रों का विवरण

15.4.1 पिछले तीन वर्षों के दौरान छात्रों की प्रवेश क्षमता का विवरण

क्रम संख्या	पाठ्यक्रम का नाम	वर्ष			कुल
		2016-17	2017-18	2018-19	
01	बी.पी.टी.	62	62	62	**186**
02	बी.ओ.टी.	62	62	62	**186**
03	बी.पी.ओ.	46	46	46	**138**
04	एम.पी.टी.	15	15	15	**45**
05	एम.ओ.टी.	15	15	15	**45**
06	डी.एन.बी.	04	04	04 (प्राइमेरी 2सिट एवं सेकंडारी 2 सिट)	**12**
07	एम.पी.ओ.	10	10	10	**30**
	कुल	**204**	**214**	**214**	**642**

15.4.2 पिछले तीन वर्षों के दौरान प्रवेश प्राप्त छात्रों का विवरण :

क्रम संख्या	पाठ्यक्रम का नाम	वर्ष			कुल
		2016-17	2017-18	2018-19	
01	बी.पी.टी.	62	62	62	**186**
02	बी.ओ.टी.	61	62	61	**184**
03	बी.पी.ओ.	46	46	46	**138**
04	एम.पी.टी.	15	15	15	**45**
05	एम.ओ.टी.	15	15	15	**45**
06	डी.एन.बी.	02	02	03	**07**
07	एम.पी.ओ.	10	10	09	**39**
	कुल	**211**	**212**	**211**	**644**

15.4.3 स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों का विवरण

पाठ्यक्रम	साधारण	अ.जा.	अ.ज.जा.	अ.पि.ब.	उत्तरी-पूर्व	कुल
एम.पी.टी.	08	02	01	04	-	**15**
एम.ओ.टी.	08	02	01	04	-	**15**
एम.पी.ओ.	05	02	-	03	-	**10**

15.4.4 स्नातक-पूर्व पाठ्यक्रम का विवरण

पाठ्यक्रम	कुल सीट	साधारण	अ.जा.	अ.ज.जा.	अ.पि.ब.	भीन्नक्षम	जम्मू-कश्मीर	उत्तरी-पूर्व
बी.पी.टी.	**62**	29	09	05	18	01	___	--
बी.ओ.टी.	**62**	29	09	05	18	01	___	--
बी.पी.ओ.	**46**	22	07	03	12	01	___	01

15.4.5 पिछले तीन वर्षों के दौरान उत्तीर्ण छात्रों का विवरण :

क्रम संख्या	पाठ्यक्रम का नाम	वर्ष			कुल
		2016-17	2017-18	2018-19	
01	बी.पी.टी.	53	64	58	**175**
02	बी.ओ.टी.	18	38	25	**81**
03	बी.पी.ओ.	29	36	35	**100**
04	एम.पी.टी.	16	15	16	**48**
05	एम.ओ.टी.	12	13	13	**38**
06	डी.एन.बी.	-	02	-	**02**
	कुल	**128**	**168**	**147**	**444**

* पहले दाखिल हुए छात्र की संख्या उत्तीर्ण हुए विद्यार्थियों की संख्या से मिलते हैं ।

15.5 अल्पकालीन पाठ्यक्रम, सी.एम.ई. कार्यक्रम, कार्यशालाएं आदि

15.5.1 यह संस्थान 1976 से सरकारी एवं गैर-सरकारी संगठनों में सरकारी कर्मचारियों के अभिमुखीकरण के लिए एवं देश भर के पुनर्वास एवं समवर्गी व्यावसायिक कार्मिकों को पुनर्वास का अद्यतन ज्ञान देने के लिए नियमित रूप से अल्पावधि अभिमुखीकरण पाठ्यक्रम (एस.ओ.सी.), सतत स्वास्थ्य शिक्षा (सी.एम.ई.) कार्यक्रम, सतत पुनर्वास शिक्षा कार्यक्रम (सी.आर.ई.), सतत ओ.टी. शिक्षा (सी.ओ.टी.ई.) कार्यक्रम, कार्यशालाओं, संगोष्ठियों आदि का संचालन करता आ रहा है । इसके अतिरिक्त रोगियों, भिन्नक्षम व्यक्तियों के संबंधी, रिश्तेदारों, विद्यालय अध्यापकों के लिए सार्वजनिक जागरुकता पाठ्यक्रम भी चलाए जाते हैं । इसके अतिरिक्त व्यक्तियों में तैयार अंगों को लगाने का प्रशिक्षण देना और कार्य का अनुभव भी प्रदान किया जाता है । इस वर्ष के दौरान 830 प्रतिभागियों के लिए 20 ऐसे पाठ्यक्रम संचालित किये गये । इसका विवरण नीचे की तालिका में दर्शाया गया है ।

15.5.2 अल्पावधि के लिए आयोजित पाठ्यक्रम एवं प्रोग्रामों में भाग लेने वालों की संख्या का विवरण

क्रम संख्या	पाठ्यक्रमों की अवधि	2016-17		2017-18		2018-19	
		पाठ्यक्रमों की संख्या	प्रतिभागियों की संख्या	पाठ्यक्रमों की संख्या	प्रतिभागियों की संख्या	पाठ्यक्रमों की संख्या	प्रतिभागियों की संख्या
1	7 दिन	--	--	01	70	--	--
2	5 दिन	--	--	02	24	--	--
3	2 दिन	7	378	04	170	13	250
4	1 दिन	10	635	12	666	7	580
	कुल	**17**	**1013**	**19**	**964**	**20**	**830**

15.5.3 2018-19 के दौरान आयोजित अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम :

क्र. सं.	तारीख	अल्पावधि पाठ्यक्रम का नाम	प्रतिभागी	प्रतिभागियों की संख्या
1.	04.05.2018	दिव्यांगजनों के देख-रेख करने वालों पर एस.ओ.सी.	गृह नर्स एवं दिव्यांगजनों की देख-रेख करने वाले ।	50
2.	09.05.2018	इलेक्ट्रो एवं रेडिओ डायग्नोसिस	भौतिक चिकित्सक एवं एम.पी.टी. छात्र ।	40
3.	16.05.2018	क्लब फूट करेकशन - पंसेटि मेथड	डाक्टर ।	30
4.	18.07.2018	प्रमस्तिष्क अंगघात - मूल्यांकन एवं निर्णय लेना	पी.एम.आर./ऑर्थो/विशेष बाल चिकित्सक ।	50
5.	08.08.2018	दिव्यांगजनों के पुनर्वास में नर्सिंग की भूमिका	स्टाफ नर्स ।	30
6.	10.08.2018	पहिएदार कुर्सी के आशोधन पर कार्यशाला	अहेता प्राप्त व्यावसायिक चिकित्सक एवं व्यावसायिक चिकित्सा के स्नातकोत्तर विद्यार्थी ।	30
7.	10.10.2018	शल्योपचार कक्ष में उपकरण एवं निसंक्रमण	ओ.टी. तकनीशियन एवं स्टाफ नर्स ।	30
8.	10.10.2018	दबाब प्रबंधन एवं दिव्यांगजनों एवं उनका देख - रेख करने वालों पर इसका प्रभाव पर कार्यशाला	पुनर्वास व्यावसायिक, दिव्यांगजन एवं उनका देख-रेख करनेवाले, दिव्यांगजनों के कल्याण से जुडे एन.जी.ओ./ सरकारी संस्थान के प्रतिनिधि, व्यावसायिक छात्र ।	40
9.	14.11.2018	घात के रोगियों के लिए गृह देख-भाल	घात के मरीज एवं उनका देख - रेख करने वाले ।	60
10.	25.11.2018	क्षति निवारण के लिए कोर स्टाबिलाईजेशन एवं एडवास्ड ट्रंक स्ट्रंग्देनिं प्रोग्राम	खिलाडी ।	100
11.	14.12.2018	बाल चिकित्सा दिव्यांगता एवं पुनर्वास	हाऊस सर्जन, डाक्टर, विशेष बाल चिकित्सक एवं स्नातकोत्तर छात्र ।	50
12.	15.02.2019	सूचना का अधिकार अधिनियम 2016 एवं समाज पर इसका प्रभाव	पुनर्वास व्यावसायिक, दिव्यांगजन एवं उनका देख-रेख करनेवाले, दिव्यांगजनों के कल्याण से जुडे एन.जी.ओ./सरकारी संस्थान के प्रतिनिधि, व्यावसायिक छात्र ।	40
13.	20.02.2019 से 09.04.2018	व्यावसायिक चिकित्सा में प्रारम्भिकों पर संगोष्ठी	अहेताप्राप्त व्यावसायिक चिकित्सक ।	30
14.	13.04.2018 से 20.06.2018	पुनर्वास शल्योपचार पर सामान्य कौशल प्रशिक्षण	स्नातकोत्तर छात्र, पी.एम.आर. के संकाय ।	30
15.	22.06.2018 से 08.09.2018	शल्योपचार उपरांत रोगियों का प्रबंधन	पी.एम.आर.डी. के स्टाफ ।	30
16.	09.09.2018 से 18.09.2018	बायोस्टाटिस्टक पर प्रस्ताबना	संकाय, एम.पी.टी. एम.ओ.टी. एवं एम.पी.ओ. छात्र ।	60
17.	20.09.2018 से 12.11.2018	बी.एल.एस. कार्यशाला	डाक्टर एवं मेडिकल व्यावसायिक ।	50
18.	16.11.2018 से 11.12.2018	शल्योपचार पुनर्वास	पी.एम.आर. विशेषज्ञ एवं स्नातकोत्तर छात्र ।	20
19.	12.12.2018 से 10.01.2019	वैकल्पिक वृद्धि पर कार्यशाला	ब्लॉक के विशेषज्ञ, शिक्षक, छात्र एवं अन्य व्यावसायिक ।	30
20.	10.01.2019 से 11.01.2019	संचार ए.ए.सी. एवं फिडिंग कार्यक्रम पर कार्यशाला	रोगी एवं सी.पी. बच्चें ।	30
			कुल	**830**

15.6 अन्य सूचना :

(i) श्री रश्मी रंजन स्वाईं, प्रशिक्षण समन्वयक :

– दि 01.07.2018 को पी.जी.ई.टी - 2018 के परीक्षा संचालन के लिए दि.26.06.2018 से 04.07.2018 तक ए.वाई.जे.एन.आई. एच.एच., मुंबई में प्रतिनियुक्त हुए ।

(ii) श्री राम चंद्र आचार्य, सहा. प्रशिक्षण समन्वयक :

– दि 01.07.2018 को संपन्न हुई पी.जी.ई.टी - 2018 के परीक्षा संचालन के लिए दि.26.06.2018 से 04.07.2018 तक एन.आई.एल.डी., कोलकता में प्रतिनियुक्त हुए ।

(iii) श्रीमती ज्योत्स्ना रानी पात्र, वरिष्ठ आशुलिपिक एवं सुश्री लतामणी भोई, वरिष्ठ सहायक

– दि 01.07.2018 को संपन्न हुई पी.जी.ई.टी - 2018 के परीक्षा संचालन के लिए दि.26.06.2018 से 04.07.2018 तक एन.आई.ई.पी.एम.डी., चेनेई में प्रतिनियुक्त हुए ।

(iv) श्रीमती अरुंधति राउतराए, हॉष्टेल वार्डन (जी.एच.)

– दि 01.07.2018 को संपन्न हुई पी.जी.ई.टी - 2018 के परीक्षा संचालन के लिए दि.26.06.2018 से 04.07.2018 तक रांची में प्रतिनियुक्त हुए ।

(v) 25 एसवीनिरतार छात्रों के मेधावृत्ति आवेदन प्रपत्र (नए)(वर्ष 2018 के लिए) एवं 89 बकाया आवेदन पत्र (वर्ष 2016-17 के लिए) ऊच्च माध्यमिक शिक्षा, सचिवालय, ओड़िशा सरकार को अग्रेसित किए गए एवं वर्ष 2018-19 के लिए 120 आवेदन प्रपत्र का नवीकरण किया गया ।

(vi) 10 छात्रों का आवेदन पत्र राष्ट्रीय मेधावृत्ति पोर्टल , भारत सरकार को अग्रेषित किया गया ।

(vii) छात्रों के लिए मेट्रिकत्तर वृत्ति आवेदन पत्रों का सत्यापन कराया गया एवं ओडिशा सरकार को वृत्ति के लिए अग्रेषित कराया गया । कुल 87 आवेदन प्रपत्र अग्रेषित कराये गए हैं ।

		नवीकरण	नये
–	अन्य.पिछडे वर्ग	39	04
–	आ.जा.	26	06
–	अ.ज.जा.	08	04

❑❑❑

अध्याय - 16

दिव्यांगजनों के लिए कौशल विकास, पुनर्वास व सशक्तिकरण समेकित क्षेत्रीय केंद्र (सी.आर.सी.), गुवाहाटी

16.1 प्रस्तावना

दिव्यांगजनों के लिए कौशल विकास, पुनर्वास व सशक्तिकरण समेकित क्षेत्रीय केंद्र (सी.आर.सी.) गुवाहाटी, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा स्थापित एम अभिनव प्रयास । गुवाहाटी मेडिकॅल कॅलेज एवं अस्पताल परिसर, भंगगढ़, गुवाहाटी , असम-781032 में स्थित अपने स्थायी परिसर में यह केन्द्र कार्य कर रहा है ।

16.2 केंद्र में स्टाफ की स्थिति

मंजूरी कृत पद	भरती पद	रिक्त पद	कंट्राक्चुअल
20	11	09	07

16.3 केंद्र के मुख्य उद्देश्य :

(i) भिन्नक्षमों के पुनर्स्थापन एवं विशेष प्रशिक्षण हेतु संस्थान केंद्र के रूप में कार्य करेगा ।

(ii) वर्तमान मेडिकल शैक्षिक एवं नौकरी सेवाओं के बीच संपर्क स्थापित करें । इसमें सामुदायिक आधारित पुनर्स्थापन के सिद्धांत का अनुपालन करे । इसके साथ ग्रामीण क्षेत्र में विस्तार सेवायें प्रदान करेगा ।

(iii) भिन्नक्षमों की सेवा में सरकारी, गैर सरकारी क्षेत्र के कार्यकर्त्ताओं, प्रोफेशनलों, ग्राम स्तरीय कार्यकर्ताओं, बहु - पुनर्स्थापना कार्यकर्ताओं को पुनर्स्थापना प्रशिक्षण देना ।

(iv) मानव संसाधन विकास का काम, दिव्यांगजनों को सरकारी एवं गैर-सरकारी स्तर पर पुनर्वास व्यवसायिकों, ग्राम्य-स्तरीय कार्यकर्ता, बहु-पुनर्वास कर्मकर्ता एवं अन्य पदधारी ।

(v) क्षेत्र के सामाजिक - सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से तालमेल हो रहे कार्यनीति अथवा पुनर्वास सेवा प्रदान करने की रणनीति का विकास करना ।

(vi) क्षेत्र में भिन्नक्षमता को ध्यान में रख, उसकी गहनता की दृष्टि से, विभिन्न ग्रुपों की आवश्यकताओं के संदर्भ में अनुसंधान और विकास करना । उत्तर-पूर्व क्षेत्र में विभिन्न दिव्यांगजनों के आवश्यकता के विशेष संदर्भ में अनुसंधान एवं विकास कार्यक्रम को हाथ में लेना ।

(vii) अभिभावकों एवं समुदाय में सचेतनता पैदा करने जनशिक्षा कार्यक्रम आयोजित करना ।

(viii) दिव्यांगजनों में पुनर्वास संबंधी सहायक यंत्र एवं उपकरण के डिजाईन, निर्माण एवं फिटमेंट कार्य को चलाना ।

(ix) रोजगार, पुनर्वास, गतिशीलता, संप्रेषण, समाजकी अखंडता एवं मनोविनोद की वृद्धि के लिए शिक्षा एवं दक्षता विकास सेवा को हाथ में लेना ।

16.4 सेवा :

केंद्र में पुनर्स्थापन सेवायें प्रदान की जाती हैं

क्र.सं.	सेवा का नाम	2016-17	2017-18	2018-19
1.	ओ.पी.डी./न्यू कैस	6808	2473	2470
2.	अनुवर्ती	--	4242	4510
3.	पी.एम.आर.	--	492	2392
4.	फीजियोथेरापी	2949	2497	3403
5.	आकूपेशनल थेरापी	2412	2622	2853
6.	वाक एवं श्रवण	4546	6105	5467
7.	प्रोस्थेटिक एवं आर्थोटिक	960	1075	420
8.	मनोचिकित्सा सेवा	2363	3001	3034
9.	मानसिक मंदता (एम.आर.)	1750	1902	514
10.	विशेष शिक्षण	2014	2034	2395
11.	वोकेशनल सेवायें	1287	2171	2587
12.	यंत्र एवं उपकरण वितरण	--	--	--
13.	उत्तर पूर्व गतिविधियां	--	2071	--
	कुल	**25,089**	**30,685**	**30,045**

16.5 मानांकन सह वितरण शिविर

वर्ष 2018-19 के दौरान संचलित पहचान, मानांकन एवं आबंटन शिविर	देखे गए कुल दिव्यांगजनों की संख्या	आबंटित पुनर्वास संबंधित सहायक यंत्र एवं उपकरणों की संख्या
01	301	301

16.6 गैर - सरकारी संगठनों का किया गया निरीक्षण एवं अनुवीक्षण

क्रमांक	निरीक्षण विवरण	द्वारा निगरानी की गई
1.	कोहिमा, नैगालेण्ड में ''पार्क ऑफ पी.ड्ब्ल्यू.डी'' का दौरा किया ।	डॉ. निलो जेड. किबा, सहा. प्रोफेसर (पी.एम.आर.)
2.	मणिपुर के थौवाल जिला में ''टाईप राईटिंग एवं ग्रामीण विकास सेवा (टी.ड्ब्ल्यू.आई.आर.डी.एस.)'' का निरीक्षण किया ।	लानु.डब्ल्यू. आईमोल, प्रभारी अधिकारी, सी.आर.सी.एस.आर.ई., गुवाहाटी
3.	ग्रामीण विकास एवं बहुमुखी सोसाइटी, कंण्ठुजाम, जिलां- इंफाल वेस्ट, मणिपुर का निरीक्षण किया ।	लानु.डब्ल्यू. आईमोल, प्रभारी अधिकारी, सी.आर.सी.एस.आर.ई., गुवाहाटी
4.	असम-पंजीकृत, बरपेटा एवं नालवरी में एक नामिकागत प्रशिक्षण सहयोगी ''एसीयन मिशन इंस्टिट्युट'' का निरीक्षण किया ।	सुनिल के.आर.राम, प्रध्यापक, ओ.टी. श्री एम. प्रणव कुमार, व्यावसायिक अनुदेशक
5.	सी.आर.सी., शिंलग के लिए प्रस्तावित स्थल का निरीक्षण ।	लानु.डब्ल्यू. आईमोल, प्रभारी अधिकारी, सी.आर.सी.एस.आर.ई., गुवाहाटी

16.7 शैक्षणिक कार्यक्रम

केन्द्र पर शैक्षणिक कार्यक्रम

क्रमांक	शेक्षणिक कार्यकलाप	अवधि	प्रवेश क्षमता
1.	श्रवण भाषा एवं वाणी (डी.एच.एल.एस.) में डिप्लोमा ।	1 साल	25
2.	श्रवण विज्ञान एवं वाणी विकृति विज्ञान में स्नातक	4 साल	25
3.	बी.ई.डी. विशेष शिक्षा (श्रवण बाधीत)	2 साल	30

दाखिल हुए विद्यार्थी - 35

16.8 उत्तर-पूर्व गतिविधियां

वर्ष 2018-19 के दौरान दिव्यांगता जागरूकता कार्यक्रम, कार्यशालाएं, सम्मेलन एवं सी.आर.ई आदि आयोजित किए गए । कुल 4532 लाभार्थी शामिल हुए ।

सुश्री शकुंतला डी. गामलिन, आई.ए.एस., सचिव, एवं सुश्री डोलि चक्रवर्त्री, संयुक्त सचिव, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार सी.आर.सी. गुवाहाटी का संकाय कक्ष का उद्घाटन करते हुए ।

सी.आर.सी., गुवाहाटी एवं एसवीनिरतार, ओडिशा ने इंडियन अकादमी ऑफ सेरेब्राल पालसी (आई.ए.सी.पी.) के सहयोग से यु.एस.टी.एम., मेघालय में दिनांक 7 एवं 8 जुलाई 2018 को प्रमस्तिष्क अंगघात पर दो राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

असम में दिव्यांगता विश्वविद्यालय की स्थापना के संबंध में प्रमुख सचिव एवं संयुक्त सचिव, सामाजिक न्याय और अधिकारीता मंत्रालय ने सी.आर.सी. के स्टाफ सहित माननीय मुख्यमंत्री, असम से भेंट किया ।

3 दिसम्बर 2018 को सी.आर.सी. स्टाफ के साथ छात्र विश्व दिव्यांगता दिवस का अनुपालन करते हुए ।

अध्याय - 17

समेकित क्षेत्रीय केंद्र (सी.आर.सी.), पुराना जिला अस्पताल कैम्पस, राजनंदगांव, छत्तीसगढ़

17.1 भूमिका :

संयुक्त क्षेत्रीय केन्द्र, राजनंदगांव, छत्तीसगढ़ एसवीनिरतार, कटक के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन स्थापित एवं कार्य कर रही एक केन्द्र है । यहां पर कुल 8 विभाग यथा भौतिक चिकित्सा, व्यावसायिक चिकित्सा, प्रोस्थेटिक एवं ऑर्थोटिक, नैदानिक मनोविज्ञान , वाणी व श्रवण, व्यावसायिक विशेष शिक्षा एवं दृष्टिवाधित विभाग हैं जो दि.25.06.2016 से दिव्यांगजनों को सेवा प्रदान करा रहा है ।

17.2 केंद्र में स्टाफ की स्थिति :

स्वीकृत पद	पूरित पद	रिक्त पद
19	17	02

17.3 उद्देश्य :

- जन समुदाय में जागरुकता पैदा कराने के उद्देश्य से जन शिक्ष्या कार्यक्रम को हाथ में लेना ।
- मौजूदा चिकित्सकीय शैक्षणिक एवं रोजगार सेवा से संबंध - स्थापित कराना ।
- समुदाय आधारित पुनर्वास हेतु जिला प्रशासन एवं गैर-सरकारी संगठनों के साथ सम्पर्क स्थापित कराना ।
- मानव संसाधन विकास कार्यक्रम को हाथ में लेना ।
- शैक्षिक सेवा एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण तथा अनुसंधान कार्य का उत्तरदायित्व लेना ।
- पुनर्वास संबंधित सहायक यन्त्र एवं उपकरणों के डिजाइन, निर्माण एवं लगवाने का दायित्व लेना ।

17.4 सेवाएं

क्रमांक	सेवाओं का नाम	2018-19
1	ओ.पी.डी.	14,848
2.	भौतिक चिकित्सा	8,692
3.	व्यावसायिक चिकित्सा	4,720
4.	वाणी एवं श्रवण	4,559
5.	मनोवैज्ञानिक सेवाएं	4,816
6.	प्रोस्थेटिक एवं ऑर्थोटिक	373
7.	दृष्टि बाधित	3,392
8.	विशेष शिक्षा	--
9.	व्यावसायिक सेवाएं	60
10	वितरित सहायक यंत्र एवं उपकरण	327
कुल		**41,787**

17.5 शैक्षणिक गतिविधियां

इस केन्द्र पर उपलब्ध शैक्षणिक गतिविधियां

क्रमांक	शैक्षणिक गतिविधियां	समय सीमा	प्रवेश क्षमता	छात्र दाखिला लिए
1.	विशेष शिक्षा में डिप्लोमा (मानसिक मंदता)	02 साल	25	15

■ उपर्युक्त शैक्ष्यणिक गतिविधि के अलावा वर्ष 2018-19 के दौरान संयुक्त क्षेत्रीय केन्द्र, राजनंदगांव (सी.ई.), छत्तीसगढ़ भारतीय पुनर्वास परिषद, नई दिल्ली द्वारा अनुमोदित सतत पुनर्वास शिक्षा (सी.आर.ई.) कार्यक्रम एवं माता-पिता प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन करा रहा है । इसका विस्तृत विवरण निम्नप्रकार है

क्रमांक	कार्यक्रम का नाम	कुल सी.आर.ई. कार्यक्रमों की संख्या	अवधि	प्रवेश क्षमता
1.	सतत पुनर्वास शिक्ष्या (सी.आर.ई.)	05	03 दिन प्रत्येकी	30

17.6 मानांकन सह वितरण शिविर

वर्ष 2018-19 के दौरान संचलित पहचान, मानांकन एवं आबंटन शिविर	देखे गए कुल दिव्यांगजनों की संख्या	आबंटित पुनर्वास संबंधित सहायक यंत्र एवं उपकरणों की संख्या
25	2503	217

17.7 गैर - सरकारी संगठनों का किया गया निरीक्षण एवं अनुवीक्षण

प्रथम चरण में सी.आर.सी., राजनंदगांव का उद्देश्य है कि दो अंतराल में दक्षता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम को आरम्भ करोना । **1. आटोमोटिव सर्विस टेकनीशीयन एवं 2. हैंड एम्ब्रएडॉरी** । इसमें प्रत्येक भाग में 30 दिव्यांगजनों की प्रवेश क्षमता है । राजनंदगांव में सुरगुजा **ज्ञानोदय संघ**, सुरजपुर, छत्तीसगढ नाम के गैर सरकारी संगठन के सहयोग से यह कार्यक्रम चलाया जा रहा है । यह गैर सरकारी संगठन सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के तहत छत्तीसगढ में दिव्यांगजनों के लिए दक्षता विकास प्रशिक्षण के कार्यान्वयन के लिए नामिकागत है ।

सहायक यंत्र एवं उपकरणों का वितरण शिविर

अध्याय - 18

समेकित क्षेत्रीय केंद्र (सी.आर.सी.), बलांगीर

18.1 प्रस्तावना

दिनांक 18.08.2015 को बलांगीर के पुराने सीडी.एम.ओ. भवन में अस्थायी आधार पर एसवीनिरतार सटेलाईट केन्द्र, बलांगीर की स्थापना किया गया । यह केन्द्र भौतिकचिकित्सा एवं व्यावसायिक चिकित्सा के साथ कार्यक्षम है । उसके बाद एसवीनिरतार सटेलाईट केन्द्र को दिव्यांगजनों के लिए समेकित क्षेत्रीय केन्द्र के रूप में उन्नयन कराया गया एवं इस केन्द्र को नवर्निमित अपने भवन में स्थानातंरित किया गया । इस भवन का उद्घाटन दि.21.05.2018 को श्री थावर चंद गेहेलोत ; माननीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री, भारत सरकार एवं श्री धर्मेन्द्र प्रधान, माननीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री, भारत सरकार द्वारा संपन्न हुआ ।

सी.आर.सी., बलांगीर में भौतिक चिकित्सा, व्यावसायिक चिकित्सा, बाक् एवं श्रवण, नैदानिक मनोविज्ञान एवं प्रोस्थेटिक एवं ऑर्थोटिक विभाग कार्यक्षम है ।

18.2 केंद्र में स्टाफ की स्थिति

मंजूरी कृत पद	भरती पद	रिक्त पद	कंट्राक्चुअल
19	-	19	18

* उपरिलिखित पद के लिए विज्ञापन कराये गये हैं एवं बहुत शीघ्र ही इन पदों का भर्ती कराया जाएगा ।

18.3 उद्देश्य

समेकित क्षेत्रीय केन्द्र, बलांगीर के स्थापना का आधारमूत उद्देश्य है प्रशिक्षण एवं जनशक्ति विकास के लिए आवश्यक आधारिक संरचना की सृजन करना, अनुसंधान एवं दिव्यांगजनों को सेवा उपलब्ध कराना, विशेष रूप से देश के उन जगहों पर इन सेवाओं को उपलब्ध कराना जहां पर ऐसे आधारभूत संरचना नहीं हो ।

(i) भिन्नक्षमों के पुनर्स्थापन एवं विशेष प्रशिक्षण हेतु संस्थान क्षेत्रीय केंद्र के रूप में कार्य करेगा ।

(ii) वर्तमान मेडिकल शैक्षिक एवं नौकरी सेवाओं के बीच संपर्क स्थापित करें । इसमें सामुदायिक आधारित पुनर्स्थापन के सिद्धांत का अनुपालन करे । इसके साथ ग्रामीण क्षेत्र में विस्तार सेवायें प्रदान करेगा ।

(iii) भिन्नक्षमों की सेवा में सरकारी, गैर सरकारी क्षेत्र के कार्यकर्त्ताओं, प्रोफेशनलों, ग्राम स्तरीय कार्यकर्ताओं, बहु - पुनर्स्थापना कार्यकर्ताओं को पुनर्स्थापना प्रशिक्षण देना ।

(iv) मानव संसाधन विकास का काम, दिव्यांगजनों को सरकारी एवं गैर-सरकारी स्तर पर पुनर्वास व्यवसायिकों, ग्राम्य-स्तरीय कार्यकर्ता, बहु-पुनर्वास कर्मकर्ता एवं अन्य पदधारी ।

(v) क्षेत्र के सामाजिक - सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से तालमेल हो रहे कार्यनीति अथवा पुनर्वास सेवा प्रदान करने की रणनीति का विकास करना ।

(vi) क्षेत्र में भिन्नक्षमता को ध्यान में रख, उसकी गहनता की दृष्टि से, विभिन्न ग्रुपों की आवश्यकताओं के संदर्भ में अनुसंधान और विकास करना । उत्तर-पूर्व क्षेत्र में विभिन्न दिव्यांगजनों के आवश्यकता के विशेष संदर्भ में अनुसंधान एवं विकास कार्यक्रम को हाथ में लेना ।

(vii) दिव्यांगजनों में पुनर्वास संबंधी सहायक यंत्र एवं उपकरण के डिजाईन, निर्माण एवं फिटमेंट कार्य को चलाना ।

(viii) रोजगार, पुनर्वास, गतिशीलता, संप्रेषण, समाजकी अखंडता एवं मनोविनोद की वृद्धि के लिए शिक्षा एवं दक्षता विकास सेवा को हाथ में लेना ।

18.4 सेवा

यहां पर निम्न प्रकार सुविधाएं उपलब्ध हैं :

1. प्रोस्थेटिक एवं ऑर्थोटिक
2. भौतिक चिकित्सा
3. व्यावसायिक चिकित्सा
4. वाक् एवं श्रवण चिकित्सा
5. नैदानिक मनोविज्ञान

क्र.सं.	सेवा का नाम	2018-19
1.	फीजियोथेरापी	5,162
2.	आकूपेशनल थेरापी	249
3.	वाक एवं श्रवण	-
4.	मनोचिकित्सा सेवा	89
5.	प्रोस्थेटिक एवं आर्थोटिक सेवाएं	-
6.	ऑर्थोसिस	9
7.	प्रोस्थेसिस	123
8.	स्पाईनल ब्रैस	-
	एवं सर्जिकल जूते	24
	तीपहिया साईकल	
	पहिएदार कुर्सी	7
	बैशाखी (जोड)	-
	अन्य पुनर्वास संबंधी सहायक यंत्र एवं मरम्मत	-
	श्रवण यंत्र	
9.	आबंटित सहायक यंत्र एवं उपकरण	163
	कुल	**5,663**

18.5 अन्य बिंदु

(i) दि. 1 जुन 2018 को प्रशासन, बलांगीर द्वारा जिला स्तरीय ''सामर्थ्य शिविर'' का आयोजन कराया गया । इसमें सी.आर.सी., बलांगीर ने दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए भाग लिया । शिविर के दौरान 220 मरीज़ मानांकित किए गए एवं कास्टिंग भी कराया गया ।

(ii) दि. 23 जनवरी 2019 को जिला प्रशासन, सुवर्णपुर द्वारा एक राज्य स्तरीय ''कस्तुरी कैंप'' का आयोजन कराया गया । इस शिविर में आर.ए.आर.ई., सी.आर.सी., बलांगीर ने भाग लिया ।यहां पर एक प्रदर्शनी सह मूल्याकंन शिविर का आयोजन कराया गया जहां पर 250 रोगी देखे गए ।

(iii) दि. 21 मार्च 2019 को अपने परिसर में सीआर.सी., बलांगीर में विश्व वृक्षारोपण दिवस समारोह का आयोजन किया । इस अवसर पर विभिन्न वृक्ष जैसे अशोका, आम के वृक्ष एवं अन्य कई वृक्ष भवन परिसर के चारो तरफ लगाए गए ।

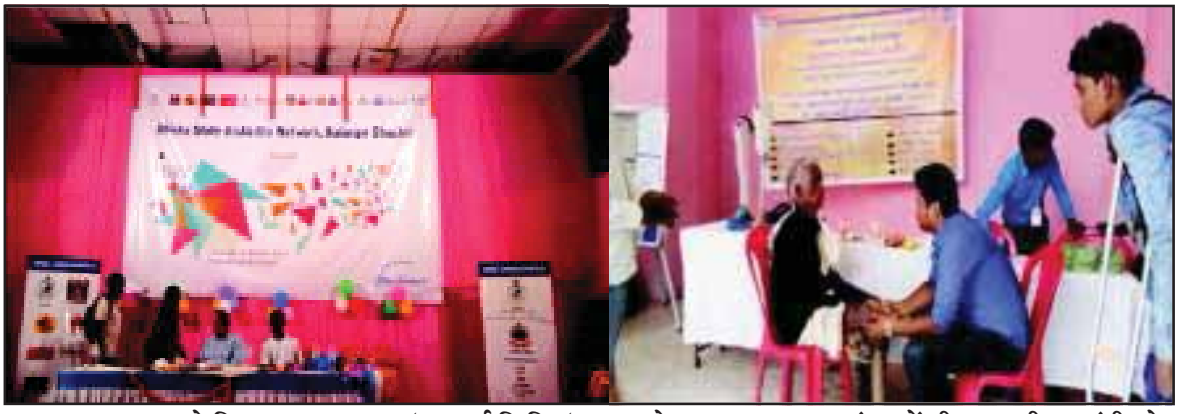

1 जुन 2018 को जिला प्रशासन द्वारा 'सामर्थ्य शिविर' का आयोजन कराया गया एवं इसमें सी.आर.सी. बलांगीर ने भाग लिया एवं रोगियों का मानांकन कराया गया ।

जिला प्रशासन, सुवर्णपुर एवं आर.ए.आर.ई. द्वारा 'कस्तुरी शिविर' का आयोजन कराया गया इस शिविर में सी.आर.सी., बलांगीर में भाग लिया ।

21 मार्च 2019 को सी.आर.सी. बलांगीर ने विश्व वृक्षारोपण दिवस का पालन किया ।

अध्याय - 19

सी.एस.आर. गतिविधियां

19.1 भूमिका

सी.एस.आर. का पूरा नाम कॉरपोरेट सोसिअल रेस्पनसिबिलिटि (सामूहिक सामाजिक उत्तरदायित्व) है । वातावरण एवं सामाजिक कल्याण पर कंपनी के प्रभाव के लिए उत्तरदायित्व लेना तथा उनका मानांकन के लिए प्रवर्तन कराना निगम का लक्ष्य है । विनियम अथवा वातावरण सुरक्षित समूह द्वारा अपेक्षियों से भिन्न प्रयासों के लिए यह शब्द प्रायत: लागू है ।

19.1.1 चल रही सी.एस.आर. परियोजनाएं

क. आर.ई.सी.एल. द्वारा संलग्न भवन - रु.15.89 करोड़

आर.ई.सी.एल. ने रु.15.89 करोड़ के लिए एसवीनिरतार में संस्थान को ''विकृति सुधार के लिए सर्वश्रेष्ठ केन्द्र'' के रूप में स्थापित करने के लिए एक भवन के निर्माण के लिए परियोजना को मंजूरी दी है । इस परियोजना के कार्यान्वयन के लिए भुवनेश्वर में दि 19.4.2017 को एसवीनिरतार एवं आर.ई.सी.एल. के बीच एक करार का ज्ञापन (एम.ओ.ए.) स्वीकृति के नियमानुसार स्वाक्षरित हुआ ।

100 शय्यावाला उपभवन के निर्माण कि स्थिति

निगमित सामाजिक दायित्व योजना के अन्तर्गत संस्थान के एक ''विकार सुधार के लिए उत्कृष्ट केन्द्र'' के रूप में स्थापित कराने हेतु 100 शय्या वाला उपभवन का निर्माण कार्य पूरे जोरों पर प्रगति पर है । भूतल छत का स्लैब ढलाई का कार्य संपूर्ण हो गया है एवं पहली मंजिल के छत का स्लैब ढलाई कार्य शीघ्र ही होने वाला है ।

ख. सी.ए.डी./सी.ए.एम. प्रणाली की स्थापना – रु. 2,72,65,190.00

संस्थान के प्रोस्थेटिक्स एवं ऑर्थोटिक्स विभाग में शुद्ध प्रोस्थेटिक्स एवं ऑर्थोटिक्स सॉकेट के उत्पादन के लिए स्नातक एवं स्नातकोत्तर दोनों पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों के लिए उच्च एवं प्रौद्योगिकी शिक्षा प्रदान करने के लिए 2,72,65,190.00 रुपए लागत की कैड - केम (कंप्यूटर एडेड डिजाइनिंग एवं कंप्यूटर सहायता युक्त बिनिर्माण) का सफलतापूर्वक स्थापना कराया गया । यह प्रणाली नेशनल एल्युमीनियम कंपानी लिमिटेड (नाल्को), भुवनेश्वर द्वारा उपलब्ध कराया गया है ।

19.1.2 आगामी सी.एस.आर. परियोजना

-- सी.एस.आर. पहल योजना के तहत प्रशासनिक भवन एवं प्रेक्षागृह के साथ प्रोस्थेटिक एवं ऑर्थोटिक कर्मशाला के निर्माण के लिए एन.टी.पी.सी. लिमिटेड को एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है ।

-- 50 शय्या वाला रोगी शयनागार के लिए एक प्रस्ताव प्रक्रियाधीन पर है एवं कथित प्रस्ताव के लिए शुरुआती ड्रॉइंग सी.पी.डब्ल्यू.डी. द्वारा प्रस्तुत किया गया है ।

100 शय्या साला संलग्नक भवन का निर्माण

❑❑❑

अध्याय - 20

दिव्यांगजनों के अधिकार अधिनियम -2016

20.1 भूमिका

दिव्यांगता की यह प्रक्रिया मानव अनुभव की एक अपरिहार्य अंग है, एवं इसे सामाजिक वातावरण जहां से यह सृजन हुआ है, अलग नहीं किया जा सकता । सामाजिक संगठन के परिसर से बाहर इसका कोई अस्तित्व नहीं है । दिव्यांगता की अवधारणा समय - समय पर, जगह - से - जगह एवं लोगों - से - लोगों के बीच बदलती रही है । दिव्यांगजनों के सामूहिक प्रयास, एवं साधारणजनों नीति निर्धारण करने वालें एवं व्यावसायिकों के समर्थन, सहयोग से दिव्यांगजनों के लिए (समान अवसर, सुरक्षा अधिकार एवं सम्पूर्ण भागीदारी) अधिनियम - दिसम्बर 1995 का सृजन हुआ । 21 वर्ष पहले लागू वर्तमान के दिव्यांगजन अधिनियम -1995 के स्थान पर दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम (आर.पी.ड्ब्ल्यू.डी. अधिनियम -2016) पुन:स्थापित हुआ ।

20.1.1 अधिनियम के प्रमुख विशिष्टत हैं

i. दिव्यांगता के प्रकार में मौजूदा 7 से 21 में वृद्धि हुई है एवं केन्द्र सरकार के पास शक्ति है कि वह इस संख्या में अधिक प्रकार भी जोड़ सकते हैं ।

ii. 21 प्रकार के दिव्यांगता निम्नप्रकार है :-

1. दृष्टिबाधित
2. कम दृष्टि शक्ति संपन्न
3. आरोग्य हुए कृष्ठरोगी
4. श्रवण बाधित (बधिर एवं सुनने कें कष्ट)
5. चलन संबंधी दिव्यांगता
6. डवारफिस्म
7. वौद्धिक दिव्यांगता
8. मानसिक रोग
9. ऑटिस्म स्पेक्ट्रम् विकृति
10. प्रमस्तिष्क अंगघात
11. मस्क्यूलर डिस्ट्रोफी
12. बहुकालिन स्नायुगत स्थिति

13. विशेष सीखने में अक्षमता स्थिति
14. विविध स्केलेरोसीस
15. वाणी एवं भाषा विकृति
16. थालासेमिआ
17. हेमोफीलीया
18. सीक्ल सेल रोग
19. बधिर - दृष्टिबाधित सहित विविध दिव्यांगता
20. एसीड़ से आक्रमण के शीकार रोगी
21. पारकिन्शॅन रोग

iii. वाणी एवं भाषा दिव्यांगता एवं विशेष तौर पर सीखने में अक्षमता पहली बार मिलाया गया है । एसीड़ से आक्रमण हुए व्यक्ति, शामिल किए गए । द्वारफ्रिस्म्, मस्कूलार डिस्ट्रोफी विशषष दिव्यांगता की श्रेणी में अलग रूप से दर्शाए गए हैं । दिव्यांगता के तीन नए वर्ग जैसे विकृति, थैलासेमिया, हेमोफीलीया एवं सिक्ल सेल रोग भी शामिल किए गए हैं ।

iv. इसके अतिरिक्त किसी अन्य वर्ग के विशेष दिव्यांगता को अधिसूचित करने के लिए सरकार को प्रधिकृत किया गया है ।

v. समुचित सरकार को यह दायित्व सौंपा गया है कि वह दिव्यांगजनों को अन्य साधारणजनों के साथ अधिकार समान रूप से व्यवहार करने के लिए प्रभावशाली कदम उठाएं ।

vi. बेंच मार्क दिव्यांगजनों एवं अधिक सहयोग की अपेक्षा रखने वाले दिव्यांगजनों को उच्च शिक्षा में आरक्षण, सरकारी नौकरी, भूमि आबंटन में आरक्षण, दारीद्र दूरीकरण योजना आदि जैसे अतिरिक्त लाभ मुहैया कराया जाता है ।

vii. 6 से 18 वर्ष आयु वर्ग के बेंचमार्क दिव्यांगजन बच्चों के लिए नि:शुल्क शिक्षा का अधिकार है ।

viii. सरकारी वित्तपोषित शैक्षिक संस्थानों एवं साथ ही सरकारी मान्यताप्राप्त संस्थानों को भी दिव्यांग बच्चों को शिक्षा प्रदान करनी होगी ।

ix. प्रधानमंत्री सुगम्य भारत अभियान को मजबूत कराने के उद्देश्य से एक निर्धारित समय-सीमा में लोक भवनों (सरकारी एवं निजी दोनों) में सुगम्यता सुनिश्चित कराने पर जोर दिया जा रहा है ।

x. सरकारी स्थापनाओं में रिक्त स्थानों में बेंचमार्क दिव्यांगजनों के लिए आरक्षण में 3% से 4% की वृद्धि हुई है ।

xi. जिला न्यायालय द्वारा अभिभावकता अनुदान के लिए बिल में प्राबधान है, जिसके तहत अभिभावक एवं दिव्यांगजन के बीच संयुक्त निर्णय लेने का प्रावधान है ।

xii. केन्द्र तथा राज्य स्तर पर शीर्षस्थ नीति निर्धारण निकाय के रूप में बोर्ड आधारित केन्द्र एवं राज्य सलाहकार बोर्ड का गठन किया जाता है ।

xiii. दिव्यांगजन मुख्य आयुक्त के कार्यालय को और अधिक सशक्त कराया गया है । उन्हें इस कार्य में 2 आयुक्त एवं विभिन्न दिव्यांगता के क्षेत्र के विशेषज्ञों से गठित 11 सदस्यों से कम संख्या वाली एक सलाहकार समिति सहायता करेगी ।

xiv. उसी प्रकार राज्य के दिव्यांगजन मुख्य आयुक्त के कार्यालय को भी और ज्यादा मजबूत कराया गया है । वे इस कार्य के लिए विभिन्न दिव्यांगता के क्षेत्र के विशेषज्ञों से बनी 5 सदस्यों से कम संख्या की एक सलाहकार समिति की सहायता लेंगें ।

xv. दिव्यांगजन मुख्य आयुक्त एवं राज्य आयुक्त नियंत्रक निकाय एवं शिकायत निवारण अभिकरण के रूप में कार्य करेंगे साथ ही अधिनियम के कार्यान्वयन का अनुवीक्षण भी करेंगे ।

xvi. राज्य सरकार द्वारा जिला - स्तरीय समितियां गठित की जाएगी जो दिव्यांगजनों को एवं उनके परिवारजनों को उनके संवैधानिक नियमों के बारे में बताएंगें एवं ऐसे समितियों की कार्यकारिता नियमानुसार राज्य सरकार द्वारा निर्धारित किया जाएगा ।

xvii. दिव्यांगजनों को वित्तिय सहायता उपलब्ध कराने के लिए राष्ट्रीय एवं राज्य निधि का सृजन कराया जाएगा । दिव्यांगजनों के लिए मौजुदा राष्ट्रीय निधि एवं दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए बनी न्यास निधि इस राष्ट्रीय निधि में सम्मिलित कराया जाएगा ।

xviii. इस बिल में दिव्यांगजनों पर किए गए अन्याय अपराध के लिए दण्ड का प्रावधान है एवं साथ ही नए नीति - नियमों के प्रावधानों के उलंघन पर दण्ड विधान है ।

xix. प्रत्येक जिला में दिव्यांगजनों के अधिकार का उलंघन पर हुए मामलों के लिए विशेष न्यायालय नामोदद्दिष्ट कराया जाएगा । यह नया अधिनियम हमारे कानून को दिव्यांगजनों के अधिकार पर संयुक्त राष्ट्रीय समिति (यू.एन.सी.आर.पी.डी.) जिसमें भारत एक हस्ताक्षरकर्ता है, के साथ एक स्तर पर पाया जाता है । यह यू.एन.सी.आर.डी. के लिए भारत के तरफ से अपनी दायित्व का निर्वाह माना जाएगा । साथ ही यह नया कानून दिव्यांगजनों के अधिकार एवं हकदारी में न केवल बढ़ोत्तरी कराएगा बल्कि उनके सशक्तिकरण को सुनिश्चित कराने के लिए प्रभावशाली क्रियाविधि उपलब्ध कराएगा एवं समाज में एक संतोषजक तरीके से उनका सही समावेश कराएगा ।

❑❑❑

सामान्य परिषद के सदस्य 2018-19

श्रीमती शकुंतला डी. गामलीन, आइ.ए.एस. ..... सभापति
सचिव (डी.ई.पी.डब्ल्यू.डी.), भारत सरकार,
सभापति, सामान्य परिषद, एसवीनिरतार
सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय,
दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग
कक्ष सं.-515, पर्यावरण भवन, सी.जी.ओ. कॅप्लेक्स,
लोदी रोड, नई दिल्ली-110 003

श्रीमती डोलि चक्रवर्त्ति, ... सदस्य
संयुक्त सचिव (डी.ई.पी.डब्ल्यू.डी.), भारत सरकार, एवं
अध्यक्ष, कार्यकारी परिषद, एसवीनिरतार
सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय,
दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग
कक्ष सं.-527, बी-III विंग, पांचवां तल,
पं. दीनदयाल अंतोदय भवन, सी.जी.ओ. कॅप्लेक्स,
लोदी रोड, नई दिल्ली-110 003

श्रीमती टी.सी.ए. कल्याणी ..... सदस्य
संयुक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार
भारत सरकार
सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय,
एकीकृत वित्त प्रभाग
'ए' विंग, तृतीय तल, रुम नं.- 321-ए
शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110 001

श्री मुरलीधर नारायण कचारे ..... सदस्य
पी.ए. - 5, उतोप्ला, एस. नं.68,
कचारे माला, वानवाडी,
पुणे - 411 040

श्री बिमल कुमार जैन ..... सदस्य
404 - डी, पाटना सुपर मार्केट,
बी. ब्लॉक, फ्रासर रोड,
पटना-800 001

डॉ. एस.पी.दास ..... सदस्य सचिव
निदेशक
एसवीनिरतार, ओलटपुर
पो.ऑ.- बाईरोइ, जि.-कटक - 754 010

❑❑❑

कार्यकारी परिषद के सदस्य 2018-19

श्रीमती डोलि चक्रवर्त्ति, ... अध्यक्ष
संयुक्त सचिव (डी.ई.पी.डब्ल्यू.डी.), भारत सरकार, एवं
अध्यक्ष, कार्यकारी परिषद, एसवीनिरतार
सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय,
दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग
कक्ष सं.-527, बी-III विंग, पांचवां तल,
पं. दीनदयाल अंतोदय भवन, सी.जी.ओ. कॅप्लेक्स,
लोदी रोड, नई दिल्ली-110 003

श्रीमती टी.सी.ए. कल्याणी ..... सदस्य
संयुक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार
भारत सरकार
सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय,
एकीकृत वित्त प्रभाग
'ए' विंग, तृतीय तल, रुम नं.- 321-ए
शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110 001

श्री मुरलीधर नारायण कचारे ..... सदस्य
पी.ए. - 5, उतोप्ला, एस. नं.68,
कचारे माला, वानवाडी,
पुणे - 411040

श्री बिमल कुमार जैन ..... सदस्य
404 - डी, पाटना सुपर मार्केट,
बी. ब्लॉक, फ्रासर रोड,
पटना-800001

डॉ. एस.पी. दास ..... सदस्य सचिव
निदेशक
एसवीनिरतार, ओलटपुर
पो.ऑ.- बाईरोइ, जि.-कटक - 754 010

❑❑❑

प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय) का कार्यालय
सैफाबाद, हैदराबाद - ५०० ००४.

OFFICE OF THE
PRINCIPAL DIRECTOR OF AUDIT (CENTRAL)
SAIFABAD, HYDERABAD - 500 004.

No. PDA(C)/BO-Odisha/CRA-V/SAR.2018-19/SVNIRTAR/CTC/2019-20/ Date- 29.10.2019

सेवा में
सचिव ,
सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय,
डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद रोड, शास्त्री भवन,
नई दिल्ली - 110 001

Sir,

Sub- Separate Audit Report on the accounts of Swami Vivekananda National Institute of Rehabilitation Training and Research (SVNIRTAR), Olatpur, Cuttack, Odisha for the year 2018-19

Separate Audit Report on the accounts of Swami Vivekananda National Institute of Rehabilitation Training and Research (SVNIRTAR), Olatpur, Cuttack, Odisha for the year 2018-19, Annexure thereof and one copy of Annual Accounts are forwarded herewith for placing before both the House of Parliament.

The dates of presentation of Separate Audit Report in both the Houses of Parliament may please be intimated.

Receipt of this letter along with the enclosure may kindly be acknowledged.

भवदीय,

संलग्नयथोपरि

Sd/-
प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय)

NoPDA(C)/BO-Odisha/CRA-V/SAR.2018-19/SVNIRTAR/CTC/2019-20/६२५ Date- 29.10.2019

Copy to the Director, Swami Vivekananda National Institute of Rehabilitation Training and Research (SVNIRTAR), Olatpur, P.O:- Bairoi, Dist- Cuttack- 754010 Odisha along with one copy of Annual Accounts for the year 2018-19 (English version), with a request to furnish the Hindi version of the approved Annual Accounts 2018-19 (2 sets), to Branch Office- Odisha.

संलग्नयथोपरि

Deputy Director/ CEA

Phone Nos : 040-23236811 to 23236819 E-mail : pdachyderabad@cag.gov.in Fax No. : 040-23232294

स्वामी विवेकानन्द राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान

ओलटपुर, पोस्ट - बाइरोई, जिला - कटक, पिन -754 010 ओड़िशा

एस. वी. निरतार, कटक के लिए 31 मार्च 2019 को समाप्त वर्ष के लिए सी.ए.जी. की अलग अंकेक्षण रिपोर्ट

हम ने स्वा.वी. निरतार, कटक का 31 मार्च 2019 को यथा तुलन पत्र, आय - व्यय लेखा एवं प्राप्तियों तथा देयता लेखा को सी.ए.जी. (कर्तव्य, क्षमता एवं सेवा शर्त 1971) सेक्शन 20 (1) के अंतर्गत अंकेक्षण किया । अंकेक्षण 2018-19 तक के लिए प्रदान किया गया था । ये वित्तीय लेखा विवरण संस्थान एवं प्रबंधन की जिम्मेदारी हैं । हमारी जिम्मेदारी है कि हमारे अंकेक्षण पर आधार कर इन पर अपना मत दें ।

2. यह अलग अंकेक्षण रिपोर्ट एकाउंटिंग ट्रीटमेंट पर सी.ए.जी. की टिप्पणियां हैं । जो वर्गीकरण, सर्वोत्तम लेखा प्रचलनों, लेखा मानकों एवं खुलासा मानकों पर हैं । वित्तीय लेन - देन पर कानून, नियम एवं विनियम (प्रोप्रायटी एंड रेगुलेरिटी) तथा एफिसियेंसी - सह - निष्पादन पक्ष, यदि कोई, जांच रिपोर्ट / सी.ए.जी. की अंकेक्षण रिपोर्ट अलग हैं ।

3. भारत में स्वीकृत मानदंडों के अनुरूप हमने अपना अंकेक्षण किया । इन मानों के अनुसार हम उचित आश्वासन चाहते हैं कि वित्तीय गलत ब्यानी से मुक्त हैं । अंकेक्षण में टेष्ट आधार पर जांच, वित्तीय राशियों एवं खुलासा के समर्थन में प्रमाण चाहियें । अंकेक्षण में लेखा सिद्धांत एवं प्रबंधन द्वारा किये महत्वपूर्ण अनुमान भी शामिल हैं । इसके अलावा वित्तीय विवरणों का सामग्रिक मूल्यांकन है ।हमारा विश्वास है कि हमारा अंकेक्षण उचित आधार पर है ।

4. हमारे अंकेक्षण के आधार पर हम रिपोर्ट करते हैं :

(i) हमने हमारी सर्वोत्तम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार अंकेक्षण के लिए जरूरी सारी सूचना एवं व्याख्या प्राप्त की ।

(ii) हमारे वित्त मंत्रालय द्वारा स्वीकृत फर्मा पर आधारित तुलन पत्र, आय - व्यय लेखा एवं प्राप्ति - व्यय लेखा पर रिपोर्ट की है ।

(iii) हमारे मत में उचित लेखा एवं संबद्ध रिकार्ड स्वामी विवेकानन्द राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, ओलटपुर, कटक ने आवश्यकतानुसार रखे हैं , जैसा कि इन बहियों की हमारी जांच से पता चलता है ।

(iv) हम आगे रिपोर्ट करते हैं :

लेखा का पुन:रीक्षण :

आडिट टिप्पणियों के आधार पर वर्ष 2018-19 के लिए एसवीनिरतार ने लेखा का पुन:रीक्षण किया है । नीचे के पैरा में दिए गए लेखापरीक्षा टिप्पणी निवल प्रभाव में परिसंपत्ति में 59.67 लाख रुपए अधिक दर्शाता है । हालांकि संस्थान द्वारा लेखा पुन:रीक्षण में, परिसंपत्ति में बढ़त्तोरी को परिशोधन कर दिया गया है ।

A. सामान्य :

A.1. वर्ष 2018-19 के दौरान संपूर्ण हुए /चल रहे सात कार्यों का व्यय - सह - प्रयुक्त प्रमाणपत्र (सी.पी.ड्ब्ल्यू ए फॉर्म - 65) निम्नलिखित वर्णनानुसार सी.पी.ड्ब्ल्यू.डी. से प्राप्त हुए एवं लेखा-परीक्षा को उपलब्ध नहीं कराये गए । व्यय विवरण प्राप्त कराया जाए एवं दिए गए व्यय एवं अग्रीम का लेखा-समाधान कराया जाए ।

A.2. आई.सी.ए.आई. द्वारा जारी लेखाकरण मानक 15 के उलंघन में लेखा के निर्धारण में सेवानिवृत्ति लाभ के लिए कोई प्रावधान नहीं है ।

B. सहायता अनुदान :

पिछले वर्ष के संदर्भ में 11.36 लाख रूपए की ब्याज एवं 184.40 लाख रुपए की अप्रयुक्त शेष के साथ प्राप्त 4754.16 लाख रुपये की सहायता अनुदान में से संस्थान ने वर्ष 2018-19 के दौरान 4205.28 लाख रुपये का उपयोग किया एवं 31.03.2019 तक यथा 744.64 लाख रुपये शेष रहा है ।

C. प्रबंधन पत्र : अलग लेखापरीक्षा रिपोर्ट में जिन कमियों को शामिल नहीं किया गया है, उन्हें एक अलग प्रबंधन पत्र के तहत एसवीनिरतार, ओलटपुर, कटक के ध्यान में उपचारी सुधार कार्रवाई के लिए जारी किया गया है ।

(v) पिछले पैराग्रैफ में दर्शाये गए हमारे टिप्पणी के अनुसार, हमारे निरीक्षण से हट कर, हम रिपोर्ट करते हैं कि तुलन पत्र, आय-व्यय लेखा, प्राप्ति - भुगतान लेखा जो इस रिपोर्ट में दिये हैं, वे बहियों के लेखा से मेल खाते हैं ।

(vi) हमारे मत में एवं सर्वोत्तम सूचनानुसार एवं हमें दी व्याख्या के अनुसार, उक्त वित्तीय कथन, लेखा नीतियों एवं लेखा पर टिप्पणियाँ एवं ऊपर कथित महत्वपूर्ण विषयों के अतिरिक्त, एवं उल्लिखित इस अंकेक्षण से जुड़ी संलग्नक की बातें, लेखा सिद्धांत एवं सामान्यत: भारत में स्वीकृत नियमों के अनुसार सही एवं स्वच्छ चित्र देते हैं ।

(a) यह तुलनपत्र स्वा वि. सिरतार की स्थिति 31 मार्च 2019 को संबद्ध है ।

(b) आय - व्यय लेखा का डेफिसिट उसी वर्ष एवं तिथि से संबद्ध हैं ।

ह./-

महानिदेशक लेखा परीक्षा (केंद्रीय)

संलग्नक

1. **आंतरिक लेखा परीक्षा पद्धति की पर्याप्तता**

संस्थान की आंतरिक लेखापरीक्षा पद्धति पर्याप्त नहीं हैं, चूंकि इसमें केवल लेखाकरण भाग ही शामिल है । वर्ष 2018-19 के लिए संस्थान का आंतरिक लेखापरीक्षा मेसर्स ए.एन. लेंका एंड एसोसिएट्स्, चटर्ड अकाउन्टान्टस् ने किया ।

2. **आंतरिक नियंत्रण पद्धति की यथार्थता**

आंतरिक नियंत्रण पद्धति पर्याप्त नहीं है, चूंकि विभिन्न परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास समूचित रूप से परिचलन नहीं किया गया है । आगे जमा कार्य प्रपत्र - 65 कार्यकारी अभिकरण से मासिक / नियमित प्राप्त नहीं हुआ है ।

3. **स्थायी परिसंपत्तियों का भौतिक सत्यापन प्रणाली**

2018-19 के लिए स्थायी परिसंपत्तियों का भौतिक सत्यापन किया गया है । उपकेन्द्र के परिसंपत्ति को छोडकर ।

4. **वस्तुसूची का प्रत्यक्ष सत्यापन**

वस्तुसूची का 2018-19 के लिए भौतिक सत्यापन किया गया है ।

5. **सांविधिक देय राशि का नियमित भुगतान जमा**

सांविधिक देय नियमित प्रदान किये गये हैं ।

ह./-

निदेशक (सी.ई.ए.)

स्वामी विवेकानन्द राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान

ओलटपुर, पोस्ट - बाइरोई, जिला - कटक, पिन -754 010 ओड़िशा

31 मार्च 2019 को समाप्त अवधि के लिए लेखा के भाग रूप में अनुसूचियां

अनुसूची 24 : उल्लेखनीय लेखा नीतियाँ

1. **लेखाकरण परम्परा**

अन्यथा न होने तक वित्तीय विवरण ऐतिहासिक लागत परम्परा एवं सावधि प्रावधान तथा विद्यमान पद्धतियों की अनुरुपता और लेखाकरण की संमति पद्धति के आधार पर प्रस्तुत किये गए हैं ।

2. **वस्तुसूची मूल्यांकन**

वस्तुसूची का मूल्यांकन भारित औसतन वेटेड एवरेज पद्धति के आधार पर किया जाता है ।

3. **निवेश**

निवेश की लागत अथवा बाजार मूल्य पर जो कम हो, दर्शाया जाता है । वर्ष के दौरान निवेश में मूल्यह्रास के संबंध में किसी भी प्रावधान को प्रमाणित एवं प्रबंधन नहीं किया गया है ।

4. **अचल परिसम्पत्तियां**

अचल परिसम्पत्तियाँ प्रापण से सम्बन्धित प्रत्यक्ष व्यय सहित प्रापण की लागत पर बताई जाती हैं ।

5. **मूल्य ह्रास**

आयकर अधिनियम 1961 की धारा-32 के अधीन अचल परिसम्पत्तियों पर मूल्यह्रास चार्ज किया गया ।

6. **बिक्री के लिए लेखाकरण**

बिक्री प्राप्ति, रियायत एवं कटौती के निवल पर बिक्री दर्शाई जाती है ।

7. **सरकारी अनुदान / परिदान**

सरकारी अनुदान / परिदान को प्रोद्भवन के आधार पर हिसाब में लिया जाता है, जब वहां यथोचित आश्वासन हो कि यह अनुदान संस्थान द्वारा प्राप्त होगा । लेखा मानक - 12 के अनुसार ।

8. **सेवानिवृत्ति लाभ**

क. अधिदेशात्मक लेखाकरण मानक -15 ''सेवानिवृत्ति लाभ का लेखा'' के अनुसार मौजूदा कर्मचारियों की 31.3.2019 को यथा पेंशन, उपदान एवं छुट्टी का वेतन बीमांकित अधिकारियों द्वारा मूल्यांकन किया गया 31.3.2019 तक सेवानिवृत्ति लाभ संबंधित बीमांकित मूल्य अनुसूची -25 अभ्यासानुसार ''लेखा पर टिप्पणियां'' में दर्शाया गया है ।

स्वामी विवेकानन्द राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान

ओलटपुर, पोस्ट - बाइरोई, जिला - कटक, पिन -754 010 ओड़िशा

31 मार्च 2019 को समाप्त अवधि के लिए लेखा के भाग रूप में अनुसूचियां

अनुसूची 25 : आकस्मिक देयताएँ और लेखा पर टिप्पणियाँ (निदर्शी)

1. **आकस्मिक देयताएँ** : रु.**20.00** लाख

2. **पूँजी वचनबद्धता** : शून्य

3. **पट्टा अनुबन्ध पत्र** : शून्य

4. **चालू परिसम्पत्तियाँ, ऋण एवं अग्रिम :**

प्रबन्धन के विचार में, चालू परिसम्पत्तियाँ, ऋण एवं अग्रिम के सामान्य क्रम में उपलब्धि पर मूल्य रखते हैं, जो कम से कम तुलन - पत्र में दर्शाई गई सकल राशि के बराबर होती है । कर्मचारियों के सेवा निवृत्ति लाभ के लिए बनी समग्र निधि में संस्थान का आय अंतरणीय होने के कारण कर्मचारी वर्ग के अग्रिम पर प्रोद्भूत ब्याज प्रदान नहीं किया जाता है ।

5. **कराधान :**

आयकर अधिनियम, 1961 के अन्तर्गत कोई कर योग्य आय नहीं होने की दृष्टि से आयकर के लिए कोई प्रावधान करना आवश्यक नहीं माना गया ।

6. **विदेशी मुद्रा लेन - देन** : शून्य

7. सेवी एस.ई.बी.आई. में रु.88,11,811/- मूल्य का निवल परिसंपत्ति का निवेश हुआ 31.3.2019 को यथा भारतीय जीवन बीमा में अनुमोदित गिल्ट निधि का मूल्य रु.2,01,11,094.28 रहा ।

8. लेखा मानक 15 के अनुसार 31.3.2019 तक सेवानिवृत्ति लाभ अनुमानत रु.1,19,75,32,039.00/- ।

चूंकि संस्थान के पूंजीगत निधि से बीमांकक मूल्य ज्यादा एवं अधिक दो गया है अत: इसके लिए अनंतिम प्रविष्ट प्रभावित नहीं हो रहा है । जहां तक उपलब्ध हो सके सहायता अनुदान वेतन में से सेवानिवृत्ति लाभ प्रदान हो रहा है एवं सेवानिवृत्ति लाभ के तहत देयताओं के लिए सहायता अनुदान वेतन में कमी को संस्थान के स्व-अर्जित आय से बनी कॉर्पस निधि में से किया जाएगा । चूंकि यह एक अनुदान आधारित

संस्थान है अत: यहां कोई आधारित देयता उपलब्ध नहीं है तथा यह देयताएं संस्थान के सहायता अनुदान / स्व - आय / कॉर्पस निधि में से प्रदान किया जाएगा । बीमांकिक मूल्य का प्राबधान स्वीकृत नहीं हुआ है ।

9. यह संस्थान फरवरी, 1984 तक भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम, कानपुर के प्रशासनिक नियंत्रण के अन्तर्गत था और निपोट के रूप में जाना जाता था और 22 फरवरी, 1984 को इसका पृथकीकरण किया गया तथा सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम, 1860के अन्तर्गत पंजीकृत किया गया और इसका नाम बदल कर 'निरतार' किया गया । 01 अप्रैल 1984 से लेखा को पृथक किया गया । तुलन - पत्र में 'पूंजी निधि' के रूप में दर्शाई गई रु.53,72,917.16 की राशि परिसम्पत्तियां और देयताओं के खाते के अन्तिम निपटान के बाद एलिम्को से अंतरित राशि को प्रतिबिम्बित करती है ।

10. अनुसूचियाँ 1 से 25 संलग्न की गई हैं और 31 मार्च 2019 को यथा तुलन पत्र और उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाते का अभिन्न अंग हैं ।

11. सी आर सी , गुआहाटी का वार्षिक लेखा 2018-19 को स्वावीनिरतार समेकित लेखा में शामिल किया गया है ।

12. सी.आर.सी., राजनंदगांव का वार्षिक लेखा 2018-19 को स्वावीनिरतार समेकित लेखा में शामिल किया गया है ।

13. वर्ष 2018-19 के दौरान प्राप्त एवं उपयोग हुए अनुदान का विवरण परिशिष्ट - I में संलग्न है, जो वर्ष 2018-19 के वार्षिक लेखा का भाग है ।

14. **सी.एस.आर. सहायता**

(a) मोड्यूलार ओ.टी. एवं उपकरणों के लिए आर.ई.सी.एल से सी.एस.आर. सहायता :

आर.ई.सी.एल से सी.एस.आर. अनुदान के तहत वर्ष 2014-15 से प्रभावी हो कर 290.12 लाख रुपए राशि एवं उस पर 5.52 लाख रुपये राशि का व्याज प्राप्त हुआ । 31.3.2018 तक स्थायी परिसंपत्तियों की खरीद के लिए 290.42 लाख रुपये की राशि उपयोग हुए । क्रमानुसार वर्षो के वार्षिक लेखा में अनुसुची 3.1 के अंतर्गत सी.एस.आर. सहायता एवं उपयोग का वर्ष वार प्राप्ति विवरण दर्शाया गया है । लेखा मानक 10 एवं 6 के अनुसार इन परिसंपत्तियों के लिए कोई मुल्य ह्रास चार्ज नही किया गया । चूंकि आर.ई.सी.एल सी.एस.आर. सहायता के तहत स्विकृत राशि 291.00 लाख रुपए है । मोडुलार ओ.टी. के निर्माण क लिए मेसर्स रविंद्र सर्जिकॅल के देयता में से 0.88 लाख रुपये की राशि प्राप्त हुआ ।

आर.ई.सी.एल सी.एस.आर. सहायता के तहत खरिद कीए गए परिसंपत्तियों का मूल्य सहित विवरण संलग्नक - II में दिया गया है ।

(b) **उपभवन के निर्माण के लिए आर.ई.सी.एल से सी.एस.आर. सहायता :**

19.4.2017 को एसवीनिरतार एवं आर.ई.सी.एल के बिच आ.ई.सी.एल.सी.एस.आर. सहायता के तहत एक करार का ज्ञापन 15.89 करोड रुपये के स्वीकृत राशि के लिए हस्ताक्षरीत हुआ । यह संस्थान को दिव्यांगता सुधार के लिए श्रेष्ठ केन्द्र के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से एसवीनिरतार में एक संलग्न उपभवन के निर्माण के लिए है । वित्तिय दृष्टि कोण से यह मामाला महत्वपूर्ण होने के कारण दर्शाया गया है एवं यह वित्तिय वर्ष के समाप्ति एवं वार्षिक लेखा के प्रस्तुति तिथि के उपरांत सम्पन्न हुआ है । 31.3.2018 को 164.67 लाख रुपये प्राप्त हुए जिसमें से 31.3.2019 का यथा 164.67 लाख रुपये उपयोग हुए एवं शून्य राशि अप्रयुक्त रहा ।

(c) **वैड - वैम् मशिन** के लिए नालको सी.एस.आर. सहायता - 272.65 लाख रुपये के स्वीकृत राशि के लिए अनुमोदन किया गया एवं 271.65 लाख रुपए प्राप्त हुए एवं 270.78 लाख राशि प्रयुक्त हुआ एवं वर्ष 2019-20 के दौरान उपयोग के लिए 31.3.2019 तक यथा 0.87 लाख रुपए अप्रयुक्त शेष राशि उपलब्ध रहा है ।

नालको -सी.एस.आर. सहायता के तहत मूल्य सहित परिसंपत्तियों की अधिप्राप्ति का विस्तृत विवरण संलग्नक - III में अनुलग्नक है ।

(d) **एम.सी.एल. रोगी बाहन :** वर्ष 2019-20 के दौरान रु.16.34 लाख की राशि के लिए अनुमोदन किया गया, 16.34 लाख रुपये की राशि प्राप्त हुए एवं 16.22 लाख रुपये उपयोग हुए एवं 0.12 लाख रुपये अव्ययित शेष की राशि एम.सी.एल. को वापस करने के लिए दिनांक 31.03.2019 को यथा उपलब्ध रहा ।

ह./-
(पी. के. साहु)
प्रभारी लेखा अधिकारी

ह./-
(डॉ. एस.पी. दास)
निदेशक

स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
ओलटपुर, पोस्ट-बाइरोइ जिला-कटक - ७५४०१० (ओड़िशा)

31 मार्च 2019 को यथा तुलन पत्र

(राशि रुपयों में)

क्र.	कर्पस/पूंजीनिधि एवं देयताएं	अनुसूची	चालूवर्ष	पूर्ववर्ष
1	कर्पस/केपिटल फंड	1	51,11,08,910.98	46,65,55,133.16
2	रिजर्व एवं सरप्लस	2	31,64,73,221.49	27,81,19,840.97
3	पूर्व निश्चित/अक्षय निधि	3	44,98,34,742.71	39,63,38,064.51
4	सिक्योर्ड ऋण एवं उधारी	4	-	-
5	अनसिक्योर्ड ऋण एवं उधारी	5	-	-
6	डिफर्ड क्रेडिट देयताएं	6	-	-
7	चालू देयतायें और प्रावधान	7	16,72,62,734.54	12,06,70,157.54
	कुल		**1,44,46,79,609.70**	**1,26,16,83,196.18**
	आस्तियां			
1	स्थायी आस्तियां	8	69,40,77,443.59	67,19,28,994.59
2	उद्दिष्ट/अक्षय निधि से निवेश	9	32,00,33,711.00	27,36,74,481.00
3	निवेश - अन्य	10	4,45,61,975.00	8,45,61,975.00
4	चालू आस्तियां - ऋण, अग्रिम आदि	11	38,60,06,480.11	25,13,17,765.59
5	फुटकर व्यय (बट्टाखाते या समायोजन की सीमा तक)			
	कुल		**1,44,46,79,609.70**	**1,26,16,83,196.18**
	महत्वपूर्ण लेखा नीतियां	24		
	कंटिंजेंट देयताएं एवं लेखा पर टिप्पणियां	25		

ह./-
(पी. के. साहु)
प्रभारी लेखा अधिकारी

ह./-
(डॉ. एस.पी. दास)
निदेशक

स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
ओलटपुर, पोस्ट-बाइरोइ जिला-कटक - ७५४०१० (ओड़िशा)

31 मार्च 2019 को यथा तुलन पत्र (एसवीनिरतार)

(राशि रुपयों में)

क्र.	कर्पस/ पूंजीनिधि एवं देयताएं	अनुसूची	चालूवर्ष	पूर्ववर्ष
1	कर्पस/केपिटल फंड	1	44,46,19,692.57	40,39,55,754.06
2	रिजर्व एवं सरप्लस	2	30,17,39,599.92	26,57,65,257.26
3	पूर्व निश्चित/अक्षय निधि	3	44,17,20,396.75	38,50,78,620.55
4	सिक्योर्ड ऋण एवं उधारी	4	-	-
5	अनसिक्योर्ड ऋण एवं उधारी	5	-	-
6	डिफर्ड क्रेडिट देयताएं	6	-	-
7	चालू देयतायें और प्रावधान	7	16,17,22,443.63	11,55,54,220.63
	कुल		**1,34,98,02,132.87**	**1,17,03,53,852.50**
	आस्तियां			
1	स्थायी आस्तियां	8	65,41,31,176.32	63,51,33,142.32
2	उद्दिष्ट/अक्षय निधि से निवेश	9	31,65,33,711.00	27,03,74,461.00
3	निवेश - अन्य	10	4,31,61,975.00	6,31,61,975.00
4	चालू आस्तियां - ऋण, अग्रिम आदि	11	33,59,75,270.55	20,16,84,274.18
5	फुटकर व्यय (बट्टाखाते या समायोजन की सीमा तक)			
	कुल		**1,34,98,02,132.87**	**1,17,03,53,852.50**
	महत्वपूर्ण लेखा नीतियां	24		
	कंटिंजेंट देयताएं एवं लेखा पर टिप्पणियां	25		

ह./-
(पी. के. साहु)
प्रभारी लेखा अधिकारी

ह./-
(डॉ. एस.पी. दास)
निदेशक

स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
ओलटपुर, पोस्ट-बाइरोइ जिला-कटक - ७५४०१० (ओड़िशा)

31 मार्च 2019 को यथा तुलन पत्र

(राशि रुपयों में)

क्र.	कर्पस/ पूंजीनिधि एवं देयताएं	अनुसूची	चालूवर्ष	पूर्ववर्ष
1	कर्पस/केपिटल फंड	1	6,00,84,841.39	5,72,29,661.10
2	रिजर्व एवं सरप्लस	2	1,37,15,615.57	1,17,58,451.71
3	पूर्व निश्चित/अक्षय निधि	3	61,08,493.96	78,54,574.96
4	सिक्योर्ड ऋण एवं उधारी	4	-	-
5	अनसिक्योर्ड ऋण एवं उधारी	5	-	-
6	डिफर्ड क्रेडिट देयताएं	6	-	-
7	चालू देयतायें और प्रावधान	7	38,37,530.91	31,38,446.91
	कुल		**8,37,46,481.83**	**8,02,81,134.68**
	आस्तियां			
1	स्थायी आस्तियां	8	3,66,38,087.27	3,44,27,317.27
2	उद्दिष्ट/अक्षय निधि से निवेश	9	35,00,000.00	35,00,000.00
3	निवेश - अन्य	10	-	-
4	चालू आस्तियां - ऋण, अग्रिम आदि	11	4,36,08,394.56	4,23,53,817.41
5	फुटकर व्यय (बट्टाखाते या समायोजन की सीमा तक)		-	-
	कुल		**8,37,46,481.83**	**8,02,81,134.68**
	महत्वपूर्ण लेखा नीतियां	24	(0.00)	(0.00)
	कंटिंजेंट देयताएं एवं लेखा पर टिप्पणियां	25	-	-

ह./-
(पी. के. साहु)
प्रभारी लेखा अधिकारी

ह./-
(डॉ. एस.पी. दास)
निदेशक

स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
ओलटपुर, पोस्ट-बाइरोइ जिला-कटक - ७५४०१० (ओड़िशा)

31 मार्च 2019 को यथा तुलन पत्र

(राशि रुपयों में)

क्र.	कर्पस/ पूंजीनिधि एवं देयताएं	अनुसूची	चालूवर्ष	पूर्ववर्ष
1	कर्पस/केपिटल फंड	1	64,04,377.00	53,69,718.00
2	रिजर्व एवं सरप्लस	2	10,18,006.00	5,96,132.00
3	पूर्व निश्चित/अक्षय निधि	3	20,05,852.00	34,04,869.00
4	सिक्योर्ड ऋण एवं उधारी	4	-	-
5	अनसिक्योर्ड ऋण एवं उधारी	5		
6	डिफर्ड क्रेडिट देयताएं	6	-	-
7	चालू देयतायें और प्रावधान	7	17,02,760.00	16,77,490.00
	कुल		1,11,30,995.00	1,10,48,209.00
	आस्तियां			
1	स्थायी आस्तियां	8	33,08,180.00	23,68,535.00
2	उद्दिष्ट/अक्षय निधि से निवेश	9	-	-
3	निवेश - अन्य	10	14,00,000.00	14,00,000.00
4	चालू आस्तियां - ऋण, अग्रिम आदि	11	64,22,815.00	72,79,674.00
5	फुटकर व्यय (बट्टाखाते या समायोजन की सीमा तक)		-	-
	कुल		1,11,30,995.00	1,10,48,209.00
	महत्वपूर्ण लेखा नीतियां	24	-	-
	कंटिंजेंट देयताएं एवं लेखा पर टिप्पणियां	25	-	-

ह./-
(पी. के. साहु)
प्रभारी लेखा अधिकारी

ह./-
(डॉ. एस.पी. दास)
निदेशक

स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
ओलटपुर, पोस्ट-बाइरोइ जिला-कटक - ७५४०१० (ओड़िशा)

31मार्च 2019 को समाप्त वर्ष के लिए समेकित आय एवं व्यय लेखा

(राशि रुपयों में)

क्र.	आय	अनुसूची	चालूवर्ष	पूर्ववर्ष
1	बिक्रय एवं सेवाओं से आय	12	5,72,79,051.00	5,39,28,726.00
2	अनुदान / सब्सिडी	13	40,32,81,966.00	31,10,54,150.00
3	फीस/सब्सक्रिप्शन	14	1,62,39,640.00	1,80,30,923.00
4	निवेश से आय (उपविष्ट / अक्षयनिधि से अंतरित निधि)	15	-	-
5	रायल्टी, प्रकाशन से आय	16	-	-
6	ब्याज प्राप्त	17	1,21,43,686.35	59,40,229.00
7	अन्य आय	18	8,76,659.30	7,59,727.00
8	तैयार माल के स्टाक में वृद्धि (ह्रास) एवं कार्य प्रगति में	19	-	-
	कुल (A)		**49,18,12,582.65**	**38,87,13,755.00**
क्र.	**व्यय**	**अनुसूची**	**चालूवर्ष**	**पूर्ववर्ष**
1	एस्टाब्लिसमेंट व्यय	20	30,54,22,374.31	25,29,80,532.00
2	अन्य प्रशासनिक व्यय	21	12,57,22,841.02	11,95,37,314.69
3	अनुदान, सब्सिडि आदि पर व्यय	22	-	-
4	ब्याज प्राप्त	23	-	-
5	मूल्य ह्रास	8	3,83,53,380.52	2,88,52,638.40
	कुल (B)		**46,94,98,595.85**	**40,13,88,485.09**
	इतिशेष आय का व्यय से अधिक (A - B)		**2,23,13,986.80**	**(1,16,65,730.09)**
	विशेष रिजर्व को अंतरण (साथ करें)			
	पूर्व अवधि समायोजन		**32,41,757.00**	**(14,95,555.00)**
	इतिशेष सरप्लस / डेफिसिट) को कार्पस /पूंजी निधि को अंतरित		**2,55,55,743.80**	**(1,31,62,285.09)**
	महत्वपूर्ण लेखा-नीतियां	24		
	कंटिजेंट देयताएं एवं लेखा पर टिप्पणियां	25		

ह./-
(पी. के. साहु)
प्रभारी लेखा अधिकारी

ह./-
(डॉ. एस.पी. दास)
निदेशक

स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
ओलटपुर, पोस्ट-बाइरोइ जिला-कटक - ७५४०१० (ओड़िशा)

31मार्च 2019 को समाप्त वर्ष के लिए एसवीनिरतार आय एवं व्यय लेखा

(राशि रुपयों में)

क्र.	आय	अनुसूची	चालूवर्ष	पूर्ववर्ष
1	विक्रय एवं सेवाओं से आय	12	5,64,98,355.00	5,34,04,266.00
2	अनुदान / सब्सिडी	13	38,65,06,866.00	27,53,54,150.00
3	फीस/सब्सक्रिप्शन	14	1,61,75,440.00	1,70,59,923.00
4	निवेश से आय (उद्दिष्ट / अक्षयनिधि से अंतरित निधि)	15	-	-
5	रायल्टी, प्रकाशन से आय	16	-	-
6	ब्याज प्राप्त	17	1,16,28,825.00	52,31,938.00
7	अन्य आय	18	8,30,904.00	7,57,627.00
8	तैयार माल के स्टाक में वृद्धि (ह्रास) एवं कार्य प्रगति में	19	-	-
	कुल (A)		45,16,40,490.00	35,18,07,904.00
	व्यय			
1	एस्टाब्लिसमेंट व्यय	20	28,04,48,396.31	23,17,40,453.00
2	अन्य प्रशासनिक व्यय	21	11,67,93,604.52	11,46,84,841.14
3	अनुदान, सब्सिडि आदि पर व्यय	22	-	-
4	ब्याज प्राप्त	23	-	-
5	मूल्य ह्रास	8	3,59,74,342.66	2,70,10,458.40
	कुल (B)		43,32,16,342.49	37,34,35,752.54
	इतिशेष आय का व्यय से अधिक (A - B)		1,84,24,147.51	(2,16,27,848.54)
	विशेष रिजर्व को अंतरण (स्पष्ट करें)			
	पूर्व अवधि समायोजन		32,41,757.00	(14,95,555.00)
	इतिशेष(सरप्लस / डेफिसिट) को कार्पस /पूंजी निधि को अंतरित		2,16,65,904.51	(2,31,23,403.54)
	महत्वपूर्ण लेखानीतियां	24		
	कंटिंजेंट देयताएं एवं लेखा पर टिप्पणियां	25		

ह./-
(पी. के. साहु)
प्रभारी लेखा अधिकारी

ह./-
(डॉ. एस.पी. दास)
निदेशक

स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
ओलटपुर, पोस्ट-बाइरोइ जिला-कटक - ७५४०१० (ओड़िशा)

एनटिटि का नाम : संयुक्त क्षेत्रीय केंद्र, गुवाहाटी

31मार्च 2019 को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय लेखा

(राशि रुपयों में)

क्र.	आय	अनुसूची	चालूवर्ष	पूर्ववर्ष
1	विक्रय एवं सेवाओं से आय	12	1,04,180.00	1,22,110.00
2	अनुदान / सब्सिडी	13	2,33,75,000.00	2,55,00,000.00
3	फीस/सब्सक्रिप्सन	14	18,18,400.00	8,33,400.00
4	निवेश से आय (उद्दिष्ट / अक्षयनिधि से अंतरित निधि)	15		
5	रायल्टी, प्रकाशन से आय	16		
6	ब्याज प्राप्त	17	3,54,071.35	5,53,273.00
7	अन्य आय	18	45,955.30	2,100.00
8	तैयार माल के स्टाक में वृद्धि (ह्रास) एवं कार्य प्रगति में	19		
	कुल (A)		2,56,97,606.65	2,70,10,883.00
	व्यय			
1	एस्टाब्लिसमेंट व्यय	20	1,46,99,108.00	1,25,31,753.00
2	अन्य प्रशासनिक व्यय	21	61,86,159.50	30,62,680.55
3	अनुदान, सब्सिडि आदि पर व्यय	22		
4	ब्याज प्राप्त	23		
5	मूल्य ह्रास (वर्ष अंत मे अनुलग्नक B के अनुरूप)		19,57,163.86	14,85,049.00
	कुल (B)		2,28,42,426.36	1,70,79,482.55
	इतिशेष आय का व्यय से अधिक (A - B)		28,55,180.29	99,31,400.45
	विशेष रिजर्व को अंतरण (स्पष्ट करें)			
	जेनेराल रिजर्व को / से अंतरण			
	पायर पिरियड आडजस्टमेंट			
	इतिशेष(सरप्लस / डेफिसिट) को कार्पस /पूंजी निधि को अंतरित			
	महत्वपूर्ण लेखानीतियां	24	-	-
	कन्टिंजेंट देयताए एव लेखा पर टिप्पणिया	25	-	-

ह./-
(पी. के. साहु)
प्रभारी लेखा अधिकारी

ह./-
(डॉ. एस.पी. दास)
निदेशक

स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
ओलटपुर, पोस्ट-बाइरोइ जिला-कटक - ७५४०१० (ओड़िशा)

एनटिटि का नाम : संयुक्त क्षेत्रीय केंद्र, राजनंदगांव

31मार्च 2019 को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय लेखा

(राशि रुपयों में)

क्र.	आय	अनुसूची	चालूवर्ष	पूर्ववर्ष
1	विक्रय एवं सेवाओं से आय	12	6,78,516.00	4,02,350.00
2	अनुदान / सब्सिडी	13	1,34,00,000.00	1,02,00,000.00
3	फीस/सब्सक्रिप्शन	14	2,37,000.00	1,37,600.00
4	निवेश से आय (उद्दिष्ट / अक्षयनिधि से अंतरित निधि)	15		
5	रायल्टी, प्रकाशन से आय	16		
6	ब्याज प्राप्त	17	1,60,970.00	1,65,018.00
7	अन्य आय	18	-	-
8	तैयार माल के स्टाक मे वृद्धि (ह्रास) एवं कार्य प्रगति में	19		
	कुल (A)		1,44,74,486.00	1,08,94,968.00
	व्यय			
1	एस्टाब्लिसमेंट व्यय	20	1,02,74,876.00	87,18,326.00
2	अन्य प्रशासनिक व्यय	21	27,43,077.00	17,89,793.00
3	अनुदान सब्सिडि आदि पर व्यय	22		
4	ब्याज प्राप्त	23		
5	मूल्य ह्रास (वर्ष अंत में अनुलग्नक B के अनुरूप)		4,21,874.00	3,67,131.00
	कुल (B)		1,34,39,827.00	1,08,65,250.00
	अतिशेष आय का व्यय से अधिक (A - B)		10,34,659.00	29,718.00
	विशेष रिजर्व को अंतरण (स्पष्ट करें)			
	अंतरण में /सामान्य रिजर्व से			
	पूर्व अवधि समायोजन		-	-
	अतिशेष(सरप्लस / डेफिसिट) को कार्पस /पूंजी निधि को अंतरित		10,34,659.00	29,718.00
	महत्वपूर्ण लेखानीतियां	24	-	-
	कंटिंजेंट देयताएं एवं लेखा पर टिप्पणियां	25	-	-

ह./-
(पी. के. साहु)
प्रभारी लेखा अधिकारी

ह./-
(डॉ. एस.पी. दास)
निदेशक

स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
ओलटपुर, पोस्ट-बाइरोइ जिला-कटक - ७५४०१० (ओड़िशा)

वित्तीय विवरण प्रपत्र (गैर-लाभ संगठन)

31st मार्च 2019 को समाप्त वर्ष के लिए समेकित प्राप्ति एवं भुगतान

क्र.	प्राप्तियां	चालूवर्ष	पूर्ववर्ष	क्र.	भुगतान	चालूवर्ष	पूर्ववर्ष
I	प्रारंभिक इतिशेष			I	व्यय		
a)	हाथ में नगदी	77,246.00	90,751.00	a)	स्थापना व्यय	8,44,75,479.31	4,02,37,913.00
b)	बैंक में नगदी	-	-	b)	प्रशासनिक व्यय	8,31,07,919.00	7,11,58,154.69
i	बचत खाता में	19,70,46,302.34	9,08,11,318.03	ii	विभिन्न परियोजना गत भुगतान	15,78,47,648.70	15,53,54,806.00
ii	चालू खाता में	-	-	III	निवेश एवं जमा		
iii	जमा खाता में	-	-	a)	उद्दिष्ट / अक्षयनिधि से	3,94,71,126.00	2,64,26,918.00
II	अनुदान प्राप्त			b)	अपनी निधि से	-	-
a)	पूंजी व्यय के लिए			IV	स्थायी परिसंपत्ति व पूंजी WIP पे व्यय		
i	भारत सरकार से	3,67,75,000.00	2,61,55,891.00	a)	स्थायी संपत्ति का क्रय	4,36,50,201.00	6,01,00,886.00
ii	अनुदान प्राप्त (आई बी खाता -5824 - प्लान)			b)	कार्य प्रगति पूंजी व्यय		
iii	अन्य स्रोतों से	10,14,700.00	2,95,56,641.00	V	अप्रयुक्त धन / ऋण रिफंड		
b)	रेविन्यु व्यय के लिए			a)	भारत सरकार को(हैद्राबाद NIMHको अंतरण)		
i	भारत सरकार से	40,51,00,000.00	32,27,50,000.00	b)	राज्य सरकार को	-	-
ii	राज्य सरकार से	-	-	c)	अन्य धन प्रदाताओं को	-	-
iii	अन्य स्रोतों से (RCI)	-	1,02,00,000.00	VI	वित्त अधिभार (ब्याज आदि)		
III	निवेश पर आय			VII	अन्य भुगतान (स्पष्ट करें)	31,40,00,653.00	30,35,63,279.00
				VIII	अंत इतिशेष		
a)	उद्दिष्ट अक्षय निधि से	-	21,00,000.00	a)	हाथ में नगद	60,331.00	77,246.00
b)	अपनी निधि से (अन्य निवेश)	-	-	b)	बैंक में नगद		
IV	ब्याज प्राप्त			i	बचत खाता में	31,13,13,299.39	19,70,46,302.34
a)	बैंक जमा पर	4,60,539.35	7,02,523.00	ii	चालू खाता में	-	-
b)	ऋण, अग्रिम			iii	जमा खाता में	1,00,00,000.00	
V	अन्य आय (स्पष्ट करें)	3,99,77,996.00	3,15,26,000.00				
VI	उधार राशि	4,12,646.00					
VII	अन्य प्राप्ति (विवरण दें)	36,29,62,127.70	33,40,72,279.00				
	कुल	1,04,38,26,557.39	85,39,65,504.03		कुल	1,04,38,26,557.39	85,39,65,504.03

ह./-
(पी. के. साहु)
प्रभारी लेखा अधिकारी

ह./-
(डॉ. एस.पी. दास)
निदेशक

स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
ओलटपुर, पोस्ट-बाइरोइ जिला-कटक - ७५४०१० (ओड़िशा)

वित्तीय विवरण प्रपत्र (गैर-लाभ संगठन)

31st मार्च 2019 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्ति एवं भुगतान (एसवीनिरतार)

(Amount in Rupees)

क्र.	प्राप्तियां	चालूवर्ष	पूर्ववर्ष	क्र.	भुगतान	चालूवर्ष	पूर्ववर्ष
I	**प्रारंभिक इतिशेष**			I	व्यय		
a)	हाथ में नगदी	40,764.00	40,084.00	a)	स्थापना व्यय	6,89,66,245.31	2,78,35,182.00
b)	बैंक में नगदी	-	-	b)	प्रशासनिक व्यय	7,84,66,134.50	6,67,70,484.14
i	बचत खाता में	17,77,73,596.63	7,69,05,229.77	II	**विभिन्न परियोजना गत भुगतान**	15,78,47,648.70	15,63,54,806.00
i	चालू खाता में			III	**निवेश एवं जमा**		
ii	जमा खाता में	-	-	a)	उद्दिष्ट / अक्षयनिधि से	8,60,00,000.00	2,30,00,000.00
II	**अनुदान प्राप्त**			b)	अपनी निधि से	-	-
a)	पूंजी व्यय के लिए			IV	**स्थायी परिसंपत्ति व पूंजी WIP से व्यय**		
i	भारत सरकार से	-	-	a)	स्थायी संपत्ति का क्रय	4,03,99,786.00	5,85,80,636.00
i	अनुदान प्राप्त (आई बी खाता -5624 - प्लान)			b)	कार्य प्रगति पूंजी व्यय	-	-
ii	अन्य स्रोतों से	-	2,88,27,100.00	V	सरप्लस धन / ऋण रिफंड		
b)	रेवेन्यु व्यय के लिए			a)	भारत सरकार को(हैदराबाद NIMH को अंतरण)		
i	भारत सरकार से	40,51,00,000.00	32,27,50,000.00	b)	राज्य सरकार को	-	-
i	राज्य सरकार से	-	-	c)	अन्य धन प्रदाताओं को	-	-
ii	अन्य स्रोतों से (RCI)	-	1,02,00,000.00	VI	वित्त अधिभार (ब्याज आदि)		
III	**निवेश पर आय**			VII	अन्य भुगतान (स्पष्ट करें)	29,41,88,772.00	27,98,01,929.00
				VIII	अंत इतिशेष		
a)	उद्दिष्ट अक्षय निधि से			a)	हाथ में नगद	32,019.00	40,764.00
b)	अपनी निधि से (अन्य निवेश)	-	-	b)	बैंक में नगद		
IV	ब्याज प्राप्त			i	बचत खाता में	29,41,48,[illegible]	17,77,73,[illegible]
a)	बैंक जमा पर	-	-	i	चालू खाता में	-	-
b)	ऋण, अग्रिम	-	-	ii	जमा खाता में	1,00,00,000.00	-
V	**अन्य आय (स्पष्ट करें)**	3,81,32,166.00	3,06,33,590.00				
VI	**उधार राशि**						
VII	**अन्य प्राप्ति (विवरण दें)**	36,89,92,381.40	31,94,00,794.00				
Sd/-	कुल	98,00,46,908.03	78,87,65,407.77		कुल	98,00,46,908.03	78,87,65,407.77

ह./-
(पी. के. साहू)
प्रभारी लेखा अधिकारी

ह./-
(डॉ. एस.पी. दास)
निदेशक

स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
ओलटपुर, पोस्ट-बाइरोइ जिला-कटक - ७५४०१० (ओड़िशा)

वित्तीय विवरण प्रपत्र (गैर-लाभ संगठन)

एनदिदि का नाम : संयुक्त क्षेत्रीय केंद्र, गुवाहाटी

31st मार्च 2019 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्ति एवं भुगतान लेखा

प्राप्तियां	चालूवर्ष	पूर्ववर्ष
I. आरंभिक शेष		
(a) हाथ में नकद	27,832.00	35,432.00
(b) बैंक शेष		
(i) चालू खाता	-	-
(ii) जमा खाता	-	-
(iii) बचत खाता	1,34,94,919.71	1,52,82,682.26
II. अनुदान प्राप्त		
(a) भारत सरकार से	2,33,75,000.00	2,55,00,000.00
(b) राज्य सरकार से	-	-
(c) अन्य स्रोत से (ब्यौरा दें)	-	-
(पूंजी व राजस्व व्यय हेतु अनुदान पृथक)		
III. निवेश पर आय से		
(a) चिह्नित/अक्षय निधि	-	-
(b) अपनी निधि (अन्य निवेश)	-	-
एस.बी.आई. ...		
IV. प्राप्त ब्याज		
(a) बैंक जमा पर	-	-
i) ...	-	-
ii) एस.बी. खाता	4,60,539.35	7,02,523.00
(b) ऋण, अग्रिम आदि	-	-
V. अन्य आय (स्पष्ट करें)		
अनुसूची ...	18,45,830.00	8,92,410.00
VI. उधार ली गई राशि		
...	4,12,646.00	-
VII. अन्य प्राप्ति (विवरण दें)	1,44,898.30	32,43,986.00
कुल	3,97,81,665.36	4,56,57,033.26

भुगतान	चालूवर्ष	पूर्ववर्ष
I. व्यय		
(a) स्थापना व्यय	1,38,55,402.00	1,19,86,881.00
(b) ...	-	-
(c) प्रशासनिक व्यय	27,25,672.50	27,85,699.56
II. विभिन्न परियोजनाओं के लिए भुगतान		
...	-	-
III. निवेश एवं जमा किया		
(a) चिह्नित/अक्षय निधि	44,71,126.00	34,26,918.00
(b) अपनी निधि (अन्य निवेश)		
IV. स्थायी परिसंपत्ति व पूंजी कार्य प्रगति पर व्यय		
(a) स्थायी संपत्ति का क्रय	22,10,770.00	6,86,070.00
(b) पूंजी कार्य प्रगति पर व्यय		
V. अधिशेष राशि/ऋण वापसी		
(a) भारत सरकार को		
(b) राज्य सरकार को	-	-
(c) अन्य निधि प्रदाताओं को	-	-
(d) ...	-	-
VI. वित्तीय प्रभार (ब्याज)		
(a) अन्य	-	-
VII. अन्य भुगतान (स्पष्ट करें)		
(a) ऋण एवं अग्रिम	14,64,676.00	1,03,07,222.00
(b) अन्य	19,94,843.00	29,41,511.00
VIII. अंतिम शेष		
(a) हाथ में नकद	28,312.00	27,832.00
(b) बैंक शेष		
(i) चालू खाता		
(ii) जमा खाता		
(iii) बचत खाता	1,30,10,863.86	1,34,94,919.71
कुल	3,97,81,665.36	4,56,57,033.26

ह./-
(पी. के. साहु)
प्रभारी लेखा अधिकारी

ह./-
(डॉ. एस.पी. दास)
निदेशक

स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
ओलटपुर, पोस्ट-बाइरोइ जिला-कटक - ७५४०१० (ओड़िशा)

वित्तीय विवरण प्रपत्र (गैर-लाभ संगठन)

एनटिटि का नाम : संयुक्त क्षेत्रीय केंद्र, राजनांदगांव

31st मार्च 2019 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्ति एवं भुगतान लेखा

प्राप्तियां	चालूवर्ष	पूर्ववर्ष	भुगतान	चालूवर्ष	पूर्ववर्ष
I. आरंभिक शेष			I. व्यय		
(a) हाथ में नकद	650.00	6,625.00	स्थापना व्यय		
(b) बैंक बैलेंस			(a) [illegible]	6,53,832.00	6,15,880.00
(i) [illegible]			(b) वेतन एवं मजदूरी	-	0.00
इंडियन बैंक खाता न 6304579396	37,00,615.00	14,65,944.00	कुल स्थापना व्यय	6,53,832.00	6,15,880.00
इंडियन बैंक - ई टी आई पी खाता न 6490153395	14,53,410.00	31,57,483.00	प्रशासनिक व्यय		
[illegible] बैंक खाता 16587284987	6,23,561.00				
Total (I)	57,78,436.00	46,30,002.00	(a) [illegible]	3,897.00	69,465.00
II. अनुदान प्राप्त			(b) बैंक चार्जेस	10,749.00	4,144.00
[illegible]	-	6,23,591.00	(c) [illegible]	1,21,252.00	92,900.00
आर.सी.आई. [illegible]	-	32,400.00	(d) बिजली चार्जेस	3,34,597.00	1,03,670.00
GIA	1,34,00,000.00		(e) [illegible]	2,880.00	2,157.00
Total (II)	1,34,00,000.00	6,55,991.00	(f) [illegible]	72,594.00	2,36,120.00
III. निवेश पर आय से			(g) मरम्मत एवं रखरखाव (अन्य)	47,707.00	11,471.00
(a) [illegible]	-	-	(h) मरम्मत एवं रखरखाव (भवन)	2,43,410.00	43,240.00
(b) [illegible]	-	21,00,000.00	(i) [illegible]	0.00	17,607.00
Total (III)	0.00	21,00,000.00	(j) टेलीफोन व्यय	15,707.00	14,271.00
IV. ब्याज प्राप्त			(k) [illegible]	1,58,949.00	1,67,359.00
(a) बैंक जमा पर			(l) यात्रा खर्च	4,31,265.00	3,17,215.00
i) एफ डी आर	-	42,265.00	(m) [illegible]	95,451.00	62,681.00
ii) [illegible]	93,684.00	1,47,326.00	(n) [illegible]	0.00	6,280.00
(b) ऋण, अग्रिम आदि	-	-	(o) [illegible]	26,295.00	23,190.00
Total (IV)	93,684.00	1,89,591.00	(p) ऑडिट फी	38,850.00	38,850.00
			(q) [illegible]	12,796.00	9,779.00
			(r) [illegible]	24,450.00	3,18,628.00
V. अन्य आय (स्पष्ट करें)			(s) [illegible]	2,00,887.00	40,888.00
[illegible]	1,52,268.00	81,850.00	(t) [illegible]	74,406.00	
[illegible]	2,37,000.00	1,37,600.00	कुल प्रशासनिक व्यय	18,16,112.00	16,01,971.00
[illegible] की आय	5,31,750.00	3,20,500.00			
Total (V)	9,21,018.00	5,39,950.00	II. विभिन्न परियोजना के लिए भुगतान		

ह./-
(पी. के. साहु)
प्रभारी लेखा अधिकारी

ह./-
(डॉ. एस.पी. दास)
निदेशक

स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
ओलटपुर, पोस्ट-बाइरोइ जिला-कटक - ७५४०१० (ओड़िशा)

			(नकद प्राप्ति के लिए, भुगतान विवरण सहित परियोजना का नाम दें)		
VI. उधार ली गई राशि			III. निवेश एवं जमा किया		
[illegible]	-	-	(a) एफ.डी.आर. [illegible] इंडिया बैंक	-	0.00
			IV. स्थायी संपत्ति व पूंजी कार्य प्रगति में पर व्यय		
VII. अन्य प्राप्ति			(a) स्थायी संपत्ति की क्रय		
[illegible]	[illegible]	23,231.00	(a) [illegible]	0.00	33,858.00
बिल [illegible]	11,628.00	-	(b) [illegible] उपकरण	36,930.00	3,88,822.00
[illegible]	3,885.00	51,983.00	(c) [illegible]	91,000.00	1,09,543.00
[illegible]	1,98,885.00	1,34,028.00	(d) [illegible]	3,04,940.00	58,817.00
[illegible]	0.00	8,17,458.00	(e) [illegible]	2,833.00	2,19,740.00
[illegible] ब्याज	0.00	518.00	(f) [illegible] उपकरण	17,938.00	12,401.00
[illegible]	0.00	18,052.00	(g) [illegible]	62,600.00	0.00
[illegible]	31,00,000.00	23,50,000.00	(h) [illegible]	65,000.00	0.00
[illegible]	2,66,672.00	44,458.00	(i) [illegible]	1,60,185.00	0.00
			[illegible]	40,407.00	
			[illegible]	49,600.00	
			[illegible]	10,654.00	
			[illegible]	81,640.00	
			[illegible]	33,520.00	
[illegible]	1,35,707.00	1,59,314.00	Total (IV)	8,39,845.00	8,34,179.00
[illegible]	0.00	77,97,556.00			
[illegible]	22,000.00	30,000.00	V. [illegible] राशि/ऋण [illegible]		
[illegible]	63,479.00		(a) भारत सरकार को	-	-
Total (VII)	36,24,048.00	1,14,27,499.00	(b) राज्य सरकार को	-	-
			(c) अन्य निधि उपलब्ध कराने वाले (आर.सी.आई.)	-	-
			(d) पूर्व कर्मचारी (जी.पी.एफ. अंतरण)		
			Total (V)	-	-
			VI. वित्तीय प्रभार (ब्याज)		
			(a) अन्य	-	-
			VII. अन्य भुगतान (स्पष्ट करें)		
			(a) [illegible]	10,54,372.00	3,21,092.00
			(b) वेतन एवं भत्ता	79,82,132.00	72,92,228.00
			(c) [illegible]	12,96,128.00	7,79,729.00
			(d) टी.डी.एस. [illegible]	35,070.00	21,524.00

ह./-
(पी. के. साहु)
प्रभारी लेखा अधिकारी

ह./-
(डॉ. एस.पी. दास)
निदेशक

			(e) प्रोफेशनल टी.डी.एस.	5,180.00	63,500.00
			(f) टी.डी.एस. ऑन वेतन	2,10,355.00	1,40,038.00
			(g) बाह्य क्रेडिटर्स	8,70,544.00	16,31,595.00
			(h) ई.एम.डी	4,59,635.00	
			(i) बिल्स पेबल	1,39,424.00	94,783.00
			(j) ए.डी.डी. आलिम्को- कानपुर को अग्रिम	5,80,568.00	3,38,127.00
			(k) उद्दिष्ट अनुदान निधि	0.00	30,003.00
			बाबे अथवानो एसबोनिटलार	31,00,000.00	
			सुरक्षा वैद्युतिक	57,000.00	
			छात्रों का पंजीकरण फीस	7,500.00	
			अतिथि वक्ताओं को पारिश्रमिक	1,39,800.00	
			प्रशिक्षण व्यय (प्रोग्राम)	4,14,553.00	
			Total (VII)	1,63,52,262.00	1,07,12,617.00
			VIII) उद्दिष्ट अनुदान निधि		
			एडीप		
			यंत्र एवं उपकरण		
			VIII. अंतिम शेष		
			(a) हाथ में नकद	0.00	668.00
			(b) बैंक शेष		
			(I) बचत खाता		
			इंडियन बैंक खाता नं 6304579398	40,77,980.00	37,00,815.00
			इंडियन बैंक - ए डी आई पी खाता नं 6490153395	68,934.00	14,53,410.00
			इंडियन बैंक - ए.पी आई पी खाता नं.6587284687	9,219.00	6,23,561.00
कुल	2,40,17,984.00	1,95,43,063.00		2,40,17,984.00	1,95,43,063.00

ह./-
(पी. के. साहु)
प्रभारी लेखा अधिकारी

ह./-
(डॉ. एस.पी. दास)
निदेशक

स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
ओलटपुर, पोस्ट-बाइरोइ जिला-कटक - ७५४०१० (ओड़िशा)

(राशि रुपयों में)

क्र.	विवरण	चालू वर्ष Rs.	चालू वर्ष Rs.	पूर्व वर्ष Rs.	पूर्व वर्ष Rs.
	अनुसूची - 1 कार्पस / पूंजी निधि (अनुलग्नक के अनुसार)				
	वर्षारंभ में इतिशेष		40,39,55,754.06		37,62,63,377.60
	जोड़ : कार्पस / पूंजी निधि में योग		1,99,98,034.00		5,08,15,780.00
	जोड़ : वैज्ञानिक मूल्यांकन के लिए बनाए गए संचयन प्रावधान		-		0.00
	जोड़ /घटाव : निवल आय (व्यय) का इतिशेष		2,16,65,904.51		(2,31,23,403.54)
	आय व्यय लेखा से अंतरित 31 मार्च 2018 को इतिशेष		**44,46,19,692.57**		**40,39,55,754.06**
	पूंजी निधि सी.आर.सी. गुवाहाटी		**6,00,84,841.39**		**5,72,29,661.10**
	पूंजी निधि - सी.आर.सी. राजनंदगांव		**64,04,377.00**		**53,69,718.00**
	कुल पूंजी निधि		**51,11,08,910.96**		**46,65,55,133.16**
	अनुसूची - 2 रिजर्व एवं सरप्लस				
1	पूंजी रिजर्व				
	पिछले लेखा के अनुसार	15,000.00		15,000.00	
	वर्ष में जोड़	-		-	
	वर्ष में घटाव		15,000.00		15,000.00
2	रिजर्व पुनः मूल्यांकन				
	पिछले लेखा के अनुसार				
	वर्ष में जोड़				
	वर्ष में घटाव				
3	विशेष रिजर्व				
	पिछले लेखा के अनुसार (मूल्यह्रास रिजर्व)	26,57,50,257.26		23,87,39,798.86	
	वर्ष में जोड़	3,59,74,342.66		2,70,10,458.40	
	वर्ष में घटाव	-	30,17,24,599.92	-	26,57,50,257.26
4	सामान्य रिजर्व				
	पिछले लेखा के अनुसार				
	वर्ष में जोड़				
	वर्ष में घटाव				
	कुल एस. वी. निरतार		**30,17,39,599.92**		**26,57,65,257.26**
5	रिजर्व एवं सरप्लस – सी.आर.सी., गुवाहाटी	1,37,15,615.57	1,37,15,615.57	1,17,58,451.71	1,17,58,451.71
6	रिजर्व एवं सरप्लस – सी.आर.सी., राजनंदगांव	10,18,006.00	10,18,006.00	5,96,132.00	5,96,132.00
	कुल रिजर्व एवं सरप्लस		**31,64,73,221.49**		**27,81,19,840.97**

ह./-
(पी. के. साहु)
प्रभारी लेखा अधिकारी

ह./-
(डॉ. एस.पी. दास)
निदेशक

स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
ओलटपुर, पोस्ट-बाइरोइ जिला-कटक - ७५४०१० (ओड़िशा)

DETAILS OF EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS
SCHEDULES FORMING PART OF THE BALANCE SHEET AS ON 31ST MARCH 2019

SCHEDULE - 3.1: EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS

(Amount in Rupees)

Sl. No.	Details	FUND-WISE BREAK UP											TOTAL	
		ADIP A/c	AK & BK Prosthetis	WHO	RECL-CBR	ATRH	ADMALCO	BPDA		MOSPF		LRP UNIT	Current Year	Previous Year
a)	Opening Balance as on 01.04.18	1,13,52,185.00	5,48,125.52	83,517.91	4,18,452.00	2,54,043.60	1,38,52,595.00	2,20,464.00	328.00	14,88,90,130.00		17,00,000.00	17,68,04,845.43	14,25,64,371.43
b)	Additions to the Funds:												-	-
i	Donations/Grants	4,98,67,000.00			-		1,38,32,581.29	-	5,31,66,000.00		18,33,686.09		13,92,69,267.29	8,35,37,861.00
ii	Income from investments made on account of funds - Interest	7,64,415.00	-			-				1,14,77,650.00			1,22,32,065.00	34,46,628.00
iii	Other additions (Specify nature)	-		-						4,27,53,473.00			4,27,53,473.00	3,88,04,679.00
iv	Interest Chargeable			-	1,03,900.00		2,19,335.00	3,221.00	41,813.00		6,919.09		3,75,188.00	5,671.00
v	Sale of Aids/Appliances						-	-						
	Sub Total (a+b)	6,20,83,600.00	5,48,125.52	83,517.91	5,22,352.00	2,54,043.00	2,73,84,481.29	2,23,685.00	5,32,08,141.00	24,29,26,250.00	18,40,605.09	17,00,000.00	37,05,34,808.82	26,72,58,210.43
c)	Utilisation/Expenditure towards objectives of Funds												-	-
	Capital Expenditure:						-	-					-	-
i	Cost of Aids & Appliances & Others	4,17,98,603.00	-	-	-	-			-	-		-	4,17,98,605.00	4,15,81,875.00
	Interest Chargeable on PF Account	-	-	-	-	-			-	-		-	-	8,830.00
	Fixed Assets	-	-	-	-	-	2,70,78,449.00		5,31,66,000.00	-	16,21,861.00	-	8,18,66,310.00	1,89,65,717.00
	Sub Total (c-i)	4,17,98,603.00	-	-	-	-	2,70,78,449.00	-	5,31,66,000.00	-	16,21,861.00	-	12,36,64,913.00	6,05,16,422.00
	Revenue Expenditure:													
ii	GPF Advance	-	-	-	-	-	-		-	14,53,885.00		-	14,53,885.00	12,30,179.00
	TA to Patients/Advance	78,380.00	-	-	-	-	-		-	-		-	78,380.00	88,180.00
	Expenditure incurred(withdrawal)	-		-	-	-		2,23,685.00	-	2,70,72,642.00		-	2,72,96,327.00	2,85,13,685.00
	Sub Total (c-ii)	78,380.00	-	-	-	-	-	2,23,685.00	-	2,85,26,527.00		-	2,88,28,592.00	2,98,38,043.00
	Sub Total (c-i+c-ii)	4,18,76,983.00	-	-	-	-	2,70,78,449.00	2,23,685.00	5,31,66,000.00	2,85,26,527.00	16,21,861.00	-	15,24,93,505.00	9,03,54,465.00
	Net Balance as on 31.03.2019	4,01,85,617.00	5,48,125.52	83,517.91	5,22,352.00	2,54,043.00	3,06,032.29	-	42,141.00	17,43,99,731.00	18,744.00	17,00,000.00	21,80,41,303.53	17,69,04,845.43
	Earmarked Endowment Fund - SBI Guwahati	-	-	-	-	-	-	-	-	-		-	51,05,493.95	75,54,374.95
	Earmarked Endowment Fund, CRC Rajnandgaon	-	-	-	-	-	-	-	-	-		-	30,05,052.90	34,04,899.00
	Total Endowment Fund	4,01,85,617.00	5,48,125.52	83,517.91	5,22,352.00	2,54,043.00	3,06,032.29	-	42,141.00	17,43,99,731.00		17,00,000.00	22,61,75,849.38	18,81,84,289.39

ह./-
(पी. के. साहु)
प्रभारी लेखा अधिकारी

ह./-
(डॉ. एस.पी. दास)
निदेशक

स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
ओलटपुर, पोस्ट-बाइरोइ जिला-कटक - ७५४०१० (ओड़िशा)

DETAILS OF EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS

SCHEDULES FORMING PART OF THE BALANCE SHEET AS ON 31st March 2019

अनुसूची - 3.2 उद्दिष्ट /अक्षय निधि कार्पस फंड

क्र.	विवरण	सेवा निवृत्ती निधी				
		पेंशन फंड	ग्रेच्युटी फंड	छुट्टी के वेतन फंड	कुल	
					चालुवर्ष	पूर्ववर्ष
a)	प्रारंभिक आदिशेष 1.4.18 को	15,88,28,738.04	2,52,91,268.52	2,40,53,768.56	20,81,73,775.12	21,00,25,292.12
b)	वर्ष में प्राप्त				-	-
i	भारत सरकार से अनुदान	2,25,00,000.00	-	-	2,25,00,000.00	-
ii	निधियों के लेखा व्यय पर निवेश से आय	5,22,67,446.00	-	-	5,22,67,446.00	6,30,10,005.00
iii	संस्थान से प्राप्त निधियां (पिछली सेवा में अंशदान)		-	-	-	-
iv	2017-18 के प्रावधान पर प्राप्त निधि	-	-	-	-	-
v	2017-18 को प्रावधान पर प्राप्त निधि				-	-
	उप योग (a + b)	**23,35,96,184.04**	**2,52,91,268.52**	**2,40,53,768.56**	**28,29,41,221.12**	**27,30,35,297.12**
c)	उपयोग/व्यय निधियों के लक्ष्य के प्रति					
i	पेंशन/ग्रेच्युटी/छुट्टी के वेतन का व्यय	5,92,82,128.00			5,92,82,128.00	6,05,46,145.00
ii	निधियों का अंतरण	-	-	-	-	-
iii	वित्त प्रभार	-	-	-	-	-
iv	अन्य	-	-	-	-	43,15,377.00
	उप योग (c)	**5,92,82,128.00**	**-**	**-**	**5,92,82,128.00**	**6,48,61,522.00**
	31.3.2019 को कुल इतिशेष (a+b+c)	**17,43,14,056.04**	**2,52,91,268.52**	**2,40,53,768.56**	**22,36,59,093.12**	**20,81,73,775.12**

ह./-
(पी. के. साहु)
प्रभारी लेखा अधिकारी

ह./-
(डॉ. एस.पी. दास)
निदेशक

क्र.	विवरण	चालू वर्ष		पूर्व वर्ष	
		Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
SCHEDULE 4 - सिक्योर्ड ऋण एवं उधार					
1	केंद्र सरकार				
2	राज्य सरकार				
3	वित्तीय संस्था				
4 a)	अवधि ऋण				
	- ब्याज हुआ एवं देय				
b)	अन्य ऋण				
	- ब्याज हुआ एवं देय				
5	अन्य संस्था एवं एजेंसियां				
6	डिबेंचर एवं बांड				
7	अन्य				
	कुल				
	टिप्पणी : राशि एक वर्ष में देय				
SCHEDULE 5 - अनसिक्योर्ड ऋण एवं उधार					
1	केंद्र सरकार				
2	राज्य सरकार				
3	वित्तीय संस्था				
4 a)	अवधि ऋण				
	- ब्याज हुआ एवं देय				
b)	अन्य ऋण				
	- ब्याज हुआ एवं देय				
5	अन्य संस्था एवं एजेंसियां				
6	डिबेंचर एवं बांड				
7	अन्य				
	कुल				
	टिप्पणी : राशि एक वर्ष में देय				

ह./-
(पी. के. साहु)
प्रभारी लेखा अधिकारी

ह./-
(डॉ. एस.पी. दास)
निदेशक

क्र.	विवरण	चालू वर्ष Rs.	चालू वर्ष Rs.	पूर्व वर्ष Rs.	पूर्व वर्ष Rs.
SCHEDULE 6 - आस्थगित क्रेडिट देयताएं					
a)	पूंजी संपत्र एवं अन्य के आड़मान से सिक्यूर्ड स्वीकृत परिसंपत्ति				
b)	अन्य				
	Total				
	टिप्पणी : एक वर्ष में ड्यू राशि				
SCHEDULE 7 - अन सिक्योर्ड ऋण एवं उधार					
A	चालू देयताएं				
1	स्वीकृति				
2	फुटकर देनदार				
	a) माल के	6,77,727.33		6,77,727.33	
	b) अन्य	2,00,09,472.00	2,06,87,199.33	1,83,88,487.00	1,90,66,214.33
3	अग्रिम प्राप्त		1,53,10,500.00		1,75,28,000.00
4	ब्याज एक्रुड पर ड्यू				
	a) सिक्योर्ड ऋण / उधार पर				
	b) अनसिक्योर्ड ऋण / उधार पर				
5	सांविधिक देयताएं				
	a) ओवरड्यू				
	b) अन्य	48,55,557.00	48,55,557.00	42,88,543.00	42,88,543.00
6	अन्य चालू देयताएं		12,10,69,187.30		7,48,92,463.30
	Sub Total (A)		**16,17,22,443.63**		**11,55,54,220.63**
7	चालू देयताएं – सी.आर.सी., गुवाहाटी		38,37,630.91		34,38,446.91
7	चालू देयताएं – सी.आर.सी., राजनंदगांव		17,02,760.00		16,77,490.00
	कुल चालू देयताएं		**16,72,62,734.54**		**12,06,70,157.54**
B	प्रावधान				
1	कर के लिए				
2	ग्रेच्युटी : संचित प्रावधान (31.3.2016 तक)				
3	ग्रेच्युटी : ग्रेच्युटी का प्रावधान (2015-16)				
4	छुट्टी का वेतन : संचित प्रावधान (31.3.2016 तक)				
5	छुट्टी का वेतन : प्रावधान (2015-16)				
6	छुट्टी का वेतन : प्रावधान का अवशेष (31.3.2016 तक)		-		-
7	वाणिज्य वारंटी / क्लेम				
8	अन्य : कार्यस निधि हेतु प्रावधान				
	Sub Total (B)		-		-
	Total (A + B)		**16,17,22,443.63**		**11,55,54,220.63**

ह./-
(पी. के. साहु)
प्रभारी लेखा अधिकारी

ह./-
(डॉ. एस.पी. दास)
निदेशक

स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
ओलटपुर, पोस्ट-बाइरोइ जिला-कटक - ७५४०१० (ओड़िशा)

SCHEDULE - [illegible]

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH 2019

Sl. No.	DESCRIPTION OF ITEMS	GROSS BLOCK: Cost/Valuation as at 01.04.2018	Additions during the year	Deduction during the year	Cost/Valuation as at 31.03.2019	DEPRECIATION BLOCK: Opening as at 01.04.2018	Rate of Depn.	During the year	Adjustment/ Deduction	Total upto end of the year 31.03.2019	NET BLOCK: As at 31.03.2019
1	2	3	4	5	6 (3+4-5)	7	8	9	10	11 (7+9-10)	12 (6-11)
1	स्थायी परिसम्पत्ति										
1	भूमि										
a)	फ्री होल्ड भूमि										
	भूमि	[illegible]	-	-	[illegible]	-	0.00%	-		-	[illegible]
	भवन निर्माण	[illegible]	-	-	[illegible]	-	0.00%	-		-	[illegible]
b)	लीज होल्ड भूमि	-	-	-	-	-	0.00%	-		-	-
	Sub Total (A)	[illegible]	-	-	[illegible]	-	-	-	-	-	[illegible]
2	[illegible]										
a)	[illegible]										
	[illegible]	[illegible]	-	-	[illegible]	[illegible]	10.00%	[illegible]	-	[illegible]	[illegible]
	[illegible]	[illegible]	-	-	[illegible]	[illegible]	5.00%	[illegible]		[illegible]	[illegible]
	[illegible]	[illegible]			[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]
	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]
	[illegible]	[illegible]	-	-	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]
	[illegible]	[illegible]	-	-	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	-	[illegible]	[illegible]
	[illegible]	[illegible]	-	-	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	-	[illegible]	[illegible]
	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]
	[illegible]	[illegible]			[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]
	[illegible]	[illegible]	-	-	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]
	[illegible]	[illegible]	-	-	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]
	[illegible]	[illegible]	-	-	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]
	[illegible]	[illegible]			[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]
	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]
	[illegible]	[illegible]	-	-	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]
	[illegible]	[illegible]	-	-	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]
	[illegible]	[illegible]	-	-	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]
	[illegible]	[illegible]			[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]
	[illegible]	[illegible]			[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]
	[illegible]	[illegible]	-	-	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]
	[illegible]	[illegible]	-	-	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]
	[illegible]	[illegible]	-	-	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]
	[illegible]	[illegible]	-	-	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]
	[illegible]	[illegible]			[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]
	[illegible]	[illegible]			[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]
	[illegible]	[illegible]			[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]
	[illegible]	[illegible]	-	-	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]
	[illegible]	[illegible]	-	-	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]
	[illegible]	[illegible]	-	-	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]
	[illegible]	[illegible]			[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]
	[illegible]	[illegible]			[illegible]	[illegible]	[illegible]			[illegible]	
	[illegible]	[illegible]	-	-	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]
	[illegible]	[illegible]	-	-	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]
	[illegible]	[illegible]	[illegible]	-	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]
	[illegible]	[illegible]			[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]
	[illegible]	[illegible]			[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]
	[illegible]		[illegible]	-	[illegible]	-	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]
c)	[illegible]	[illegible]	-	-	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]
d)	[illegible]	[illegible]	[illegible]	-	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]
e)	[illegible]	[illegible]			[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]
	Sub Total (B)	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]		[illegible]		[illegible]	[illegible]

ह./-
(पी. के. साहू)
प्रभारी लेखा अधिकारी

ह./-
(डॉ. एस.पी. दास)
निदेशक

स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
ओलटपुर, पोस्ट-बाइरोइ जिला-कटक - ७५४०१० (ओड़िशा)

Sl. No.	DESCRIPTION OF ITEMS	GROSS BLOCK: Cost/Valuation as at 01.04.2018	GROSS BLOCK: Additions during the year	GROSS BLOCK: Deduction during the year	GROSS BLOCK: Cost/Valuation as at 31.03.2019	DEPRECIATION BLOCK: Opening as at 01.04.2018	DEPRECIATION BLOCK: Rate of Depn.	DEPRECIATION BLOCK: During the year	DEPRECIATION BLOCK: Adjustment/ Deduction	DEPRECIATION BLOCK: Total upto end of the year 31.03.2019	NET BLOCK: As at 31.03.2019
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
D	[illegible]										
	[illegible]	[illegible]	[illegible]	-	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	-	[illegible]	[illegible]
	[illegible]		[illegible]		[illegible]		[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]
	[illegible]	[illegible]	[illegible]	-	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	-	[illegible]	[illegible]
	[illegible]	[illegible]	-	-	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]
	[illegible]	[illegible]	-	-	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	-	[illegible]	[illegible]
	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]
	[illegible]	[illegible]			[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]
	[illegible]	[illegible]	[illegible]	-	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	-	[illegible]	[illegible]
	[illegible]		[illegible]		[illegible]	-	[illegible]	[illegible]	-	[illegible]	[illegible]
	[illegible]	[illegible]	[illegible]	-	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	-	[illegible]	[illegible]
	[illegible]	[illegible]			[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]
	[illegible]	[illegible]			[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]
	[illegible]	[illegible]	-	-	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	-	[illegible]	[illegible]
	[illegible]	[illegible]			[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]
	[illegible]	[illegible]			[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]
	[illegible]	[illegible]	-	-	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	-	[illegible]	[illegible]
	[illegible]	[illegible]	[illegible]	-	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	-	[illegible]	[illegible]
	[illegible]		[illegible]	-	[illegible]	-	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]
	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]
	[illegible]	[illegible]			[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]
	[illegible]	[illegible]	[illegible]	-	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	-	[illegible]	[illegible]
	[illegible]	[illegible]	-	-	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	-	[illegible]	[illegible]
	[illegible]	[illegible]	-	-	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	-	[illegible]	[illegible]
	[illegible]	[illegible]			[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]
	[illegible]	[illegible]			[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]
	[illegible]	[illegible]	-	-	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]
	Sub Total (D)	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]		[illegible]		[illegible]	[illegible]
E	[illegible]										
	[illegible]	[illegible]	-	-	[illegible]	[illegible]	[illegible]	-		[illegible]	[illegible]
	[illegible]	[illegible]	-	-	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]
	Sub Total (E)	[illegible]	-	-	[illegible]	[illegible]	-	[illegible]	-	[illegible]	[illegible]
F	[illegible]										
	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]
	[illegible]	[illegible]	-	-	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]
	[illegible]	[illegible]	-	-	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]
	[illegible]	[illegible]	[illegible]	-	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]
	[illegible]	[illegible]			[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]
	Sub Total (F)	[illegible]	[illegible]	-	[illegible]	[illegible]	-	[illegible]	-	[illegible]	[illegible]

ह./-
(पी. के. साहु)
प्रभारी लेखा अधिकारी

ह./-
(डॉ. एस.पी. दास)
निदेशक

स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
ओलटपुर, पोस्ट-बाइरोइ जिला-कटक - ७५४०१० (ओड़िशा)

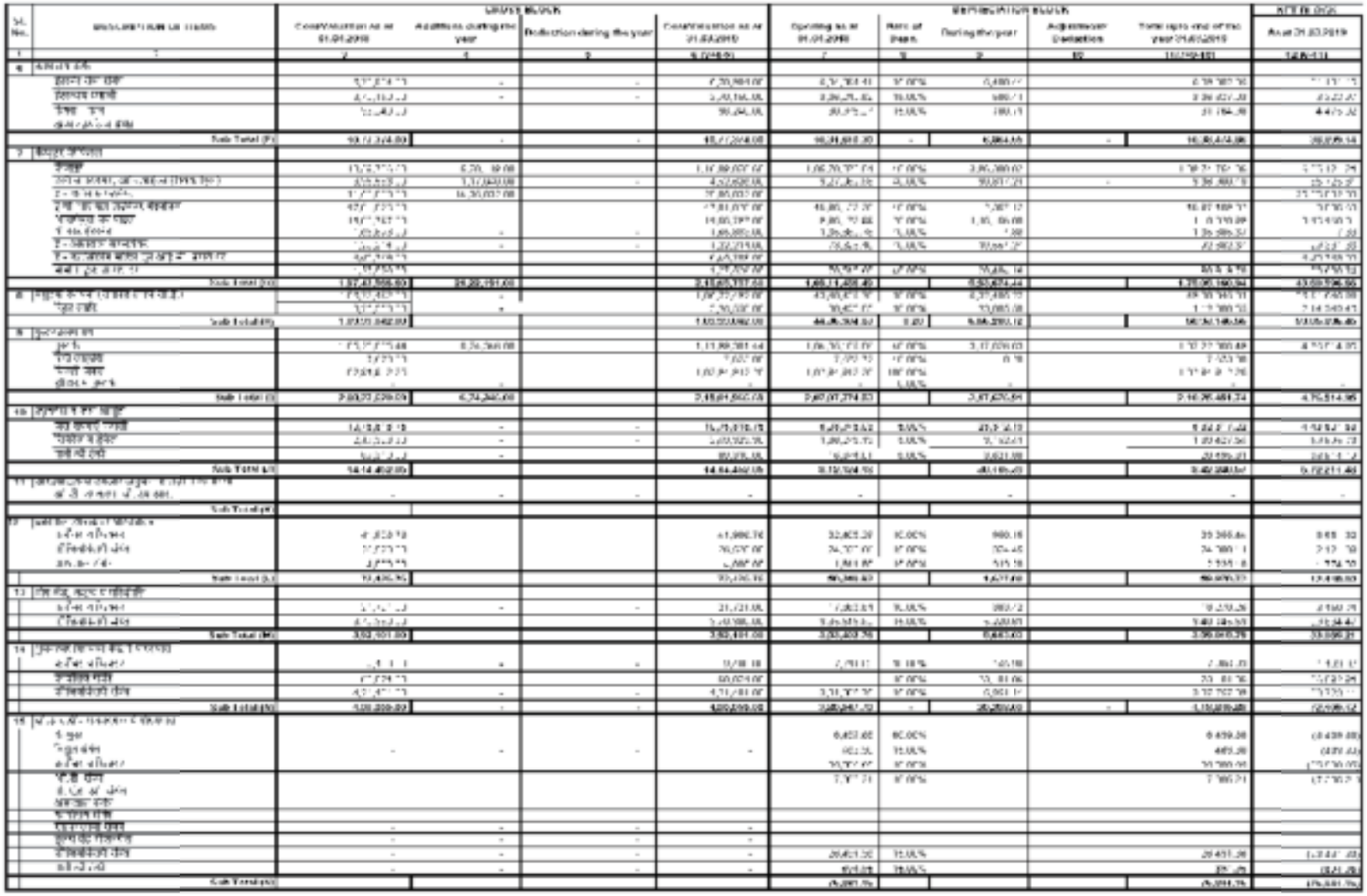

ह./-
(पी. के. साहु)
प्रभारी लेखा अधिकारी

ह./-
(डॉ. एस.पी. दास)
निदेशक

स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
ओलटपुर, पोस्ट-बाइरोइ जिला-कटक - ७५४०१० (ओड़िशा)

Sl. No.	DESCRIPTION OF ITEMS	Cost/Valuation as at 01.04.2018	Additions during the year	Deduction during the year	Cost/Valuation as at 31.03.2019	Opening as at 01.04.2018	Rate of Depn.	During the year	Adjustment/ Deduction	Total upto end of the year 31.03.2019	As at 31.03.2019
1	2	3	4	5	6 (3+4-5)	7	8	9	10	11 (7+9-10)	12 (6-11)
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
	Sub Total (A)	[illegible]	[illegible]	-	[illegible]	[illegible]	-	[illegible]	-	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
	Sub Total (B)	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]						[illegible]
	Total	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	-	[illegible]	-	[illegible]	[illegible]
II	[illegible]	[illegible]	[illegible]	-	[illegible]	[illegible]		[illegible]		[illegible]	[illegible]
	Sub Total (B)	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]		[illegible]		[illegible]	[illegible]
III	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]	-	[illegible]	-	[illegible]	[illegible]
	Sub Total (C)	[illegible]	[illegible]	-	[illegible]	[illegible]		[illegible]	-	[illegible]	[illegible]
	TOTAL	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	-	[illegible]	-	[illegible]	[illegible]

ह./-
(पी. के. साहु)
प्रभारी लेखा अधिकारी

ह./-
(डॉ. एस.पी. दास)
निदेशक

स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
ओलटपुर, पोस्ट-बाइरोइ जिला-कटक - ७५४०१० (ओड़िशा)

क्र.	विवरण	चालू वर्ष		पूर्व वर्ष	
		Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
SCHEDULE 9 - उद्दिष्ट / अक्षय निधि से निवेश					
1	सरकारी सिक्यारिटी में				
2	अन्य स्वीकृत सिक्योरिटी (विशेष जमा स्कीम, 1975)		58,56,351.00		58,56,351.00
3	शेयर				
4	डिबेंचर एवं बांड				
5	सबसिडियरी एवं ज्वाइंट वेंचर्स				
6	अन्य				
	- इंडियन बैंक (RIP) पी एफ खाता	9,58,27,604.00		8,15,76,898.00	
	- सेबी स्वीकृत गिल्ट फंड (HDFC) पी एफ खाता				
	- सेबी स्वीकृत गिल्ट फंड (LIC) पी एफ खाता	88,11,811.00		88,11,811.00	
	- एफ डी आर (सी आर सी) खाता	-		-	
	- यू टि एस (कर्पस फंड)	20,60,37,945.00		17,41,29,403.00	
	- ओड़िशा स्टेट डेवलपमेंट बांड	-		-	
	- इंडियन बैंक (ADIP) (FDR)	-	31,06,77,360.00	-	26,45,18,110.00
	कुल		**31,65,33,711.00**		**27,03,74,461.00**
	निवेश सी.आर.सी. - गुवाहटी		**35,00,000.00**		**35,00,000.00**
	निवेश सी.आर.सी. - राजनंदगांव		-		-
	Grand Total		**32,00,33,711.00**		**27,38,74,461.00**
SCHEDULE 10 - निवेश - अन्य					
1	सरकारी सिक्यारिटी				
2	अन्य स्वीकृत सिक्योरिटी				
3	शेयर				
4	डिबेंचर एवं बांड				
5	सबसिडियरी एवं संयुक्त उद्यम				
6	अन्य				
	- अनुसूचित बैंक में स्थायी जमा (गैर योजना)	1,25,000.00		1,25,000.00	
	- अनुसूचित बैंक में स्थायी जमा (गैर योजना)	4,30,36,975.00		6,30,36,975.00	
	- अनुसूचित बैंक में स्थायी जमा (अन्य)	-		-	
	- युनिट जमा स्कीम इंडियन बैंक में (अन्य)	-	4,31,61,975.00	-	6,31,61,975.00
	कुल		**4,31,61,975.00**		**6,31,61,975.00**
	निवेश सी.आर.सी.- गुवाहटी		-		-
	निवेश सी.आर.सी.- राजनंदगांव		**14,00,000.00**		**14,00,000.00**
	Grand Total		**4,45,61,975.00**		**6,45,61,975.00**

ह./-
(पी. के. साहु)
प्रभारी लेखा अधिकारी

ह./-
(डॉ. एस.पी. दास)
निदेशक

स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
ओलटपुर, पोस्ट-बाइरोइ जिला-कटक - ७५४०१० (ओड़िशा)

क्र.	विवरण	चालू वर्ष		पूर्व वर्ष	
		Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
SCHEDULE 11 - चालू परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि					
A.	चालू परिसंपत्ति				
1	इन्वेंटरी				
a)	स्टोर एवं स्पेयर		79,27,520.43		61,12,521.95
b)	लूज टूलस्		2,53,014.00		75,861.00
c)	स्टाक - इन - ट्रेड				
	तैयार माल	7,35,324.00		9,32,122.00	
	कार्य प्रगति में	-	7,35,324.00	-	9,32,122.00
	कच्चा माल				
2	खुदरा देनदार				
a)	छः महीने से अधिक के ऋण				
b)	अन्य				
3	हाथ में नगद शेष (चेक / ड्राफ्ट, ब्याज सहित)		32,019.00		48,764.00
4	बैंक शेष				
a)	अनुसूचित बैंक में				
	चालू खाते पर				
	जमा खाते पर (मार्जिन मनी सहित)	-		0.00	
	बचत खाते पर	29,41,46,302.52	29,41,46,302.52	17,77,73,596.63	17,77,73,596.63
b)	गैर अनुसूचित बैंक में				
	चालू खाते पर				
	जमा खाते पर (मार्जिन मनी सहित)				
	बचत खाते पर				
4	पोस्ट आफिस – बचत खाता				
	उप जोड़ (A)		30,30,94,179.95		18,49,42,865.58

ह./-
(पी. के. साहु)
प्रभारी लेखा अधिकारी

ह./-
(डॉ. एस.पी. दास)
निदेशक

क्र.	विवरण	चालू वर्ष		पूर्व वर्ष	
		Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
SCHEDULE 11 - चालू परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि					
B.	ऋण, अग्रिम व अन्य परिसंपत्ति				
1	ऋण				
a)	स्टाफ	51,08,333.00		47,63,071.00	
b)	अन्य लोग जो उद्देश्य में लगे हैं				
c)	अन्य		51,08,333.00		47,63,071.00
2	अग्रिम एवं अन्य राशि जो नगद या वस्तु या ग्राह्य मूल्य के रूप में आदाय होगा				
a)	पूंजी लेखा पर	88,35,495.00		17,62,081.00	
b)	पूर्व - भुगतान	-		-	
c)	अन्य	9,32,970.00	97,68,465.00	6,08,568.00	23,70,649.00
3	आय प्रोद्भूत				
a)	उपनिधि / अक्षय निधि (जी पी एफ) में निवेश पर	88,56,099.00		25,04,756.00	
b)	अन्य (कार्पस फंड) निवेश पर	74,02,327.00		43,87,324.00	
c)	ऋण एवं अग्रिम (स्टाफ) पर	-		(57,505.00)	
d)	अन्य (बिना उगाही आय पर प्रोद्भूत)	64,850.00	1,63,23,276.00	-	68,34,575.00
4	दावा प्राप्य		16,81,016.60		27,73,113.60
	उप जोड़ (B)		3,28,81,090.60		1,67,41,408.60
	कुल (A + B)		33,59,75,270.55		20,16,84,274.18
5	चालू परिसंपत्ति सी.आर.सी. - गुवाहाटी		4,36,09,394.56		4,23,53,817.41
5	चालू परिसंपत्ति सी.आर.सी.- राजनंदगांव		64,22,815.00		72,79,674.00
	कुल चालू परिसंपत्ति		38,60,06,480.11		25,13,17,765.59

ह./-
(पी. के. साहु)
प्रभारी लेखा अधिकारी

ह./-
(डॉ. एस.पी. दास)
निदेशक

स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
ओलटपुर, पोस्ट-बाइरोइ जिला-कटक - ७५४०१० (ओड़िशा)

क्र.		विवरण	चालूवर्ष Rs.	Rs.	पूर्ववर्ष Rs.	Rs.
SCHEDULE 12 - विक्रय/ सेवाओं से आय						
1		विक्रय से आय :				
	a)	तैयार माल की बिक्री (यंत्र एवं उपकरण)	94,06,653.00		1,00,95,452.00	
	b)	कच्चा माल विक्रय	-		-	
	c)	स्टाफ कैंटीन				
	d)	स्क्रेप की बिक्री	-	94,06,653.00	-	1,00,95,452.00
2		सेवाओं से आय				
	a)	मजदूर एवं प्रसंस्करण अधिभार	-		-	
	b)	प्रोफेशनल / कंसलटेंसी सेवा	-		-	
	c)	एजेंसी कमीशन एवं ब्रोकरेज	-		-	
	d)	रख रखाव सेवायें (संयंत्र / संपत्ति)	-		-	
	e)	अन्य - अस्पताल सेवायें	4,70,91,702.00	4,70,91,702.00	4,33,08,814.00	4,33,08,814.00
		कुल		**5,64,98,355.00**		**5,34,04,266.00**
3		विक्रि एवं सेवा से आय – सी.आर.सी. गुवाहाटी		**1,04,180.00**		**1,22,110.00**
3		विक्रि एवं सेवा से आय – सी.आर.सी. राजनंदगांव		**6,76,516.00**		**4,02,350.00**
		कुल आय विक्रि एवं सेवा से		**5,72,79,051.00**		**5,39,28,726.00**
SCHEDULE 13 - अनुदान / सब्सिडी						
(असंचय अनुदान एवं सब्सिडी)						
	1	केंद्रीय सरकार -अनुलग्न के अनुसार		36,65,06,966.00		27,53,54,150.00
	2	राज्य सरकार		-		-
	3	सरकारी एजेंसी		-		-
	4	संस्थायें / कल्याणकारी संस्था		-		-
	5	अंतराष्ट्रीय संस्थायें		-		-
	6	अन्य		-		-
		कुल		**36,65,06,966.00**		**27,53,54,150.00**
		अनुदान एवं सबसिडिस – सी.आर.सी. गुवाहाटी		2,33,75,000.00		**2,55,00,000.00**
		अनुदान एवं सबसिडिस – सी.आर.सी. राजनंदगांव		1,34,00,000.00		**1,02,00,000.00**
		Grand Total Grants & Subsdies -		**40,32,81,966.00**		**31,10,54,150.00**

ह./-
(पी. के. साहु)
प्रभारी लेखा अधिकारी

ह./-
(डॉ. एस.पी. दास)
निदेशक

स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
ओलटपुर, पोस्ट-बाइरोइ जिला-कटक - ७५४०१० (ओड़िशा)

क्र.	विवरण	चालूवर्ष		पूर्ववर्ष	
		Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
SCHEDULE 14 - फीस / अंशदान					
1	प्रवेश फीस	-	-	-	-
2	अकादमिक सेवायें	1,61,75,440.00	1,61,75,440.00	1,70,59,923.00	1,70,59,923.00
3	सेमिनार / कार्यक्रम फीस				
4	कंसल्टेंसी फीस		-		-
5	अन्य		-		-
	कुल	**1,61,75,440.00**	**1,61,75,440.00**	**1,70,59,923.00**	**1,70,59,923.00**
	फीस एंड सबस्क्रिपशन – सी.आर.सी. गुवाहाटी		**18,18,400.00**		**8,33,400.00**
	फीस एंड सबस्क्रिपशन – सी.आर.सी. राजनंदगांव		**2,37,000.00**		**1,37,600.00**
	Grand Total		**1,82,30,840.00**		1,80,30,923.00
SCHEDULE 15 - निवेश से आय *(उपविष्ट/अक्षय निधि के निवेश पर आय निधि में अंतरित)*					
1	ब्याज				
a)	सरकारी सिक्योरिटी पर				
b)	अन्य बांड / डिबेंचर / एफ डी आर				
2	डिविडेंड				
a)	शेयर				
b)	म्युचुअल फंड सिक्योरिटी				
3	किराया				
4	अन्य				
	कुल				
SCHEDULE 16 - रायल्टी, प्रकाशन से आय					
1	रायल्टी से आय				
2	प्रकाशन से आय				
3	अन्य				
	कुल				

ह./-
(पी. के. साहु)
प्रभारी लेखा अधिकारी

ह./-
(डॉ. एस.पी. दास)
निदेशक

स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
ओलटपुर, पोस्ट-बाइरोइ जिला-कटक - ७५४०१० (ओड़िशा)

क्र.		विवरण	चालूवर्ष		पूर्ववर्ष	
			Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
SCHEDULE 17 -		**ब्याज प्राप्त**				
1		अवधि जमा पर				
	a)	अनुसूचित बैंक में	64,650.00		-	
	b)	गैर अनुसूचित बैंक में		-		-
	c)	संस्थाओं में		-		-
	d)	अन्य		-		-
2		बचत खाते पर		-		-
	a)	अनुसूचित बैंक में	98,51,133.00	-	38,20,776.00	-
	b)	गैर अनुसूचित बैंक में		-		-
	c)	पोस्ट आफिस बचत खाता		-		-
	d)	अन्य		-		-
3		ऋण पर		-		-
	a)	कर्मचारी / स्टाफ	17,12,842.00	-	16,11,162.00	-
	b)	अन्य		-		-
4		देनदारों पर ब्याज एवं अन्य प्राप्य		**1,16,28,825.00**		**52,31,938.00**
		कुल		**1,16,28,825.00**		**52,31,938.00**
		ब्याज प्राप्त – सी.आर.सी. गुवाहाटी		3,54,071.35		5,53,273.00
		ब्याज प्राप्त – सी.आर.सी. राजनंदगांव		1,60,970.00		1,55,018.00
		कुल ब्याज प्राप्त		**1,21,43,866.35**		**59,40,229.00**
SCHEDULE 18 -		**अन्य आय**				
1		परिसंपत्ति बिक्रय पर लाभ				
	a)	मिल्कियत परिसंपत्ति (एंबासेडर कार)		-		-
	b)	अनुमान से आहरित परिसंपत्ति या नि:शुल्क प्राप्त		-		-
2		निर्यात प्रोत्साहन आय		-		-
3		फुटकर सेवाओं से फीस		-		-
4		फुटकर आय	8,30,904.00	**8,30,904.00**	7,57,627.00	7,57,627.00
		कुल		**8,30,904.00**		**7,57,627.00**
		अन्य आय – सी.आर.सी. गुवाहाटी		45,955.30		**2,100.00**
		अन्य आय – सी.आर.सी. राजनंदगांव		-		-
		कुल अन्य आय		**8,76,859.30**		**7,59,727.00**

ह./-
(पी. के. साहु)
प्रभारी लेखा अधिकारी

ह./-
(डॉ. एस.पी. दास)
निदेशक

क्र.	विवरण	चालूवर्ष			पूर्ववर्ष
		Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
SCHEDULE 19 -	**तैयार माल के स्टाक में वृद्धि / ह्रास एवं कार्य प्रगति में**				
a)	शेष स्टाक				
	तैयार माल				
	कार्य प्रगति में				
a)	घटाव : प्रारंभिक स्टाक				
	तैयार माल				
	कार्य प्रगति में				
	निवल वृद्धि / ह्रास (a-b)				
SCHEDULE 20 -	**प्रतिष्ठान व्यय**				
a)	एलाउंस एवं बोनस	-		8,91,000.00	
b)	अन्य निधि को अंशदान पेंशन का प्रावधान	-		-	
c)	अन्य निधि को अंशदान छुट्टी वेतन का प्रावधान	-		-	
d)	अन्य निधि को अंशदान ग्रेच्युटी का प्रावधान	4,75,37,224.31		1,39,67,575.00	
e)	रिटायरमेंट एवं टर्मिनल लाभ पर व्यय	7,56,62,021.00		6,63,58,302.00	
f)	अन्य	-		-	
g)	वेतन एवं मजूरी	15,25,78,887.00		14,81,71,245.00	
h)	स्टाफ कल्याण व्यय - अनुलग्नक अनुसार	46,70,263.00	28,04,48,395.31	23,52,331.00	23,17,40,453.00
	कुल		**28,04,48,395.31**		**23,17,40,453.00**
	स्थापना खर्च – सी.आर.सी. गुवाहाटी		1,46,99,103.00		**1,25,31,753.00**
	स्थापना खर्च – सी.आर.सी. राजनंदगांव		1,02,74,876.00		**87,18,326.00**
	कुल स्थापना खर्च		**30,54,22,374.31**		**25,29,90,532.00**

ह./-
(पी. के. साहु)
प्रभारी लेखा अधिकारी

ह./-
(डॉ. एस.पी. दास)
निदेशक

स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
ओलटपुर, पोस्ट-बाइरोइ जिला-कटक - ७५४०१० (ओड़िशा)

क्र.	विवरण	चालुवर्ष Rs.	चालुवर्ष Rs.	पूर्ववर्ष Rs.	पूर्ववर्ष Rs.
SCHEDULE 21 - अन्य प्रशासनिक व्यय					
a)	विज्ञापन एवं प्रचार	21,74,009.00		6,50,433.00	
b)	अंकेक्षक रेमुनरेशन (ऑडिट फीस)	2,41,900.00		4,19,250.00	
c)	कार्टेज एवं कैरेज इनवार्ड	-		-	
d)	वितरण व्यय	-		-	
e)	विद्युत एवं शक्ति (अनुलग्नक अनुसार)	67,47,972.00		60,67,981.00	
f)	एक्साइज ड्यूटी	-		-	
g)	फीस पर व्याज	89,460.00		50,600.00	
h)	सेमिनार व कार्यशाला व्यय (अनुलग्नक अनुसार)	2,89,56,756.52		2,37,08,369.00	
i)	माल एवं अग्रेषण व्यय / हैंडलिंग व परिवहन	-		-	
j)	आतिथ्य व्यय	-		7,735.00	
k)	बीमा	-		-	
l)	पी एफ पर ब्याज	96,46,679.00		84,69,303.00	
m)	बड़े खाते में स्टोर	-		-	
n)	कानूनी व्यय	6,17,576.00		4,05,985.00	
o)	अन्य (अनुलग्नक अनुसार)	3,89,43,267.00		4,20,67,851.14	
p)	पैकिंग शुल्क	-		-	
q)	डाक, फोन एवं प्रचार शुल्क	2,23,485.00		1,43,686.00	
r)	प्रिंटिंग व स्टेशनरी	-		-	
u)	सामग्री (व्यवहार) क्रय अनुलग्नक अनुसार	1,30,57,033.00		1,98,72,397.00	
v)	किराया, दर एवं कर (अनुलग्नक अनुसार)	2,55,115.00		3,17,247.00	
w)	मरम्मत एवं रखरखाव (अनुलग्नक अनुसार)	43,85,594.00		26,45,551.00	
x)	अंशदान व्यय (फीस एवं अंशदान)	3,70,742.00		3,24,650.00	
y)	यात्रा एवं वाहन व्यय	23,08,868.00		22,35,158.00	
z)	वाहन चलाने एवं रख रखाव (अनुलग्नक अनुसार)	86,30,254.00		66,34,051.00	
za)	विस्तार केंद्र पर व्यय	2,44,894.00		1,57,394.00	
zb)	मानदेय	-	11,67,93,604.52	3,07,300.00	11,46,84,841.14
	कुल		**11,67,93,604.52**		**11,46,84,841.14**
	अन्य प्रशासनिक खर्च – सी.आर.सी. गुवाहाटी		61,86,159.50		**30,62,680.55**
	अन्य प्रशासनिक खर्च – सी.आर.सी. राजनंदगांव		27,43,077.00		**17,89,793.00**
	कुल अन्य प्रशासनिक खर्च		**12,57,22,841.02**		**11,95,37,314.69**

ह./-
(पी. के. साहु)
प्रभारी लेखा अधिकारी

ह./-
(डॉ. एस.पी. दास)
निदेशक

स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
ओलटपुर, पोस्ट-बाइरोइ जिला-कटक - ७५४०१० (ओड़िशा)

क्र.	विवरण	चालूवर्ष Rs.	Rs.	पूर्ववर्ष Rs.	Rs.
SCHEDULE 22 - अनुदान, सबसिडी पर व्यय					
a)	संस्थाओं /अर्गानाइजेसनों को अनुदान - परियोजना निदेशकों, डी आर सी को अग्रिम				
b)	संस्थाओं /अर्गानाइजेसनों को अनुदान - एन.आई.एच.एम., हैदराबाद को अंतरण	-		-	
c)	संस्था /अर्गनाइजेसन को सब्सिडी	-		-	
	कुल		-		-
SCHEDULE 23 - ब्याज					
a)	स्थायी ऋण पर				
b)	अन्य ऋण पर				
c)	अन्य				
	कुल				

ह./-
(पी. के. साहु)
प्रभारी लेखा अधिकारी

ह./-
(डॉ. एस.पी. दास)
निदेशक

स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
ओलटपुर, पोस्ट-बाइरोइ जिला-कटक - ७५४०१० (ओड़िशा)

31 मार्च 2019 को समाप्त अवधि के लिए लेखा के भाग रूप में अनुसूचियां

अनुसूची 24 : उल्लेखनीय लेखा नीतियाँ

1. **लेखाकरण परम्परा**
   अन्यथा न होने तक वित्तीय विवरण ऐतिहासिक लागत परम्परा एवं सावधि प्रावधान तथा विद्यमान पद्धतियों की अनुरुपता और लेखाकरण की संमति पद्धति के आधार पर प्रस्तुत किये गए हैं ।
2. **वस्तुसूची मूल्यांकन**
   वस्तुसूची का मूल्यांकन भारित औसतन वेटेड एवरेज पद्धति के आधार पर किया जाता है ।
3. **निवेश**
   निवेश की लागत अथवा बाजार मूल्य पर जो कम हो, दर्शाया जाता है । वर्ष के दौरान निवेश में मूल्यह्रास के संबंध में किसी भी प्रावधान को प्रमाणित एवं प्रबंधन नहीं किया गया है ।
4. **अचल परिसम्पत्तियां**
   अचल परिसम्पत्तियाँ प्रापण से सम्बन्धित प्रत्यक्ष व्यय सहित प्रापण की लागत पर बताई जाती हैं ।
5. **मूल्य ह्रास**
   आयकर अधिनियम 1961 की धारा-32 के अधीन अचल परिसम्पत्तियों पर मूल्यह्रास चार्ज किया गया ।
6. **बिक्री के लिए लेखाकरण**
   बिक्री प्राप्ति, रियायत एवं कटौती के निवल पर बिक्री दर्शाई जाती है ।
7. **सरकारी अनुदान / परिदान**
   सरकारी अनुदान / परिदान को प्रोद्भवन के आधार पर हिसाब में लिया जाता है, जब वहां यथोचित आश्वासन हो कि यह अनुदान संस्थान द्वारा प्राप्त होगा । लेखा मानक - 12 के अनुसार ।
8. **सेवानिवृत्ति लाभ**
   क. अधिदेशात्मक लेखाकरण मानक -15 ''सेवानिवृत्ति लाभ का लेखा'' के अनुसार मौजूदा कर्मचारियों की 31.3.2019 को यथा पेंशन, उपदान एवं छुट्टी का वेतन बीमांकित अधिकारियों द्वारा मूल्यांकन किया गया 31.3.2019 तक सेवानिवृत्ति लाभ संबंधित बीमांकित मूल्य अनुसूची -25 अभ्यासानुसार ''लेखा पर टिप्पणियां'' में दर्शाया गया है ।

ह./-
(पी. के. साहु)
प्रभारी लेखा अधिकारी

ह./-
(डॉ. एस.पी. दास)
निदेशक

स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
ओलटपुर, पोस्ट-बाइरोइ जिला-कटक - ७५४०१० (ओड़िशा)

31 मार्च 2019 को समाप्त अवधि के लिए लेखा के भाग रूप में अनुसूचियां

अनुसूची 25 : आकस्मिक देयताएँ और लेखा पर टिप्पणियाँ (निदर्शी)

1. **आकस्मिक देयताएँ** : रु.**20.00** लाख
2. **पूँजी वचनबद्धता** : शून्य
3. **पट्टा अनुबन्ध पत्र** : शून्य
4. **चालू परिसम्पत्तियाँ, ऋण एवं अग्रिम :**

   प्रबन्धन के विचार में, चालू परिसम्पत्तियाँ, ऋण एवं अग्रिम के सामान्य क्रम में उपलब्धि पर मूल्य रखते हैं, जो कम से कम तुलन - पत्र में दर्शाई गई सकल राशि के बराबर होती है । कर्मचारियों के सेवा निवृत्ति लाभ के लिए बनी समग्र निधि में संस्थान का आय अंतरणीय होने के कारण कर्मचारी वर्ग के अग्रिम पर प्रोद्भूत ब्याज प्रदान नहीं किया जाता है ।

5. **कराधान :**

   आयकर अधिनियम, 1961 के अन्तर्गत कोई कर योग्य आय नहीं होने की दृष्टि से आयकर के लिए कोई प्रावधान करना आवश्यक नहीं माना गया ।

6. **विदेशी मुद्रा लेन - देन** : शून्य
7. सेवी एस.ई.बी.आई. में रु.88,11,811/- मूल्य का निवल परिसंपत्ति का निवेश हुआ 31.3.2019 को यथा भारतीय जीवन बीमा में अनुमोदित गिल्ट निधि का मूल्य रु.2,01,11,094.28 रहा ।
8. लेखा मानक 15 के अनुसार 31.3.2019 तक सेवानिवृत्ति लाभ अनुमानत रु.1,19,75,32,039.00/- ।

   चूंकि संस्थान के पूंजीगत निधि से बीमांकक मूल्य ज्यादा एवं अधिक दो गया है अत: इसके लिए अनंतिम प्रविष्ट प्रभावित नहीं हो रहा है । जहां तक उपलब्ध हो सके सहायता अनुदान वेतन में से सेवानिवृत्ति लाभ प्रदान हो रहा है एवं सेवानिवृत्ति लाभ के तहत देयताओं के लिए सहायता अनुदान वेतन में कमी को संस्थान के स्व-अर्जित आय से बनी कॉर्पस निधि में से किया जाएगा । चूंकि यह एक अनुदान आधारित संस्थान है अत: यहां कोई आधारित देयता उपलब्ध नहीं है तथा यह देयताएं संस्थान के सहायता अनुदान / स्व - आय / कॉर्पस निधि में से प्रदान किया जाएगा । बीमांकिक मूल्य का प्राबधान स्वीकृत नहीं हुआ है ।

ह./-
(पी. के. साहु)
प्रभारी लेखा अधिकारी

ह./-
(डॉ. एस.पी. दास)
निदेशक

9. यह संस्थान फरवरी, 1984 तक भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम, कानपुर के प्रशासनिक नियंत्रण के अन्तर्गत था और निपोट के रूप में जाना जाता था और 22 फरवरी, 1984 को इसका पृथकीकरण किया गया तथा सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम, 1860के अन्तर्गत पंजीकृत किया गया और इसका नाम बदल कर 'निरतार' किया गया । 01 अप्रैल 1984 से लेखा को पृथक किया गया । तुलन - पत्र में 'पूंजी निधि' के रूप में दर्शाई गई रु.53,72,917.16 की राशि परिसम्पत्तियां और देयताओं के खाते के अन्तिम निपटान के बाद एलिम्को से अंतरित राशि को प्रतिबिम्बित करती है ।

10. अनुसूचियाँ 1 से 25 संलग्न की गई हैं और 31 मार्च 2019 को यथा तुलन पत्र और उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाते का अभिन्न अंग हैं ।

11. सी आर सी , गुआहाटी का वार्षिक लेखा 2018-19 को स्वावीनिरतार समेकित लेखा में शामिल किया गया है ।

12. सी.आर.सी., राजनंदगांव का वार्षिक लेखा 2018-19 को स्वावीनिरतार समेकित लेखा में शामिल किया गया है ।

13. वर्ष 2018-19 के दौरान प्राप्त एवं उपयोग हुए अनुदान का विवरण परिशिष्ट - I में संलग्न है, जो वर्ष 2018-19 के वार्षिक लेखा का भाग है ।

14. **सी.एस.आर. सहायता**

(a) मोड्यूलार ओ.टी. एवं उपकरणों के लिए आर.ई.सी.एल से सी.एस.आर. सहायता :

आर.ई.सी.एल से सी.एस.आर. अनुदान के तहत वर्ष 2014-15 से प्रभावी हो कर 290.12 लाख रुपए राशि एवं उस पर 5.52 लाख रुपये राशि का व्याज प्राप्त हुआ । 31.3.2018 तक स्थायी परिसंपत्तियों की खरीद के लिए 290.42 लाख रुपये की राशि उपयोग हुए । क्रमानुसार वर्षो के वार्षिक लेखा में अनुसुची 3.1 के अंतर्गत सी.एस.आर. सहायता एवं उपयोग का वर्ष वार प्राप्ति विवरण दर्शाया गया है । लेखा मानक 10 एवं 6 के अनुसार इन परिसंपत्तियों के लिए कोई मुल्य ह्रास चार्ज नही किया गया । चूंकि आर.ई.सी.एल सी.एस.आर. सहायता के तहत स्विकृत राशि 291.00 लाख रुपए है । मोडुलार ओ.टी. के निर्माण क लिए मेसर्स रविंद्र सर्जिकॅल के देयता में से 0.88 लाख रुपये की राशि प्राप्त हुआ ।

आर.ई.सी.एल सी.एस.आर. सहायता के तहत खरिद कीए गए परिसंपत्तियों का मूल्य सहित विवरण संलग्नक - II में दिया गया है ।

ह./-
(पी. के. साहु)
प्रभारी लेखा अधिकारी

ह./-
(डॉ. एस.पी. दास)
निदेशक

(b) **उपभवन के निर्माण के लिए आर.ई.सी.एल से सी.एस.आर. सहायता :**

19.4.2017 को एसवीनिरतार एवं आर.ई.सी.एल के बिच आ.ई.सी.एल.सी.एस.आर. सहायता के तहत एक करार का ज्ञापन 15.89 करोड रुपये के स्वीकृत राशि के लिए हस्ताक्षरीत हुआ । यह संस्थान को दिव्यांगता सुधार के लिए श्रेष्ठ केन्द्र के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से एसवीनिरतार में एक संलग्न उपभवन के निर्माण के लिए है । वित्तिय दृष्टि कोण से यह मामाला महत्वपूर्ण होने के कारण दर्शाया गया है एवं यह वित्तिय वर्ष के समाप्ति एवं वार्षिक लेखा के प्रस्तुति तिथि के उपरांत सम्पन्न हुआ है । 31.3.2018 को 164.67 लाख रुपये प्राप्त हुए जिसमें से 31.3.2019 का यथा 164.67 लाख रुपये उपयोग हुए एवं शून्य राशि अप्रयुक्त रहा ।

(c) **वैड - कैम् मशिन** के लिए नालको सी.एस.आर. सहायता - 272.65 लाख रुपये के स्वीकृत राशि के लिए अनुमोदन किया गया एवं 271.65 लाख रुपए प्राप्त हुए एवं 270.78 लाख राशि प्रयुक्त हुआ एवं वर्ष 2019-20 के दौरान उपयोग के लिए 31.3.2019 तक यथा 0.87 लाख रुपए अप्रयुक्त शेष राशि उपलब्ध रहा है ।

नालको -सी.एस.आर. सहायता के तहत मूल्य सहित परिसंपत्तियों की अधिप्राप्ति का विस्तृत विवरण संलग्नक - III में अनुलग्नक है ।

(d) **एम.सी.एल. रोगी बाहन :** वर्ष 2019-20 के दौरान रु.16.34 लाख की राशि के लिए अनुमोदन किया गया, 16.34 लाख रुपये की राशि प्राप्त हुए एवं 16.22 लाख रुपये उपयोग हुए एवं 0.12 लाख रुपये अव्ययित शेष की राशि एम.सी.एल. को वापस करने के लिए दिनांक 31.03.2019 को यथा उपलब्ध रहा ।

❑❑❑

ह./-
(पी. के. साहु)
प्रभारी लेखा अधिकारी

ह./-
(डॉ. एस.पी. दास)
निदेशक

स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
ओलटपुर, पोस्ट-बाइरोइ जिला-कटक - ७५४०१० (ओड़िशा)

2018-19 के लिए सहायता अनुदान की प्राप्ति, उपयोग एवं अप्रयुक्त शेष

क्र.	योजना शीर्ष	01.04.18 को प्रारंभिक शेष	2018-19 के दौरान प्राप्त अनुदान	2018-19 की सहायता अनुदान पर ब्याज	कुल	2018-19 प्रयुक्त अनुदान	31.03.19 को अंत शेष
A	राजस्व						
i)	सामान्य	-	725.00	-	725.00	725.00	-
ii)	एस.सी	3.63	20.00	-	23.63	17.59	6.04
iii)	एस.सी. पूंजी	-	69.00	-	69.00	8.87	60.13
iv)	एस.टी.	10.85	10.00	-	20.85	20.85	-
v)	एस.टी. पूंजी	-	70.00	-	70.00	8.87	61.13
vi)	वेतन	-	2,304.00	-	2,304.00	2,304.00	-
vii)	पूंजी	30.14	500.00	5.67	535.81	138.34	397.47
viii)	उत्तर पूर्व	-	70.00	0.30	70.30	70.30	-
ix)	सी.आर.सी. बलांगीर	-	50.00	-	50.00	-	50.00
x)	सी.आर.सी. रांची	-	36.75	-	36.75	7.00	29.75
	कुल	44.62	3,854.75	5.97	3,905.34	3,300.82	604.52
B	एडीप						
i)	हेड क्वार्टर	57.07	400.00	5.40	463.10	350.00	104.20
ii)	क्षेत्र कार्यालय	55.86	150.00	2.06	207.92	59.89	148.03
iii)	उप-एड कार्यालय		149.57	-	149.57	-	149.57
	कुल	113.53	699.57	7.55	820.65	418.77	401.88
C	[illegible]	-	531.66	0.42	532.08	531.66	0.42
D	[illegible]	2.20	-	0.03	2.23	2.23	-
E	[illegible]	4.18	-	1.04	5.22	-	5.22
F	[illegible] - डी.एस.आर. पोर्ट	136.33	135.32	2.19	273.84	270.78	3.06
G	[illegible]	24.96	-	-	24.96	-	24.96
H	एस.डी.एल - डी.एस.आर.		16.34	0.07	16.41	16.22	0.19
I	सी.आर.सी. - राजनांदगांव						
i)	वेतन	2.79	96.50	0.13	99.41	87.43	11.98
ii)	वेतन को छोड़कर आवर्ती	9.55	37.50	0.39	47.44	42.75	4.69
iii)	अनावर्ती	18.89	-	0.77	19.66	9.40	10.26
iv)	सी.आर.सी. - राजनांदगांव [illegible]	14.53	-	0.44	14.97	14.28	0.69
v)	सी.आर.सी. - राजनांदगांव [illegible]	6.23	-	0.09	6.32	-	6.32
	कुल	51.98	134.00	1.82	187.80	153.86	33.94
J	सी.आर.सी. - गौहाटी						
1	सी.आर.सी. - गौहाटी						
i)	वेतन	-	119.50	1.82	121.32	121.32	-
ii)	वेतन को छोड़कर आवर्ती	-	64.25	0.95	65.20	65.20	-
iii)	अनावर्ती	31.17	50.00	0.73	81.90	22.11	59.79
2	एन.आर.सी						
a)	वेतन	34.03	-	-	34.03	20.42	13.61
b)	वेतन को छोड़कर	8.53	-		8.53	4.17	4.36
c)	अनावर्ती	3.64	-		3.64	-	3.64
3	एस.आई.पी.डी.ए.						
v)	एस.आई.पी.डी.ए.	-	-	0.09	0.09		0.09
	कुल	77.37	233.75	3.59	314.71	233.22	81.49
	कुल योग	455.17	5,605.39	22.68	6,083.24	4,927.56	1,155.68

ह./-
(पी. के. साहु)
प्रभारी लेखा अधिकारी

ह./-
(डॉ. एस.पी. दास)
निदेशक

स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
ओलटपुर, पोस्ट-बाइरोइ जिला-कटक - ७५४०१० (ओड़िशा)

प्रपत्र जी.एफ.आर. – 40 — परिशिष्ट -II

नियम 190.2 (i)

31.03.2019 को यथा आर.ई.सी.एल.-सी.एस.आर. सहायता के अंतर्गत स्थायी परिसंपत्तियों का रजिस्टर

		आपूर्तिकर्ता का विवरण		परिसंपत्ति की लागत (In Rs.)	परिसंपत्तियों का स्थान	परिसंपत्तियों की पहचान संख्या
दिनांक	परिसंपत्तियों का विवरण	नाम एवं पता	बिल क्रमांक एवं तिथि			
19.03.2015	कोनट्ट बी	मेसर्स हेरिटेज हेल्थ केयर, मुंबई	112 dt. 13.03.2015	524033	व्यावसायिक चिकित्सा	AR/553/OT
19.03.2015	लोटाका	मेसर्स हेरिटेज हेल्थ केयर, मुंबई	112 dt.13.03.2015	48267	व्यावसायिक चिकित्सा	AR/554/OT
12.03.2015	स्ट्रेच बेंड	मेसर्स एडब्यूमेडिक्स, भुवनेश्वर	R/162 dt.26.02.2015	4914	व्यावसायिक चिकित्सा	OAR/1801/OT
12.03.2015	ईक्विलिब्रियम बोर्ड	मेसर्स एडब्यूमेडिक्स, भुवनेश्वर	R/162 dt.26.02.2015	3499	व्यावसायिक चिकित्सा	OAR/1802/OT
12.03.2015	बेसिक बालांस बियर	मेसर्स एडब्यूमेडिक्स, भुवनेश्वर	R/162 dt.26.02.2015	9243	व्यावसायिक चिकित्सा	OAR/1803/OT
12.03.2015	मल्टि आक्टिविटि विथ स्ट्राटर	मेसर्स एडब्यूमेडिक्स, भुवनेश्वर	R/162 dt.26.02.2015	81783	व्यावसायिक चिकित्सा	OAR/1804/OT
12.03.2015	लेग एक्सरसाइजेस	मेसर्स एडब्यूमेडिक्स, भुवनेश्वर	R/162 dt.26.02.2015	2574	व्यावसायिक चिकित्सा	OAR/1805/OT
04.02.2015	3डी गोशन एनालिसिस सिस्टम	मेसर्स हंसि गेडिको इंटरनेशनल, नई दिल्ली	III/2015-16 028 dt.14.01.2015	1133	भौतिक चिकित्सा	AR/657/DPT
10.12.2015	ऑन वेट सपोर्ट सिस्टम	मेसर्स हिनटेक इलेक्ट्रोनिक्स प्रा. लि., नई दिल्ली	HE/2032/ dt. 12.11.2015	1172016	भौतिक चिकित्सा	AR/692/DPT
10.12.2015	गैट ट्रेईनर ट्रेडेमेअल	मेसर्स हिनटेक इलेक्ट्रोनिक्स प्रा. लि., नई दिल्ली	HE/2032/ dt. 12.11.2015, RECL PV -4/20.07.16	695740	भौतिक चिकित्सा	AR/693/DPT
28.10.2015	मोडयूलर ऑपरेशन थियेटर	मेसर्स रविन्द्र सर्जिकैल्स प्रा. लि., भुवनेश्वर	572,573 dt.09.09.2015 RECL PV -3/20.07.16 & PV 05/RECI dated 31.03.18	15160000	पी.एम.आर.डी.	AR/728/PMRD
	कुल			**29041649**		

ह./-
(पी. के. साहु)
प्रभारी लेखा अधिकारी

ह./-
(डॉ. एस.पी. दास)
निदेशक

प्रपत्र जी.एफ.आर. – 40 परिशिष्ट -III

नियम 190.2 (i)

31.03.2019 को यथा शालको -सी.एस.आर. सहायता के अंतर्गत स्थायी परिसंपत्तियों का रजिस्टर

दिनांक	परिसंपत्तियों का विवरण	आपूर्तिकर्ता का विवरण: नाम एवं पता	आपूर्तिकर्ता का विवरण: बिल क्रमांक एवं तिथि	परिसंपत्ति की लागत (In Rs.)	परिसंपत्तियों का स्थान	परिसंपत्तियों की पहचान संख्या
01.10.18	7 एक्सिस रोबट मेशिन (कैड-कैम) एवं आनुसंगीक	आर. डी. ऑर्थोकेयर, भुवनेश्वर	2017072 dated 14.09.18	2,69,80,000	डी.पी.ओ. प्रशिक्षण	AR 1109
25.10.18	ब्राविया सोनी टेलिविजन	गोनेका एंटरप्राईस	57 datd 24.10.18	48,699	डी.पी.ओ. प्रशिक्षण	AR 1110
01.05.18	लेनोवो 510 कम्प्यूटर	रोमान नेटवर्क प्रा. लि.	RNPL/18-19/065 dated 11.04.189	49,750	डी.पी.ओ. प्रशिक्षण	AR 1111
	कुल			2,70,78,449		

प्रपत्र जी.एफ.आर. – 40 परिशिष्ट -IV

नियम 190.2 (i)

31.03.2019 को यथा एम.सी.एल. -सी.एस.आर. सहायता के अंतर्गत स्थायी परिसंपत्तियों का रजिस्टर

दिनांक	परिसंपत्तियों का विवरण	आपूर्तिकर्ता का विवरण: नाम एवं पता	आपूर्तिकर्ता का विवरण: बिल क्रमांक एवं तिथि	परिसंपत्ति की लागत (In Rs.)	परिसंपत्तियों का स्थान	परिसंपत्तियों की पहचान संख्या
21.02.19	फोर्स ट्रेवेलर आम्बूलेन्स	नव्या मोटर्स (फोर्स मोटर्स लि., महाराष्ट्र)	003180014584 dated 11.12.18	11,19,331	ए.डी. -2	Regd. No. OD-05-AN-4834
29.03.19	फोर्स ट्रेवेलर आम्बूलेन्स आनुसंगीक	नव्या मोटर्स, कटक	065 dated 29.03.19	5,02,530		
	कुल			16,21,861		

ह./-
(पी. के. साहु)
प्रभारी लेखा अधिकारी

ह./-
(डॉ. एस.पी. दास)
निदेशक

स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
ओलटपुर, पोस्ट-बाइरोइ जिला-कटक - ७५४०१० (ओड़िशा)

क्र.		विवरण	चालू वर्ष Rs.	चालू वर्ष Rs.	पूर्व वर्ष Rs.	पूर्व वर्ष Rs.
A		चालू देयताएं				
2	a)	[illegible] (कृपया अनुसूची)		6,77,727.33		6,77,727.33
	b)	अन्य के फुटकर लेनदार (कृपया अनुसूची)		2,00,09,472.00		1,83,68,487.00
3		अग्रिम प्राप्त :				
		[illegible]	-		-	
		[illegible]	-		20,000.00	
		[illegible]	-		-	
		[illegible]	-		-	
		[illegible]	1,53,10,500.00	1,53,10,500.00	1,75,09,000.00	1,75,29,000.00
5		सांविधिक देयताएं :				
b)		अन्य				
		[illegible]	6,58,070.00		1,98,034.00	
		[illegible]	3,46,501.00		3,64,476.00	
		[illegible]	23,63,356.00		24,80,601.00	
		[illegible]	-		4,21,183.00	
		[illegible]	1,98,312.00			
		[illegible]	1,29,686.00			
		आयकर ([illegible])	6,02,419.00		6,37,779.00	
		आयकर ([illegible])	3,27,708.00		1,32,145.00	
		[illegible]	26,525.00		31,325.00	
		[illegible]	-	46,55,557.00	-	42,66,543.00
6		अन्य चालू देयताएं :				
		[illegible]	67,59,193.00		50,46,402.00	
		[illegible]	63,19,213.00		55,76,779.00	
		[illegible]	-		-	
		[illegible]	-		-	
		[illegible]	22,46,464.00		22,43,255.00	
		[illegible]				
		[illegible]				
		[illegible]	79,050.00		83,650.00	
		[illegible]	61,67,397.00		66,83,555.00	
		[illegible]	4,40,497.00		4,40,497.00	
		[illegible]	-		10,75,700.00	
		[illegible]	-		-	
		[illegible]	59,04,625.00		71,09,417.00	
		[illegible]	-		-	
		[illegible]	73,06,916.00		52,99,159.00	
		[illegible]	94,18,517.00		31,17,310.00	
		[illegible]	-		6,91,000.00	
		[illegible]	7,56,70,323.30		3,63,58,302.30	
		[illegible]	-		-	
		[illegible]	7,56,592.00		7,87,437.00	
		[illegible]	-	12,10,69,187.30	-	7,46,92,463.30
		[illegible]	-		-	
		कुल		16,17,22,443.63		11,55,54,220.63
					-	-

ह./-
(पी. के. साहु)
प्रभारी लेखा अधिकारी

ह./-
(डॉ. एस.पी. दास)
निदेशक

स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
ओलटपुर, पोस्ट-बाइरोइ जिला-कटक - ७५४०१० (ओड़िशा)

क्र.	विवरण	चालू वर्ष		पूर्व वर्ष	
		Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
A	चालू परिसम्पत्तियां				
1	मालसूची				
a.	स्टोर एवं पुर्जे				
	एलिमको प्रकाशन	-		-	
	पूंजी माल				
	क्लिनिकल मनोवैज्ञानिक	9,334.00		9,334.00	
	पुर्जे	14,78,741.00		12,11,652.00	
	विद्युत स्टोर	1,68,615.00		2,04,442.00	
	फिटिंग सामग्री	14,30,039.00		6,10,360.00	
	फिटिंग सामग्री - सी आर सी, गुवाहटी खाता				
	श्रवण यंत्र - एस बी निरतार	1,67,403.00		2,11,896.00	
	कंप्यूटर स्टेशनरी स्टाक्	-		-	
	अस्पताल सामग्री	4,64,000.00		1,28,743.00	
	औषधि	1,95,807.00		1,35,021.00	
	रोगी मेस	20,761.00		88,998.00	
	विशेष सहायक क्रय - ए डी आर एच	1,99,650.00		1,99,850.00	
	स्टेशनरी	8,22,789.00		3,32,356.00	
	जनरल स्टोर का स्टाक	7,17,795.00		3,95,019.00	
	शिविर में स्टाक्	9,42,734.00		9,42,734.00	
	अंग फिटिंग केंद्र, पटना में स्टाक	15,075.70	79,03,182.18	15,075.70	60,88,183.70
	लाप्टम स्टाक्	6,13,450.00		4,27,450.00	
	वोकेशनल ट्रेनिंग किट का स्टाक्	6,68,958.48		11,75,463.00	
	एके एवं बीके प्रोस्थेसिस स्टोर एवं पुर्जे		24,338.25		24,338.25
	कुल		79,27,520.43		61,12,521.95
b.	छुट्टे टूल				
	अस्पताल टूल	2,30,754.00	-	5,250.00	-
	छुट्टे टूल	22,260.00	2,53,014.00	70,611.00	75,861.00
	कुल				

ह./-
(पी. के. साहु)
प्रभारी लेखा अधिकारी

ह./-
(डॉ. एस.पी. दास)
निदेशक

स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
ओलटपुर, पोस्ट-बाइरोइ जिला-कटक - ७५४०१० (ओडिशा)

क्र.	विवरण	चालू वर्ष		पूर्व वर्ष	
		Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
c.	[illegible]				
	[illegible]	2,58,178.00		4,56,976.00	
	डी डी [illegible] के पास	-		-	
	डी डी [illegible] के पास	-		-	
	डी डी [illegible] के पास				
	डी डी [illegible] के पास	-		-	
	डी डी [illegible] के पास	-		-	
	डी डी [illegible] के पास	-		-	
	डी डी [illegible] के पास				
	[illegible]		-		-
	[illegible]	4,76,146.00	7,35,324.00	4,76,146.00	9,32,122.00
	कुल		**7,35,324.00**		**9,32,122.00**
3	[illegible]				
	[illegible]	-		-	
	[illegible]				
	[illegible]	5,801.00	-	10,601.00	-
	[illegible]	-		-	
	[illegible]	20,218.00	32,019.00	38,163.00	48,764.00
	कुल		**32,019.00**		**48,764.00**
4	अनुसूचित बैंक में बैंक शेष				
a	[illegible]				
	इंडियन बैंक खाता नं 1791 ([illegible])	6,10,60,062.62		4,73,21,343.93	
	इंडियन बैंक खाता नं 8824 ([illegible])	69,36,277.39		21,92,208.39	
	इंडियन बैंक खाता नं 4953 ([illegible])	3,71,19,226.12		5,02,56,246.12	
	इंडियन बैंक खाता नं 4832 ([illegible])	2,47,28,618.80		41,97,794.80	
	इंडियन बैंक खाता नं 8198 ([illegible])	80,904.00		77,695.00	
	इंडियन बैंक खाता नं 1934 ([illegible])	13,26,431.48	**13,64,07,384.61**	57,70,802.48	**12,41,39,230.72**
	इंडियन बैंक खाता नं 6217413363 ([illegible])	5,71,925.00		1,66,025.00	
	इंडियन बैंक खाता नं 6402521978 ([illegible])	37,19,069.00		2,250.00	
	इंडियन बैंक खाता नं 0590064922 ([illegible])	-		2,20,464.00	
	इंडियन बैंक खाता नं 6614414219 ([illegible])	4,68,596.20		1,36,32,595.00	
	इंडियन बैंक खाता नं 6304579396 ([illegible])	3,96,274.00		-	
b.	[illegible]				
	[illegible] 150160		15,77,36,917.91		5,36,34,365.91
			29,41,46,302.52		**17,77,73,896.63**

ह./-
(पी. के. साहु)
प्रभारी लेखा अधिकारी

ह./-
(डॉ. एस.पी. दास)
निदेशक

स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
ओलटपुर, पोस्ट-बाइरोइ जिला-कटक - ७५४०१० (ओड़िशा)

क्र.	विवरण	चालूवर्ष		पूर्ववर्ष	
		Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
B.	ऋण एवं अग्रीम				
1(a)	ऋण (स्टाफ)				
	कार अग्रिम	37,400.00		59,840.00	
	कंप्यूटर अग्रिम	2,43,609.00		4,08,927.00	
	साइकल / फैन अग्रिम	1,250.00		1,250.00	
	साइक्लोन अग्रिम	4,500.00		4,500.00	
	पर्व अग्रिम	4,425.00		4,425.00	
	एच बी अग्रिम	45,80,663.00		40,55,247.00	
	एच डी एफ सी अग्रिम	-		8,944.00	
	एल टी सी अग्रिम	1,43,373.00			
	स्कूटर / मो. साइकल अग्रिम	93,113.00	51,08,333.00	2,19,938.00	47,63,071.00
	कुल		**51,08,333.00**		**47,63,071.00**
2	अग्रिम				
(a)	पूंजी खाते पर				
	कंट्राक्टर को अग्रिम	4,07,056.00		7,25,878.00	
	सप्लायर को अग्रिम	5,07,756.00		5,19,520.00	
	जर्नल को अग्रिम	81,604.00		81,604.00	
	सी पी डब्लू डी को अग्रिम	78,39,079.00	86,35,495.00	4,35,079.00	17,62,081.00
	कुल		**88,35,495.00**		**17,62,081.00**

ह./-
(पी. के. साहु)
प्रभारी लेखा अधिकारी

ह./-
(डॉ. एस.पी. दास)
निदेशक

क्र.	विवरण	चालूवर्ष		पूर्ववर्ष	
		Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
(c)	अन्य				
	एस.सी.बी. मेडिकल कॉलेज को अग्रिम	75,000.00		45,000.00	
	अग्रिम अन्य पार्टियों को	-		-	
	सदस्यों को अग्रिम (सी पी एफ)	-		-	
	सदस्यों को अग्रिम (जी पी एफ)*	-		-	
	स्टाफ को अग्रिम, सरकारी काम के लिए	1,32,034.00		3,99,192.00	
	ए पी सी एलिमको अग्रिम	-		-	
	ग्रांट इन एड रिसिभेबल	-		-	
	स्टाफ को अन्य अग्रिम	5,10,214.00		47,096.00	
	वेतन अग्रिम	875.00		(125.00)	
	टी डी एस -ब्याज (पी एफ)*	-		-	
	टी डी एस - ब्याज (कार्पस)*	-		-	
	टी डी एस – ब्याज	-		-	
	टी डी एस - ब्याज (सेसु)	-		-	
	यात्रा अग्रिम	2,14,847.00	9,32,970.00	1,17,405.00	6,08,568.00
	चालू परिसंपत्तियां -सी.आर.सी., गुवाहाटी में	**0.00**	**0.00**	0.00	0.00

ह./-
(पी. के. साहु)
प्रभारी लेखा अधिकारी

ह./-
(डॉ. एस.पी. दास)
निदेशक

स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
ओलटपुर, पोस्ट-बाइरोइ जिला-कटक - ७५४०१० (ओड़िशा)

क्र.	विवरण	चालू वर्ष Rs.	चालू वर्ष Rs.	पूर्व वर्ष Rs.	पूर्व वर्ष Rs.
	आय प्रोद्भूत				
	उद्दिष्ट निधि से (जी पी एफ)*	88,56,099.00		25,04,756.00	
	कार्पस फंड *	74,02,327.00		43,87,324.00	
	आय /ब्याज प्रोद्भूत - स्टाफ अग्रिम	-	-	(57,505.00)	-
	ब्याज प्राप्त - सेयू				
	आय /ब्याज प्रोद्भूत -निरतार बैंक	64,850.00	1,63,23,276.00	-	68,34,575.00
4	दावे प्राप्य				
	क्लेम्स प्राप्य (एन आइ ओ एच)	-		5,50,856.00	
	अग्निलिवरी क्लेम्स	-		-	
	दावे प्राप्य (एन.आई.ई.पी.एम.डी.)	-		3,67,239.00	
	दावे प्राप्य (ए टी एम विद्युत)	-		-	
	दावे प्राप्य (एलिम्को)	91,409.00		91,409.00	
	दावे प्राप्य (सी आर सी)	-		-	
	अन्य पार्टियों में जमा	43,494.00		43,494.00	
	नियोक्ता अंशदान - पी एफ*	-		-	
	पिडको	2,18,245.00		2,18,245.00	
	सिक्योरिटी तथा अन्य पार्टियाँ सह	14,39,467.00		14,39,467.00	
	न्यू इंडिया इंस्योरेंस	-		-	
	ओसेब	50,824.00		50,824.00	
	स्टाक रिकवरेबल	-		-	
	ब्रिज कोर्स	54,616.00		54,616.00	
	आर सी आई	-		-	
	उत्कल विश्वविद्यालय व विश्वविद्यालय रेजि. फीस एवं जोनल व्यय	(2,17,038.40)		(43,038.40)	
	दावे प्राप्य (कार्पस)	-	16,81,016.60	-	27,73,113.60
	कुल		**1,80,04,292.60**		**96,07,688.60**

ह./-
(पी. के. साहु)
प्रभारी लेखा अधिकारी

ह./-
(डॉ. एस.पी. दास)
निदेशक

स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
ओलटपुर, पोस्ट-बाइरोइ जिला-कटक - ७५४०१० (ओड़िशा)

क्र.		विवरण	चालू वर्ष Rs.	Rs.	पूर्व वर्ष Rs.	Rs.
2		अस्पताल सेवा से आय				
		बेड एवं डायट शुल्क	29,58,155.00		25,61,825.00	
		आपरेशन शुल्क	6,00,285.00		5,33,730.00	
		ओटी चार्जेस	9,53,464.00		7,64,013.00	
		पैथो टेस्ट	4,53,050.00		3,18,050.00	
		फीजियोथेरापी शुल्क	39,93,380.00		24,84,070.00	
		फीजियोथेरापी अक्करवेशन फी	36,000.00		10,500.00	
		फिजीयो शुल्क	7,07,930.00		6,65,745.00	
		प्लेकिरण चार्जेस	4,39,780.00		2,99,430.00	
		वाणी चिकित्सा चार्जेस	75,000.00		65,395.00	
		शल्य क्रिया चार्जेस	3,30,20,000.00		3,23,60,000.00	
		डॉरमिटरी चार्जेस	6,45,520.00		7,58,600.00	
		बाह्य केंद्र सेवा चार्जेस	23,41,788.00		17,66,176.00	
		मनोविज्ञान चार्जेस	12,960.00		18,700.00	
		एक्स-रे चार्जेस	7,76,380.00	4,70,91,702.00	7,02,610.00	4,33,08,814.00
						Schedule - 13 (Annexure)
1		केंद्रीय सरकार अनुदान / राजसहायता				
	a)	सहायता अनुदान (योजना) केंद्र सरकार, एम ओ एस जे एण्ड ई	38,55,05,000.00		32,61,69,930.00	
		घटाव – पूंजी निधि को अंतरण	1,89,98,034.00	36,65,06,966.00	5,08,15,780.00	27,53,54,150.00
	b)	सहायता अनुदान (गैर योजना) भारत सरकार से, एम ओ एस जे एण्ड ई		-		-
	c)	सहायता अनुदान (मिडिया बजट)		-		-
	d)	सहायता अनुदान (सी.आर.सी.- राजनंदगांव) ब्याज सहित		-		-
		कुल		36,65,06,966.00		27,53,54,150.00
						Schedule - 18 (Annexure)
	a)	फुटकर सेवाओं से फीस				
		फर्नीचर शुल्क	-		-	
		हाउसरेंट रिकवरी	-		-	
		एल टी सी रिकवरी	-		-	
		जल शुल्क	-	-	-	-
	a)	फुटकर आय				
		ब्याज अन्य	-		-	
		अनुदान पर ब्याज	-		-	
			-	-	-	-

ह./-
(पी. के. साहु)
प्रभारी लेखा अधिकारी

ह./-
(डॉ. एस.पी. दास)
निदेशक

स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
ओलटपुर, पोस्ट-बाइरोइ जिला-कटक - ७५४०१० (ओड़िशा)

क्र.	विवरण	चालू वर्ष Rs.	चालू वर्ष Rs.	पूर्व वर्ष Rs.	पूर्व वर्ष Rs.
a)	वेतन एवं मजूरी				
	वेतन (गैर योजना)	13,18,56,573.00		13,64,04,593.00	
	वेतन (योजना)	-		-	
	मजूरी (गैर योजना)	2,07,22,314.00	15,25,78,887.00	1,17,66,652.00	14,81,71,245.00
b)	स्टाफ कल्याण व्यय				
	कर्मचारी कल्याण एवं बच्चों की शिक्षा का भत्ता	23,59,400.00		80,214.00	
	उत्थान दिवस पर व्यय	68,981.00		1,62,318.00	
	लिवरेज एवं पोशाक	-		-	
	एल टी सी व्यय	12,45,698.00		11,71,337.00	
	मेडिकल व्यय	9,96,184.00	46,70,263.00	9,38,462.00	23,52,331.00
f)	कर्मचारी सेवानिवृत्ति व चिकित्सा लाभ				
	ग्रेच्युटी एवं छुट्टी का वेतन प्रदत्त	2,50,37,224.31		1,39,67,575.00	
	छुट्टी वेतन, पेंशन, ग्रेच्युटी प्रावधान एक्चुरियल के अनुसार	-	2,50,37,224.31	-	1,39,67,575.00
					Schedule - 21 (Annexure)
a)	क्रय (उपभोग) सामग्री				
	पुर्जे	10,57,812.00		42,49,069.00	
	विद्युत स्टोर	7,07,604.00		3,87,399.00	
	तैयार माल व्यवहृत	1,96,798.00		-	
	फिटिंग सामग्री	33,82,173.00		77,62,159.00	
	जनरल स्टोर अ.जा./अ.ज.जा. शाखा	16,81,368.00		18,88,173.00	
	श्रवण यंत्र	92,293.00		1,92,058.00	
	अस्पताल सामग्री	30,98,639.00		27,14,740.00	
	औषध	15,10,014.00		12,96,514.00	
	प्रिंटिंग व स्टेशनरी	12,81,981.00		13,03,113.00	
	वोकेशनल ट्रेनिंग किट व्यवहृत	-		-	
	खुले दूत व्यवहृत	48,351.00		78,872.00	
		-	1,30,57,033.00	-	1,98,72,397.00
d)	विद्युत व शक्ति				
	विद्युत व्यय	47,10,601.00		57,60,436.00	
	सौर्य शक्ति व्यय	15,69,992.00			
	जनरेटर व्यवहार व्यय	4,67,379.00	67,47,972.00	3,07,545.00	60,67,981.00

ह./-
(पी. के. साहु)
प्रभारी लेखा अधिकारी

ह./-
(डॉ. एस.पी. दास)
निदेशक

स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
ओलटपुर, पोस्ट-बाइरोइ जिला-कटक - ७५४०१० (ओड़िशा)

क्र.	विवरण	चालूवर्ष		पूर्ववर्ष	
		Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
f)	व्याख्यात्मक ट्रिप्पणी यु एव के पर				
	किराया , दर एव कर (बीमा सह)	2,55,115.00	2,55,115.00	3,17,247.00	3,17,247.00
g)	मरम्मत व रख रखाव :				
	मरम्मत व रख रखाव	43,84,717.00		28,45,551.00	
	बगीचा रख रखाव	877.00	43,85,594.00	-	28,45,551.00
j)	वाहन चलाना व रख रखाव व्यय :				
	वाहन चलाना व्यय	13,09,969.00		7,76,642.00	
	वाहन मरम्मत व्यय	7,115.00		1,64,384.00	
	वाहन किराया, शुल्क	70,67,450.00		56,25,309.00	
	यातायत व्यय / भत्ता	2,25,720.00	86,30,254.00	67,716.00	66,34,051.00
k)	डाक, फोन व संचार शुल्क :				
	इंटरनेट शुल्क	-		-	
	डाक, तार व इंटरनेट	61,649.00		45,087.00	
	फोन व्यय	1,61,836.00	2,23,485.00	98,499.00	1,43,586.00
m)	यात्रा एवं यातायात :				
	यातायात	23,08,868.00	23,08,868.00	22,35,158.00	22,35,158.00
n)	प्रशिक्षण / सेमिनार एवं कार्यशाला व्यय				
	काउंसिल बैठक व्यय	64,388.00		2,07,157.00	
	हिंदी कार्यक्रम व्यय	98,670.00		1,09,612.00	
	आईऐटी-एनसी 2018	3,15,921.00			
	प्रशिक्षण व्यय	2,20,03,919.00		2,24,20,185.00	
	केंद्र शुल्क एवं डी ई टी	18,26,731.00		(26,442.00)	
	अनुसंधान व्यय	3,420.00		1,64,000.00	
	मानव संसाधन विकास व्यय	3,94,900.00		2,57,522.00	
	सम्मेलन एवं सेमिनार व्यय	17,040.00		60,967.00	
	इंटरनेशनल योग दिवस	76,270.00		-	
	वोकेशनल ट्रेनिंग व्यय अ.जा./अ.ज.जा. शहित	8,14,793.52		2,96,096.00	
	प्रदर्शनी व्यय	62,936.00		78,457.00	
	शिविर व्यय	31,61,988.00		31,395.00	
	अल्पावधि नवीकरण व्यय	1,15,780.00	-	1,09,418.00	-
	पी जी प्रवेशिका व्यय	-	2,89,56,756.52	-	2,37,08,369.00

ह./-
(पी. के. साहु)
प्रभारी लेखा अधिकारी

ह./-
(डॉ. एस.पी. दास)
निदेशक

क्र.	विवरण	चालूवर्ष Rs.	चालूवर्ष Rs.	पूर्ववर्ष Rs.	पूर्ववर्ष Rs.
ट)	अन्य व्यय				
	सिक्यॉरिटी व्यय	94,78,240.00		86,86,377.00	
	रिक्रूटमेंट व्यय	13,14,425.00		3,73,042.00	
	रोगी मेस व्यय	28,23,360.00		31,47,120.00	
	अन्य फुटकर शुल्क	2,74,337.00		4,27,021.00	
	बैंक शुल्क	81,354.00		93,720.14	
	अखबार एव पत्रिकाए	2,01,962.00		77,856.00	
	सी पी एफ एवं एन पी एस का नियोक्ता अंशदान	16,41,869.00		18,22,636.00	
	पेशेंट मेस एस.सी. / एस.टी. को मिलाकर	6,29,005.00		7,70,469.00	
	हेंडलिंग व परिवहन	-	**1,66,44,542.00**	-	1,53,98,241.14
	उपकेंद्र, ढेंकानाल	4,27,253.00	**4,27,253.00**	3,09,801.00	**3,09,801.00**
	फिजियो एवं योग केंद्र, कटक	2,44,894.00	**2,44,894.00**	1,57,394.00	1,57,394.00
	उपकेंद्र, भुवनेश्वर	2,20,007.00	**2,20,007.00**	1,28,560.00	1,28,560.00
	सेटेलाइट केंद्र, बलांगिर परिचालना खर्च	36,51,154.50		20,21,389.00	
	सी.आर.सी. वर्चो अन्य सहुँ खर्च	7,00,199.50			
	उपकेंद्र, नुआपड़ा	2,21,853.00		-	
	ई.सी. बैठक पर खर्च	6,59,149.00		9,940.00	
	डाक्टर को फीस	4,63,000.00		5,31,500.00	
	उत्तरी-पूर्वी व्यय	70,30,000.00		1,17,40,739.00	
	कन्जर्वसी व्यय	79,88,684.00		1,13,72,521.00	
	स्वच्छ भारत व्यय	1,04,620.00		87,690.00	
	स्वतंत्रता दिवस	1,00,868.00			
	अतिरिक्त ड्यूटी भत्ता	2,43,558.00			
	मैत्री कार्यक्रम व्यय	4,85,414.00		4,64,132.00	
	एन.एस.डी.एल. व्यय	2,965.00		3,338.00	
			2,16,51,465.00		2,62,31,249.00
	Total		**3,91,88,161.00**		**4,22,25,245.14**

ह./-
(पी. के. साहु)
प्रभारी लेखा अधिकारी

ह./-
(डॉ. एस.पी. दास)
निदेशक

स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
ओलटपुर, पोस्ट-बाइरोइ जिला-कटक - ७५४०१० (ओड़िशा)

वर्ष 2018-19 के लिए प्राप्ति एवं भुगतान लेखा का अनुलग्नक

प्राप्ति

क्र.	विवरण	राशि (Rs.)	कुल (Rs.)	पूर्व वर्ष (Rs.)
I	प्रारंभिक शेष			
a)	हाथ में नगद : गैर योजना खाता			
	एडिप खाता			0.00
	इंप्रेस्ट खाता (स्वावोनिरवार)	10,601.00	10,601.00	10,415.00
	हाथ में डाक टिकट	38,163.00	38,163.00	38,279.00
		48,764.00	**48,764.00**	**48,694.00**
b)	बैंक में नगद			
	(i) बचत बैंक खाता			
	इंडियन बैंक खाता नं 1791	4,73,21,343.93	4,73,21,343.93	4,60,11,361.93
	इंडियन बैंक खाता नं 1934 (जी.पी.एफ)	57,70,602.48	57,70,602.48	2,30,938.48
	इंडियन बैंक खाता नं 4832 (एडिप)	41,97,794.80	41,97,794.80	27,31,773.80
	इंडियन बैंक खाता नं 4953 (कार्पस फंड)	5,02,56,246.12	5,02,56,246.12	12,06,035.12
	इंडियन बैंक खाता नं 5624	21,92,208.39	21,92,208.39	91,21,380.03
	इंडियन बैंक खाता नं 6217413363 (एन.ई.सी.क्यू. सी.एल.एफ. खाता)	4,68,025.00	4,68,025.00	4,702.00
	इंडियन बैंक खाता नं- 6590054822 (ए.डी.पी. स्किम)	2,20,464.00	2,20,464.00	0
	इंडियन बैंक खाता नं 6402521978 (एस.आई.पी.डी.ए.)	2,256.00	2,256.00	19,234.00
	इंडियन बैंक खाता नं 8196 (सी.आर.सी.)	77,696.00	77,695.00	74,835.00
	इंडियन बैंक खाता नं. 6614414219 (नालको- सी.,स.आर.)	1,36,32,596.00	1,36,32,595.00	
	भारतीय स्टेट बैंक खाता नं 100050160	5,36,34,365.91	5,36,34,365.91	1,75,04,966.41
		17,77,73,596.63	**17,77,73,596.63**	**7,69,05,229.77**
	(ii) चालु खाता			
	(iii) जमा खाता			
	इंडियन बैंक, ओलटपुर (एफ डी आर / यू डी एस)		-	-
		-	-	-
	Sub Total (A)	**17,78,22,360.63**	**17,78,22,360.63**	**7,69,53,923.77**

ह./-
(पी. के. साहु)
प्रभारी लेखा अधिकारी

ह./-
(डॉ. एस.पी. दास)
निदेशक

स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
ओलटपुर, पोस्ट-बाइरोइ जिला-कटक - ७५४०१० (ओड़िशा)

क्र.		विवरण	राशि (Rs.)	कुल (Rs.)	पूर्व वर्ष (Rs.)
II		अनुदान प्राप्त			
	a)	भारत सरकार से			
		सहायता अनुदान (निरतार)			
		सहायता अनुदान (गैरयोजना खाता)	-	-	-
		जी.आई.ए. सुगम्य सौचालय	-	-	33,27,100.00
		जी.आई.ए. राजस्व	40,51,00,000.00	40,51,00,000.00	32,27,50,000.00
		सहायता अनुदान (योजना खाता)	-	-	-
		सहायता अनुदान (एडिप)	-	-	-
		सहायता अनुदान (सी आर सी)	-	-	2,55,00,000.00
		सहायता अनुदान (सी.आर.सी., गुवाहटी - एस.आई.पी.डी.ए. स्किम)		-	-
		सहायता अनुदान (आवेरनेस)	-	-	-
		अनुदान प्राप्त (राजनंदगांव) ब्याज सहित	-	-	1,02,00,000.00
		अनुदान प्राप्त (उत्तर-पूर्वी प्लान)	-	-	-
			40,51,00,000.00	**40,51,00,000.00**	**36,17,77,100.00**
	b)	चालू देयतायें			
		अग्रिम एक टी चार्जेस के लिए	18,96,911.00	18,96,911.00	21,23,560.00
		अग्रिम एच डब्ल्यू चार्जेस के लिए	22,58,330.00	22,58,330.00	16,12,765.00
		बिल देय	2,95,975.00	2,95,975.00	6,712.00
		बिल देय (छात्र)	15,844.00	15,844.00	0.00
		एलिनारोव कशन मनि	1,00,000.00	1,00,000.00	40,000.00
		छात्र कशन मनि	8,26,000.00	8,26,000.00	39,66,500.00
		मुख्य मंत्री रिलिफ फंड	-	-	25,000.00
		कोर्स फी (एन.आई.ई.एम.डी.)	-		10,75,700.00
		कोर्स फी (एन.आई.ओ.एच.)	-	-	45,80,524.00
		सी.पी.एफ. (निरतार)	-	-	0.00
		बिल देय	48,171.00	48,171.00	0.00
		इ.एम.डी.	29,41,450.00	29,41,450.00	51,52,250.00
		जी.आई.एस. (एल.आई.सी. भुवनेश्वर)	9,49,251.00	9,49,251.00	3,07,027.00
		प्रोफेशनल कर	-	-	200.00
		स्टाइपेंड लोन बाझर	1,19,635.00	1,19,635.00	0.00
		जी.पी.एफ.	1,00,000.00	1,00,000.00	0.00

ह./-
(पी. के. साहु)
प्रभारी लेखा अधिकारी

ह./-
(डॉ. एस.पी. दास)
निदेशक

स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
ओलटपुर, पोस्ट-बाइरोइ जिला-कटक - ७५४०१० (ओड़िशा)

क्र.	विवरण	राशि (Rs.)	कुल (Rs.)	पूर्व वर्ष (Rs.)
	सिक्युरिटी जमा	18,47,975.00	18,47,975.00	28,43,850.00
	स्टाफ परिवहन खाता	11,360.00	11,360.00	16,480.00
	फुटकर देनदार अन्य	5,500.00	5,500.00	10,967.00
	टी डी एस (ठेकेदार)	19,19,825.00	19,19,825.00	9,39,573.00
	जी.एस.टी. देय	6,55,796.00	6,55,796.00	0.00
	टी डी एस (वेतन)	3,63,239.00	3,63,239.00	36,885.00
	इयर मार्कड एंडोमेंट फन्ड		-	0.00
	ए.डी.आई.पी. फन्ड		-	0.00
	ग्रांट-इन-आइड (ए.डी.आई.पी. ब्याज)	7,54,415.00	7,54,415.00	0.00
	ग्रांट-इन-आइड (ए.डी.आई.पी.)	6,99,57,000.00	6,99,57,000.00	5,00,00,000.00
	कर्पस खाता		-	0.00
	ब्याज आय कर्पस	9,98,901.00	9,98,901.00	11,15,541.00
	निरवार निज फन्ड (कर्पस खाता)	3,63,50,000.00	3,63,50,000.00	6,18,70,808.00
	पेन्सन खाता	-	-	0.00
	प्रोविडेंट फन्ड खाता		-	0.00
	सी.पी.एफ. कान्ट्रब्युसन	62,720.00	62,720.00	61,760.00
	सी.पी.एफ. (वी.ओ.एल)	1,60,000.00	1,60,000.00	1,20,000.00
	डी.एन.पी.एस. टायार	35,08,332.00	35,08,332.00	35,53,512.00
	जी.पी.एफ. अग्रीम (जी.पी.एफ. एडोमेंट)	16,33,442.00	16,33,442.00	19,05,582.00
	जी.पी.एफ. कंट्रीब्युसन खाता	2,78,42,300.00	2,78,42,300.00	2,47,53,812.00
	पी.एफ. आय पर ब्याज	7,51,295.00	7,51,295.00	8,92,783.00
	ए.जी.पी. स्किम	9,021.00	9,021.00	3,60,858.00
	MCL CSR	16,40,605.00	16,40,605.00	0.00
	GIA CRC Bolangiri	50,00,000.00	50,00,000.00	0.00
	GIA CRC Ranchi	73,50,000.00	73,50,000.00	0.00
	जी.आई.ए. नालको सी.एस.आर.	2,72,84,437.40	2,72,84,437.40	2,72,85,190.00
	आर.इ.सी.एल - सी.एस.आर.		-	0.00
	ग्राट इन एड आर.इ.सी.एल - सी.एस.आर.	-	-	1,93,55,366.00
	ग्रांट इन एड (आर.इ.सी.एल - सी.एस.आर. ब्याज)	1,03,900.00	1,03,900.00	4,101.00
	बैंक से ब्याज एस.आई.पी.डी.ए	41,813.00	41,813.00	328.00
	सी.आर.सी.-बैंक से ब्याज	3,209.00	3,209.00	2,860.00
	डब्ल्यु.आई.पी. बिल्डिंग बलांगीर	-	-	1,30,00,000.00
	फरनिचर / फिक्सचर	-	-	21,000.00
	बस	-	-	4,19,597.00
		19,78,04,642.40	**19,78,04,642.40**	**22,74,70,891.00**
	Sub Total (B)	**60,29,04,642.40**	**60,29,04,642.40**	**58,92,47,991.00**

ह./-
(पी. के. साहु)
प्रभारी लेखा अधिकारी

ह./-
(डॉ. एस.पी. दास)
निदेशक

स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
ओलटपुर, पोस्ट-बाइरोइ जिला-कटक - ७५४०१० (ओड़िशा)

क्र.		विवरण	राशि (रु.)	कुल (रु.)	पूर्व वर्ष (रु.)
III		निवेश खाता			
	a)	पूर्व निर्धारित अक्षय निधि से			
		पूर्व निर्धारित निधि से	51,24,304.00	51,24,304.00	4,83,28,577.00
		निवेश खाता (बैंक)	3,00,00,000.00	3,00,00,000.00	1,50,00,000.00
			3,51,24,304.00	3,51,24,304.00	6,33,28,577.00
	b)	अन्य से			
		बचत खाता (बैंक से प्राप्त ब्याज)	-	-	-
	c)	ऋण एवं अग्रिम से	-	-	-
		स्टाफ से प्राप्त ब्याज		-	0.00
		ए.पी.सी एल्मिको अग्रिम		-	-
		ठेकेदार को अग्रिम (गैरयोजना)		-	-
		अग्रिम, जी पी एफ सदस्यों को		-	-
			-	-	-
		Sub Total (C)	**3,51,24,304.00**	**3,51,24,304.00**	**6,33,28,577.00**
IV		अन्य आय			
		एकादमिक सर्विस		-	-
		कोर्स फीस	1,18,55,732.00	1,18,55,732.00	1,38,84,368.00
		हास्टल चार्जेस	44,58,152.00	44,58,152.00	31,47,755.00
		अस्पताल सर्विस		-	-
		डॉमिटरी चार्जेस	6,82,400.00	6,82,400.00	7,91,120.00
		आपरेशन चार्जेस	8,05,885.00	8,05,885.00	8,30,180.00
		ओ टी चार्जेस	9,53,864.00	9,53,864.00	7,64,013.00
		पेया चार्जेस	4,53,060.00	4,53,050.00	3,16,300.00
		फीजियोथेरापी चार्जेस एवं फीजियोथेरापी अवजरवेशन फी	40,37,290.00	40,37,290.00	24,95,370.00
		पीओपी चार्जेस	7,09,780.00	7,09,780.00	6,67,415.00
		मनोविज्ञान चार्जेस	12,960.00	12,960.00	16,700.00

ह./-
(पी. के. साहु)
प्रभारी लेखा अधिकारी

ह./-
(डॉ. एस.पी. दास)
निदेशक

स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
ओलटपुर, पोस्ट-बाइरोइ जिला-कटक - ७५४०१० (ओड़िशा)

क्र.		विवरण	राशि	कुल	पूर्व वर्ष
		पंजीकरण चार्जेस	4,39,780.00	4,39,780.00	2,99,430.00
		वाणी चिकित्सा चार्जेस	75,000.00	75,000.00	65,365.00
		एक्सरे चार्जेस	7,76,560.00	7,76,560.00	7,03,390.00
		उपकेन्द्रों में सर्विस चार्जेस		-	-
		भुवनेश्वर केन्द्र सर्विस चार्जेस	6,40,466.00	6,40,466.00	4,89,486.00
		कटक केन्द्र सर्विस चार्जेस	10,27,887.00	10,27,887.00	7,62,150.00
		ढेंकानाल केन्द्र सर्विस चार्जेस	2,85,075.00	2,85,075.00	2,86,335.00
		सेटेलाईट केन्द्र बलांगीर सर्विस चार्जेस	2,68,520.00	2,68,520.00	1,56,645.00
		ब्याज आय		-	-
		बैंक से प्राप्त ब्याज	98,51,133.00	98,51,133.00	44,86,444.00
		स्टाफ से प्राप्त ब्याज	2,39,061.00	2,39,061.00	1,14,847.00
		अन्य आय		-	-
		गेस्ट हाउस चार्जेस	59,000.00	59,000.00	70,950.00
		लाइसेंस फी रिकवरी	2,09,234.00	2,09,234.00	1,35,661.00
		फुटकर आय	1,86,249.00	1,86,249.00	2,96,897.00
		रिक्रुटमेंट फी	92,950.00	92,950.00	36,500.00
		ए.टी.एम. किराया	12,000.00	12,000.00	12,000.00
		वाटर चार्जेस रिकवरी	338.00	338.00	287.00
		लाइब्रेरी पुस्तक		-	-
		स्टाफ कैंटिन	-	-	-
		Sub Total(D)	**3,81,32,166.00**	**3,81,32,166.00**	**3,06,33,590.00**
	V	अन्य प्राप्तियां :			
		स्टाफ कैंटिन	2,74,265.00	2,74,265.00	2,10,060.00
		स्थापना खर्च		-	-
		वेतन व भत्ते (गैर योजना)	2,25,00,000.00	2,25,00,000.00	-
		वेतन व भत्ते (योजना)	3,51,475.00	3,51,475.00	75,896.00
		मजदूरी (आउट रिच)	27,000.00	27,000.00	-

ह./-
(पी. के. साहु)
प्रभारी लेखा अधिकारी

ह./-
(डॉ. एस.पी. दास)
निदेशक

क्र.	विवरण	राशि	कुल	पूर्व वर्ष
	अन्य प्रशासनिक खर्च		-	-
	दर, कर एवं बीमा	67,911.00	67,911.00	20,291.00
	दानदेय	-	-	2,000.00
	विद्युत एवं शक्ति		-	-
	विद्युत खर्च	72,846.00	72,846.00	99,913.00
	ट्रेनिं, सेमिनार एंड कार्यशाला पर खर्च			-
	सेंटर चार्जेस	1,53,900.00	1,53,900.00	95,000.00
	कामन एंट्रांस टेष्ट	6,38,284.00	6,38,284.00	18,91,680.00
	मेनपावर डेवेलपमेंट खर्च	-	-	1,03,500.00
	कनफरेन्स एंड सेमिनार	-	-	-
	काउनसिल बैठक खर्च	2,400.00	2,400.00	-
	सर्ट ओरिएनटेशन कोर्स खर्च	33,600.00	33,600.00	23,700.00
	वोकेशनाल ट्रेनिं खर्च	35,495.00	35,495.00	32,500.00
	ट्रेनिं खर्च		-	-
	ट्रेनि खर्च	2,02,092.00	2,02,092.00	5,20,290.00
	स्टाईपेंड	17,455.00	17,455.00	12,412.00
	शिक्षण पारिश्रमिक	5,400.00	5,400.00	
	अन्य खर्च		-	-
	ढेंकानाल केंद्र	480.00	480.00	-
	उप-केंद्र, नुआपड़ा	5,75,382.00	5,75,382.00	-
	डक्टर्स फी	-	-	-
	न्यूज पेपर्स एंड पिरियोडिकल्स		-	5,069.00
	अन्य फुटकर खर्च	-	-	10,940.00
	रिक्रुइटमेंट खर्च	-	-	15,131.00
	पेसेंट मेस खर्च	-	-	-
	सटेलाईट केंद्र, बलांगीर		-	-
	सटेलाईट केंद्र, बलांगीर कार्यालय कार्य के लिए अग्रीम	2,34,889.00	2,34,889.00	1,400.00
	सटेलाईट केंद्र, बलांगीर अन्य सही खर्च	15,975.00	15,975.00	
	सी.आर.सी. राजनंदगांव, छत्तीसगढ़		-	-
	सी.आर.सी. राजनंदगांव इनागुरेसन खर्च	-	-	-
	सी.आर.सी. राजनंदगांव रिक्रुटमेंट खर्च	-	-	-
	सी.आर.सी. राजनंदगांव सालरी पेबल	-	-	-
	सी.आर.सी. राजनंदगांव यात्रा अग्रीम	-	-	-
	पोस्ट टेलिफोन एंड कम्युनिकेशन चार्जेस		-	-
	टेलिफोन खर्च	-	-	40,000.00

ह./-
(पी. के. साहु)
प्रभारी लेखा अधिकारी

ह./-
(डॉ. एस.पी. दास)
निदेशक

स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
ओलटपुर, पोस्ट-बाइरोइ जिला-कटक - ७५४०१० (ओड़िशा)

क्र.	विवरण	राशि	कुल	पूर्व वर्ष
	रिपेयर एंड मेंटेनान्स		-	-
	गार्डेन मेंटेनान्स	-	-	-
	रिपेयर एवं मेंटेनेंस	-	-	1,04,120.00
	वाहन चालन एंड मेंटेनान्स		-	-
	वाहन ड्राइवर चार्जेस	-	-	-
	वाहन चलाने पर खर्च	-	-	11,983.00
	स्थायी संपत्तियां		-	-
	कापिटल वर्क इन प्रोग्रेस		-	-
	वर्क इन प्रोग्रेस ईलेक्ट्रिकल रेनोवेशन नयन हॉस्टल	-	-	-
	लाइब्रेरी बुक्स		-	-
	लाइब्रेरी बुक्स	-	-	-
	प्लांट मशिनरी एंड इक्युपमेंट	48,699.00	48,699.00	-
	फिजिओथेरापी इक्युपमेंट	-	-	-
	करेंट आसेटस		-	-
	आक्रुड इंटरेस्ट (कर्पस)	-	-	41,23,273.00
	एपीसी अग्रीम, एलिम्को	11,79,445.00	11,79,446.00	10,85,570.00
	जनेरल अग्रीम	-	-	50,000.00
	सरकारी कार्य के लिए अग्रीम, सी.आर.सी. राजनंदगांव	-	-	-
	बिल्स रिसिवेबल, निरतार		-	16,696.00
	क्लेमस् रिसिवेबल, सी.आर.सी. राजनंदगांव	31,00,000.00	31,00,000.00	16,52,444.00
	क्लेमस् रिसिवेबल, एन.आई.ई.पी.एम.डी.	3,67,239.00	3,67,239.00	
	पूर्व निर्धारित प्राप्ति	-	-	3,25,752.00
	प्राप्य दावें		-	-
	एन.आई.ओ.एच. से प्राप्त दावे	-	-	-
	विश्वविद्यालय क्षतिपूर्ति खर्च	4,74,000.00	4,74,000.00	3,94,000.00
	ऋण एवं अग्रीम (अन्य)		-	-
	सरकारी कार्य के लिए अग्रीम	9,10,143.00	9,10,143.00	9,04,647.00
	सी.पी.डब्ल्यू.डी अग्रीम	-	-	-
	वकील को अग्रीम	-	-	-
	अन्य पार्टियों को अग्रीम	53,800.00	53,800.00	-
	सप्लायर्स को अग्रीम	2,29,56,409.00	2,29,56,409.00	-
	प्राप्त होनेवाली सहायता अनुदान	6,98,66,000.00	6,98,66,000.00	1,52,00,000.00
	यात्रा अग्रीम	9,80,679.00	9,80,679.00	5,51,793.00

ह./-
(पी. के. साहु)
प्रभारी लेखा अधिकारी

ह./-
(डॉ. एस.पी. दास)
निदेशक

स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
ओलटपुर, पोस्ट-बाइरोइ जिला-कटक - ७५४०१० (ओड़िशा)

क्र.	विवरण	राशि	कुल	पूर्व वर्ष
	स्टोर एंड स्पेयर		-	-
	फिटिंग सामग्री का स्टाक	1,09,540.00	1,09,540.00	-
	ईलेक्ट्रिकल स्टोर का स्टाक	-	-	2,250.00
	प्रिंटिंग एवं स्टेशनरी का स्टाक	5,400.00	5,400.00	35,425.00
	ऋण एवं अग्रीम (स्टाफ)		-	-
	स्कूटर मोटर साईकिल अग्रीम	17,812.00	17,812.00	-
	फेस्टिवाल अग्रीम	-	-	450.00
	गृह निर्माण अग्रीम	-	-	38,500.00
	एल.टी.सी अग्रीम	7,38,819.00	7,38,819.00	5,05,864.00
	स्टाफ को अन्य अग्रीम	45,000.00	45,000.00	4,36,500.00
	अग्रीम वेतन	1,600.00	1,600.00	2,075.00
	हॉस्टेल चार्जेस	-	-	-
	वेतन एवं भत्ता (गैर-योजना)	-	-	-
	ट्रेनिंग एंड सेमिनार, कार्यशाला खर्च	-	-	-
	ए टी एम किराया	-	-	-
	टावर किराया	-	-	-
	अन्य व्यय	-	-	-
	रिपेयर एवं मेंटेनेंस	-	-	-
	वाहन चलाने एवं मेंटेनेंस	-	-	-
	विद्युत एवं शक्ति	-	-	-
	कांफ्रेंस एवं सेमिनार	-	-	-
	पूर्व निर्धारित फंड (जी.पी.एफ.) ब्याज	-	-	-
	सी.आर.सी. गुवाहटी	-	-	-
	ए.डी.आई.पी. फंड	-	-	-
	प्रोद्भुत ब्याज (कर्पस)	-	-	-
	एस.सी.बी. मेडिकेल कॉलेज अग्रीम	-	-	-
	पूंजीगत कार्य प्रगति पर	-	-	-
	गृह निर्माण अग्रीम	-	-	-
	कम्प्यूटर अग्रीम	-	-	-

ह./-
(पी. के. साहु)
प्रभारी लेखा अधिकारी

ह./-
(डॉ. एस.पी. दास)
निदेशक

क्र.	विवरण	राशि	कुल	पूर्व वर्ष
	स्टक ऑफ फिटिं मटेरियल	-	-	-
	प्राप्त होने वाली सहायता अनुदान	-	-	-
	ऑडिट फि	-	-	-
	कर्पस	-	-	-
	पोस्टेज एंड टेलिग्राम	-	-	-
	छात्रों से कैसन मनी	-	-	-
	बचना जमा (ई.एम.डी.)	-	-	-
	सिक्यूरिटी डिपोजिट	-	-	-
	उत्कल विश्वविद्यालय खाता	-	-	-
	एल.टी.सी. अग्रीम	-	-	-
	वेतन अग्रीम	-	-	-
	स्कुटर मोटर साईकल अग्रीम	-	-	-
	यात्रा अग्रीम	-	-	-
	सप्लायर को अग्रीम	-	-	-
	स्टाफ को अन्य अग्रीम	-	-	-
	कर्यालय कार्य के लिए अग्रीम	-	-	-
	विश्वविद्यालय जमा अग्रीम	-	-	-
	फेस्टिवाल अग्रीम	-	-	-
	जल चार्जेस रिकवर्ड	-	-	-
	मुख्य मंत्री सहायता फंड	-	-	-
	Sub Total(E)	**12,60,63,435.00**	**12,60,63,435.00**	**2,86,01,326.00**
	Grand Total (A+B+C+D+E)	**98,00,46,908.03**	**98,00,46,908.03**	**78,87,65,407.77**

ह./-
(पी. के. साहु)
प्रभारी लेखा अधिकारी

ह./-
(डॉ. एस.पी. दास)
निदेशक

स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
ओलटपुर, पोस्ट-बाइरोइ जिला-कटक - ७५४०१० (ओड़िशा)

भुगतान

क्र.		विवरण	राशि	कुल	पूर्व वर्ष
I		खर्च			
	a)	स्थापना खर्च			
		देय बिल (स्टाफ एवं छात्र)		-	-
		सीपीएफ		-	-
		निर्वाह भत्ता		-	-
		वेतन व भत्ते - योजना - गैर योजना खाता देय		-	-
		वेतन व भत्ते - योजना - गैर योजना खाता		-	-
		स्थापना खर्च			
		बोनस	-	-	-
		कर्मचारी कल्याण	33,000.00	33,000.00	28,004.00
		उपदान	1,58,10,070.31	1,58,10,070.31	88,40,690.00
		छुट्टी का वेतन	95,69,629.00	95,69,629.00	51,26,885.00
		बच्चों के लिए शिक्षा भत्ता	6,69,537.00	6,69,537.00	-
		एल टी सी व्यय	8,69,104.00	8,69,104.00	5,46,829.00
		मेडिकल व्यय	9,76,486.00	9,76,486.00	7,77,497.00
		वेतन व भत्ते (गैर योजना)	2,25,00,000.00	2,25,00,000.00	17,17,446.00
		वेतन व भत्ते (योजना)	12,17,174.00	12,17,174.00	-
		मजदूरी	1,81,23,037.00	1,81,23,037.00	1,04,11,673.00
		मजदूरी (आउटरिच)	1,98,208.00	1,98,208.00	1,86,168.00
		Sub Total(A)	**6,99,66,245.31**	**6,99,66,245.31**	**2,76,35,192.00**
	b)	प्रशासनिक व्यय			
		बिस्तर व खाद्य चार्जेस		-	-
		कोर्स फि		-	-
		हॉस्टेल फि		-	-
		अपरेशन चार्जेस		-	-
		स्व उपार्जित निधी		-	-

ह./-
(पी. के. साहु)
प्रभारी लेखा अधिकारी

ह./-
(डॉ. एस.पी. दास)
निदेशक

स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
ओलटपुर, पोस्ट-बाइरोइ जिला-कटक - ७५४०१० (ओड़िशा)

क्र.	विवरण	राशि	कुल	पूर्व वर्ष
	पोस्टेज एंड टेलिग्राम		-	-
	मरम्मत एवं अनुरक्षण		-	-
	जनरल स्टोर का स्टाक		-	-
	विद्युत स्टोर का स्टाक		-	-
	तैयार सामान का स्टाक		-	-
	फिटिंग सामग्री का स्टाक		-	-
	रोगी मेस का स्टाक		-	-
	अस्पताल सामग्री का स्टाक		-	-
	औषधि का स्टाक		-	-
	मुद्रण व स्टेशनरी कंप्युटर स्टशनरी के साथ		-	-
	टूल्स का स्टाक		-	-
	कंपोनेंट का स्टाक		-	-
	स्टोर्स व्यवहृत		-	-
	ट्रेनिं व्यय		-	-
	वाहन चलाने में व्यय		-	-
	अन्य प्रशासनिक खर्च		-	-
	विज्ञापन खर्च	21,58,184.00	21,58,184.00	6,40,433.00
	आडिट फि	2,06,500.00	2,06,500.00	93,350.00
	परामर्श प्रभार	89,460.00	89,460.00	50,600.00
	मानदेय	-	-	3,11,300.00
	अन्य लघूटी भत्ता	2,43,558.00	2,43,558.00	-
	आतिथ्य खर्च			2,435.00
	कानूनी खर्च	6,17,576.00	6,17,576.00	3,73,315.00
	फीस एवं सबस्क्रिप्शन	51,920.00	51,920.00	6,38,472.00
	ई.सी. बैंक खर्च	5,16,861.00	5,16,861.00	9,940.00
	दर/कर/बीमा	3,18,324.00	3,18,324.00	3,06,347.00
	यात्रा खर्च	21,68,930.00	21,68,930.00	15,99,496.00
	विद्युत एवं शक्ति		-	-
	विद्युत खर्च	58,66,827.00	58,66,827.00	55,72,613.00
	जेनरेटर चलन खर्च	4,67,379.00	4,67,379.00	3,07,545.00

ह./-
(पी. के. साहु)
प्रभारी लेखा अधिकारी

ह./-
(डॉ. एस.पी. दास)
निदेशक

स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
ओलटपुर, पोस्ट-बाइरोइ जिला-कटक - ७५४०१० (ओड़िशा)

क्र.	विवरण	राशि	कुल	पूर्व वर्ष
	प्रशिक्षण, संगोष्ठि, कार्यशाला पर खर्च		-	-
	सुगम्य भारत अभियान के तहत कार्यशाला	-	-	-
	कैम्प खर्च	16,46,842.00	16,46,842.00	19,475.00
	सेंटर चार्जेस	13,600.00	13,600.00	4,700.00
	कैम्पस एंट्रांस टेस्ट	23,97,532.00	23,97,532.00	25,14,622.00
	सम्मेलन एवं संगोष्ठी	17,040.00	17,040.00	40,367.00
	परिषद बैठक खर्च	64,368.00	64,368.00	78,553.00
	प्रदर्शनी खर्च	48,440.00	48,440.00	52,835.00
	हिन्दी कार्यक्रम खर्च	95,670.00	95,670.00	1,09,612.00
	IAAT-NC 2018	2,72,261.00	2,72,261.00	
	AIAPMR Mid Term CME-2017	-	-	4,03,139.00
	जन शक्ति विकास खर्च	3,47,345.00	3,47,345.00	3,61,022.00
	अनुसंधान खर्च	3,420.00	3,420.00	90,000.00
	अल्पावधी अभिमुखीकरण पाठ्यक्रम पर खर्च	1,19,485.00	1,19,485.00	78,738.00
	व्यवसायिक प्रशिक्षण खर्च	3,48,244.00	3,48,244.00	2,57,098.00
	व्यवसायिक प्रशिक्षण खर्च एस.सी	-	-	-
	प्रशिक्षण खर्च		-	-
	पाठ्यक्रम शुल्क एस.सी	-	-	-
	पाठ्यक्रम शुल्क एस.टी	-	-	-
	डी.एन.बी. स्टाइपेंड	26,39,230.00	26,39,230.00	18,81,009.00
	पी.जी. स्टाइपेंड	67,86,906.00	67,86,906.00	61,77,787.00
	पी.जी. स्टाइपेंड एस.सी	13,27,742.00	13,27,742.00	11,82,757.00
	पी.जी. स्टाइपेंड एस.टी	4,18,398.00	4,18,398.00	3,00,533.00
	स्टाइपेंड	49,11,089.00	49,11,089.00	49,73,336.00
	स्टाइपेंड एस.सी	3,85,273.00	3,85,273.00	4,49,954.00
	स्टाइपेंड एस.टी	1,46,817.00	1,46,817.00	1,14,881.00
	अध्यापन मानदेय	4,87,420.00	4,87,420.00	3,68,350.00
	प्रशिक्षण खर्च	26,55,973.00	26,55,973.00	24,78,650.00
	अन्य खर्च		-	-

ह./-
(पी. के. साहु)
प्रभारी लेखा अधिकारी

ह./-
(डॉ. एस.पी. दास)
निदेशक

स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
ओलटपुर, पोस्ट-बाइरोइ जिला-कटक - ७५४०१० (ओड़िशा)

क्र.	विवरण	राशि	कुल	पूर्व वर्ष
	बैंक प्रभार	81,374.00	81,374.00	93,720.14
	भुवनेश्वर केंद्र	1,64,090.00	1,64,090.00	93,208.00
	कंजरवेंसी एक्सपेन्सेस	73,26,763.00	73,26,763.00	94,36,270.00
	कटक केंद्र	1,67,290.00	1,67,290.00	1,04,249.00
	ढेंकानाल केंद्र	3,77,352.00	3,77,352.00	2,68,861.00
	डॉक्टर फीस	4,51,000.00	4,51,000.00	4,85,500.00
	सी.पी.एफ. के लिए एंप्लोयर्स कंट्रिब्यूशन	31,360.00	31,360.00	45,890.00
	डी.ए.पी.एस. के लिए नियोक्ता अंशदान	16,10,509.00	16,10,509.00	17,76,758.00
	स्वतंत्रता दिवस	1,00,868.00	1,00,868.00	-
	अंतराष्ट्रीय योगा दिवस	14,800.00	14,800.00	-
	स्थापना दिवस खर्च	3,345.00	3,345.00	
	मैत्री कार्यक्रम	3,37,378.00	3,37,378.00	2,81,459.00
	समाचार पत्र एवं पत्रिका	1,95,450.00	1,95,450.00	67,540.00
	एन.एस.डी.एल प्रभार	2,965.00	2,965.00	3,338.00
	अन्य विविध खर्च	2,42,927.00	2,42,927.00	3,41,094.00
	रोगी अनुरक्षण	7,02,016.00	7,02,016.00	6,95,893.00
	रोगी पेय खर्च	28,24,488.00	28,24,488.00	29,03,143.00
	भर्ती खर्च	13,03,514.00	13,03,514.00	3,88,173.00
	सुरक्षा खर्च	86,02,962.00	86,02,962.00	71,52,512.00
	उप-केंद्र नुआपड़ा	7,12,980.00	7,12,980.00	-
	स्वच्छ भारत खर्च	66,990.00	66,990.00	51,200.00
	सी.आर.सी. राजनंदगांव, छत्तीसगढ		-	-
	सी.आर.सी. राजनंदगांव, यात्रा खर्च	-	-	-
	सी.आर.सी. राजनंदगांव, मरम्मत एवं अनुरक्षण	-	-	-
	सी.आर.सी. राजनंदगांव, भर्ती खर्च	-	-	-
	सी.आर.सी. राजनंदगांव, वेतन एवं भत्ता	-	-	-
	सी.आर.सी. राजनंदगांव, देय वेतन	-	-	-
	सी.आर.सी. राजनंदगांव, प्रशिक्षण खर्च	-	-	-
	सी.आर.सी. राजनंदगांव, यात्रा अग्रीम	-	-	-
	सी.आर.सी. राजनंदगांव, मजूरी	-	-	-
	सटेलाइट केंद्र बलांगीर		-	-

ह./-
(पी. के. साहु)
प्रभारी लेखा अधिकारी

ह./-
(डॉ. एस.पी. दास)
निदेशक

स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
ओलटपुर, पोस्ट-बाइरोइ जिला-कटक - ७५४०१० (ओड़िशा)

क्र.	विवरण	राशि	कुल	पूर्व वर्ष
	सटेलाइट केंद्र बलांगीर सरकारी कार्य के लिए अग्रीम	5,19,500.00	5,19,500.00	1,16,023.00
	सटेलाइट केंद्र बलांगीर विद्युत खर्च	67,338.00	67,338.00	-
	सटेलाइट केंद्र बलांगीर अन्य विविध खर्च	1,01,859.00	1,01,859.00	-
	सटेलाइट केंद्र बलांगीर भर्ति खर्च	6,59,863.50	6,59,863.50	-
	सटेलाइट केंद्र बलांगीर मरम्मत एवं अनुरक्षण	2,65,005.00	2,65,005.00	-
	सटेलाइट केंद्र बलांगीर यात्रा खर्च	14,814.00	14,814.00	-
	सटेलाइट केंद्र बलांगीर मजूरी	20,44,473.00	20,44,473.00	15,25,226.00
	पोस्ट, टेलिफोन एंड कम्युनिकेशन प्रभार		-	-
	पोस्टज एंड टेलिग्राम	55,271.00	55,271.00	83,189.00
	टेलिफोन खर्च	1,48,570.00	1,48,570.00	85,735.00
	मरम्मत एवं अनुरक्षण		-	-
	ए.एम.सी. प्रभार	15,340.00	15,340.00	-
	बगिचा अनुरक्षण	877.00	877.00	-
	लिफ्ट अनुरक्षण	-	-	50,000.00
	मरम्मत एवं अनुरक्षण	35,68,344.00	35,68,344.00	25,46,311.00
	स्टोर्स व्यवहृत		-	-
	फिटिं मातेरियल्स व्यवहृत	-	-	-
	अस्पताल मातेरियल्स व्यवहृत	1,961.00	1,961.00	-
	मुद्रण एवं लेखन सामग्री व्यवहृत	2,967.00	2,967.00	-
	वाहन चलन एवं अनुरक्षण		-	-
	कनवेंस भत्ता	2,25,720.00	2,25,720.00	67,716.00
	वाहन भाड़ा प्रभार	62,25,044.00	62,25,044.00	51,78,316.00
	वाहन मरम्मत खर्च	7,115.00	7,115.00	1,64,364.00
	वाहन चलन खर्च	13,62,998.00	13,62,998.00	9,23,544.00
	Sub Total(B)	**7,84,66,134.50**	**7,84,66,134.50**	**6,67,70,484.14**

ह./-
(पी. के. साहु)
प्रभारी लेखा अधिकारी

ह./-
(डॉ. एस.पी. दास)
निदेशक

स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
ओलटपुर, पोस्ट-बाइरोइ जिला-कटक - ७५४०१० (ओड़िशा)

क्र.		विवरण	राशि	कुल	पूर्व वर्ष
II		भुगतान : निधि आधार परियोजना			
		उद्दिष्ट अक्षय निधि			
		एडिप खाता	-	-	0
		एडिप - रोगियों को टी.ए.	75,280.00	75,280.00	88,180.00
		कर्पस खाता	-	-	-
		पेंशन खाता	4,96,63,611.00	4,96,63,611.00	57428835
		प्रोविडेंट फंड खाता	-	-	-
		सी.पी.एफ. निकासी खाता	13,04,335.00	13,04,335.00	0
		डी.एन.पी.एस. टायर	35,08,332.00	35,08,332.00	3581892
		जी.पी.एफ अग्रीम (जी.पी.एफ. अक्षयनिधि)	14,53,885.00	14,53,885.00	1230178
		जी.पी.एफ आहरण खाता	2,22,59,975.00	2,22,59,975.00	24827015
		ए.जी.पी. स्किम	2,29,485.00	2,29,485.00	140394
		जी.आई.ए. नेलको सी.एस.आर.	1,35,32,551.20	1,35,32,551.20	13632595
		आ.ई.सी.एल. - सी.एस.आर	-	-	0
		मड्यूलर ओटी सी.एस.आर	-	-	2478748
		डब्ल्यू.आई.पी. एनेक्सड बिल्डिंग	-	-	16466969
		पी.टी. उपकरण सी.एस.आर	-	-	0
		सोपडा	-	-	0
		व्यावसायिक प्रशिक्षण खर्च - सीपड़ा	5,31,66,000.00	5,31,66,000.00	0
		एन.सी.एल. सी.एस.आर रांची वाहन	11,19,331.00	11,19,331.00	
		सी.आर.सी. रांची			
		जी.आइ.ए. सी.आर.सी. रांची	36,75,000.00	36,75,000.00	
		सी.आर.सी. रांची अन्य सह्य खर्च	6,59,863.50	6,59,863.50	
		सी.आर.सी. गौहटी	-	-	0
		सी.आर.सी. गौहटी के अदा किए गए दावे	-	-	25500000
		सी.आर.सी. से प्राप्त दावे	70,00,000.00	70,00,000.00	10000000
		Sub Total(C)	**15,78,47,648.70**	**15,78,47,648.70**	**15,53,54,806.00**
III		निवेश एवं जमा			
	a)	उद्दिष्ट एवं अक्षयनिधि :			
		बैंक में निवेश	3,50,00,000.00	3,50,00,000.00	2,30,00,000.00
			3,50,00,000.00	**3,50,00,000.00**	**2,30,00,000.00**
	b)	अपनी निधि से		-	-
		Sub Total(D)	**3,50,00,000.00**	**3,50,00,000.00**	**2,30,00,000.00**

ह./-
(पी. के. साहु)
प्रभारी लेखा अधिकारी

ह./-
(डॉ. एस.पी. दास)
निदेशक

स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
ओलटपुर, पोस्ट-बाइरोइ जिला-कटक - ७५४०१० (ओड़िशा)

क्र.		विवरण	राशि	कुल	पूर्व वर्ष
IV		व्यय : स्थायी परिसंपत्ति व पूंजी डब्ल्यू आइ पी			
	a)	क्रय / स्थायी परिसंपत्ति निर्माण			
		वैद्युतिक उपकरण एंड मशीनरी/ प्लांट मशीनरी		-	-
		पी.टी. केंद्र भुवनेश्वर की परिसंपत्ति			
		पी.टी. केंद्र भुवनेश्वर में कार्यालय उपकरण	-	-	-
		भवन		-	-
		आहार केन्द्र भवन	-	-	-
		कंप्यूटर पेरिफेरल्स		-	-
		बायोमेट्रिक आनुषंगीक	-	-	-
		कंप्यूटर	5,43,559.00	5,43,559.00	3,20,252.00
		अ.जा./अ.ज.जा. छात्रों के लिए लेपटॉप	-	-	-
		ई-जर्नल सॉफ्टवेयर	14,35,032.00	14,35,032.00	
		ई-अस्पताल सॉफ्टवेयर	1,17,040.00	1,17,040.00	1,22,214.00
		एन.आई.सी. ई-काउंसेलिंग मॉडेल प्रगति पर	-	-	6,45,769.00
		फर्निचर एंड फिक्सचर		-	-
		फर्निचर एंड फिक्सचर	7,62,854.00	7,62,854.00	22,96,368.00
		अस्पताल फर्निचर	-	-	2,30,100.00
		एस.सी.बी. मेडिकल कॉलेज परिसंपत्ति	-	-	68,100.00
		लाइब्रेरी बुक्स		-	-
		लाइब्रेरी बुक्स	6,17,842.00	6,17,842.00	33,076.00
		प्लांट मशिनरी एवं उपकरण		-	-
		आडियो विजुअल उपकरण	-	-	13,022.00
		सी. सी.टी.वी.	-	-	7,69,669.00
		जेनेरेटर	-	-	17,28,300.00
		प्रशिक्षण उपकरण	2,70,12,568.00	2,70,12,568.00	10,79,812.00
		ओ.टी. उपकरण	6,66,750.00	6,66,750.00	
		मनोविज्ञान उपकरण	3,65,949.00	3,65,949.00	
		व्यावसायिक प्रशिक्षण उपकरण	54,423.00	54,423.00	
		वैद्युतिक उपकरण एंड मशीनरी	1,15,810.00	1,15,810.00	2,65,460.00
		वाक् एवं श्रवण उपकरण	1,15,440.00	1,15,440.00	-
		अस्पताल उपकरण	5,65,744.00	5,65,744.00	64,80,171.00
		कार्यालय उपकरण	5,22,510.00	5,22,510.00	3,50,405.00
		फिजिओथेरेपी उपकरण	46,44,600.00	46,44,600.00	15,18,103.00
		यूटीलीटि एंड सर्विस उपकरण	8,85,337.00	8,85,337.00	3,29,375.00
		सी.आर.सी. राजनंदगाव की परिसंपत्ति			
		सी.आर.सी. राजनंदगाव पी एन्ड ओ उपकरण	-	-	-
		सी.आर.सी. राजनंदगाव कंप्यूटर	-	-	-

ह./-
(पी. के. साहु)
प्रभारी लेखा अधिकारी

ह./-
(डॉ. एस.पी. दास)
निदेशक

क्र.			विवरण	राशि	कुल	पूर्व वर्ष
			सी.आर.सी. राजनंदगांव वैद्युतिक मेशिनरी	-	-	-
			सी.आर.सी. राजनंदगांव फर्निचर एंड फिक्सर	-	-	-
			सी.आर.सी. राजनंदगांव साईकोलॉजी उपकरण	-	-	-
			सेटेलाइट केंद्र बलागीर की परिसंपत्ति		-	-
			सेटेलाइट केंद्र बलागीर ए.सी	-	-	-
			सेटेलाइट केंद्र बलागीर फर्निचर एंड फिक्सर	4,93,228.00	4,93,228.00	-
			सेटेलाइट केंद्र बलागीर की पी. एंड ओ. उपकरण	1,47,600.00	1,47,600.00	-
			सेटेलाइट केंद्र बलागीर पी.टी. उपकरण	1,33,500.00	1,33,500.00	-
				3,93,99,786.00	**3,93,99,786.00**	**1,62,46,196.00**
		b)	**पूंजी कार्य - प्रगति में :**			
			पूंजी कार्य - प्रगति में :	10,00,000.00	10,00,000.00	4,23,34,440.00
			Sub Total(E)	**4,03,99,786.00**	**4,03,99,786.00**	**5,85,80,636.00**
	V		**अन्य भुगतान :**			
			सरकारी कार्य के लिए अग्रिम		-	0
			कंट्राक्टर को अग्रिम		-	-
			एस.सी.बी. के लिए अग्रिम		-	-
			एसीपी एलिमको भुवनेश्वर के लिए अग्रिम		-	-
			विश्वविद्यालय देय के लिए अग्रिम		-	-
			कर्मचारी कल्याण		-	-
			सी.आर.सी. गुहाटी		-	-
			स्टाफ परिवहन खाता		-	-
			अन्य पार्टियों को अग्रीम		-	-
			सी.आर.सी. राजनंदगांव, एस./क्रेडिटर		-	-
			साख स्टाइपेंड ऋण		-	-
			सप्लायर को अग्रीम		-	-
			सेटेलाइट केंद्र बलागीर को परिसंपत्ति		-	-

ह./-
(पी. के. साहु)
प्रभारी लेखा अधिकारी

ह./-
(डॉ. एस.पी. दास)
निदेशक

स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
ओलटपुर, पोस्ट-बाइरोइ जिला-कटक - ७५४०१० (ओड़िशा)

क्र.	विवरण	राशि	कुल	पूर्व वर्ष
	छात्रों का कॉशन मनी		-	-
	एफ.टी. चार्जेस अग्रिम		-	-
	एच.डब्ल्यू. चार्जेस अग्रिम		-	-
	कम्प्यूटर अग्रिम		-	-
	मुख्य मंत्री सहायता फंड		-	-
	कर्मचारी बाह्य ऋण		-	-
	पर्व अग्रिम		-	-
	जी.आई.एस.		-	-
	जी.पी.एफ. खाता		-	-
	गृह निर्माण अग्रिम		-	-
	आ.ई.सी.एल.-सी.एस.आर.		-	-
	आयकर - ठेकेदार		-	-
	आयकर - वेतन		-	-
	स्टाफ को अन्य अग्रिम		-	-
	अग्रिम वेतन		-	-
	दावे प्राप्य		-	-
	सिक्योरिटी जमा		-	-
	प्रोफेशनल कर		-	-
	वेतन जमा योजना		-	-
	स्कूटर एवं मोटर साइकल अग्रिम		-	-
	अन्य संड्री क्रेडिटर्स		-	-
	गुड्स - संड्री क्रेडिटर्स		-	-
	यात्रा अग्रिम		-	-
	अन्य व्यय		-	-
	अर्नेस्ट मनी जमा		-	-
	पेंशन पेबुल		-	-
	ओटो चार्जेस		-	-

ह./-
(पी. के. साहु)
प्रभारी लेखा अधिकारी

ह./-
(डॉ. एस.पी. दास)
निदेशक

स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
ओलटपुर, पोस्ट-बाइरोइ जिला-कटक - ७५४०१० (ओड़िशा)

क्र.	विवरण	राशि	कुल	पूर्व वर्ष
	एफ.टी. चार्जेस अग्रीम	88,861.00	88,861.00	50,983.00
	एल.डब्ल्यू. चार्जेस अग्रीम	4,85,175.00	4,85,175.00	2,28,370.00
	बिल्स पेबल	23,46,038.00	23,46,038.00	29,26,178.00
	बिल्स पेबल (छात्र)	13,99,640.00	13,99,640.00	25,41,218.00
	बोनस पेबल खाता	-	-	8,90,886.00
	इलिजारोव कॉशन मनी	1,20,000.00	1,20,000.00	40,000.00
	छात्रों का कॉशन मनी	30,24,500.00	30,24,500.00	26,28,500.00
	सी.एम. रिलिफ फंड	-	-	7,376.00
	क्लेम्स पेबल सी.आर.सी. राजनंदगांव	-	-	94,50,000.00
	सी.पी.एफ. निरतार	1,91,360.00	1,91,360.00	1,82,776.00
	कोर्स फी एन.आई.ई.पी.एम.डी.	10,41,000.00	10,41,000.00	-
	इ.एम.डी.	19,71,716.00	19,71,716.00	24,41,246.00
	डी.एन.पी.एस.के लिए कर्मचारियों से कटौति	16,10,509.00	16,10,509.00	17,76,756.00
	कर्मचारी बाह्य ऋण	90,98,416.00	90,98,416.00	98,89,714.00
	जी.आई.एस. (एल.आई.सी. भुवनेश्वर)	7,83,290.00	7,83,290.00	9,36,943.00
	जी.पी.एफ.	2,95,75,742.00	2,95,75,742.00	2,66,59,394.00
	बाह्य स्टइपेंड ऋण	30,030.00	30,030.00	-
	स्व उपार्जित निधी	3,63,50,000.00	3,63,50,000.00	6,18,70,808.00
	पेंशन पेबल खाता	31,17,310.00	31,17,310.00	24,60,256.00
	प्रोफेशनल कर	3,64,175.00	3,64,175.00	3,83,125.00
	वेतन पेबल	7,20,56,721.00	7,20,56,721.00	9,00,40,055.00
	वेतन बचत योजना	45,25,717.00	45,25,717.00	44,47,655.00
	सुरक्षा जमा	3,62,484.00	3,62,484.00	6,87,544.00
	गुलस - संड्री क्रेडिटर्स	-	-	-
	अन्य संड्री क्रेडिटर्स	87,08,871.00	87,08,871.00	1,28,56,516.00
	टी डी एस (कंट्राक्टर)	17,24,947.00	17,24,947.00	9,47,281.00
	टी डी एस (जी.एस.टी.))	4,56,475.00	4,56,475.00	
	टी डी एस (वेतन)	95,06,303.00	95,06,303.00	1,22,06,042.00
	चालु परिसंपत्ति		-	-
	ए.पी.सी. एलिम्को अग्रीम	53,62,193.00	53,62,193.00	61,04,247.00

ह./-
(पी. के. साहु)
प्रभारी लेखा अधिकारी

ह./-
(डॉ. एस.पी. दास)
निदेशक

स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
ओलटपुर, पोस्ट-बाइरोइ जिला-कटक - ७५४०१० (ओड़िशा)

क्र.	विवरण	राशि	कुल	पूर्व वर्ष
	एस.सी.बी अस्पताल कॉलेज अग्रीम	90,000.00	90,000.00	75,000.00
	क्लेम्स रिसिवेबल एंप्लिकी	-	-	91,400.00
	क्लेम्स रिसिवेबल सी.आर.सी. राजनंदगांव	31,00,000.00	31,00,000.00	23,50,000.00
	आय रिसिवेबल सेंटर से	-	-	5.00
	कार्यालय कार्य अग्रीम सी.आर.सी. राजनंदगांव	-	-	-
	कंपोनेंटस का स्टक	11,43,072.00	11,43,072.00	33,10,492.00
	लेपटॉप का स्टक	-	-	18,95,520.00
	ऋण एवं अग्रीम (अन्य)		-	-
	कार्यालय कार्य अग्रीम	21,16,009.00	21,16,009.00	29,03,676.00
	विश्वविद्यालय जमा अग्रीम	3,00,000.00	3,00,000.00	1,90,000.00
	सी.पी.डब्ल्यू.डी को अग्रीम	89,98,103.00	89,98,103.00	26,76,732.00
	वकील को अग्रीम	-	-	-
	अन्य पार्टियों को अग्रीम	97,460.00	97,460.00	-
	कंट्राक्टर एस.पी. को अग्रीम	-	-	3,10,716.00
	सप्लायर्स को अग्रीम	2,31,79,758.00	2,31,79,758.00	10,130.00
	यात्रा अग्रीम	14,87,160.00	14,87,160.00	8,78,091.00
	लूज टूल्स		-	-
	लूज टूल्स स्टक	2,26,504.00	2,26,504.00	79,690.00
	स्टार एंड स्पेयर्स		-	-
	विद्युत स्टोर का स्टक	6,69,777.00	6,69,777.00	4,85,006.00
	फिनिसड गुड्स का स्टक	47,800.00	47,800.00	-
	फिटिंग मार्टीरियल्स का स्टक	19,43,275.00	19,43,275.00	25,21,132.00
	जेनरल स्टोर का स्टक	18,02,288.00	18,02,288.00	16,95,524.00
	अस्पताल मेटेरियल्स का स्टक	33,98,238.00	33,98,238.00	23,88,676.00
	मेडिसिन का स्टक	15,65,792.00	15,65,792.00	9,47,731.00
	पैशेंट मेस का स्टक	-	-	7,956.00
	मुद्रण एवं स्टेशनरी का स्टक	15,87,591.00	15,87,591.00	11,84,030.00
	ऋण एवं अग्रीम (स्टाफ)		-	-
	कंप्यूटर अग्रीम	-	-	1,50,000.00
	गृह निर्माण अग्रीम	11,56,000.00	11,56,000.00	11,56,000.00
	पर्व अग्रीम	-	-	-
	एल.टी.सी अग्रीम	11,22,139.00	11,22,139.00	10,19,632.00
	स्टाफ को अन्य अग्रीम	5,00,116.00	5,00,116.00	4,81,500.00
	वेतन अग्रीम	3,000.00	3,000.00	2,125.00

ह./-
(पी. के. साहु)
प्रभारी लेखा अधिकारी

ह./-
(डॉ. एस.पी. दास)
निदेशक

स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
ओलटपुर, पोस्ट-बाइरोइ जिला-कटक - ७५४०१० (ओड़िशा)

क्र.			विवरण	राशि	कुल	पूर्व वर्ष
			इनडाइरेक्ट इनकम्स		-	-
			एकाडमीक सर्विसेस		-	-
			कोर्स फि	32,150.00	32,150.00	-
			हॉस्टल फि	1,35,794.00	1,35,794.00	1,200.00
			अस्पताल सर्विसेस		-	-
			डॉर्मिटोरी चार्जेस	36,880.00	36,880.00	32,520.00
			अपरेसन चार्जेस	1,25,800.00	1,25,800.00	98,000.00
			पैथो चार्जेस	-	-	250.00
			फिजिओथेरापी चार्जेस	7,900.00	7,900.00	800.00
			पीआपी चार्जेस	1,850.00	1,850.00	1,670.00
			एक्स - रे चार्जेस	180.00	180.00	780.00
			एसटेनशन सेंटर सर्विस चार्जेस		-	-
			ढेंकनाल सेंटर सर्विस चार्जेस	-	-	13,879.00
			ब्याज से आय			
			स्टाफ से वसुल किया गया ब्याज	22,179.00	22,179.00	-
			अन्य आय		-	-
			फुटकर आय	1,462.00	1,462.00	300.00
			सिधा आय	4,50,00,000.00	4,50,00,000.00	
			Sub Total(F)	**29,41,88,772.00**	**29,41,88,772.00**	**27,96,01,929.00**
	VI		अंतिम शेष			
		a)	हाथ में नगद : गैर योजना खाता		-	-
			इंप्रेस्ट खाता (निरंतर)	5,801.00	5,801.00	10,601.00
			हाथ में डाक टिकट	26,218.00	26,218.00	38,163.00
				32,019.00	***32,019.00***	***48,764.00***
		b)	बैंक में नगद			
		(i)	बचत खाता -			
			इंडियन बैंक खाता नं 4832 (एडिप)	2,47,28,618.80	2,47,28,618.80	41,97,794.80
			इंडियन बैंक खाता नं 4953 (कार्पस फंड)	3,71,19,226.12	3,71,19,226.12	5,02,56,246.12
			इंडियन बैंक खाता नं 8196 (सी आर सी)	80,904.00	80,904.00	77,696.00
			इंडियन बैंक आर ई सी एल सी एस आर	5,71,925.00	5,71,925.00	4,68,025.00
			इंडियन बैंक खाता नं- 6642033556 (एन बी एल डी डब्लू आर)	3,96,274.00	3,96,274.00	2,20,464.00
			इंडियन बैंक खाता नं-6614414219 (कापार्ट सी एस आर)	4,68,596.20	4,68,596.20	1,36,32,595.00
			इंडियन बैंक एस आई पी डी ए खाता	37,19,069.00	37,19,069.00	2,256.00
			इंडियन बैंक खाता नं 1701 (गैर योजना)	6,10,60,062.62	6,10,60,062.62	4,73,21,343.93
			इंडियन बैंक खाता नं 5624 (योजना)	69,36,277.39	69,36,277.39	21,92,208.39
			इंडियन बैंक खाता नं 1934 (जी पी एफ)	13,26,431.48	13,26,431.48	57,70,602.48
				13,64,07,384.61	***13,64,07,384.61***	***12,41,39,230.72***

ह./-
(पी. के. साहु)
प्रभारी लेखा अधिकारी

ह./-
(डॉ. एस.पी. दास)
निदेशक

क्र.			विवरण	राशि	कुल	पूर्व वर्ष
		(ii)	चालू खाता :			
			भारतीय स्टेट बैंक खाता नं . सी एंड आई 50160	15,77,38,917.91	15,77,38,917.91	5,36,34,365.91
				15,77,38,917.91	***15,77,38,917.91***	***5,36,34,365.91***
		(iii)	जमा खाता :			
			इंडियन बैंक, ओलटपुर (एफडीआर / यूडीएस)	1,00,00,000.00	1,00,00,000.00	-
				1,00,00,000.00	**1,00,00,000.00**	-
			Sub Total(G)	**30,41,78,321.52**	**30,41,78,321.52**	**17,78,22,360.63**
GRAND TOTAL (A+B+C+D+E+F+G)				**98,00,46,908.03**	**98,00,46,908.03**	**78,87,65,407.77**

ह./-
(पी. के. साहु)
प्रभारी लेखा अधिकारी

ह./-
(डॉ. एस.पी. दास)
निदेशक

स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
ओलटपुर, पोस्ट-बाइरोइ जिला-कटक - ७५४०१० (ओड़िशा)

प्राप्ति एवं भुगतान लेखा का अनुलग्नक

प्राप्तियां	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	भुगतान	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
आरंभिक शेष			अंतिम शेष		
[illegible]	16,823.00	16,300.00	[illegible]	-	16,823.00
[illegible]	20,36,248.61	11,41,650.61	[illegible]	24,69,164.51	20,36,248.61
[illegible]	6,230.96	6,007.96	[illegible]	6,450.96	6,230.96
[illegible]	1,14,733.46	1,14,363.46	[illegible]		1,14,733.46
[illegible]	1,10,44,686.60	1,40,04,380.14	[illegible]	1,02,27,335.40	1,10,44,686.60
[illegible]	2,72,095.90	-	[illegible]	3,07,864.90	2,72,095.90
कुल	1,34,54,515.71	1,52,82,882.26	कुल	1,30,10,863.86	1,34,54,515.71
			आरंभिक नकद शेष से		
आरंभिक नकद शेष से			[illegible]	27.00	27.00
[illegible]	27.00	27.00	[illegible]	29,285.00	27,805.00
[illegible]	27,805.00	35,405.00	कुल	29,312.00	27,832.00
कुल	27,832.00	35,432.00	स्थापना खर्च		
			[illegible]	1,17,63,985.00	1,04,85,210.00
			[illegible]	16,46,729.00	9,92,523.00
[illegible]			[illegible]	-	49,540.00
[illegible]	135.00	623.00	[illegible]	3,41,100.00	3,00,985.00
[illegible]	70,065.00	41,133.00	[illegible]	31,838.00	1,515.00
[illegible]	220.00	223.00	[illegible]	71,950.00	1,53,076.00
[illegible]	915.35	4,370.00	कुल	1,38,55,402.00	1,19,69,881.00
[illegible]	3,79,697.00	6,38,650.00	प्रशासनिक खर्च		
[illegible]	9,477.00	17,524.00	[illegible]	9,216.30	4,106.40
कुल	4,60,539.35	7,02,323.00	[illegible]	-	12,251.00
अन्य प्राप्ति			[illegible]	96,048.00	2,35,188.00
[illegible]	3,025.00	21,090.00	[illegible]	4,485.00	4,484.00
[illegible]	2,360.00	12,635.00	[illegible]	2,667.00	6,567.00
[illegible]	800.00	4,440.00	[illegible]	-	-
[illegible]	7,260.00	46,106.00	[illegible]	2,09,652.00	1,11,956.00
[illegible]	50,000.00	72,100.00	[illegible]	10,850.00	1,73,021.00
[illegible]	70,000.00	72,100.00	[illegible]	43,987.00	31,480.00
[illegible]	5,500.00	2,100.00	[illegible]	8,15,271.00	8,23,427.00
[illegible]	5,225.00	26,380.00	[illegible]	9,560.00	62,321.00
[illegible]	3,280.00	12,480.00	[illegible]	1,30,006.00	85,487.00
[illegible]	8,20,300.00	4,20,000.00	[illegible]	12,800.00	-
[illegible]	7,70,200.00	2,04,000.00	[illegible]	6,49,335.00	5,67,501.00
	18,45,830.00	9,92,410.00	[illegible]	55,460.00	1,43,000.00
			[illegible]	-	320.00
			[illegible]	-	17,543.00
			[illegible]	4,000.00	75,567.00

ह./-
(पी. के. साहु)
प्रभारी लेखा अधिकारी

ह./-
(डॉ. एस.पी. दास)
निदेशक

स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
ओलटपुर, पोस्ट-बाइरोइ जिला-कटक - ७५४०१० (ओड़िशा)

प्राप्त अनुदान		
वेतन के लिए अनुदान	1,18,60,000.00	1,08,00,000.00
वेतन के अतिरिक्त के लिए अनुदान	64,25,000.00	37,00,000.00
[illegible] के लिए अनुदान	50,00,000.00	1,10,00,000.00
कुल	**2,33,75,000.00**	**2,55,00,000.00**
प्रतिदेय जमा		
[illegible]	1,45,000.00	-
[illegible]	1,88,796.00	-
प्रतिभूति जमा	17,850.00	-
सी.एम.एल.एस.	50,000.00	-
कुल	**4,17,646.00**	-
अन्य प्राप्तियां		
सी.पी.एफ./एन.पी.एस.		6,30,466.00
जी.एस.एल.आई	-	(23,808.00)
[illegible]	-	73,88,790.00
[illegible]	-	10,412.00
Caution money (BASLP)	-	1,15,000.00
[illegible]	-	39,196.00
Caution money Bed HI	-	85,000.00
[illegible]	24,000.00	-
ओ.पी.डी.	54,121.00	-
[illegible]	-	-
[illegible]	18,399.30	-
Income from Workshop/Seminar etc	22,146.00	-
Skill Development Tr. Prog	26,122.00	
कुल	**1,44,898.30**	**32,43,986.00**
परीक्षा शुल्क		
[illegible] 16-17	4,18,600.00	
[illegible] 15-16	1,45,600.00	
[illegible] 17-18	3,64,000.00	
कुल	**9,28,200.00**	
[illegible]	1,21,800.00	
[illegible] 1/18	2,07,600.00	
[illegible] 18-19	4,40,800.00	
कुल	**7,70,200.00**	

[illegible]	-	81,742.00
[illegible]	2,41,024.00	8,400.00
[illegible]	-	35.10
विद्युत प्रभार	2,75,269.00	3,33,613.00
कुल	27,25,472.50	27,85,888.55
[illegible] पूंजीगत व्यय		
[illegible]	3,47,760.00	2,44,960.00
[illegible]	8,97,431.00	1,82,980.00
[illegible]	-	880.00
[illegible]	8,200.00	2,67,300.00
[illegible]	9,38,378.00	-
कुल	22,10,779.00	6,98,070.00
[illegible] अग्रिम		
[illegible] अग्रिम	-	80,00,000.00
[illegible] कार्य के लिए अग्रिम	3,37,352.00	1,40,000.00
[illegible] कार्य के लिए अग्रिम	-	17,77,890.00
[illegible]	2,10,900.00	3,000.00
[illegible]	3,16,324.00	9,332.00
[illegible]	-	10,000.00
[illegible]	18,000.00	22,000.00
[illegible]	5,83,000.00	3,45,000.00
कुल	11,81,576.00	1,03,07,222.00
पूर्व निर्धारित / [illegible] निधि		
[illegible]	37,793.00	-
[illegible]	2,25,020.00	-
[illegible]	-	-
[illegible]		8,38,316.00
[illegible]	18,47,803.00	-
[illegible]	20,42,052.00	16,18,738.00
[illegible]	5,30,971.00	9,71,864.00
	44,71,128.00	34,28,918.00
अन्य भुगतान		
[illegible]		8,56,230.00
[illegible]	800.00	-
[illegible]	-	1,11,486.00
[illegible]	1,81,985.00	-

ह./-
(पी. के. साहु)
प्रभारी लेखा अधिकारी

ह./-
(डॉ. एस.पी. दास)
निदेशक

स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
ओलटपुर, पोस्ट-बाइरोइ जिला-कटक - ७५४०१० (ओड़िशा)

उत्तर-पूर्व गतिविधि के लिए परिव्यय		
(A) प्राप्त अनुदान	70,00,000.00	
उत्तर-पूर्व गतिविधि		15,96,282.00
सैटेलाइट शिविर गुवाहाटी		9,10,043.00
उ.पू. जागरूकता कार्यक्रम के लिए टी.ए./डी.ए.		3,93,572.00
पुस्तकें एवं पत्रिकाएं		2,12,050.00
उत्तर-पूर्व के लिए अर्जन		53,68,816.00
सैटेलाइट के लिए [illegible]		1,66,858.00
(B)		86,47,603.00
(C) शेष (A - B)		(16,47,603.00)
सैटेलाइट शिविर	69,114.00	
सैटेलाइट शिविर गुवाहाटी-2019	8,40,929.00	
	9,10,043.00	
उ.पू. के [illegible] के लिए टी.ए./डी.ए.	2,48,272.00	
उ.पू. क्षेत्र के लिए ग्राम खर्च	1,47,300.00	
	3,93,572.00	

डॉ. [illegible]	7,856.00	5,14,798.00
[illegible]	30,812.00	-
[illegible]	-	2,08,588.00
[illegible] कुमार	10,07,269.00	18,887.00
[illegible]	1,00,816.00	15,458.00
[illegible]	-	2,00,000.00
[illegible]	-	45,800.00
[illegible]	1,08,363.00	69,335.00
[illegible] कुमार	1,36,076.00	73,371.00
[illegible]	-	6,14,304.00
[illegible]	-	14,549.00
[illegible] 24	2,42,030.00	98,988.00
[illegible]	-	3,820.00
[illegible]	833.00	-
[illegible]	54,000.00	-
[illegible]	63,101.00	-
कुल	19,94,843.00	29,41,511.00

वेतन एवं भत्ता	
जी.एस.एल.आई.	9,450.00
वेतन एवं भत्ता	1,01,51,776.00
[illegible]	10,44,209.00
[illegible]	4,66,605.00
[illegible]	74,000.00
[illegible]	17,945.00
कुल	1,17,63,985.00

प्रशिक्षण	
प्रशिक्षण खर्च	2,32,671.00
[illegible]	1,98,000.00
[illegible]	1,00,000.00
कुल	5,30,671.00

[illegible]	5,800.00
[illegible]	21,980.00
	27,780.00

ह./-
(पी. के. साहु)
प्रभारी लेखा अधिकारी

ह./-
(डॉ. एस.पी. दास)
निदेशक